3 | राजधानी
छह कुंतल मीट के साथ सात गिरफ्तार

6 | अभिमत
विमानों से वंचित हुआ आसमान

10 | स्पोर्ट्स
जब भारत पहली बार बना था एशिया कप चैंपियन

11 | विदेश
प्रतिबंधों पर ढील के लिए देशों पर बनेगा दवाब

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 175
लखनऊ, मंगलवार, 14 अप्रैल, 2020
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

लीना डनहम ने किया चमत्कार
विविध-12

www.dailypioneer.com

कहां और कितना खुलेगा लॉक देश को आज बताएंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली के कनाट प्लेस में सोमवार को लॉकडाउन के कारण पसरा सन्नाटा

● अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए सरकार द्विस्तरीय योजना पर कर रही है काम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को सुबह 10 बजे देश को संबोधित करेंगे और यह बताएंगे की सरकार कैसे देश में लॉकडाउन जारी रखेगी और उद्योग तथा व्यवसायिक गतिविधियों को खोलेगी। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा सुरक्षा मानकों के साथ अधिकांश उद्योग खोलने का प्रस्ताव दिए जाने के एक दिन बाद सड़क और भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उन जिलों में जहां पर कोरोना वायरस का प्रकोप बेहद कम है सरकार वहां सड़क निर्माण का काम शुरू करेगी क्योंकि वह एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को पुनः पटरी पर लाने की योजना बना रही है। हालांकि कोरोना वायरस से प्रभावित मामलों में थोड़ा इजाफा हुआ है लेकिन केंद्र सरकार 14 अप्रैल के प्रस्तावित लॉकडाउन के विस्तार के दौरान कुछ पाबंदियों में ढील देगी तथा अर्थव्यवस्था को उबारने की योजना पर भी काम करेगी।

मोदी सरकार कृषि मजदूरों तथा फार्म उद्योग से जुड़े कामगारों के लिए विशेष ट्रेन और बस सेवाएं शुरू करेगी। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक कोविड-19 के खतरों के मद्देनजर लॉकडाउन की अवधि में काम करने वाले मजदूरों के लिए विशेष पैकेज पर भी काम किया जा रहा है। अनिवार्य औद्योगिक सेक्टरों को यह सुनिश्चित करने के लिए खोला जाएगा कि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में कामकाज होता रहे। प्रधानमंत्री मोदी सभी मंत्रियों तथा संयुक्त सचिव से ऊपर के पदों के अधिकारियों को इस हफ्ते की शुरुआत से लॉकडाउन खत्म होने के बाद अर्थव्यवस्था को उबारने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने ट्रकों के अंतरराज्यीय आवागमन को अनुमति दी है और उड़ीसा तथा पंजाब जैसे राज्यों को कटाई, सिंचाई, बीजों और कृषि उपजों, कृषि उपकरणों को लाने ले जाने तथा कोल्ड स्टोरेज को अनुमति दी है। कुछ राज्यों में हाईवे के निर्माण को पूरी तरह से बंद से मुक्त किया जाएगा। उन जिलों को जो शहरी केंद्रों से दूर हैं तथा जहां कोविड-19 के शून्य मामले हैं उन्हें भी लॉकडाउन से मुक्त किया जा सकता है और सड़क निर्माण गतिविधियों को अनुमति दी जाएगी क्योंकि यह अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। भूतल परिवहन मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जमीनी स्तर स्थिति का आकलन करने के लिए विभिन्न राज्यों से बातचीत कर रहे हैं। कुछ राज्यों और जिलों (शेष पेज 9)

पटरी पर लौट रही गाड़ी, मंत्रियों आला अफसरों ने संभाला दफ्तर

● महामारी के मद्देनजर सामाजिक दूरी के नियमों का सख्ती से कर रहे पालन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की जाने वाली संभावित घोषणा के एक दिन पहले ही कई केन्द्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को यहां अपने-अपने कार्यालयों से काम करना शुरू कर दिया। इस कदम के तहत सरकार ने कोरोना वायरस संकट के कारण बने हालात से निपटने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। कामकाज शुरू करने वाली सभी मंत्रियों ने घर के बने फेसमास्क पहन रखे थे। दफ्तरों में उनकी उपस्थित का आशय यह संदेश देना था कि लॉकडाउन के बावजूद सरकार अर्थव्यवस्था के पहिये फिर चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने कहा कि सभी मंत्री और अधिकारियों के उनके कार्यालयों में पहले उनके शरीर का तापमान मापा गया। अधिकारियों (शेष पेज 9)

अब सिर्फ गरीबों के ही होंगे फ्री कोरोना टेस्ट

सुप्रीम कोर्ट ने बदला आठ अप्रैल का अपना फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना टेस्ट फ्री करवाने के अपने पुराने आदेश में बदलाव करते हुए अब इसे केवल गरीब लोगों तक सीमित कर दिया है। नए आदेश में सवोच्च अदालत ने कहा कि गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले और आयुष्मान भारत के मरीजों की टेस्टिंग ही मुफ्त होगी। इससे पहले आठ अप्रैल को इसी अदालत ने आदेश दिया था कि सरकारी या प्राइवेट दोनों की लैबों पर कोरोना वायरस की जांच एकदम मुफ्त की जाएगी। इस आदेश के बाद एक डॉक्टर ने अपील की थी कि इस आदेश में दोबारा विचार करना चाहिए और केवल गरीबों की ही जांच फ्री में होना चाहिए। नया आदेश पारित करते हुए सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश अशोक भूषण और न्यायाधीश एस रविंद्र भट ने यह भी कहा कि निजी लैब कोविड 19 का टेस्ट करने के शुल्क में बदलाव कर सकती हैं। जो लोग टेस्ट की कीमत वहन कर सकते हैं उनसे आईसीएमआर द्वारा प्रति टेस्ट के लिए तय रकम 4500 रुपये ले सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्रालय जरूरी दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। पीठ ने यह फैसला सरकार पर छोड़ दिया कि कोरोना टेस्ट के लिए गरीबों की कोई और श्रेणी भी बनाई जाए या नहीं। इस संबंध में डॉ. कौशल कांत मिश्रा ने याचिका (शेष पेज 9)

राममंदिर शिलान्यास के लिए भक्तों को अभी और करना पड़ सकता है इंतजार

● वैश्विक महामारी कोरोना के कारण टल सकती है शिलान्यास की तिथि

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

वैश्विक महामारी कोरोना के कारण श्रीराम के भक्तों को अपने आराध्य श्रीराम लला के जन्म स्थान पर भव्य मंदिर निर्माण के शिलान्यास के लिए अभी और करना पड़ सकता है इंतजार। ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या पहुंचकर श्रीराम लला का दर्शन कर उनके भव्य मंदिर निर्माण के लिए जन्म स्थान पर भूमि पूजन करेंगे। लेकिन पूरे विश्व में कोरोना महामारी के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए है। इसलिए संभावित तिथि 30 अप्रैल को भूमि पूजन टलता हुआ दिखाई पड़ रहा है। यही कारण है कि अपने आराध्य के भव्य मंदिर निर्माण के लिए रामलला के भक्तों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया की रामनवमी के बाद अयोध्या में 4 अप्रैल को ट्रस्ट के पदाधिकारियों की बैठक होनी थी। उसी में 30 अप्रैल की तारीख निश्चित होनी थी। लेकिन कोरोना महामारी के चलते यह बैठक नहीं हो सकी और संभावित तिथि पर रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन की संभावना भी क्षीण होती नजर आ रही है। उन्होंने बताया की किसी भवन मंदिर का उद्घाटन ऑनलाइन किया जा सकता है लेकिन भूमि पूजन के लिए व्यक्ति की उपस्थिति अनिवार्य होती है। ऐसे में जब पूरे देश में (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	30,690	⇩	470
निफ्टी	8,994	⇩	118
सोना			/10g
चांदी			/kg

क्विक न्यूज

आतंकवादी हमले में एक एसपीओ शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक सुदूरवर्ती गांव मे सोमवार को संदिग्ध आतंकवादियों ने हमला कर एकविशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) की हत्या कर दी तथा उनके एक सहकर्मी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। आतंकी हमला करने के बाद दोनो की सर्विस राइफल लेकर भाग गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना दक्षिण प्रखंड के ऊंचाई पर स्थित तांडर गांव मे दोपहर 1.30 बजे घटी जब दोनो अधिकारियो पर गश्त के दौरान कुल्हाड़ियों से हमला किया गया। अधिकारी ने बताया कि एसपीओ बासित इक्बाल की मौत हो गई वही एसपीओ विशाल सिंह मौत से लड़ रहे है और उनकी हालत गंभीर बताई जाती है। घायल एसपीओ को इलाज के लिए हवाई मार्ग से जम्मू लाया गया। अधिकारी ने बताया, दो हमलावरो की पहचान आशिक हुसैन और बशारत हुसैन के तौर पर की गई है। आशिक हुसैन बलात्कार के एक मामले मे आरोपी है और उसे किश्तवाड़ के केंद्रीय कारागार से करीब बीस दिन पहले ही जमानत पर छोड़ा गया था। दोनो स्थानीय नागरिक है।

भारत ने पाकिस्तान को कड़ा वक्तव्य जारी किया

नई दिल्ली। भारत ने जम्मू कश्मीर के केरन सेक्टर मे नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी सैनिको द्वारा संघर्ष विराम के उल्लंघन में तीन आम नागरिको की मौत पर पाकिस्तान को कड़ा वक्तव्य जारी किया। पाकिस्तानी सुरक्षा बलो ने बिना किसी उकसावे के संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिससे एक नाबालिग सहित तीन लोगो की मौत हो गई। तीन बेगुनाह भारतीय नागरिको की मौत पर पाकिस्तान को औपचारिक रूप से कड़ा वक्तव्य जारी किया गया। यहां पाकिस्तान उच्चायोग में एक शीर्ष राजनयिक को यह वक्तव्य जारी किया गया। इस्लामाबाद मे पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने भारतीय मिशन के प्रभारी गौरव अहलूवालिया को तलब किया और विरोध दर्ज कराते हुए दावा किया कि भारत ने ही रविवार को धुदनियाल, राखचिकरी, चिरिकोट और बरोह सेक्टरो में संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।

लखनऊ में नौ और मरीज कोरोना पॉजिटिव मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सोमवार को राजधानी लखनऊ में 9 मरीज कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए हैं। इनमे एक महिला सहित 8 पुरुष शामिल हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों में 3 जमाती, पांच सदर क्षेत्र के पूर्व में आए पॉजिटिव केसों के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। वहीं एक नया गांव पश्चिम नजीराबाद का है। सोमवार को सीएमओ के निर्देश पर पाटानाला, राजा बाजार, चौक, क्रिश्चियन कॉलेज आदि क्षेत्रों में संक्रमण से मुक्ति के लिए 3 सदस्यीय 176 टीमों एवं 70 सुपरवाइजर द्वारा कार्य किया गया। प्रत्येक टीम में एक स्वास्थ्य विभाग से एक पुलिस विभाग से तथा एक प्रशासन से लोग है। टीम ने घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया। टीम द्वारा कुल 7318 घरों का भ्रमण किया गया तथा 35655 जनसंख्या को आच्छादित किया। वहीं सोमवार को कोरोना वायरस की चपेट में प्रदेश के 43 जिले आ गए हैं। प्रदेश में अभी तक कुल 558 मरीजों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनमे आज 75 कोरोना वायरस के मरीज अलग-अलग जिलों में पाए गए हैं। पाए गए मरीजों में से 35 का सम्बंध तब्लीगी जमात से बताया जा रहा है।

पूल टेस्टिंग करने वाला देश का पहला राज्य होगा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। कोरोना पॉजिटिव मरीजों का पता लगाने के लिए प्रदेश में मंगलवार से पूल टेस्टिंग शुरू हो जाएगी। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में आईसीएमआर द्वारा पूल टेस्टिंग की अनुमति मिल गयी है जिससे एक साथ कई सैम्पल की टेस्टिंग कर स्क्रीनिंग के कार्य में तेजी आयेगी। उन्होंने बताया कि देश में पूल टेस्टिंग करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है। पूल टेस्टिंग के बारे में उन्होंने बताया कि जैसे एक साथ 20 सैंपल (शेष पेज 9)

केजीएमयू का 65 स्टाफ क्वॉरेंटाइन में भेजा गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शनिवार को हाइपरटेंशन और डायबिटीज की शिकायत पर किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर में भर्ती एक मरीज ने सोमवार को इलाज कर रहे 60 से 65 स्टाफको सांसत में डाल दिया। मरीज का इलाज कर रहे स्टाफको जैसे ही पता चला कि वह कोरोना पॉजिटिव है सभी के हाथ-पांव फूल गये। सूचना मिलने पर अधिकारियों में भी हड़कम्प मच गया।

आनन फानन में वार्ड को खाली कराने के साथ ही मरीज को आइसोलेशन वार्ड में भेज कर मरीज के संपर्क में आने वाले स्टाफ को क्वॉरेंटाइन कराया गया है। जबकि वार्ड को सैनिटाइज कराया गया है। संस्थान के मुताबिक क्वॉरेंटाइन कराए गए लोगों मे 65 स्टाफ शामिल है। जिनमें 10 से 12 की संख्या में डॉक्टर व 15 से 20 की संख्या में नर्सेज शामिल है। इनके अलावा अन्य स्टाफ शामिल है। (विस्तृत पेज 3)

संक्रमण छुपाने व फैलाने वालों पर एक्शन लें: योगी

● लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा बैठक

● सभी चिकित्सालयों में सतर्कता के साथ आपातकालीन सेवाओं को बहाल करने के मुख्यमंत्री के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को छुपाने वाले अथवा जानबूझकर फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। इस सम्बन्ध में शिथिलता बरते जाने पर जिला मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री सोमवार को अपने सरकारी आवास पर कोविड19 पर नियंत्रण हेतु लाकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सालयों में पूरी सुरक्षा और सतर्कता अपनाते हुए आपातकालीन सेवाओं को बहाल किया जाए। चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के कोविड19 के संक्रमण से बचाव के समस्त उपाय किए जाएं। चिकित्सालयों को कोविड19 के संक्रमण से मुक्त रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को कोविड19 से बचाव के सम्बन्ध में समुचित प्रशिक्षण एवं जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाटस्पाट क्षेत्रों में कोविड19 के संक्रमण की जांच की कार्रवाई को तेज किया जाए। इसके लिए कैटेगरी बनाकर व टीमें लगाकर जांच की कार्रवाई की जाए। इन क्षेत्रों में डोर स्टेप डिलीवरी एवं सेनिटाइजेशन की कार्रवाई को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जाए। हाटस्पाट क्षेत्रों में इन कार्रवाइयों को सघन रूप से चलाया जाए जिससे वह क्षेत्रवासियों को नजर भी आए।

बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि पीलीभीत में कोविड 19 प्रभावित रोगियों का सफलतापूर्वक उपचार हो चुका है। अब जनपद पीलीभीत कोविड19 के संक्रमण से पूरी तरह मुक्त हो गया है। उन्होंने अवगत कराया कि टेलीमेडिसिन की व्यवस्था प्रारम्भ कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि टेलीमेडिसिन की सुविधा प्रारम्भ की जाए। और इसका प्रचार-प्रसार किया जाए। टेलीमेडिसिन के माध्यम से सलाह के लिए समय विशेष पर उपलब्ध रहने वाले चिकित्सकों के फोन नम्बर समाचार पत्रों में प्रकाशित कराए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थागत क्वारेन्टाइन में 14 दिन की अवधि पूर्ण कर चुके व्यक्तियों की जांच कराकर कोविड19 का कोई लक्षण परिलक्षित न होने पर, उन्हें 14 दिन के होम क्वारेन्टाइन हेतु उनके घर पहुंचाया जाए। ऐसे व्यक्तियों हेतु अनिवार्य रूप से खाद्यान्न की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। इन व्यक्तियों के नाम पते सहित सूची (शेष पेज 9)

मंत्रियों की टीम कल से जुटेगी कामकाज पर

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जान है तो जहान है, के मंत्र पर चल रही योगी सरकार प्रदेश को पटरी पर लाने के लिए 15 अप्रैल से जुटेगी। सरकार के मंत्री और अफसर शारीरिक दूरी के मानकों का पालन करते हुए कामकाज संभालेंगे। वरिष्ठ मंत्रियों की ग्यारह कमेटियां कार्ययोजना बनाएंगी कि लॉकडाउन में चरमराई आर्थिक, शैक्षिक, चिकित्सीय और सामाजिक व्यवस्था को सधे कदमों के साथ कैसे आगे बढ़ाया जाए। अधिकारियों की 11 टीमें योगी सरकार पहले ही बना चुकी है जो कोरोना से बचाव तथा राहत कार्य में जुटी हैं। (विस्तृत पेज 2)

निर्माण कार्य होगा शुरू लेकिन कैसे मिलेंगे मजदूर

● प्रदेश सरकार ने लिया है सरकारी परियोजनाओं और ठेकों को पूरा कराने का अहम निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रतीकात्मक चित्र

कोरोना वायरस के संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए 21 दिन के लॉकडाउन के बाद उत्तर प्रदेश में सरकारी निर्माण कार्यों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। योगी आदित्यनाथ सरकार ने सोमवार को बड़ा फैसला लिया है। जिसके तहत प्रदेश में रुका सरकारी निर्माण का काम 15 अप्रैल से शुरू होगा। हांलाकि इसमें सबसे बड़ी बाधा मजदूरों की है। रुके कार्यों को पूर्ण करने के लिए कहीं भी फिलहाल मजदूर उपलब्ध नहीं हैं। रुके सरकारी कार्यों को पूरा करने के लिए गाईडलाइन जारी करते हुए नोएडा सहित पूरे प्रदेश में इस निर्णय को अमल में लाने के आदेश कर दिए हैं। नोएडा, ग्रेटर नोएडा सहित पश्चिम उत्तर प्रदेश में सैंकड़ों सरकारी परियोजनाएं और ठेके के कार्य रुके हुए हैं। जनहित में उनका समय से पूरा होना आवश्यक है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए सरकार ने 15 अप्रैल से इन निर्माण कार्यों को शुरू करने का निर्णय लिया है। सरकार ने कोरोना संकट को ध्यान में रखते हुए आपसी दूरी, मास्क व अन्य सुरक्षा के साधनों के उपयोग के साथ कार्य करने की अनुमति दी है। लेकिन सभी ठेकेदार व निर्माण कार्यों को पूरा करने वाली कंस्ट्रक्शन कंपनियों के सामने सबसे बड़ी समस्या मजदूरों की है। जनता कर्फ्यू के बाद लागू हुए लॉकडाउन के बाद से ही शहरी क्षेत्रों में कार्य करने वाले अधिकतर मजदूर अपने अपने घरों को चले गए हैं। इस समय किसी भी कार्य को करने के लिए कोई मजदूर उपलब्ध नहीं है। ऐसे में उक्त कंपनियों तथा ठेकेदारों के सामने सबसे गंभीर समस्या यही है, जिसके चलते 15 अप्रैल से निर्माण कार्यों को शुरू करना चुनौती बन गया है। उक्त कंपनियों (शेष पेज 9)

पंद्रह राज्यों के 25 जिले कोराना फ्री होने की ओर

● पिछले 14 दिनों में सामने नहीं आया एक भी नया मामला, देश में संक्रमितों की संख्या 9000 के पार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

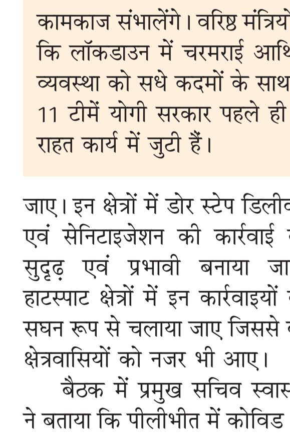

नई दिल्ली में एक क्षेत्र में कोरोना संक्रमण रोकने को रासायनिक छिड़काव करता एक एमसीडी कर्मी

कोरोना से जूझ रहे भारत के लिए अच्छी खबर है। देश के 15 राज्यों के 25 जिलों में कोरोना के नए मामले सामने नहीं आए हैं। यह स्थिति पिछले 14 की है और इसमें सरकार को चीजें बेहतर होने की उम्मीद नजर आ रही है। हालांकि सोमवार को कोविड 19 पीड़ितों की संख्या बढ़कर 9152 हो गई। मरने वालों का आंकड़ा भी 324 पहुंच गया है। बीते 24 घंटों में 35 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस बीमारी से उबरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है और अब तक 980 लोग इस संक्रामक रोग से निजात पा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने रोजाना होने वाली मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि एक ही दिन में 141 लोग ठीक हुए हैं। एक दिन में 796 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने कहा है कि पूरे प्रयास किए जा रहे हैं कि इन जिलों में आगे भी नए मामले सामने न (शेष पेज 9)

दूसरे राज्यों में फंसे लोगों की परेशानियों को दूर करने में सफल रहेः सीएम योगी

● नोडल अधिकारियों के साथ सीएम की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री को पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन विभाग ने सहयोग धनराशि का चेक भेंट किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि दूसरे राज्यों में फंसे यूपी के लोगों की दिक्कतों को हम दूर करने में सफल रहे है और इसी का परिणाम है कि लोगों का पलायन रुका है।

मुख्यमंत्री सोमवार को अपने सरकारी आवास पर विभिन्न प्रदेशों में फंसे उत्तर प्रदेश वासियों की सुविधा के लिए राज्यवार नामित नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के चलते दूसरे प्रदेशों में मौजूद उत्तर प्रदेश वासियों की काफी समस्याओं का समाधान किया जा सका है। इन अधिकारियों के पास आने वाले फोन काल्स के कारण उनकी समस्याओं का सीधे पता लगा और इन अधिकारियों द्वारा सम्बन्धित राज्य के उच्चाधिकारियों से सम्पर्क कर उनकी ठहरने, खाने जैसी समस्याओं को निपटाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटियों के सक्रिय प्रयासों के चलते अन्य प्रदेशों से प्रदेश की ओर पलायन रोका जा सका है। इससे कम्युनिटी स्प्रेड को रोकने में काफी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि इन कमेटियों ने जहां एक ओर अन्य प्रदेशों में मौजूद उत्तर प्रदेश वासियों की समस्याओं का समाधान किया वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में अन्य राज्यों के वासियों की भी सहायता की। योगी ने कहा कि अन्य राज्यों के जो श्रमिक उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं, उनके संस्थानों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि वे उनका वेतन, मानदेय इत्यादि समय से दे दें। उन्हें राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही मदद भी दी जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना का सबसे प्रभावी इलाज लाक डाउन और सोशल डिस्टेंसिंग है। अतः वर्तमान में जो जहां है वहीं रहे। राज्य सरकार इस सम्बन्ध में लगातार लोगों को यही सलाह दे रही है। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सभी कॉलर की बात को ध्यानपूर्वक सुनते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करवाएं। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में उत्तर प्रदेश वासियों की समस्याओं का प्रभावी निराकरण नोडल अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाए यदि आवश्यकता पड़े तो सम्बन्धित राज्य के मुख्य सचिवए मुख्यमंत्री तथा राज्यपाल से भी सम्पर्क किया जाए। उन्होंने कोरोना संक्रमण को फैलने से बचाने के लिए प्रदेश राज्य की सभी सीमाओं को प्रभावी ढंग से सील करने और हर हाल में यातायात रोकने और पैदल चलकर आने वाले लोगों को प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिये। प्रदेश से लगे राज्यों जैसे हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली इत्यादि में बसे उत्तर प्रदेश वासियों को अपने निवास स्थान पर ही रुकने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने बैठक में मौजूद महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, पंजाब, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, गुजरात, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर–लद्दाख, उड़ीसा, तमिलनाडु, पूर्वात्तर राज्य अरुणांचल प्रदेश, असम, नागालैण्ड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा तथा मिजोरम एवं केरल के लिए नामित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस नोडल अधिकारियों से उनसे सम्बन्धित राज्यों में मौजूद उत्तर प्रदेश वासियों की समस्याओं के निराकरण के विषय में सीधे जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

लॉक डाउन पर केन्द्र के दिशा-निर्देश का पालन होगाःसीएम

● मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ बैठक की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संकट को लेकर अपने सरकारी आवास पर मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि लाक डाउन के सम्बन्ध में केन्द्र सरकार द्वारा जो दिशानिर्देश जारी किये जाएंगे, राज्य सरकार उनका अनुपालन करेगी। उन्होंने कहा कि कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम दिये जाने वाले संदेश के क्रम में आगे की रणनीति तय की जाएगी। लाक डाउन के सम्बन्ध में केन्द्र सरकार यदि कुछ शर्तों के तहत कुछ कार्य के लिए छूट देती है, तो उन्हें प्रदेश में भी लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लाक डाउन के सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटियों की सिफारिशों को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश सम्बन्धित अध्यक्षों को दिये।

मंत्रियों की टीम कल से संभालेगी कामकाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जान है तो जहान है के मंत्र पर चल रही योगी सरकार प्रदेश को पटरी पर लाने के लिए 15 अप्रैल से जुटेगी। सरकार के मंत्री और अफसर शारीरिक दूरी के मानकों का पालन करते हुए कामकाज संभालेंगे। वरिष्ठ मंत्रियों की ग्यारह कमेटियां कार्ययोजना बनाएंगी कि लॉकडाउन में चरमराई आर्थिक, शैक्षिक, चिकित्सीय और सामाजिक व्यवस्था को सधे कदमों के साथ कैसे आगे बढ़ाया जाए। अधिकारियों की 11 टीमें योगी सरकार पहले ही बना चुकी है जो कोरोना से बचाव तथा राहत कार्य में जुटी हैं।

विदित हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल रविवार देर शाम सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ अपने सरकारी आवास पर बैठक की थी। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को 15 अप्रैल से कार्यालय में बैठकर अपने.अपने विभागों के आवश्यक कामकाज निपटाने के लिए कहा है। इसके तहत उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में निर्माण कमेटी काम करेगी। वह तय करेगी कि एक्सप्रेसवेए हाईवे और लोक निर्माण विभाग के बड़े कार्य शारीरिक दूरी का दायरा बनाकर कैसे कराए जा सकते हैं। जबकि उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में शिक्षा कमेटी काम करेगी। वह शिक्षा व ऑनलाइन पाठ्यक्रम की गतिविधि को आगे बढ़ाने की कार्ययोजना बनाएगी। राजस्व की आपूर्ति कैसे निरंतर बनी रहे, इसे सुनिश्चित करने के लिए वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है । यह कमेटी औद्योगिक विकास और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभागों के साथ मिलकर उद्योग जगत और एमएसएमई सेक्टर को भी आगे बढ़ाने के बारे में अपने सुझाव देगी । औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना और एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह इसमें सदस्य होंगे। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही की अध्यक्षता में कमेटी है। यह कमेटी तय करेगी कि प्रदेश में गेहूं और अन्य रबी फसलों की कटाई ठीक से हो। कृषि उपजों की सरकारी खरीद को भी व्यवस्थित तरीके से बढ़ाने के लिए काम करेगी। कमेटी यह भी सुनिश्चित करेगी कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर अपनी फसल न बेचनी पड़े । कोरोना संक्रमण की रोकथाम और मेडिकल स्टाफको इससे बचाते हुए इमरजेंसी मेडिकल सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जयप्रताप सिंह की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में गठित कमेटी श्रमिकों के हितों के संबंध में संस्तुतियां करेगी। समाज कल्याण की छात्रवृत्ति और पेंशन योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और सेनिटाइजेशन का काम ग्राम्य विकास मंत्री मोती सिंह के नेतृत्व वाली समिति देखेगी। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता और सेनिटाइजेशन का जिम्मा नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन की अध्यक्षता में कमेटी संभालेगी। बढ़ती गर्मी के मद्देनजर प्रदेश में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जलशक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है। खास निर्देश हैं कि बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में पेयजल संकट न हो। दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा और उनकी मदद के लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री अनिल राजभर की अध्यक्षता में समिति बनाई गई।

निर्माण कार्य 15 अप्रैल से शुरू किए जाएंगेः उपमुख्यमंत्री

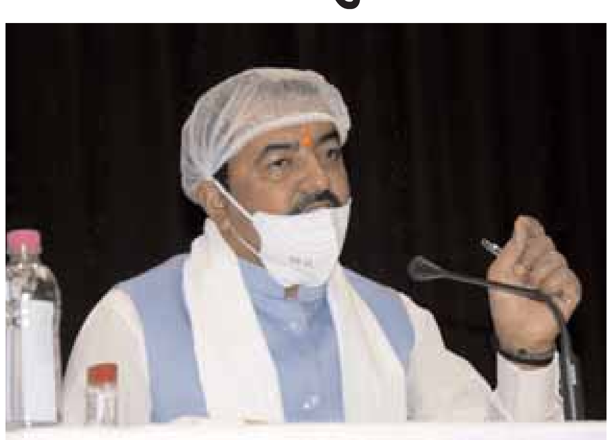

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मजदूरों का प्रत्येक सप्ताह स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ मास्क, सैनिटाइजर आदि की व्यवस्था कराई जाए

● निर्माण कार्य कराए जाने वाले विभाग, उच्च स्तर के एक अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाएं, कार्यों की प्रतिदिन रिपोर्ट दी जाए

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उन निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर 15 अप्रैल से प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं, जिन्हें बरसात से पहले कराया जाना नितांत आवश्यक है । श्री मौर्य सोमवार को विश्वेशरैया हॉल में निर्माण कार्यों के संबंध में गठित समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

श्री मौर्य ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यो में सोशल डिस्टेंसिग का हर हाल में पालन कराया जाए तथा यथासंभव समय समय पर लेबरों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए । उन्हें मास्क आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय तथा मशीनोंध् उपकरणों का भी सैनिटाइजेशन कराया जाय।

उन्होंने कहा कि निर्माण स्थलों पर कोई श्रमिक पान मसाला आदि का प्रयोग न करें, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए । उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य, साइटों पर सामाजिक दूरी बनाकर 5 या 10 लेबर में विभक्त कर कराए जाएं । उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मजदूरों को साइट पर ही रहने की व्यवस्था कराई जाए तथा उन्हें राशन की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य स्थल पर कोरोना से बचने के उपायों को दर्शाते हुए माड्यूल बनाकर लेबरों को प्रशिक्षण दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि जो भी निर्माण कार्य कराए जाएं उनकी डेली रिर्पोटिंग की जाय तथा वहां पर की गई व्यवस्थाओं का लेखा जोखा भी प्रतिदिन प्रस्तुत किया जाए । उन्होंने कहा कि कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारी, कर्मचारी जो कोरोना की ड्यूटी में लगाए गए हैं उन्हें डिस्टर्ब न किया जाए बहुत जरूरी हो तो टेक्निकल स्टाफ को उनका विकल्प देते हुए उनकी सेवाएं ली जा सकती है लेकिन उससे जिला प्रशासन को कोई असुविधा ना होने पाए । गाड़ियों की मरम्मत लिए सीमित वर्कशाप खोलने के लिए जिला अधिकारियों को एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर कोरोना से बचाव हेतु यथासंभव एक किट की व्यवस्था कराई जाए जिसमें साबुन, सेनेटाइजर आदि रखे जाएं। उपकरणों को सोडियम हाइपोक्लोराइट से सेनीटाइज कराया जाय। यथासंभव श्रमिको की स्कैनिंग भी कराई जाय। साइट पर काम करने वाले लोगों का पंजीकरण जरूर होना चाहिए तथा उनका इंश्योरेंस कराने की व्यवस्था श्रम विभाग के परामर्श से की जाय। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उन कार्यो पर विशेष रुप से फोकस किया जाए जिन्हें बरसात के पहले कराया जाना नितांत आवश्यक है। नगरीय क्षेत्रों में इस बीच नालों की सफाई करा ली जाए ताकि बरसात में जल प्लावन की स्थिति न पैदा हो। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे एगोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के स्ट्रक्चर कार्यों को कराए जाने हेतु अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए कार्य शुरू कराए जाने की अपेक्षा पर सहमत प्रदान की गई । कानपुर नगर में मेट्रो के कार्य व आवास विभाग के बड़े प्रोजेक्टों को प्रोजेक्ट स्थल पर वर्कर्स को सभी फैसिलिटी देते हुए कार्य कराए जाने की सहमति प्रदान की गई। जल निगम द्वारा निर्माणाधीन फतेहपुर व एटा के मेडिकल कॉलेजों के कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। सिंचाई विभाग के आनगोइंग वर्कों, नहरों की सफाई तटबंधों की मरम्मत ,संभावित बाढ़ के दृष्टिगत गेटो की मरम्मत, ट्यूबवेलो की मरम्मत ,चेक डैम ,तालाबों की खुदाई ,पेयजल की बड़ी स्कीमें व अटल भूजल योजना के कार्यों को बरसात के पहले पूरा कराने की सहमति प्रदान की गई। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह न्याय एवं विधाई कार्य तथा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के मंत्री बृजेश पाठक ,नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव नगर विकास, दीपक कुमार ,प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नितिन रमेश गोकर्ण, सचिव लोक निर्माण विभाग समीर वर्मा ,सचिव लोक निर्माण विभाग रंजन कुमार , प्रमुख सचिव ग्रामीण अभियंत्रण विभाग कल्पना अवस्थी ,प्रबन्ध निदेशक जल निगम विकास गोठलवाल सहित विभिन्न विभागों के उच्च स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को नहीं होने दी जाएगी कोई समस्याः शाही

कृषि से संबंधित मंत्रियों की कमेटी ने मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में सोमवार को विधान भवन स्थित सभाकक्ष में कृषि से संबंधित सहयोगी मंत्रियों के साथ विशेष बैठक की गई। इस बैठक के दौरान कृषि व कृषि को से संबंधित योजनाओं एवं उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में विशेष रूप से चर्चा की गई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किसानों को लॉकडाउन की अवधि में सहूलियत देने के उद्देश्य से कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित इस कमेटी में मंत्री शिव प्रताप शाही के अलावा कमेटी के के अन्य सदस्यों में मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह ष्मोती सिंहश्ए मुकुट बिहारी वर्मा ए सुरेश राणा ए श्रीराम चौहान प्रमुख रूप से मौजूद थे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया लाक डॉ उन प्रदेश की जनता की सुरक्षा के लिए अति आवश्यक है। इसलिए हमने को इसी व्यवस्था के तहत ही काम करते हुए कृषकों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि लाक डाउन के चलते किस कृषक को किसी भी तरह की समस्या न होने पाए एवं उन्हें प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी योजनाओं की सुविधाएं समय से प्राप्त होती रहे। इसके लिए सभी मंत्री मिलकर एक कार्य योजना तैयार कर रहे हैं। गन्ना मंत्री सुरेश राणा ने बताया कि कृषि संबंधित कार्य हेतु कमेटी की रिपोर्ट सोमवार की ही शाम मुख्यमंत्री को सौंप दी गई है। बैठक के दौरान कृषिए सहकारिताए गन्नाए जैसे विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों से काम लेने संबंधी भी कार्य योजना का अमलीजामा तैयार किया जाएगा।

सभी मंत्री आपस में विचार.विमर्श करके यह तय करेंगे कि लाडो के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों से सोशल डिस्टेंस बनाते हुए किस तरह काम लिया जाए। बैठक के संबंध में गन्ना मंत्री सुरेश राणा ने बताया कि इस बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि लालगांव व्यवस्था को कायम रहते हुए हम कैसे कृषकों को लाभ पहुंचाएं। मंत्री मोती सिंह ने बताया कि प्रदेश की योगी सरकार का लक्ष्य की इस विकट स्थिति के दौरान किसी भी कामगार मजदूर व किसानों को किसी भी तरह की समस्या का सामना ना करना पड़े उनकी हर समस्या का समाधान आसानी से कर दिया जाए और उन्हें योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

खजाने की सेहत बनाये रखने को लेकर सरकार में कवायद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड–19 महामारी से अर्थव्यवस्था पर पड़े असर को कम करने पर योगी सरकार ने विकल्पों पर विचार शुरू कर दिया है। खजाने की सेहत को दुरुस्त बनाये रखने की कवायद के बीच मंत्रियों की अध्यक्षता में गठित टीमों से सरकार ने सुझाव मांगे है। फिलहाल अब तक की सरकारी कवायद में प्रदेश सरकार पेट्रोल व डीजल पर वैट की फिक्स दरें बढ़ाने के प्रस्ताव पर सहमति बनती दिख रही है। विदित हो कि कोरोना संकट और लाकडाउन से जूझ रही योगी सरकार कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रही है। उसके सामने गंभीर आर्थिक चुनौतियां हैं। जिनसे निपटने के लिये सरकार ने पिछले दिनों मंत्रियों और विधायकों के वेतन में तीस फीसदी की कटौती तथा तीन–तीन करोड़ की विधायक निधि को स्थागित करने का फैसला लिया था।

कोरोना संकट लम्बा चलने पर सरकारी कर्मचारियों के वेतन में कटौती का भी प्रस्ताव है। वेतन में कटौतियों के साथ साथ खजाने की सेहत को बनाये रखने के लिये योगी सरकार अन्य बिन्दुओं पर भी काम कर रही है। जिसमें पेट्रोल और डीजल पर वैट की फिक्स दरें बढ़ाने का रास्ता निकाला है। पेट्रोल पर 1.26 रुपये से 2.26 रुपये प्रति लीटर व डीजल पर 1.09 रुपये से 2.09 रुपये प्रति लीटर वैट बढ़ाने का प्रस्ताव है। सरकार को तय करना है कि वैट की दरों में वृद्धि कितनी व कब से की जाए। उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में पेट्रोल व डीजल की कीमत कई राज्यों से कम है। सरकार आकलन कर रही है कि यदि वैट की फिक्स दरों में कुछ वृद्धि की जाती है तो क्या फर्क पड़ेगा। एक अधिकारी के मुताबिक वित्त वर्ष 2019–20 में पेट्रोल की अनुमानित खपत 470 करोड़ लीटर व डीजल की 1130 करोड़ लीटर रही है। सरकार ने तीन अप्रैल 2020 को पेट्रोल व डीजल के उपभोक्ता मूल्य के आधार पर वैट की फिक्स दरों में वृद्धि से राजस्व में वृद्धि का अनुमान लगाया है। वर्तमान में पेट्रोल पर वैट की फिक्स राशि 16.74 रुपये प्रति लीटर व डीजल पर 9.41 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल व डीजल पर वैट की फिक्स दरों में वृद्धि के लिए तीन तरह का प्रस्ताव तैयार कराया गया है। इससे सरकार को 1740 करोड़ से 3300 करोड़ रुपये अतिरिक्त वार्षिक राजस्व मिल सकता है। इसी तरह सरकार के अन्य मंत्रियों से भी आय के विकल्प तलाशने को कहा गया है ताकि लाकडाउन का राज्य के खजाने पर बहुत ज्यादा असर न पड़े।

बढ़ाए गए थानेदारों के अधिकार

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते प्रदेश में घोषित लॉकडाउन का और सख्ती से पालन कराने के लिए राज्य सरकार ने थानेदारों के अधिकार बढ़ा दिए हैं। जिसके तहत अब आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में दी गई व्यवस्था के आधार पर अधिनियम की धारा 51 से 59 के तहत किए गए अपराधों के संबंध में सब इंस्पेक्टर को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले न्यायालय में परिवाद दायर करने का अधिकार दिया गया है। राज्यपाल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 60 के तहत मिले अधिकारों के तहत इसे मंजूरी दी है। अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार ने सोमवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। देश में आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में दी गई व्यवस्था के आधार पर कोविड.19 को महामारी मानते हुए लॉकडाउन घोषित किया गया है। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 से 59 तक को पूरे देश में लागू कर दिया गया है। इन धाराओं के उल्लंघन पर सीधे कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इसमें कोई व्यक्ति किसी सरकारी कर्मचारी को उनके कर्तव्यों को पूरा करने से रोकता है अथवा बाधा डालता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार होगा। अफवाह फैलाने लॉकडाउन से संबंधित नियमों का पालन न करने पर भी सब इंस्पेक्टर कार्रवाई कर सकेगा।

सीएम ने बैसाखी व अंबेडकर जयंती पर दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री ने की घर पर ही मनाने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैसाखी के पर्व और अंबेडकर जयंती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि बैसाखी का त्योहार हमारी गौरवशाली परम्परा एवं समृद्ध विरासत का प्रतीक है। नई फसल के कटने से जुड़ा यह त्योहार हमारे देश की कृषक परम्पराओं और समृद्ध संस्कृति का भी परिचायक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैशाखी के दिन दसवें सिख गुरु गोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह दिन भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े उत्साह से अलग–अलग त्योहारों के रूप में मनाया जाता है। ये सभी त्योहार नव वर्ष के आगमन के प्रतीक हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब डॉ. आंबेडकर ने सामाजिक असमानता को दूर करने तथा वंचित वर्ग को सामाजिक न्याय दिलाने के उद्देश्य से भारत के संविधान में अनेक प्राविधान किये। भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहब डॉ. आंबेडकर के योगदान के लिए देशवासी सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने आजीवन अनुसूचित जाति वर्ग सहित सभी उपेक्षित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के सशक्तीकरण के लिए बाबा साहब डा आंबेडकर द्वारा किए गये प्रयास हम सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। भेदभावरहित एवं समरस समाज का निर्माण ही हम सभी की डॉ. आंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि कोरोना वायरस के संक्रमण के दृष्टिगत बाबा साहब डॉ. आंबेडकर की जयन्ती पर घर पर रह कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें। साथ ही उन्होंने अपील की है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए सभी प्रकार के अनुष्ठान घर पर रह कर ही सम्पन्न करें और लॉक डाउन को पूर्ण समर्थन दे। इससे हम कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने में सफल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब डा आंबेडकर की जयन्ती पर वे स्वयं भी अपने आवास पर ही उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

जनता की सहायता कर रहे सपा कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज कर रही सरकारः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कम्प्यूटर के सामने दिखावे की समीक्षा करने से हालात सुधरने वाले नहीं है। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री की टीम इलेवन एवं सत्ताधारियों को सड़क पर उतरकर समाजवादी पार्टी की तरह सीधी सेवा करनी होगी। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राशन वितरण और जनता की सहायता करने पर भाजपा सरकार मुकदमें दर्ज कराकर कौन सा जनहित का काम कर रही हैघ् यह वास्तव में निंदनीय और अमानवीय कृत्य है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा अपने राजनीतिक स्वार्थ साधने में सभी नैतिक एवं लोकतांत्रिक मान्यताओं को जिलांजलि देकर अपना चेहरा कुरूप बना रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में समाजवादी एम्बूलेंस सेवा 108 और 102 शुरू की गई थी। आज स्वास्थ्य आपातकाल के कठिन समय में ये सेवाएं वरदान साबित हो रही हैं। सरकार ने अगर इनके विस्तार की योजना को आगे बढ़ाया होता तो गांवों, कस्बों और शहरों में लोगों को ठेले और रिक्शे पर मरीजों को अस्पताल लेकर नहीं जाना पड़ता। सच तो यह है कि दूरदर्शी व्यवस्थाओं का महत्व आपदा के समय ही समझ में आता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार की ऐसी जनकल्याण की व्यवस्थाओं की सफलता देखकर अपने कार्यों के प्रति बेहद संतोष और खुशी भी होती है।

अंबेडकर जयंती आज, सूबे में रहेगी विशेष सतर्कता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पुलिस करे प्रभावी गश्त, कहीं पर भी एकत्र न होने पाए भीड़ः डीजीपी

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को सूबे में विशेष सतर्कता रहेगी। डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने सभी जिलों में पर्याप्त पुलिस प्रबंध किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। डीजीपी ने कहा है कि पुलिस अपने अपने क्षेत्रों में प्रभावी गश्त कर यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी किसी भी स्थान पर भीड़ एकत्र न होने पाए।

डीजीपी ने सोमवार को इस संबंध में सभी जोनल एडीजी, सभी रेंज के आईजी डीआईजी व जिलों के पुलिस कप्तानों को परिपत्र जारी किया है। उन्होंने निर्देशित किया है कि पुलिस अधिकारी लॉक डाउन के दृष्टिगत अंबेडकर जयंती के अवसर पर अयोजकों एव सम्भ्रान्त नागरिकों द्वारा लोगों को प्रेरित किया जाए कि डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती अपने घरों में मनायें, जुलूस न निकालें, सामूहिक रूप से एक स्थान पर एकत्रित होकर सभा अथवा कार्यक्रम का आयोजन न किया जाए। इसके साथ साथ सोशल डिस्टेन्सिंग का पूर्णतः पालन किया जाए । साम्प्रदायिक शरारती तत्वों की थानावार एवं आसूचना के आधार पर चिन्हित व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए । सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। भ्रामक सूचना प्रसारित होने पर उसका प्रभावी खण्डन किया जाए । किसी भी प्रकार के अफवाहों का खण्डन तत्काल करें। प्रत्येक छोटी से छोटी सूचना पर समुचित एवं तत्काल रिस्पांस किया जाए। जिन स्थलों पर डा. अम्बेडकर की मूर्तियां स्थापित हैं वहाँ समुचित पुलिस बन्दोबस्त किया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस पिकेट गश्त की प्रभावी व्यवस्था की जाए। पुलिस द्वारा अपने वाहनों पर लाउडस्पीकर के माध्यम से लॉक डाउन तथा सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करने हेतु लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए। समस्त पुलिस अधिकारी अपने–अपने समकक्षीय मजिस्ट्रेट के साथ निरन्तर भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि लॉकडाउन का प्रभावी अनुपालन किया जा रहा है। प्रभावी गश्त कर कहीं भी भीड़–भाड़ किसी भी दशा में एकत्रित न होने दें।

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड निविदा संख्या–01–02–ई0टी0सी0 (प्र.)ए./2020–2021 प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यो हेतु दो अलग–अलग भागों में मुहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती हैं (1) अल्पकालीन निविदा संख्या – 01–ई0टी0सी0प्र0ए0/2020–2021 : मुख्य अभियन्ता, (पा0द0पू0) प्रयागराज के प्रयोगार्थ एक अदद डीजल चलित वाहन 08 माह की अवधि हेतु, (2) निविदा संख्या – 02–ई0टी0सी0प्र0ए0/2020 – 2021 :– विद्युत प्रेषण खण्ड प्रतापगढ़ के अधीन उपखण्ड प्रथम के प्रयोगार्थ एक अदद डीजल चलित वाहन 10 माह की अवधि हेतु, निविदा सं0 01 दिनांक 29–04–2020 एवं निविदा सं0 02 दिनांक 15–05–2020 को सांय 13.00 बजे खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने की तिथि को अवकाश पड़ जाता है तो निविदायें अगले कार्य दिवस पर नियत समय पर खोली जायेंगी । निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिए/डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन/परिवर्तन के लिए कृपया हमारी वेबसाइड www.upptcl.org पर जायें। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत प्रेषण मण्डल – प्रथम, 57–जार्ज टाउन, प्रयागराज। पत्रांक–873/वि0प्रे0मं0प्र0प्रया0/टेण्डर नोटिस/दिनांक – 13.04.2020, "राष्ट्र हित मे बिजली बचायें"

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

केजीएमयू में कोरोना पॉजिटिव निकला मरीज

डॉक्टरों सहित 65 स्टाफ क्वेरंटाइन

दो दिन पूर्व हाइपरटेंशन और डायबिटीज की शिकायत मिलने पर हुआ था भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

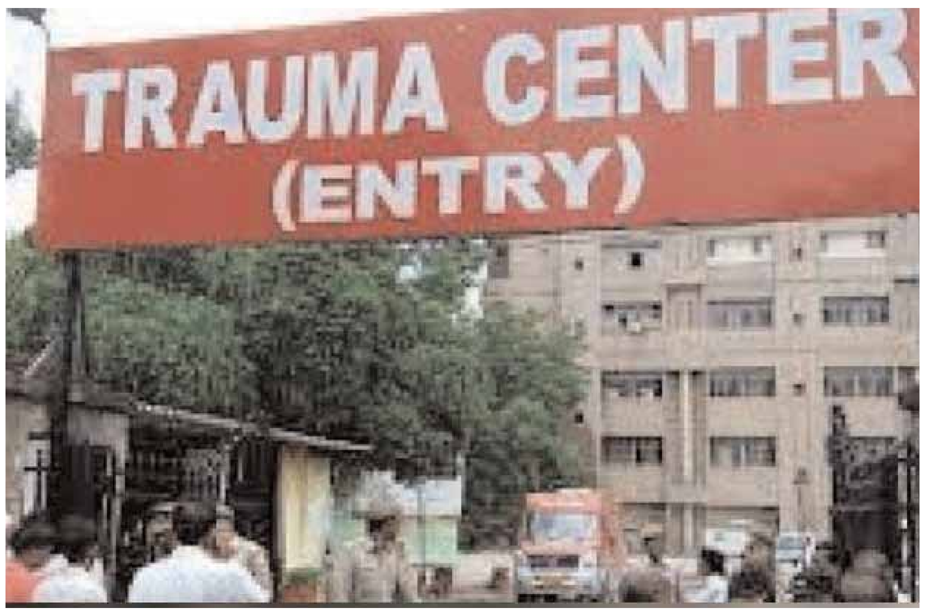

शनिवार को हाइपरटेंशन और डायबिटीज की शिकायत पर किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर में भर्ती एक मरीज ने सोमवार को इलाज कर रहे 60 से 65 स्टाफ को सांसत में डाल दिया। मरीज का इलाज कर रहे स्टाफको जैसे ही पता चला कि वह कोरोना पॉजिटिव है सभी के हाथ-पांव फूल गये। सूचना मिलने पर अधिकारियों में भी हड़कम्प मच गया। आनन फानन में वार्ड को खाली कराने के साथ ही मरीज को आइसोलेशन वार्ड में भेज कर मरीज के संपर्क में आने वाले स्टाफको क्वॅरेंटाइन कराया गया है। जबकि वार्ड को सैनिटाइज कराया गया है।

संस्थान के मुताबिक क्वॅरेंटाइन कराए गए लोगों मे 65 स्टाफ शामिल है। जिनमें 10 से 12 की संख्या में डॉक्टर व 15 से 20 की संख्या में नर्सेज शामिल है। इनके अलावा अन्य स्टाफ शामिल है। 64 वर्षीय मरीज नजीराबाद लखनऊ का रहने वाला है। इस मरीज को शनिवार शाम को ट्रामा सेंटर के कैजुअल्टी वार्ड में भर्ती किया गया था। वहाँ से मरीज को इमेरजेंसी मेडिसिन में भेजा गया। जहां रात भर मरीज का इलाज चलता रहा। इस बीच मरीज को फीवर आने की शिकायत पर उसका सैंपल लेकर डॉक्टरों ने जांच के लिए भेजा था। जिसकी जांच रिपोर्ट कोरोना पाजीटिव आने के बाद आज ट्रामा सेंटर में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी होने पर संस्थान के अधिकारियों के भी हाथ पांव फूल गए। आनन फानन में मरीज को आइसोलेशन वार्ड भेजा गया। साथ ही मरीज के संपर्क में आए लोगों की सूची तैयार की गई। जिसके बाद डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य कर्मचारियों को क्वॅरेंटाइन किया गया।

सांस की शिकायत पर ट्रामा में नहीं मिली थी भर्ती: सूत्रों का कहना है कि मरीज शनिवार को जैसे ही ट्रामा सेंटर पहुंचा था। वहां कैजुअल्टी वार्ड में सांस की शिकायत पर उसे भर्ती करने से डॉक्टरों ने मना कर दिया और लारी जाने की बात कही। जिसके बाद मरीज लारी पहुंचा। लारी में ईसीजी जांच व अन्य जांच होने के बाद मरीज को ट्रामा के लिए रेफर कर दिया गया। जिसके बाद संस्थान के एक डॉक्टर की सिफारिश पर मरीज को भर्ती किया गया था।

ट्रामा में सीधी भर्ती पर लगी रोक: ट्रामा सेंटर के कैजुअल्टी वार्ड में भर्ती मरीज के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद संस्थान प्रशासन ने ट्रामा सेंटर में डायरेक्ट मरीजों की भर्ती पर रोक लगा दी है। इस बारे में ट्रामा सेंटर के सीएमएस डॉ संतोष कुमार का कहना है कि ट्रामा में भर्ती होने वाले मरीजों की पहले जिरियाट्रिक मेंटल में बनाए गए ट्रायेज सेंटर में स्क्रीनिंग की जाएगी। उसके बाद मरीज में संक्रमण ना मिलने पर ही ट्रामा सेंटर में भर्ती किया जाएगा। और संक्रमण की स्थिति में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया जाएगा।

मरीज वेंटिलेटर पर

कोरोना पीड़ित मरीज की स्थिति डॉक्टरों ने गम्भीर बतायी है। मरीज का इलाज वेंटिलेटर पर रख कर किया जा रहा है। डॉक्टरों ने बताया मरीज की कोई हिस्ट्री नहीं है।

नजीराबाद बना तेरहवां हाट स्पॉट, सीलिंग के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पुराने लखनऊ के नजीराबाद में पाजिटिव पाये जाने पर जिलाधिकारी के आदेश पर सील करने की तैयारी है । चिन्हित हाट स्पॉट को सेनेटाईज करने के साथ निजी मेडिकल स्टोरों, संस्थाओं को बंद करने के लिए कहा गया है । साथ ही प्राथमिक कान्ट्रैक्ट से संबंधित सूची मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा मांगी गयी है ताकि कोरोना को रोका जा सके। इसी क्रम में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में सोमवार को एक कोरोना पॉजिटिव मरीज की पुष्टि के बाद सीएमओ डॉक्टर नरेंद्र अग्रवाल ने राजधानी के एक डायग्नोस्टिक सेंटर सहित एक अस्पताल को बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। शहर में एक पाजिटिव व्यक्ति पाये जाने पर 13वें हॉट स्पॉट को चिन्हित किया गया है। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव पाए गये व्यक्ति की कॉन्ट्रेक्ट ट्रेसिंग और रोकथाम के तहत 13वां हॉट स्पॉट नज़ीराबाद क्षेत्र में चिन्हित किया जा चुका है। इस क्षेत्र को सील करने के लिए संबंधित अधिकारियों व पुलिस को कारवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं । व्यक्ति की कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग के दौरान चरक डायग्नोस्टिक व मेडिविल हॉस्पिटल, बर्लिंग्टन चैराहा के प्रबंधकों को भी अग्रिम आदेशों तक संस्थान बंद रखने के लिए कहा गया है ।

16 सीआईएसएफकर्मी पृथक किए गए

सरोजनीनगर। एयरपोर्ट कर्मी के भाई को कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। चार दिन पहले हुए इस मामले के दौरान आनन-फानन एयरपोर्ट कर्मी को भी लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां जांच के दौरान उसकी रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई, लेकिन इसके बावजूद एयरपोर्ट पर उसके संपर्क में रहने वाले 16 सीआईएसएफ कर्मियों को क्वॅरेंटाइन कर दिया गया है। एयरपोर्ट सूत्रों की माने तो सीआईएसएफकर्मियों को चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट स्थित सीआईएसफबैरक में 14 दिनों के लिए रखा गया है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक राजधानी में ही रहने वाले व चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट स्थित स्टेट हैंगर में तैनात एक एयरपोर्ट कर्मचारी का भाई गत दिनों कोरोना संक्रमित पाया गया था। यह खबर 4 दिन पहले एयरपोर्ट पर फैली तो एयरपोर्ट कर्मी को आनन-फानन लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया।

यूपी के 43 जिले कोरोना की चपेट में, आंकड़ा 558

सोमवार को कुल 75 मरीज संक्रमित मिले, 35 मरीज तब्लीगी जमात के

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस पर नियंत्रण पाने में जुटी प्रदेश सरकार के प्रयास के बीच सोमवार को कोरोना वायरस की चपेट में प्रदेश के 43 जिले आ गए हैं। प्रदेश में अभी तक कुल 558 मरीजों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनमे आज 75 कोरोना वायरस के मरीज अलग अलग जिलों में पाए गए है। पाए गए मरीजों में से 35 का सम्बंध तब्लीगी जमात से बताया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक प्रदेश में अभी तक तब्लीगी जमात के 307 मामले सामने आ चुके हैं। प्रदेश में आज आगरा से 22,मेरठ से 3, सहारनपुर से 11 केस तब्लीगी जमात के सम्पर्क में आने के चलते संक्रमित हुए है। हालांकि कुछ का इनमे सीधा सम्बन्ध है तो कुछ कांटेक्ट में आने चलते संक्रमित हुए हैं।

13287 सैम्पल में 12552 निगेटिव मिले: इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस सेल के मुताबिक अभी तक सेवन 1917 लोगों को सर्विलांस किया गया है। जबकि 4 6874 लोगों ने अपने 28 दिन के सर्विलांस की अवधि को पूरा कर लिया है। आज 6695 लोगों में कोरोना से मिलते.जुलते लक्षण पाए गए हैं। जबकि 643 लोगों को भर्ती कराया गया है। वही 9274 व्यक्तियों को क्वॅरेंटाइन फैसिलिटी दी गई है। सेल के मुताबिक अभी तक 13287 सैंपल जांच के लिए भेजे जा चुके हैं। इनमें 12542 सैंपल नेगेटिव प्राप्त हुए हैं।

प्रदेश के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में अब तक मिले 481 कोरोना पॉजिटिव मरीज

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि हॉटस्पॉट क्षेत्रों में फायर टेण्डर से सेनेटाईजेशन किया जा रहा हैए इन क्षेत्रों में नियम तोड़ने वालो के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रथम चरण में 146 हॉट स्पॉट चिन्हित करके कार्रवाई की गई है। अब तक 171232 मकान चिन्हित करते हुए 978055 व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है। इन हॉट स्पॉट क्षेत्र में 401 कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति मिले हैं एवं 2470 कोरोना संदिग्ध व्यक्तियों में से 2427 व्यक्तियों को संस्थागत क्वारेंटाइन में रखा गया है। द्वितीय चरण में 62 हॉट स्पॉट चिन्हित करके कार्यवाही की गई है। अब तक 162664 मकान चिन्हित करते हुए 950828 व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है। इन हॉट स्पॉट क्षेत्र में 80 कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति हैं जबकि 1062 व्यक्ति संस्थागत क्वारेंटाइन में रखे गये हैं। प्रदेश के हॉट स्पॉट क्षेत्रों में अधिवासित लोगों को 1647 डोर स्टेप डिलिवरी मिल्क बूथ एवं मैन के द्वारा दूध वितरित किया जा रहा है। फल एवं सब्जी वितरण के लिए कुल 2081 वाहन लगाये गये हैं इन क्षेत्रों में 2256 व्यक्तियों एवं 1683 प्रोविजनल स्टोर के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा रही है। हॉट स्पॉट क्षेत्रों के लिए 112 सामुदायिक किचन संचालित हैं।

जमाखोरी व कालाबाजारी में 170 गिरफ्तार

अवस्थी ने बताया कि कोरोना वायरस के दृष्टिगत प्रदेश में लॉकडाउन अवधि में पुलिस विभाग द्वारा की गयी कार्रवाई में अब तक धारा 188 के तहत 16572 लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई। प्रदेश में अब तक 1585089 वाहनों की सघन चेकिंग में 21967 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान 65566300 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। आवश्यक सेवाओं हेतु कुल 150845 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 493 लोगों के खिलाफ395 एफआईआर दर्ज करते हुए 170 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार फेक न्यूज पर कड़ाई से नजर रख रही है। फेक न्यूज के तहत अब तक 255 मामलों का संज्ञान में लेते हुए साइबर सेल को सूचित किया गया है जो जांच के बाद कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अवैध शराब को लेकर वृहद स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। कानपुर की अवैध शराब से जुड़ी घटना से सम्बंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को तत्कालिक प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। वहीं प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में टेस्टिंग लैब की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। प्रदेश में अब प्रतिदिन लगभग 2000 सैम्पल टेस्ट किये जा रहे हैं। अब तक 14242 लोगों का टेस्ट किया गया जिसमें से 13692 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य विभाग के हेल्पलाइन नं18001805145 पर टेलीमेडिसिन के माध्यम से लोगों को टेली कन्सलटेन्सी की सुविधा मुहैया करायी जा रही है। टेली कन्सलटेन्ट के लिए इच्छुक अवकाश प्राप्त एवं प्राइवेट चिकित्सक भी स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आकस्मिक सेवाओं को जारी रखा जायेगा। संक्रमण से बचाव के लिए चिकित्सकोंए पैरामेडिकल स्टाफ आदि को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा।

माइक्रो एटीएम से लोगों को घर बैठे मिलेगी धनराशि

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 12 गांवों में बांटा गया पैसा

पायनियर समाचार सेवा । लखनऊ

गांवों में लोगों को बैंक तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, धनराशि घर बैठे दी जाएगी। जिलाधिकारी द्वारा पांचों तहसील के 12 गांवों में माइक्रो एटीएम की शुरुआत की गयी है। कुल 3.52 लाख रुपए की धनराशि दी गयी है। यह धनराशि डाकिया द्वारा ग्रामीणो को उपलब्ध करायी जाएगी।

कोरोना की समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश के निर्देश पर लोगों को घर पर ही धनराशि उपलब्ध करायी जाएगी। सोमवार को डीएम के आदेश पर इंडियन पोस्टल सेवा विभाग के कर्मियों (डाकियों) को प्रदत्त माइक्रो एटीएम द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 12 गांवों में शुरू किया जा रहा है। अभी 3.52 लाख की धनराशि लाभार्थियों को दी गयी है। जिलाधिकारी ने बताया कि कोविड 19 की आपदा के तहत जिले में कुल 93000 वृद्धावस्था पेंशनर्स, 18000 दिव्यांग पेंशनर्स और 55000 विधवा पेंशनर्स को 1000 रुपये अप्रैल और मई के पेंशन दी गई है। साथ ही 10485 मनरेगा जाबकार्ड धारकों को कुल 3.23 करोड़ का मानदेय और 60000 निराश्रित लोगों को 1000 रुपये दिया गया है। माइक्रो एटीएम के प्रथम चरण में इन सभी लाभार्थियों को उनके निकट पहुंचकर धनराशि आराम की सुविधा माइक्रो एटीएम द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि माइक्रो एटीएम से धनराशि आहरित करने के लिए बैंक खाते से आधार कार्ड लिंक होना आवश्यक है। लाभार्थी धन आहरित करते समय अपना आधार कार्ड व बैंक खाते से लिंक मोबाईल अवश्य लाएं। अधिकारी के अनुसार प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव निर्धारित स्थल पर अवश्य उपस्थित रह कर धनराशि माइक्रो एटीएम के माध्यम से आहरित करवायेंगे।

इन 12 गांवों को मिला लाभ

पाइलेट प्रोजेक्ट के तहत माल के गोपरा मऊ, मलिहाबाद के कसमंडी कला, रहीमाबाद की नवाई कला, काकोरी का दोवा, बिजनौर के दिलकुशा, सरोजनी नगर के पिपरसंड, मोहनलालगंज के कनकहा, सिंसेंडी, कसमोरा, बीकेटी के के बी बढौली, सरोराऔर मड़ियावं के जानकीपुरम में शुरू किया गया है।

छह कुंतल मीट के साथ सात गिरफ्तार

लखनऊ। (पीएनएस) इंदिरा नगर पुलिस ने सोमवार को छह कुंतल मीट के साथ 7 तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से दो लोडर गाड़ी बरामद हुई हैं। एसीपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पांडे की अगुवाई में एसआई विनोद यादव, एसआई राजेश बाबू व क्राइम टीम नार्थ, एसआई योगेंद्र कुमार, सिपाही धवन सिंह कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए रिंग रोड खुर्रम नगर चौराहा पर मौजूद थे। उसी समय मुखबिर खास से सूचना मिली कि एक लोडर महानगर की तरफ से खुर्रम नगर चौराहे की ओर आ रही है। जिसे चेक किया गया तो लोडर में करीब 3 कुंटल मुर्गे का मीट कटा हुआ पाया गया। चालक मोहम्मद अकील व अन्य व्यक्ति गाड़ी में बैठे हुए थे। मोहम्मद अफजल गाजी से लॉकडाउन के निर्देशों के उल्लंघन के संबंध में पूछा गया तो दोनों लोगों ने बताया कि गाड़ी में जो पास लगा है वह खाद रसद विभाग से निर्गत है। दोनों व्यक्तियों से इस कार्य के लिए पूछा गया तो दोनों ने बताया कि बीपीएफ ट्रेडर्स खुर्रम नगर जिनके मालिक सईद बशीर व कफील अहमद हैं। इन लोगों ने बताया कि वहीं पर अभी दूसरे वाहन में भी मीट लादा जा रहा है। इसपर विश्वास करके जब पुलिस मौके पर पहुंची तो एक और लोडर गाड़ी में 3 कुंटल मुर्गे का मीट लदा हुआ था। दुकान के मालिक सैयद वसीम, सैयद काफिले अहमद, सुपरवाइजर निहाल उद्दीन उर्फ निहाल, चालक मोहम्मद शाहिद व काटने वाला इरशाद रजा वहां मौजूद थे। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए जारी प्रावधानों की स्थिति से अवगत कराते हुए इन सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा प्रतिबंधित सामग्री बेचने, मानव जीवन को संकट में डालने वाली खतरनाक खाद्य सामग्री को बिक्री व कूट रचित पास बनाकर निर्गत करने जैसे अपराध से अवगत कराते हुए इन सभी के खिलाफ धारा 188, 268, 269, 270, 467 468, 471 एवं धारा 51 आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत केस दर्ज कर सभी पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बाराबंकी की मीट फैक्ट्री में काम करने जा रही 8 महिलाएं गिरफ्तार

लखनऊ। लॉक डाउन में आधी रात को चोरी छिपे बाराबंकी की मीट फैक्ट्री में काम करने जा रही आठ महिलाओं समेत बस चालक को मड़ियांव पुलिस ने गश्त के दौरान दबोच लिया है। पुलिस ने बस को सीज कर दिया है। इंस्पेक्टर मड़ियांव विपिन कुमार सिंह ने बताया कि रविवार रात दरोगा बृजेश कुमार पुलिस टीम के साथ रात्रि गश्त पर थे। रात करीब 11.40 बजे चंद्रा ढलान के पास विशेष समुदाय की महिलाओं को खड़े देखा। तभी एक मिनी बस आकर रुकी। सभी उसमे चढ़ने लगी। जमात या किसी कार्यक्रम में जाने का शक होने पर पूछताछ की गई। इस पर बस ड्राइवर बुद्धेश्वर पारा निवासी कैलाश यादव ने बताया कि वह इन महिलाओं को खदरा निवासी ठेकेदार प्रमोद के कहने पर बाराबंकी के कुर्सी स्थित अमरून मीट फैक्ट्री में काम करने के लिए लेकर जा रहा है। मीट फैक्ट्री के मैनेजर वेणु गोपाल द्वारा बुलाया गया है। इंस्पेक्टर के मुताबिक ड्राइवर कैलाश के पास से दूसरे के नाम से जारी पास भी बरामद हुआ है। इसके बाद दरोगा बृजेश की तहरीर पर बस चालक कैलाश यादव ठेकेदार प्रमोद व मैनेजर वेणुगोपाल समेत खदरा निवासी आफरीन, नौबस्ता मड़ियांव निवासी आयशा, हिना, फातिमा, मेसरजहां, अजीजनगर निवासी अमीना, डालीगंज निवासी रूही और प्रीति नगर मड़ियांव निवासी अमीना के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कक्षा 6 से 9 और 11 के सभी छात्र अगली क्लास में होंगे प्रोन्नत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस से उत्पन्न स्थिति व लॉक डाउन के चलते शिक्षण संस्थानों को बंद किए जाने के सरकारी निर्णय को देखते हुए कक्षा 6, 7, 8, 9 व 11 में पढ़ने वाले सभी छात्र छात्राओं को अगली कक्षा में प्रमोट किया जाएगा। सोमवार को यह जानकारी प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला ने दी है। प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला ने बताया कि कोविड 19 के संक्रमण के फैलाव से बचाव एवं नियंत्रण किए जाने के उद्देश्य से घोषित लाकडाउन के कारण उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों एवं शैक्षणिक सत्र को नियमित किए जाने की दृष्टि से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा संचालित विद्यालयों की वर्ष 2019-20 के सत्र की कक्षा 6, 7, 8, 9 एवं 11 के सभी छात्र.छात्राओं को अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कोविड -19: वैक्सिनेशन व क्लिनिकल ट्रायल

केजीएमयू व सीएसआईआर में एमओयू

लखनऊ। कोविड.19 से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए इसके वैक्सीनेशन के निर्माण वह क्लीनिकल ट्रायल सहित अन्य बीमारियों की प्रक्रिया एवं उपचार के डेवलपमेंट व रिसर्च को लेकर सोमवार को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी और सीएसआईआर के राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के बीच एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। अनुबंध के तहत इन बीमारियों के अलावा कैंसरए गठियाए डायबिटीज तथा मोटापे जैसी बीमारियों पर भी संयुक्त रूप से रिसर्च किया जाएगा। अनुबंध पत्र पर संस्थान की तरफ से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एमएलबी भट्ट एवं नेशनल बोटैनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर एस के बारीक ने हस्ताक्षर किए। अनुबंध का उद्देश्य दोनों संस्थानों के मध्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं सहभागिता को बढ़ाना है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान एक दूसरे संकाय सदस्यों को शैक्षिक एवं तकनीकी स्त्रोतों का प्रयोग करने की अनुमति प्रदान करेंगे।

सुशांत गोल्फ सिटी में पुलिस ने महिला तक पहुंचाई दवा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में रहने वाली एक गर्भवती महिला ने इंस्पेक्टर को फोन कर दवा खत्म होने की जानकारी दी। जिसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस कर्मियों ने महिला द्वारा उनकी बताई गई दवा का इंतजाम कर उनके घर तक पहुंचाया। जानकारी के मुताविक सेलीब्रिटी ग्रीन में रहने वाली सुनैना सिंह ने सोमवार की दोपहर को सुशांत गोल्फ सिटी इंस्पेक्टर के सीयूजी नंबर पर फोन कर दवा खत्म होने की सूचना दी। महिला के पति नेवी में होने से अपनी बेटी के साथ अकेली रहती है। इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने महिला के घर जाकर पहले दवा का पर्चा लिया और सिविल अस्पताल के पास से दवा लाकर महिला तक पहुँचाया। दवाइयां मिलने के बाद महिला ने पुलिस को धन्यवाद कहा।

कसाईबाड़ा इलाके में कोरोना की जांच करती स्वास्थ्य विभाग की टीम

छात्रों को ऑनलाइन होमवर्क तथा एसाइनमेंट दिया जाए

● मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देश दिए हैं कि लॉक डाउन के दौरान विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो इसलिये ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था करायी जाए। इस वर्ष से सीबीएसई एवं यूपी बोर्ड का पाठ्यक्रम समान होने के कारण सीबीएसई पाठ्यक्रम के ऑन लाइन लर्निंग एप का भी प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दूरदर्शन से सम्पर्क कर प्राइमरी स्कूल के छात्र-छात्रों की पढ़ाई की व्यवस्था करायी जाए।

मुख्य सचिव ने यह निर्देश कोविड-19 के सम्बन्ध में मुख्य सचिव समिति की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन पाठ्यक्रम तैयार कर ई-लर्निंग की व्यवस्था करायी जाए। छात्रों को ऑनलाइन होमवर्क तथा एसाइंनमेंट दिया जाए तथा इसकी नियमित मॉनीटरिंग भी की जाए। इस प्रकार प्राविधिक शिक्षा में भी ई-लर्निंग सामग्री तैयार कराकर पाठ्यक्रम पूर्ण कराया जाए। राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी आरोग्य सेतु एप की जानकारी देकर मोबाइल में एप डाउनलोड कराया जाए। विद्यार्थियों के अभिभावकों से भी आरोग्य सेतु एप अपनाने के लिए कहा जाए। यह एप स्वयं को कोविड-19 के संक्रमण से बचाने में अत्यंत उपयोगी है।

पांच हजार से अधिक एमएसएमई शुरू हो रहे हैं: सिद्धार्थ नाथ सिंह

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की अध्यक्षता में राजस्व और इंडस्ट्री को लेकर गठित कमेटी की सोमवार को पहली बैठक हुई। इसमें सदस्य के रूप में औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह हैं। यह कमेटी मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौपेगी कि जल्द से जल्द कौन-कौन से उद्योग शुरु किए जा सकें। इस बारे में सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बताया कि करीब पांच हजार की संख्या में एमएसएमई शुरु हो रहे हैं। हमारा यही प्रयास है कि जिन उद्योगों के यहां पर श्रमिको के रहने की व्यवस्था बेहतर है वह पहले अपनी इंडस्ट्री शुरु करें और जिनके श्रमिकों को दूसरे स्थान से आन पड़ता है उनके लिए बसों का इंतजाम कराया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि ओडीओपी के तहत भी उद्योग को जल्द से जल्द शुरु करवाया जाए। इस काम में सोशल डिस्टेसिंग का पूरा ध्यान और स्वास्थ्य विभाग के मानकों का पूरा पालन करने को कहा गया है।

स्पीकर ने दी अंबेडकर जयंती पर बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने विधिवेत्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की 129 वीं जयन्ती के अवसर पर उन्हें याद करते हुए देश व प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा है कि भीमराव आंबेडकर ने अपने जीवन में सामाजिक, आर्थिक , राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दीक्षित ने अपील की है कि हम सब अपने-अपने घरों में ही बाबा साहेब की जयन्ती पर उनका स्मरण, उत्सव व उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। कोरोना महामारी के कारण सामूहिक उत्सव संभव नहीं है।

वहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह एवं प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रदेशवासियों व पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं व बधाई दी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने अंबेडकर की जयंती पर बधाई देते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने घरों पर ही बाबा साहब के चित्र पर माल्यर्पण पुष्पांजलि करते हुए बाबा साहब को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करे। पार्टी कार्यकर्ता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर मंडल स्तर पर हाईजीन एसोशल डिस्टेन्सिंग व लॉकडाउन के नियमो का पालन करते हुए पार्टी द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत कम से कम दो गरीब बस्तियों के सभी घरों में भोजन, राशन तथा मास्क वितरण का काम करें। बाबा साहब की जयंती पर पार्टी कार्यकर्ता संविधान के आदर्शों का पालन करने की शपथ लेने के साथ ही कोरोना के खिलाफ जंग में सरकार के निर्देशों का अनुसरण करने की भी शपथ भी लें।

पत्रकारों का 50 लाख का बीमा कराएं मुख्यमंत्री: रामगोविंद चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रदेश के पत्रकारों का 50 लाख का बीमा किया जाए। नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग में सभी पत्रकारों का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि पत्रकार चाहे मान्यता प्राप्त हो या गैर मान्यता प्राप्त सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सरकार को उठानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद ने मुख्यमंत्री से कहा कि प्रदेश में सभी स्तर के पत्रकारों पत्रकार को 50 लाख का बीमा कवर दिए जाने की व्यवस्था की जाए।

भारत के लिए एक नयी रोशनी थे डॉ. अम्बेडकर

ज्योति कश्यप। लखनऊ

14 अप्रैल 1891 में एक दलित परिवार में जन्मे डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर जिनको लोग भारत के संविधान के रचयिता के नाम से जानते है। डॉ. अम्बेडकर ने सिर्फ हमारे भारत का संविधान ही नहीं लिखा बल्कि उस समय समाज को एक अलग नजर से देखा जिस समय भारत में लोगो के अंदर राष्ट्रवाद की भावना जाग्रत हो रही थी।

19वीं शताब्दी में जहाँ पूरा भारत अंग्रेजो से आजादी पाने की होड़ में लगा था, वहीं डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारत को एक सामाजिक दृष्टि से देखा। जहाँ समाज के लोग आपस में भेद-भाव और एक-दूसरे के साथ दुराचार कर रहे थे। डॉ. अम्बेडकर ने पूरे समाज को बताया की राष्ट्रीय एकता से ज्यादा जरुरी सामाजिक एकता है। जिस समाज में रहने वाले लोगो में एकता नहीं होगी, तो राष्ट्रीय एकता का और आजादी का भी कोई फायदा नहीं होगा। भारत में रहने वाले लोग ही आपस में धर्म और जाति के नाम पर बँटे थे जिसके कारण आपस में रहने वाले लोगो में मनमुटाव होता था। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने उस समय लोगो को जागरूक कर भारत में सामाजिक एकता लाने की शुरुआत की। डॉ. अम्बेडकर ने अपनी कई पुस्तकें जैसे अनिलेशन ऑफ कास्ट, हू वर शूद्र, अनटचिबिलिटी आदि पुस्तकों के जरिये लोगो तक अपनी बातें पहुंचायी। कई पत्रिकाओं, कई सम्मेलनों द्वारा लोगों को सामाजिकता सिखाई। डॉ. अम्बेडकर भारत के एक कुशल नागरिक ही नहीं बल्कि एक जागरूक व्यक्ति थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों को हटाने का कार्य किया, फिर चाहे वह नारी शिक्षा को बढ़ावा देना हो या जाति-व्यवस्था, वर्ण-व्यवस्था का अंत करना हो। इन सभी सामाजिक कुरीतियों को जड़ से हटाने के लिए कुशल प्रयास किये। डॉ. अम्बेडकर को आज के समय में लोग दलितों का मसीहा कहते है, परन्तु जिस व्यक्ति ने समाज के सभी वर्गों के लोग, सभी महिलाओं के अधिकार के लिए जीवनभर प्रयास किया उनको सिर्फ दलितों का मसीहा कहना गलत होगा। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने भारत को एक अलग नजरिये से देखा और समाज की सभी कुरीतियों को हटाने का प्रयास किया। समाज में रहने वाले लोगों को संवैधानिक हक प्रदान कराया, जिसके कारण आज सभी वर्ग के लोग, महिलायें आजादी से अपने समाज में रह रहे है। डॉ. अम्बेडकर हमारे भारत के लिए एक ईश्वर के वरदान के रूप में थे जिन्होंने भारतीय समाज को एक नयी रोशनी प्रदान की।

लेखिका लखनऊ विश्वविद्यालय की बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं

साम्प्रदायिक आधार पर बंटे तो कोरोना के खिलाफ लड़ाई कमजोर होगी: शिवपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व मंत्री एवं प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने देश व प्रदेशवासियों को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शिवपाल ने अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा कि डॉण् भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए हमेशा शोषितों और पीड़ितों के पक्ष में आवाज उठाई।

शिवपाल यादव ने कहा कि भारतीय संविधान इस देश के नागरिकों को अधिकार प्रदान करने के साथ ही नागरिकों को राष्ट्र के प्रति कर्तव्य परायणता का संदेश भी देता है। आज इस संकट की घड़ी में हमें राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए और जाति, सम्प्रदाय, भाषा व भौगोलिक सीमाओं से ऊपर उठकर कोरोना के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई का संकल्प लेना चाहिए। अगर हम साम्प्रदायिक आधार पर बटेंगे तो न सिर्फ कोरोना के खिलाफ लड़ाई कमजोर होगी अपितु यह देश भी कमजोर होगा। शिवपाल यादव ने कहा कि डॉ अंबेडकर साम्प्रदायिक सद्भाव के प्रबल समर्थक थे। वे मानते थे कि एक सशक्त भारत की संकल्पना बहुसंख्यक व अल्पसंख्यकों के समग्र विकास से ही संभव है। शिवपाल यादव ने कहा कि डॉ अंबेडकर महिला उत्थान के भी प्रबल पक्षधर थे और उन्होंने महिलाओं को सशक्त एवं शिक्षित करने पर बल दिया।

शिवपाल यादव ने कहा कि अंबेडकर सामाजिक न्याय के अनन्य योद्धा थे। श्री यादव ने कहा कि हम सबको डॉक्टर अंबेडकर के विचारों का अनुसरण करते हुए समतामूलक समाज की स्थापना करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

जरूरतमंदों की मदद में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित कर रही पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी है कि संकट के समय में जरूरतमंदों की मदद कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिलों में पुलिस द्वारा बेवजह प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने ऐसी कई घटनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया है। लल्लू ने इन मामलों के दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मुख्यमंत्री से मांग की है।

अपने पत्र में लल्लू ने कहा है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के आवाह्न पर पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता , जरूरतमंदों को खाने एवं राशन के पैकेट उनके घर जाकर पहुंचा रहे हैं । साथ ही प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए देश के समक्ष आये इस संकट में सरकार के साथ हैं। ऐसे समय में जब दुनिया की बहुसंख्यक आबादी कोविड-19 महामारी के प्रकोप से जूझ रही है। वही हमारे देश में इस बीमारी के खतरे से लाकडाउन की वजह से गरीबों के समक्ष खाने की समस्या उत्पन्न हो गयी है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी ने उनकी मदद के लिए पूरे देश में हेल्प लाइन नम्बरों पर राशन ए दवा ए खाने का पैकेट इत्यादि की मांग पर उन्हें उक्त वस्तुएं पहुँचायी जा रही हैं। कई जिलों से कार्यकर्ताओं ने बताया है कि जरूरतमंदों तक सामग्री पहुँचाने जा रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा बेवजह प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रदेश सचिव सचिन चौधरी को 11 अप्रैल को जिला प्रशासन द्वारा जेल भेज दिया गया। ए जिन्हें अविलम्ब बिना शर्त रिहा किये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया जाए। गोरखपुर में जिलाध्यक्ष को बार बार प्रताड़ित किया गया। 3 अप्रैल को जगदीशपुर चौकी के सिपाहियों ने जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान की गाड़ी की हवा निकाल दी। 10 अप्रैल को गोरखनाथ थानाध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष के आवास पर जाकर दबाव बनाने का प्रयास किया। 10 अप्रैल को बलिया शहर कोतवाल विपिन सिंह एवं एसडीएम ने जिला कांग्रेस कार्यालय जाकर वहाँ चल रही साझी रसोई को बन्द करवा कर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बदसलूकी किया। 10 अप्रैल को चन्दौली जनपद के मुगलसराय सदर कोतवाल गोपालदास गुप्ता द्वारा चंदौली शहर अध्यक्ष की गाड़ी का चालान किया गया। 11 अप्रैल को मुगल सराय थानाध्यक्ष शिवानन्द मिश्रा ने कार्यकर्ता दशरथ चौहान को बेवजह थाने में बैठाये रखा। मऊ में एक कांग्रेस कार्यकर्ता की मृत्यु पर विष्णु प्रकाश कुशवाहा को उनके अंतिम संस्कार में जाने के लिए पास नहीं दिया गया। देवरिया और वाराणसी में कांग्रेसियों के सहयोग से चलाए जा रहे साझा रसोईघर को स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा जबरन बंद करवा दिया गया। इन रसोइयों को जनहित में चलने दिया जाए।

कोरोना से जंग में ऑनलाइन प्रशिक्षण में शामिल हुई बीबीएयू की 59 गर्ल्स कैडेट्स

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना से जंग में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय और 20 यूपी गर्ल्स बटालियन से सम्बद्ध एनसीसी कैडेट्स भी मैदान में उतरने के लिए कमर कस के तैयार हो गई हैं। सोमवार को कार्मिकए लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वाराए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिक्षा एप की सहायता से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण में बीबीएयू एनसीसी की 18 वर्ष से अधिक उम्र वाली 59 गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभागिता दर्ज की और सफलता प्राप्त की।

प्रशिक्षण का यह पहला चरण था। प्रशिक्षण का दूसरा चरण जिला स्तर पर होगा। प्रशिक्षित गर्ल्स कैडेट्स का काम लखनऊ जिले के अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को सहयोग प्रदान करना होगा। गर्ल्स कैडेट की ड्यूटी जिले में कहीं भी लगाई जा सकती है और ड्यूटी के समय कैडेट्स के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। ड्यूटी के समय सभी कैडेट्स को पीपीई किट भी प्रदान की जाएगी।

ड्यूटी के प्रथम बैच के लिये नियुक्त कैडेट्स: अंकिता कुमारी, कनिका त्रिपाठी, कोमल गौतम, मीरा कुमारी, पूजा गौतम, ऋ तु पांडेय, सलोनी सिंह और सृष्टि मिश्रा।

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली अन्य कैडेट्स: अर्चना पाल, सहस्राब्दी सिंह, मौष्मी देवी, कीर्ति यादव, दिया सिंह, सृष्टि मिश्रा, नंदिनी त्रिपाठी, दीक्षा प्रजापति, सीमा वर्मा, दिव्या शर्मा, कीर्ति यादव, अंकिता सिंह, अर्चना कुमारी, स्वेता सिंह, नेहा साहनी, हर्षिता सिंह, मनि वर्मा, उपलब्धि पाल, रिया सिंह, आर्या सिंह, हर्षिता गौतम, रानी गिरी, कोमल वर्मा, कोमल वर्मा, मीरा कुमारी, शोभा सिंह, शिवानी गुप्ताए तरुण सिंह, शालिनी, आस्था मिश्रा, ऋ तु पांडेय, पूजा पाल, कृतिका त्रिपाठी, रश्मि मिश्रा, अंकिता शर्मा, अंजलि पांडेय, रिया द्विवेदी, वर्षा भारती, आरुणि, दुर्गेश मिश्रा, जाह्नवी पांडेय, प्रियंका पांडेय, अंकिता कुमारी, कीर्ति प्रिया सिंह, अनुप्रिया, स्वाति कैथवाश, दीक्षा सिंह, उम्मे कुलसुम, अनुप्रिया गौतम, पूजा गौतम, मानसी श्रीवास्तव, सलोनी सिंह, कनिका त्रिपाठी, शालिनी तिवारी, वर्षा रानी पटेल, अंसुप्रिया यादव, सिमरन सिंह, कोमल गौतम, श्वेता चतुर्वेदी।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सीएमएस छात्र ने अर्जित की विश्व में प्रथम रैंक

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) के कक्षा-8 के छात्र क्षितिज नारायन ने इण्टरनेशनल बेन्चमार्क टेस्ट में विज्ञान विषय में 100 परसेन्टाइल के साथ विश्व में प्रथम रैंक अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि यह प्रतियोगिता ए.सी.ई.आर. के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुई, जिसमें अनेक देशों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा, देश भर के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के हजारों छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में क्षितिज ने विज्ञान विषय में पूरे 100 प्रतिशत अंक अर्जित किये हैं। इस उपलब्धि हेतु क्षितिजे को सी.एम.एस. द्वारा रु. 50,000/- का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

एकेटीयू ने शुरू की कोई भूखा न सोए मुहिम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने एक अनोखी मुहिम शुरू की है। इस मुहिम के तहत उन्होंने कोरोना संक्रमण के चलते हुए लॉक डाउन में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए कोई भूखा न सोए थीम के लिए विवि से सम्बद्ध 750 से अधिक संस्थानों से ग्रामीण अंचलों में कच्चा राशन और भोजन वितरण की अपील की है।

हाल ही में विवि द्वारा ग्रामीण अंचलों में तकनीकी विकास के लिए गाँव गोद लेने के निर्देश सभी सम्बद्ध संस्थानों के निर्गत किए गए थे जिसके क्रम में संस्थानों द्वारा गाँव गोद लिए गए थे। प्रो पाठक ने सभी संस्थानों से अपील की है कि अपने क्षेत्र के कम से कम चार से पांच गाँवों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को कच्चा अनाज एवं भोजन उपलब्ध करवाने का कार्य करें। इसके लिए प्रत्येक संस्थानों को कम से कम दो शिक्षक बतौर नोडल ऑफिसर नामित करने के लिए निर्देशित किया गया है। विवि ने इसके लिए विवि स्तर पर आशीष मिश्राए प्रभारीए सम्पत्ति एवं मीडिया तथा डॉ आयुष श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव को नोडल ऑफिसर नामित किया है।

विवि के कुलपति प्रो पाठक ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में हमें तनए मन और धन से राष्ट्र की सेवा में जुटना चाहिए। इस विपरीत परिस्थिति में सभी को भोजन मिल सकेए इस कार्य के लिए हम सबको आगे आना चाहिए।

सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन करने के लिए आईआईएम ने तैयार किया एप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए सरकार द्वारा लागू लाक डाउन की समय सीमा को समाप्त होते हुए देख भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ ने सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन करने के लिए एक नया ऐप तैयार किया है। इस ऐप को लेकर आईआईएम का कहना है कि कोरोना वायरस को लेकर लॉक डाउन खुलने के बाद सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना बेहद जरूरी होगा। यह ऐप उस दिशा में मददगार साबित होगा। सोशल डिस्टेंस मेंटेन करने के लिए तैयार किए गए एप पर अभी आईआईएम के स्टूडेंट्स की तरफ से हर फील्ड की ग्रोसरी व मेडिसिन मार्केट को चिन्हित करके एक डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। जिसे ऐप पर अपलोड किया जाएगा। संस्थान के मुताबिक इस ऐप को जल्द ही लांच किया जाएगा। आईआईएम के प्रोफेसर विकास श्रीवास्तव का कहना है कि ऐप को लांच करने के लिए डाटा एकत्र करने का काम तेजी से चल रहा है। इस ऐप पर यह सुविधा होगी कि जो भी व्यक्ति इसके जरिए सामान की खरीदारी करेगा। उसे एक टाइम स्लॉट दिया जाएगा और उसके बाद वाले व्यक्ति को अलग टाइम स्लाट दिया जाएगा। जिससे दुकान पर भीड़ नहीं लगेगी और सोशल डिस्टेंसिंग भी फॉलो होती रहेगी।

इस तरह कार्य करेगा एप

उन्होंने बताया कि इस ऐप से दुकान पर एक साथ कई लोग खरीदारी कर सकेंगे। लेकिन सभी को अलग-अलग टाइम स्लॉट दिया जाएगा। यह ऐप दुकानदार और ग्राहक दोनों को डाउनलोड करना होगा। जिससे कोई भी ग्राहक लिस्ट बनाकर समान के आर्डर को बुक कर देगा और उस ग्राहक को एक टाइम स्लॉट दिया जाएगा। इसके बाद ग्राहक अपने टाइम स्लॉट के अनुसार दुकान पर जाकर सामान लेगा और चला आएगा। इससे न तो दुकान पर भीड़ लगेगी और ना ही ग्राहक अनावश्यक दुकान पर खड़ा होगा।

वेतन न मिलने से खफा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज में जुटे पीजीआई कोविड.19 हॉस्पिटल के संविदा कर्मियों ने 2 माह से वेतन न मिलने के विरोध में सोमवार का प्रदर्शन किया। प्रशासनिक भवन पर प्रदर्शन कर रहे कर्मी निदेशक से मिलने की मांग कर रहे थे। हांलाकि किसी तरह बीच बचाव व आश्वासन के बाद कर्मी शांत हुए। प्रदर्शन कर रहे कर्मियों का कहना था कि कर्मचारियो का परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गया है। प्रशासन के अफसर कर्मियों को जबरन ड्यूटी पर आने का दबाव बना रहे हैं। अफसरों से वेतन के भुगतान के मुद्दे पर बात करने पर कर्मियो को नौकरी से निकालने की धमकिया मिल रही हैं। अस्पताल में तैनात 140 पेशेंट हेल्पर और 30 डाटा इंट्री ऑपरेटर हैं। जिन्हें 2 माह से वेतन नही मिला है। एक कर्मचारी ने बताया कि बच्चा बीमार है। इलाज कराने के लिए पैसे नही है। इन कर्मियों का कहना है कि मकान के किराया भी नही दिया हूं। राशन लाने के लिए रुपये नही हैं। अब तो बाइक में तेल भराने के पैसे नहीं है। ड्यूटी पर आना मुश्किल हो गया है।

कोरोना महामारी से बचाव के लिए होम्योपैथी पद्धति को भी किया जाए शामिल

लखनऊ। होम्योपैथिक चिकित्सकों ने सरकार से कोरोना महामारी से बचाव, प्रबंधन एवं उपचार में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को शामिल किये जाने की मांग की है। इस संबंध में केंद्रीय होमियोपैथी परिषद के पूर्व सदस्य डॉ अनुरूद्ध वर्मा ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं आयुष मंत्री को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि समय-समय पर देश, विदेश में फैली महामारियों जैसे कालरा, पीला बुखार, स्पेनिश बुखार, इन्फ्लूएंजा, स्कारलेट फीवर, स्वाइन फ्लू, डेंगू, चिकुनगुनिया, जापानी इन्सेफलाइटिस, कंजेक्टिवाइटिस आदि से रोकथाम, प्रबंधन एवं उपचार में सफलता के प्रमाण होमियोपैथी साहित्य में उपलब्ध हैं। उन्होंने लिखा है कि कोविड 19 के कारण उत्पन महामारी से निपटने एवं बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए एक चिकित्सा पद्धति पर निर्भर रहने के बजाय एक एकीकृत व्यवस्था लागू किये जाने की जरूरत है जिसमे होमियोपैथी को भी शामिल किया जाए। उन्होंने कहा है कि होमियोपैथी एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियों के समन्वित प्रयास से इस महामारी से शीघ्र मुक्ति मिल सकेगी। उन्होंने लोगों से अपील कि है कि इस महामारी से बचाव के लिए सरकारी दिशा निर्देशों का पूरी तरह से पालन करें।

कोरोना ने नवाबों के शहर से लेकर अलीगढ़ के कारखानों पर लगाया ताला

● सरकार ने इंडस्ट्री को चालू करने के लिए बनाया प्लान

● कारखानों को नहीं मिल रहे श्रमिक

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी में लाकडाउन को हुए करीब दो हफ्ते का समय पूरा हो रहा है। कोरोना ने नवाबों के शहर लखनऊ से लेकर अलीगढ़ के ताला उद्योगों पर संक्रमण फैला दिया है। यहां के उद्योगों पर ताला लग गया है। इनमें दिहाड़ी मजदूर पर काम करने वाले बेरोजगार घर पर ही बैठे है। एक जिला एक उत्पाद के तहत हर जिला जो अपने-अपने किसी विशेष उत्पाद के लिए प्रसिद्ध है वहां के उद्योग भी बंद हो गए हैं। जो लोग उद्योग खोलना भी चाहते हैं वहां पर संक्रमण के भय से लोग अभी काम नहीं करना चाहता हैं जबकि सरकार ने उद्योगों से अपील की है कि वह अपने कारखानों को शुरु करें और अपने श्रमिकों के वेतन नियमित समय में दें।

इन सबके बीच लाकडाउन में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को थोड़ा बहुत शुरु किया है लेकिन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले छोटे उद्योगों के पास श्रमिक नहीं है। इनमें दवाओं की फैक्ट्रियों से लेकर रोज-मर्रा की खाने-पीने की वस्तुओं को बनाने वाले छोटे कारखानों को भी मजदूर नहीं मिल पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने यूपी के कई औद्योगिक इकाईयों से बात की और उन्हें कारखानों को शुरू करने को कहा है। औद्योगिक इकाईयों ने अपनी सहमति तो प्रदान कर दी है लेकिन उनके सामने अब श्रमिकों की कमी सबसे बड़ा संकट उद्योग चलाने के लिए खड़ा हो गया है। आईआईए ने ऐसे कई संकटों को देखते हुए सरकार से राहत का पैकेज मांगा है। बैंकों से भी कई प्रकार की सहूलियतें देने की मांग की है ताकि एमएसएमई पर संकट न आने पाए। लॉकडाउन होने से उद्योग-धंधे ठप हुए तो मजदूरों ने पलायन किया है। अब उनके सामने दो जून की रोटी का संकट पैदा हो गया है। इनमें दिहाड़ी मजदूरों के लिए सबसे ज्यादा आगरा, कन्नौज, भदोही, मुरादाबाद, अलीगढ़, लखनऊ, हरदोई, फिरोजाबाद, कानपुर, मेरठ जैसे शहरों में दिक्कत हो रही है। लॉकडाउन से मेरठ की स्पोर्टस इंडस्ट्री से जुड़े हजारों कर्मचारियों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। स्पोर्ट्स इंडस्ट्रीज से जुड़े अधिकतर कर्मचारी प्रति पीस के हिसाब से अपनी मजदूरी करते हैं। यानि दिनभर में वह कितने पीस बनाता है उसी हिसाब से उसे पैसे मिलते हैं लेकिन लॉकडाउन होने से अब ये लोग घर पर ही खाली बैठे हैं। कानपुर के चमड़े की डिमांड पूरे विश्व में है। यूरोपीय देशों से लेकर चीन, उत्तरी कोरिया और इंडोनेशिया में कानपुर का बना हुआ लेदर मटेरियल एक्सपोर्ट किया जाता है। जब से कोरोनावायरस ने दस्तक दी तो यूरोपीय देशों समेत पड़ोसी देशो ने सभी तरह के आर्डर कैंसिल कर दिए है। विदेशों को जाने वाले चमड़े से बने उत्पाद बंदरगाहों पर पड़े है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में माल गोदामों में पड़ा हुआ है। आर्डर कैंसिल होने के बाद चमड़ा कारोबारियों को सबसे बड़ा नुकसान हुआ है। कोरोनावायरस की वजह से चमड़ा उद्योग को लगभग 25 हजार करोड़ का नुकसान हो चुका है। अभी इस संबध में क्लोजिंग की वजह से नुकसान की पूरी डिटेल आनी बाकी है। लॉकडाउन की वजह से कच्चा चमड़ा भी सड़कर बर्बाद हो रहा है। सुहागनगरी फिरोजाबाद के कांच कारखाने भी बंद कर दिए गए हैं। कन्नौज का इत्र व्यापार, हरदोई का हथकरघा उद्योग, अलीगढ़ का ताला उद्योग, मुरादाबाद का पीतल उद्योग, भदोही का कालीन उद्योग, आगरा का जूता उद्योग समेत यूपी के अन्य उद्योग बंद हैं।

प्रदेश की सीमाओं पर नजर रखने को 17 आईजी व डीआईजी तैनात

16 अप्रैल तक नेपाल व अन्य राज्यों से सटे जिलों में नोडल पुलिस अधिकारी करेंगे कैंप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

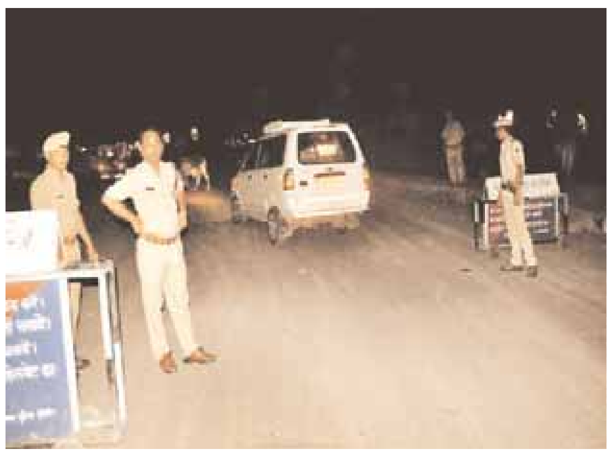

प्रदेश की सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सीमाओं पर मुस्तैदी से नजर रखने के लिए डीजीपी रितेश चंद अवस्थी ने 17 आईजी व डीआईजी को नोडल अफसर नियुक्त किया है। इन सभी अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र के सीमा वाले जिले में सोमवार से बृहस्पतिवार तक कैंप कर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने सभी जिलों के पुलिस कप्तानों लखनऊ और नोएडा के पुलिस कमिश्नर, सभी जोनल एडीजीए रेंज के आईजी व डीआईजी को लॉकडाउन के प्रभावी अनुपालन व पर्यावरण के संबंध में निर्देश दिए हैं।

लॉकडॉन के प्रभावी अनुपालन के लिए डीजीपी ने 17 पुलिस अधिकारियों को नोडल अफसर नियुक्त करते हुए उन्हें सीमावर्ती जिले में कैंप करने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने कहा है कि उनकी ड्यूटी 13 अप्रैल से प्रारंभ होकर 16 अप्रैल की रात तक प्रभावी रहेगी। मेरठ रेंज के आईजी प्रवीण कुमार को बागपत, बुलंदशहर मेरठ व गाजियाबाद के दिल्ली व हरियाणा राज्य के बॉर्डर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रवीण कुमार गाजियाबाद में कैंप करेंगे। मुरादाबाद रेंज के आईजी रमित शर्मा बिजनौर, मुरादाबाद और रामपुर के उत्तराखंड राज्य के बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। शर्मा बिजनौर में कैंप करेंगे। आगरा रेंज के डीआईजी, सतीश गणेश मथुरा व आगरा के राजस्थान व हरियाणा बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह मथुरा में कैंप करेंगे।

अलीगढ़ रेंज के डीआईजी प्रीतिंदर सिंह अलीगढ़ के हरियाणा बॉर्डर पर पर्यवेक्षण करेंगे वह अलीगढ़ में कैंप करेंगे। झांसी रेंज के आईजी सुभाष सिंह बघेल जालौन, झांसी, ललितपुर के मध्य प्रदेश बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह झांसी में कैंप करेंगे। कानपुर रेंज के आईजी मोहित अग्रवाल इटावा के मध्य प्रदेश बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह इटावा में कैंप करेंगे। बस्ती रेंज के डीआईजी आशुतोष कुमार सिद्धार्थनगर में कैंप करके नेपाल बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। गोरखपुर रेंज के डीआईजी डी राजेश राव मोदक कुशीनगर व देवरिया के बिहार बॉर्डर तथा महाराजगंज के नेपाल बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह महाराजगंज में कैंप करेंगे। देवीपाटन रेंज के डीआईजी राकेश सिंह श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर के नेपाल बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह बहराइच में कैंप करेंगे।

प्रयागराज रेंज के आईजी कवींद्र प्रताप सिंह प्रयागराज के मध्य प्रदेश बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह प्रयागराज में कैंप करेंगे। चित्रकूट धाम के डीआईजी दीपक कुमार चित्रकूट, बांदा, महोबा के मध्य प्रदेश बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह चित्रकूट में कैंप करेंगे। बरेली रेंज के डीआईजी राजेश कुमार पांडे पीलीभीत, बरेली के नेपाल बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह बरेली में कैंप करेंगे। सहारनपुर के डीआईजी उपेंद्र कुमार अग्रवाल सहारनपुर के उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश बॉर्डर तथा जनपद मुजफ्फरनगर के हरियाणा बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे और सहारनपुर में कैंप करेंगे। लखनऊ रेंज के आईजी एस के भगत खीरी के नेपाल बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे और खीरी में कैंप करेंगे।

आजमगढ़ रेंज के डीआईजी सुभाष चंद दुबे बलिया में बिहार बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे और बलिया में कैंप करेंगे। मिर्जापुर रेंज के आईजी पीयूष श्रीवास्तव सोनभद्र के मध्य प्रदेशए झारखंड ,छत्तीसगढ़ व बिहार बॉर्डर तथा मिर्जापुर के मध्य प्रदेश बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे। वह मिर्जापुर में कैंप करेंगे। इसके अलावा वाराणसी परिक्षेत्र के आईजी विजय सिंह मीणा गाजीपुरए चंदौली के बिहार बॉर्डर का पर्यवेक्षण करेंगे और सोनभद्र में कैंप करेंगे।

किराया न मिलने पर मकान मालिक ने किरायेदार को सामान समेत घर के बाहर खदेड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● स्थानीय पुलिस ने किराया अदा करा मामले को किया रफादफा

आशियाना थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार शाम एक मकान मालिक ने किराए की मांग पूरी न होने पर किरायेदार को परिवार व उसके सामान समेत घर बाहर खदेड़ दिया। जिस पर पीड़ित किरायेदार स्थानीय थाने पर शिकायत की, मौके पर पहुंचे स्थानीय पुलिस ने शासन के आदेशों को दरकिनार कर पीड़ित से किराया अदा करा मामले को रफा दफा कर दिया।

माली का काम करने वाला हँसमुख ने पंद्रह दिन पूर्व पासी किला गांव में कल्लू पासी के मकान में चौबीस सौ रुपये प्रतिमाह पर एक कमरा किराए पर लिया था अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। पीड़ित किरायेदार का आरोप है कि इस लॉक डाउन के दौरान मकान मालिक की पत्नी ने एक सप्ताह पूर्व हजार रुपये की मांग की थी जिस पर उसने टुकड़े में सात सौ रुपये दिए इसके बावजूद रविवार शाम मकान मालिकिन ने दो अन्य लोगो के साथ मिलकर मेरे साथ मारपीट की और परिवार समेत मुझे घर के बाहर निकाल दिया और मेरे सारे सामान घर के बाहर फेंक दिया जिसकी सूचना स्थानीय थाने पर दी वहीं मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक दलवीर सिंह ने कोई कार्रवाई के बजाए मकान का बाकी किराया अदा करवा मामले को शांत कराया और सारा सामान लेकर जाने को कह दिया। फिलहाल पीड़ित परिवार आशियाना क्षेत्र के रिक्शा कॉलोनी के एक कमरे में अपने परिवार संग रह रहा है।

एसबीआई लखनऊ मण्डल की मुख्य महाप्रबंधक ने स्टाफ सदस्यों से एकत्रित 50 लाख की धनराशि का चेक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किया

राजस्व विभाग के कर्मचारी ने लगाई फांसी, मौत

लखनऊ। गाजीपुर थाना क्षेत्र के इस्माइलगंज इलाके में एक युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पार पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की छानबीन में जुट गई। इस्माइलगंज के रत्न विहार कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय सचिंद्र शर्मा अपने परिवार संग रहते है। पत्नी अनीता ने बताया कि सोमवार सुबह करीब सात बजे सचिंद्र ने अपने कमरे में पखे के सहारे दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। सचिंद्र राजस्व विभाग में चपरासी के पद पर तैनात था। परिजनों द्वारा सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मुताबिक सचिंद्र काफी समय से बीमार चल रहा था उसके उसके आंखो से कम दिखाई देता था जिसके चलते वो डिप्रेशन का शिकार हो गया था। पुलिस आशंका जाता रहीं है कि इसी के चलते उसने आत्महत्या कर ली । फिलहाल पुलिस मामले की जांच में। जुट गई है।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने दी जान

लखनऊ। राजधानी के पारा इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर ने रविवार की रात अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होने पर परिजन अस्पताल ले गए जहाँ उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जहर खाने की वजह स्पष्ट नही हो सकी है। पुलिस के मुताबिक पारा में सरौसा गांव का रहने वाला अमरेंद्र प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। रविवार शाम वह अपने घर से बिना बताए घर से बाहर चला गया थोड़ी देर बाद खुशहाल गंज में वह रोड के किनारे गम्भीर हालात में पड़ा मिला। वहां पर रहने वाले उसके परिचित ने उसके छोटे भाई शैलेंद्र को फोन करके सूचना दी। जहाँ से शैलेंद्र उसे लेकर ट्रामा सेंटर गया वहाँ इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

तीन घरों के छप्परों में लगी आग,कोई जनहानि नहीं

लखनऊ। गोसाईंगंज के लोधपुरवा गांव में अचानक लगी आग से तीन घरों पर रखे छप्पर जल कर राख हो गए। आग लगने की भनक लगते ही ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक गोसाईंगंज के सलेमपुर मजरा लोधपुरवा गांव निवासी मोल्हेए दीपकए और रामकरन सोमवार की शाम को खेत पर गेहूं की फसल काटने गए थे। तभी देर शाम रामकुमार के छप्पर में अचानक आग लग गई। जब तक गांव के लोग आग बुझाने के लिए आते पास में रह रहे मिलहि व दीपक के घर मे रखे छप्परों तक आग की लपटें पहुंच गई। जिससे नीचे में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। आग देख के ग्रमीणों ने घरों से बाल्टियों से पानी उड़ेल कर कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने में सफल हो सके।

खाना बनाते समय किशोरी झुलसी

लखनऊ। वजीरगंज के नवी उल्ला रोड़ नई बस्ती में शकील, पत्नी व बच्चों के साथ रहकर मजदूरी करते हैं। सोमवार को स्टोव से खाना बनाने के दौरान उनकी बेटी आफरीन (15) झुलस गयी। हड़कम्प मचा तो पुलिस मौके पर पहुंची। वो किशोरी को पहले ट्रामा ले गयी। जहां से उसे सिविल के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि स्टोव में तेजी से लव निकलने पर आग आफरीन के कपड़ों तक पहुंच गयी। जिससे वो झुलसी है। वहीं डाक्टरों ने उसकी हालत गम्भीर बतायी है।

बहन को राशन देने आये युवक की मौत, मचा हड़कंप

निगोहां। बहन के यहां राशन देने आये युवक की अचानक मौत से मचा हड़कंप मौत की सूचना फैलने से इलाके में लोग दहशत में आ गए।वही मौत के बाद परिजन शव लेकर बिजनौर चले गए। उन्नाव पुरवा का रहने वाले लाला 35 ननिहाल बिजनौर में रहता था। सोमवार निगोहा थाने के बगल में झोपड़ी बनाकर रहने वाली अपनी बहन रेशमा को राशन देने आया था। आने के बाद बहन ने भाई को चाय बनाकर पिलाई उसके बाद वह वही गिरकर बेहोश हो गया। यह देखकर बहन पास के निजी अस्पताल लेकर गई जहाँ पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद बिजनौर से अन्य परिजन आये और शव लेकर बिजनौर चले गए। वही अचानक हुई मौत निगोहा इलाके के लोग दहशत में है। निगोहा इंस्पेक्टर चिरंजीव मोहन ने बताया कि उसकी मौत हाटअैटक से हुई है।

महिला समेत पांच तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में शराब बरामद

लखनऊ। राजधानी में शराब तस्करों की धर पकड़ का सिलसिला जारी है। लखनऊ पुलिस ने अलग.अलग थाना क्षेत्रों से पांच तस्करों को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद किया है। गोसाईगंज कोतवाली के एसआई अर्जुन सिंह के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर सुनीता रावत पत्नी मंशाराम निवासी गोसाईगंज को 5 लीटर अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा गंगा राम व दिनेश निवासीगण गोसाईगंज को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। वहीं सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने विकास निवासी ग्राम बरौना सुशांत गोल्फ सिटी को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया है। उधर काकोरी पुलिस ने रविन्द्र लोधी को ग्राम सकरा काकोरी से गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से 05 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

लखनऊ। गोसाईंगंज में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हालत नाजुक देख सीएचसी से उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। खजुहा गांव निवासी किसान रामकुमार का लड़का सचिन बाइक से गोसाईंगंज आ रहा था। तभी सुल्तानपुर हाइवे पर तर्ज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी।

प्रियंका गांधी ने भेजा लखनऊ के जरूरतमंद लोगों के लिए राशन

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव यूपी कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने लखनऊ के जरूरतमंद लोगों के राशन भिजवाया है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर मंगलवार को जरूरतमंदों को राशन वितरण किया जाएगा। गौरतलब है कि इसके पहले भी महासचिव प्रियंका गांधी ने कई जिलों में राशन भेजकर जरूरतमंदों की मदद कीं। साथ ही साथ खुद महासचिव कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे अभियान को देख रहीं हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बताया कि महासचिव प्रियंका गांधी ने लखनऊ के लिए राशन भरा ट्रक भेजा है। ताकि जरूरतमंद लोगों की मदद की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी लगातार पूरे राहत अभियान की निगरानी कर रहीं हैं। सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में जहां भी सूबे के लोग परेशान हैं मदद किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में कई जगह साझी रसोईघर चलाया जा रहा है। जहां पर राशन की जरूरत है हम लोग राशन पहुंचा रहे हैं। पूरे प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ता जी जान लगाकर लोगों की सेवा कर रहे हैं।

कम्युनिटी किचन से कराया गया 1.52 लाख गरीबों को भोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लॉकडाउन के बाद गरीबों को भोजन जिला प्रशासन के आदेश पर कराया जा रहा है। जिलाधिकारी के आदेश पर नगर निगम, एलडीए द्वारा इंदिरानगर, अलीगंज, ऐशबाग, आलमबाग, आशियाना में भोजन के पैकेट दिए गए। कम्युनिटी और अक्षय पात्र की मदद से गरीबों को भोजन दिया जा रहा है। पूरे जिले में 1.52 लाख लोगों को भोजन कराया जा रहा है। शहर में जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश के निर्देश पर गरीबों को क युनिटी किचन से भोजन कराया गया है। गरीबों को नगर निगम, एलडीए, जिला प्रशासन के अफसरों ने 1.52 लोगों को खाने के पैकेट दिए। यही नहीं भूखे लोगो को कंट्रोल रूम से आने वाली शिकायतों का भी निस्तारण किया गया है, इन्हें प्राथमिकता पर भोजन उपलब्ध कराया गया। भोजन वितरण में स्वयं सेवी संस्थाओं ने भी भरपूर साथ दिया है। स्वयंसेवी संस्थाओं ने 84304 लोगो को भोजन उपलब्ध कराया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि अक्षय पात्र से गरीबों को 30000 भोजन के पैकेट दिए गए। वहीं अलग- अलग क्षेत्रों मं लगभग 350 पाइंट चिन्हित किये गए है जहां पर अक्षय पात्र से भोजन का वितरण क्यिा गया है। ऐसे में पूरे दिन जिले में कुल 1,52,086 लोगो को भोजन कराया गया हैं।

एसडीएम ने किया एफआई मेडिकल इंस्टीट्यूट का निरीक्षण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर एसडीएम प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को बंथरा इलाके के बनी में स्थित एफ आई मेडिकल इंस्टिट्यूट का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यहां पर सारी व्यवस्थाएं देखी। एसडीएम ने बताया कि इस संस्थान को क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाने के लिए सुरक्षित किया गया है। संस्थान में करीब 100 लोगों को क्वॉरेंटाइन किए जाने की क्षमता है। निरीक्षण के दौरान इंस्टीट्यूट का सैनिटाइजेशन भी कराया गया। एसडीएम ने बताया कि सरोजनीनगर तहसील परिसर स्थित कम्युनिटी किचन और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से सोमवार को बिजनौर, औरंगाबाद, उतरेठिया, गौरी, बदाली खेड़ा, आरिफ नगर और चिल्लावां आदि स्थानों पर 2972 भोजन के पैकेट वितरित किए गए।

जांच करने पहुंची टीम, राशन पाकर खिल उठे ग्रामीणों के चेहरे

संवाददाता। मोहनलालगंज

लॉकडाउन की वजह से तंगहाली झेल रहे विजय कुमार समेत आधा दर्जन से अधिक परिवारों को सोमवार नायब तहसीलदार की अगुवाई में प्रशासन की टीम ने खाद्यान्न मुहैया कराया तो उनके चेहरे की खुशी देखने लायक थी। टीम की जांच में ग्राम पंचायत दहियर में सात दर्जन से अधिक परिवार सिंगल यूनिट के रुप में आपूर्ति विभाग की वेबसाइट पर दर्ज पाए गए। जिनमें से दो दर्जन से अधिक परिवार ऐसे पाए गए जिनके परिवार की यूनिट बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त अन्य परिवारों का भी सत्यापन कराया जा रहा है।

मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत दहियर में सात दर्जन से अधिक परिवारों को सिंगल अथवा कम यूनिट दर्ज होने की वजह से लॉकडाउन में भी जरुरत के मुताबिक खाद्यान्न नही मिल पा रहा है। सोमवार को इसे लेकर पायनियर में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद एसडीएम पल्लवी मिश्रा के निर्देश पर नायब तहसीलदार निगोहां शिरीश त्रिपाठी और राजस्व निरीक्षक खुझौली अंकिता पाण्डेय की अगुवाई में प्रशासन की टीम जांच करने गांव पहुंची। विजय कुमार ,कमलेश और रामप्रकाश समेत आठ परिवारों को खाद्यान्न मुहैया कराया गया। जबकि नब्बे लोगों को लंच पैकेट वितरित किया गया। राजस्व निरीक्षक अंकिता पाण्डेय ने बताया दहियर में आपूर्ति विभाग की लिस्ट में कुल 85 परिवारों की सिंगल यूनिट दर्ज है। जिनमें 57 परिवार ही खाद्यान्न लेने के लिए आ रहे हैं। शेष परिवारों का सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। इन 57 परिवारों में से 27 परिवार ऐसे मिले जिनकी यूनिट फीड कराने की कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है।

सभी जरुरतमंद ग्रामीणों को दिलाया जाएगा राशनः एसडीएम पल्लवी मिश्रा ने बताया दहियर में जिन परिवारों की यूनिट बढ़ाए जाने की रिपोर्ट मिली है सभी परिवारों की यूनिट जुड़वाई जाएगी। इसके अतिरिक्त जिन परिवारों के राशन कार्ड नही बने हैं आवेदन लेकर उनके कार्ड बनवाए जाएंगे। मोहनलालगंज तहसील के किसी भी गांव में जिन लोगों के राशन कार्ड नही बने हैं और यूनिट कट गई हैं ऐसे लोग तहसील के आपूर्ति कार्यालय अथवा ग्राम पंचायत में आवेदन जमा कर सकते हैं। सभी जरुरतमंद ग्रामीणों को राशन दिलाने का लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

जीआरपी ने कराया गरीबों को भोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूरे देश में लॉक डाउन लागू होने के चलते सबसे ज्यादा समस्याओं का सामना गरीब तबके के लोगों करना पड़ रहा है । काम धंधा बंद होने के चलते गरीबों के सामने सबसे बड़ी समस्या अपना और परिजनों का पेट भरने की है। आमजनों की इस समस्या को देखते हुए जीआरपी ने इन गरीबों का पेट भरने का बीड़ा उठाया है। जीआरपी एस पी सौमित्र यादव के निर्देश पर जीआरपी 22 मार्च से ही गरीबों को भोजन उपलब्ध करा रही है। सोमवार को भी जीआरपी कर्मियों ने असहाय व्यक्तियों को रेलवे स्टेशन चारबागएएन ई आर के पास व चारबाग नाका के पास में भोजन का वितरण करने के साथ ही उन्हें कोरोना वायरस से बचाव के उपाय बताने के साथ ही उन्हें सोशल डिस्टनसिंग का महत्व भी समझाया। जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि जीआरपी कर्मी बीते1 16 दिनों से लगातार स्टेशन के आसपास रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को भोजन उपलब्ध करा रही है। बताते चलें कि रेलवे प्रशासन एवं आर पी एफद्वारा भी लॉक डाउन के चलते रोजाना गरीब परिवारों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रधानों ने सीएम कोविड केयर फंड में दिया एक माह का मानदेय

संवाददाता। मोहनलालगंज

कोरोना के विरुद्ध जारी जंग में आमजन को राहत दिलाने के लिए मोहनलालगंज के चार दर्जन से अधिक ग्राम प्रधानो ने एक माह का मानदेय मुख्यमंत्री कोविड केयर फण्ड में दान किया है। ग्राम प्रधानो की दरियादिली की सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है। एडीओ पंचायत कमल किशोर शुक्ल ने बयाया मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत परसपुर थट्टा, करोरा, दहियर, सिसेण्डी, जबरौली, परेहटा, दाऊदनगर, इन्द्रजीतखेड़ा, मीरखनगर ,कांटा.करौंदी ,समेसी ,उतरावां ,गौरा ,कनकहा , गढ़ी मेंहदौली ,पुरसेनी ,डलौना, हरिहरपुर पटसा ,दखिनाशेषपुर, खुझौली, रायभानखेड़ा समेत कुल 55 ग्राम पंचायतो के प्रधान ने अपने एक.एक माह के मानदेय दान देकर कुल एक लाख बान्नवे हजार पांच सौ रुपये मुख्यमंत्री कोविड केयर फंड में आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर किए गए हैं। एडीओ ने बताया धनराशि ट्रांसफर रिसीविंग और दानदाताओ प्रधानो की सूची जिला प्रशासन को भेज दी गई है ।

नाबालिग को भगाकर दुराचार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पुलिस ने किशोरी को बरामद कर परिजनों को सौंप

राजधानी की गाजीपुर पुलिस ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी एक नाबालिग को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था और फिर उससे मंदिर में शादी कर ली थी। पुलिस ने नाबालिग किशोरी को उसके परिवार वालों को सौप दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर गाजीपुर बृजेश सिंह ने बताया कि 10 अप्रैल को इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी की उसकी नाबालिग पुत्री लापता है। पुलिस ने तहरीर पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ दुराचार व पास्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी। पुलिस की जांच के दौरान विराम खण्ड गोमतीनगर निवासी उमाशंकर का नाम चिन्हित किया जो मूलरूप से ग्राम सुनसी जिला लखीमपुर का रहने वाला है। पुलिस ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी उमाशंकर को उसके गांव सुरसी से गिरफ्तार कर उक्त किसोरी को भी बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना कि आरोपी ने पूछताछ में बताया है कि उसने किशोरी से मंदिर में शादी कर ली है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को जेल भेज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रमुख सचिव ने दिए आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने के निर्देश

लखनऊ। प्रदेश की प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा विभाग श्रीमती मोनिका एस गर्ग ने भारत सरकार द्वारा कोविड-19 के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं उन्हें सुरक्षित रखने के लिए विकसित किए गए आरोग्य सेतु ऐप के संबंध में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव एवं कुलपतियों तथा निदेशक उच्च शिक्षा सहित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियोंए कर्मचारियोंए शिक्षकों एवं छात्रों को इस ऐप की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा है कि सभी को इस ऐप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड करने एवं उसका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया जाए तथा ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए। गर्ग ने कहा है कि आरोग्य सेतु एप लोगों को कोरोना वायरस के खतरे से सतर्क करता है और इसके संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराता है।

तंगहाली झेल रहे वित्तविहीन शिक्षकों ने सरकार से मांगी मदद

संवाददाता। मोहनलालगंज

लॉकडाउन में वित्तविहीन शिक्षकों को तंगहाली ने शिकार बना डाला है। स्कूल बन्द चलने से वित्तविहीन शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के अधिकतर परिवार पाई-पाई के लिए मोहताज हो गए है। लिहाजा वित्तविहीन शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी भाजपा सरकार से आर्थिक मदद मुहैया कराने की पुरजोर मांग कर रहे हैं। मोहनलालगंज तहसील समेत समूची राजधानी में सैकड़ों स्कूल-कालेजों में हजारों वित्तविहीन शिक्षक मानदेय पर छात्र-छात्राओं को पढ़ाकर भारत का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं। लेकिन लॉकडाउन ने वित्तविहीन शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के परिवार के सामने तंगहाली का संकट ला दिया है। अधिकतर परिवारों की जमापूंजी लगातार खर्च होने से परिवार के भरण-पोषण की समस्या खड़ी हो गई है। शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी की तमाम कोशिशों के बावजूद भी वित्तविहीन शिक्षकों को मिलने वाला मानदेय भी नहीं मिल पा रहा है। लिहाजा अल्प मानदेय पर जीविकोपार्जन कर रहे वित्तविहीन शिक्षकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा से इस संकट की घड़ी में वित्तविहीन शिक्षकों को आर्थिक मदद मुहैया कराने की मांग उठाई है।

लॉकडाउन में वित्तविहीन शिक्षकों के परिवार को राहत दिलाने की बेहद आवश्यकता है। शासन को वित्तविहीन शिक्षकों की समस्याओं पर गौर करते हुए उन्हें आर्थिक सहायता देने पर विचार करना चाहिए। **रुही खान, शिक्षिका**

लॉकडाउन में वित्तविहीन शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के परिवार भी विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसी विपरीत परिस्थितियों में सरकार को वित्तविहीन शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए मानदेय की घोषणा कर राहत देनी चाहिए

ज्योति सिंह,
वरिष्ठ शिक्षिका

कोरोना वायरस के विरुद्ध जारी युद्ध से निपटने के लिए सरकार ने विभिन्न योजनाओं की घोषणा कर लोगों को राहत देने की कोशिश की है। इस संकट की घड़ी में वित्तविहीन शिक्षकों के परिवार भी आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। लिहाजा सरकार से वित्तविहीन शिक्षकों के लिए भी आर्थिक मदद की मांग करता हूं

आनन्द श्रीवास्तव,
वरिष्ठ शिक्षक

वित्तविहीन शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक तंगी से उबारने के लिए सरकार को उन्हें मानदेय देने की व्यवस्था कर दरियादिली दिखानी चाहिए। पूरी उम्मीद है कि सरकार वित्तविहीन शिक्षकों की समस्या का जल्द ही समाधान कराने पर ध्यान देगी

आशीष द्विवेदी,
वरिष्ठ शिक्षक

सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

संवाददाता। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर ब्लॉक के बीडीओ अजीत कुमार सिंह और एडीओ पंचायत कौशल कुमार ने सोमवार को ब्लॉक क्षेत्र के बंथरा और परवर पूरब व परवर पश्चिम गांव में साफ-सफाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तीनों गांवों में साफ-सफाई बेहतर मिलने पर अधिकारियों ने खुशी जाहिर करते हुए वहां के सफाई कर्मियों की काफी तारीफ की। इस मौके पर बीडीओ अजीत कुमार, एडीओ पंचायत कौशल कुमार, ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संजय सिंह चौहान ने बंथरा गांव के सफाई कर्मी जवाहरलाल और महिला सफाई कर्मी भागवती को फूल माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर एडीओ पंचायत द्वारा जवाहरलाल को पैंट-शर्ट और महिला सफाईकर्मी भागवती को साड़ी के साथ ही दोनों सफाई कर्मियों को सैनिटाइजर, मास्क और ग्लव्स भेंट किए। बाद में ग्राम विकास अधिकारी द्वारा मिठाई भी बांटी गई। इसी तरह परवर पूरब और पश्चिम गांव में भी एडीओ पंचायत द्वारा सफाई कर्मी प्रदीप कुमार और राजकुमार को सम्मानित किया गया। सफाई कर्मियों के सम्मानित होने पर उनके संगठन के पदाधिकारियों ने ब्लॉक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री बसंत लाल गौतम, जिला संगठन मंत्री व ब्लॉक कोषाध्यक्ष मनोज भारती, राममिलन वर्मा और अरविंद गौतम सहित कई ग्रामीण भी मौजूद रहे।

कोरोना पर लगाम

आर्थिक गतिविधियों की चरणबद्ध शुरुआत

ऐसे समय सामान्य स्थिति बहाल करना आसान नहीं होगा, जब वाइरस को भले ही कुछ सीमित किया गया हो पर वह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है तथा उसका इलाज या वैक्सीन तैयार नहीं है। इसमें लगभग एक साल लग सकता है। उस समय तक हमें असाधारण चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। देश के मानव संसाधन को स्वस्थ रखने के साथ ही अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य भी ठीक करना है नहीं तो वाइरस संक्रमण से ज्यादा लोग गरीबी, बेरोजगारी और खाद्यान्न संकट से मर सकते हैं। फिलहाल अर्थव्यवस्था धीमी गति से आगे बढ़ेगी, पर उसे अल्पकालीन उपाय तथा रणनीतियों की आवश्यकता है। इसके साथ ही दीर्घकालीन आर्थिक रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श शुरू होना चाहिए। पहले चरण में केन्द्र और राज्यों को अप्रैल में फसल कटाई पर ध्यान देना है ताकि खेतों में खड़ी फसलें बरबाद न हों तथा आने वाले कुछ महीनों तक देश में खाद्यान्न संकट न पैदा हो सके। प्रवासी श्रमिकों के कष्टों ने हमारी पूरी श्रमशक्ति को प्रभावित किया है तथा कोरोनावाइरस संक्रमण से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में फसल कटाई के दौरान लोगों के निकट आने के कारण बीमारी बढ़ सकती है। वाइरस के न्यूनतम प्रभाव वाले राज्यों के तथाकथित हरित क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज हो सकती हैं, पर पंजाब जैसे अन्य क्षेत्रों में सुरक्षित कामकाज जरूरी होगा। स्वच्छता तथा विसंक्रमण पर ज्यादा जोर देने से कृषि व औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन लागत बढ़ेगी। लाकडाउन के कारण बहुत सी औद्योगिक इकाइयों के स्वामी अनेक समस्याओं के शिकार हैं। राज्य सरकारों से कामकाज शुरू करने की अनुमति के साथ उनको श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ेगा

जो या तो अपने घर चले गए हैं या नियंत्रणों के कारण काम पर नहीं आ सकते हैं। उनको वितरण श्रृंखला में आई बाधायें भी दूर करनी होंगी। सरकार कोविड-19 संक्रमण विस्तार को देखते हुए आर्थिक गतिविधियों की चरणबद्ध बहाली की अनुमति दे सकती है।

स्पष्ट रूप से समान स्वास्थ्य प्रोटोकाल लागू रखते हुए उत्पादन बढ़ाने के लिए केन्द्रीय हस्तक्षेप जरूरी है। इसलिए सरकार स्वतंत्रता युग के कानून लाना चाहती है। इसके लिए वह फैक्ट्री कानून, 1948 जैसे कानूनों में संशोधन करना चाहती है। इसमें स्वस्थ कामगारों का कार्यदिवस वर्तमान समय में सप्ताह के 6 दिन में प्रतिदिन 8 घंटे या 48 घंटे के बजाय 6 दिन 12 घंटे या 72 घंटे किया जा सकता है। कामगारों को भुगतान काम के घंटों के आधार पर सेवायोजकों से परस्पर सहमति के आधार पर हो सकता है। इसका अर्थ उच्च आर्थिक व तकनीकी क्षमता से विनिर्माण की शुरुआत भी है। वर्तमान समय में सभी उद्योग बड़े आर्थिक पैकेज की प्रतीक्षा कर रहे हैं जिससे खासकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को कार्यकारी पूंजी मिल सके तथा नौकरियां बचाई जा सकें। बड़े विनिर्माण क्षेत्रों में काम ठप है तथा यात्रा व पर्यटन जैसे क्षेत्र ध्वस्त हो गए हैं। ऐसे परिदृश्य में अर्थव्यवस्था को सहायता की आवश्यकता है। लाकडाउन, बेरोजगारी व छंटनी का प्रभाव लंबे समय तक घरेलू मांग पर पड़ेगा तथा इससे शेयर बाजार में बाधा आएगी। वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए कुछ विशेषज्ञों ने न केवल बाजार से, बल्कि रिजर्व बैंक से भी पैसा लेने का सुझाव दिया है। ये वास्तव में कठोर निर्णय हैं और इनके लिए सामूहिक विवेक आवश्यक है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योग जगत तथा वित्त विशेषज्ञों से विचार-विमर्श शुरू कर दिया है। कहा जाता है कि इसमें उनके पूर्ववर्ती व असंदिग्ध रूप से चोटी के अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह शामिल हैं। यहां तक कि रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने घोषणा की है कि वे मांगे जाने पर वर्तमान सरकार से अपने मतभेदों को किनारे छोड़ कर सलाह देने के लिए तैयार हैं। निश्चित रूप से भारत को अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सहयोगी संघवाद का प्रयोग करना सबसे अच्छा होगा। भारत को सुगठित आर्थिक रणनीति बनाने के लिए आर्थिक विजेताओं की जरूरत है।

विमानों से वंचित हुआ आसमान

इसके पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि उड्डयन उद्योग कुछ ही सप्ताह में स्वर्ण युग से अंधकार युग में पहुंच गया हो। क्या वैश्विक उड्डयन उद्योग इस संकट से बाहर निकल सकेगा? क्या उसका स्वरूप मजबूत बना रहेगा?

कुषाण मित्रा
(लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं)

उड़ानों पर नजर रखने वाली सेवा फ्लाइटराडार 24 अक्सर उड़ान भरने वालों के लिए बहुत लाभदायक एप है। वह यात्रियों को ट्रैफिक पैटर्न उपलब्ध कराते हुए बताती है कि विमान कहां है, अगली उड़ान कब है तथा उड़ान के लिए बेहतर रास्ता क्या होगा। अन्य दिनों में इस एप पर विमान गुजरने तथा उसके आने जाने का पता लगने से वर्चअल यात्रा का मजा आता था। दुबई जैसे शहर में फोन पर यह एप देखना खासतौर से मजेदार था जहां दुनिया के सभी कोनों से लोगों को लाने वाली विशाल एमीरैट्स एयरलाइन्स के 100 से अधिक ए380 डबुल डेकर विमानों का वर्चस्व था।

इस प्रकार अक्सर उड़ान भरने वाले या उड़ान की इच्छा रखने वाले किसी व्यक्ति के लिए पिछला पागलपन से भरा रहा है। यदि आज आप फ्लाइटराडार 24 एप खोल कर भारत के ऊपर देखें तो आपको मुश्किल से ही आसमान में कोई विमान दिखाई देगा। कुछ विमानों में दक्षिणपूर्व एशिया से यूरोप जाने वाले विमान शामिल हैं जो भारतीय आकाश से गुजरते हैं। इसके साथ ही कभी-कभी मालवाहक विमान बड़े भारतीय हवाईअड्डों पर उतरते हैं। इसके साथ ही लगभग हर दूसरे दिन बचाव वाली उड़ाने दिखती हैं जिनके माध्यम से एयर इंडिया व इंडिगो जैसे एयरलाइनें विदेशियों को देश से बाहर ले जाती हैं। इनके अलावा और कोई उड़ानें नहीं हैं।

भारत के 650 से अधिक वाणिज्यिक यात्री विमानों का बड़ा हिस्सा जमीन पर है और भारत इस मामले में खास नहीं है। इमीरेट्स भी केवल मालवाहक उड़ाने भर रहा है और उसके अधिकांश ए380 विमान दुबई के विशाल वर्ड सिटी हवाईअड्डे पर खड़े हैं। कम से कम वह इन विमानों को वापस सेवा में लाने में सफल होगी। एयर फ्रांस, लुफ्तांसा व क्वांटा जैसी एयरलाइनें तो इन विमानों के भविष्य पर विचार कर रही हैं। दुनिया पर नजर डालें तो अमेरिका में भी अधिकांश विमान खड़े हैं जहां 10,000 से अधिक वाणिज्यिक उड़ानें रोज इस विशाल देश के आसमान पर दिखती थीं।

कोरोनावाइरस ने वैश्विक उड्डयन को अभूतपूर्व रूप से प्रभावित किया है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट असोसियेशन के अनुसार, वैश्विक रूप से इस संकट के कारण एयरलाइनों को यात्रियों से मिलने वाले 113 बिलियन डालर राजस्व का नुकसान होगा। इसकी तुलना पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण दोनों देशों के बीच सभी हवाई कारीडोरों के बंद होने या यूक्रेन में मलेशिया के बोइंग 777 गिराने या ईरान द्वारा यूक्रेन का विमान मार गिराने से नहीं की जा सकती है। 9-11 आतंकी हमलों के बाद भी स्थिति इतनी गंभीर नहीं थी। उड्डयन सलाहकार, द सेंटर फार एशिया पैसिफिक एवियेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड-कापा इंडिया ने बताया है कि वित्त वर्ष 20 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 140 मिलियन से घट कर 80-90 मिलियन हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों की संख्या लगभग आधी हो जाएगी और यह वित्त वर्ष 20 में 70 मिलियन से घट

> **निःसंदेह अंतरराष्ट्रीय व घरेलू हवाई यात्रा सुधरेगी। इसका एक कारण भारत जैसे विशाल देशों के लिए जीवन्त व सक्रिय उड्डयन क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत सरकार भले ही एयरलाइनों को बचाने में ज्यादा सहायता न कर सके, पर वे स्वयं छोटे-छोटे कदम उठा कर क्षेत्र को पुनर्जीवित कर सकती हैं।**

कर वित्त वर्ष 21 में 35-40 मिलियन रह जाएगी। इस बार स्थिति इतनी खराब क्यों है? स्पष्ट रूप से संकेत थे कि उड्डयन क्षेत्र वैश्विक महामारी फैलाने का काम कर सकता है। यह 2004 में सार्स तथा बाद में एवियान व स्वाइन फ्लू के प्रसार से स्पष्ट था। इन संक्रमणों के प्रसार के समय पूर्व व दक्षिणपूर्व एशिया में हवाई यात्रा बंद हो गई थी। लेकिन इन वाइरसों का प्रसार बहुत कम था तथा यूरोप व अमेरिका में इनका प्रभाव न्यूनतम था, जबकि आज यह उड्डयन की दुनिया में समुद्री तूफान की तरह आया है।

इस बार बीमारी का प्रकोप पिछले दशक में उड्डयन क्षेत्र की बेलगाम वृद्धि के बाद हुआ है जिससे उद्योग बुरी तरह प्रभावित है। वास्तव में उड्डयन अपनी ही सफलता का शिकार बना है क्योंकि बीजिंग व शंघाई जैसे विशाल केन्द्रों का वूहान से सीधा संपर्क था। दुर्भाग्य से सरकारें उड्डयन क्षेत्र को बंद करने के पहले कुछ सप्ताह अनिश्चितता का शिकार रहीं। एयरलाइन पैरोकारों के कारण उड़ान लाकडाउन देर से हुआ जिसका प्रभाव अब काफी लंबा रहेगा। यदि भारत अपना आसमान खोल दे तो भी उड्डयन सेवायें धीरे-धीरे ही शुरू हो सकेंगी।

जहां तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, दुनिया के अनेक देश अब भी लाकडाउन की स्थिति में हैं। यह स्थिति भारत की तुलना में लंबी चलेगी। कम से कम सिंगापुर जैसे देश जो वर्तमान समय में उड्डयन के केन्द्र हैं, वहां यह स्थिति बनी रहेगी। अनुमान है कि चीजों के पुनः शुरू होने पर भारत की कम से कम 200 वाणिज्यिक उड़ानों की आवश्यकता नहीं होगी। इससे अनेक रोजगार समाप्त होंगे तथा वेतनवृद्धि अतीत की बात बन जाएगी। इसके साथ ही विवेकाधीन खर्च भी घटेंगे।

लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर और ज्यादा प्रभाव पड़ेगा। विदेशी छुट्टी वाली यात्रा पर खास प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इटली व स्पेन जैसे पर्यटक स्थल परिदृश्य से गायब हो जाएंगे। अनावश्यक बिजनेस यात्रायें भी थमेंगी। सम्मेलन बाजार ठंडे होने का अर्थ होगा कि जर्मनी व चीन जैसे देशों की यात्रायें कम होंगी। पिछले तीन दशक से भारतीय यात्रियों पर निर्भर एमीरैट्स जैसी एयरलाइनों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा क्योंकि भावी सुधारों का पूर्वानुमान अभी नहीं लगाया जा सकता है।

निस्संदेह अंतरराष्ट्रीय व घरेलू हवाई यात्रा सुधरेगी। इसका एक कारण भारत जैसे विशाल देशों के लिए जीवन्त व सक्रिय उड्डयन क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत सरकार भले ही एयरलाइनों को बचाने में ज्यादा सहायता न कर सके, पर वे स्वयं छोटे-छोटे कदम उठा कर क्षेत्र को पुनर्जीवित कर सकती हैं। इस समय सरकार को उद्योग के साथ विचार-विमर्श कर तय करना चाहिए कि वह कितनी सहायता कर सकती है। उसे सोचना होगा कि क्या दुबई व सिंगापुर जैसे क्षेत्रों के प्रति संरक्षणवादी उपाय करने होंगे जहां बड़ी संख्या में भारतीय यात्री जाते हैं।

इसके साथ ही हवाई यात्रा विश्वास का खेल है। अब तक सभी लोग कोरोनावाइरस को 'ट्रेवेलिंग सेल्समैन' बीमारी कहते रहे हैं। इसका कारण पिछले दशक में हवाई यात्रा में नाटकीय वृद्धि है। इसके साथ ही आधुनिक नागरिक उड्डयन के असाधारण सुरक्षा रिकार्ड ने जनता में विश्वास पैदा किया था, लेकिन अब वाइरस ने उसे झकझोर दिया है। हम यह विश्वास पुनः कैसे प्राप्त कर सकते हैं? इसके लिए एयरलाइनों के साथ ही सरकार को भी कुछ प्रयास करने होंगे। यह जिम्मेदारी न केवल हमारी, बल्कि सारी दुनिया की सरकारों की है कि वे वर्तमान स्थिति से निपटने के प्रयास करें।

राष्ट्र के प्रश्न और आंबेडकर के समाधान

हरीश चंद्र श्रीवास्तव
(लेखक उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता हैं)

बाबासाहब ने कहा था, सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं बचती कि मुसलमान गैर—मुस्लिम के शासन को स्वीकार नहीं कर पायेंगे। इसलिए भारत और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की पूर्ण अदलाबदली ही क्षेत्र में शांति व सौहार्द रख सकती है। विश्व के साथ भारत भी कोरोना महामारी से जूझ रहा है और पूरा देश लाकडाउन में है। इसी बीच आज भारत के महान सपूत बाबासाहब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती भी है। महामारी के दौरान कुछ समुदायों के प्रतिनिधियों की गैरजिम्मेदारी और सुनियोजित लापरवाही के कारण बिगड़ी स्थिति और इससे उठते अनेक ऐसे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर तलाशते समय हमें अतीत के ऐतिहासिक तथ्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। इससे पूर्व नागरिकता संशोधन विधि (सीएए) के अनर्गल व निराधार विरोध और उपद्रव से भी इसी प्रकार के प्रश्न उठे थे। भारतीय समाज, राजनीति, दर्शन और तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक व राजनैतिक समस्याओं पर बाबा साहब के अध्ययन, लेखन और साहित्य में अनेक ऐसे तथ्य हैं, जो अलगाववाद और राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध इस प्रकार की घटनाओं के विश्लेषण में सहायक हैं।

धार्मिक व अन्य प्रकार के सभी स्थलों पर एकत्रीकरण के प्रतिबंध के बावजूद जिस प्रकार देश के अनेक भागों में सरकार और प्रशासन के आदेशों को धता बताकर लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए मस्जिदों में सामूहिक नमाज पढ़ने, तबलीगी जमात के मरकज में शामिल लोगों को छिपाने, अल्पसंख्यक समुदाय की बस्तियों, संस्थाओं व धार्मिक क्षेत्रों में गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त विदेशी मुसलमान नागरिकों को शरण देने, फलों—सब्जियों व अन्य खाद्य पदार्थों में थूकने जैसी घिनौनी हरकतें; और सबसे बढ़कर इस समुदाय के अग्रणी लोगों द्वारा तबलीगी जमात का बचाव करने तथा दूसरे समुदायों के हर मामले पर अतिरंजित रूप से मुखर रहने वाले आमिर खान टाइप लोगों की इस मामले में चुप्पी, यह सोचने पर विवश करती है कि ऐसी घातक मानसिकता की जड़ें कहां हैं? इसके उत्तर के लिये हमें अतीत की उस मानसिकता का भी अध्ययन करना होगा, जो भारत विभाजन का जिम्मेदार था। हमें यह भी याद रखना होगा कि भारत विभाजन की मांग की सुगबुगाहट और तबलीगी जमात की स्थापना का काल लगभग एक ही है।

भारत विभाजन की नींव 1920 से 1932 के बीच रखी गयी थी, जबकि तबलीगी जमात 1927 में बना था। तबलीगी जमात की स्थापना का घोषित उद्देश्य मुसलमानों को पक्का मुसलमान बनाना और

दावत-ओ-तबलीग यानी धर्मांतरण है।

कांग्रेस की शह पर एक धर्मनिरपेक्ष हिंदू बहुल देश में तबलीगी जमात बेरोकटोक अपना काम करता रहा, देश के मुसलमानों को कट्टरता के उसी जाल में फांसने के लिये लगा रहा, जो उसने विभाजन के बाद पाकिस्तान में किया। यह कहना गलत नहीं होगा कि तबलीगी जमात मुसलमानों को उस अंधे युग में ले जाना चाहता है, जहां कट्टरता, कठोरता और मजहबी शुद्धता के नाम पर शेष समुदाय से अलगाव व द्वेष जैसी स्थितियां उत्पन्न कर दी जायें। अल्पसंख्यकों के बीच यही स्थितियां तब भी बनायी गयी थीं, जब भारत विभाजन की पटकथा लिखी गयी थी।

बाबासाहब संभवतः उन गिने-चुने लोगों में से थे, जो स्वतंत्रता से पहले ही चल रहे वहाबी आंदोलन के खतरे को भांपकर भारत के भविष्य को लेकर चिंतित थे। इसीलिये बाबासाहब ने अपनी पुस्तक, पाकिस्तान या भारत का विभाजन में लिखा है, कि इस्लाम एक बंद निकाय की तरह है। यह बिलकुल स्पष्ट है कि इस्लाम मुसलमानों और गैर-मुसलमानों में भेद करता है। इस्लाम मानव का सार्वभौमिक बंधुत्व नहीं, उनका भाईचारा केवल मुसलमान के साथ है। जो इनके समुदाय का नहीं है, उनके लिये इसमें केवल घृणा और शत्रुता ही है।

विभाजन की त्रासदी से दुखी बाबासाहब समस्या को समझते ही नहीं थे, बल्कि उसका समाधान भी प्रस्तुत करते थे। यह अलग बात है कि तत्कालीन कांग्रेस के कुछ प्रभावी नेताओं की दुर्भावना के कारण उनके व्यवहारिक और उपयोगी विचारों को अनुसुना कर दिया गया।

कांग्रेस में ही बड़ी संख्या में लोग वहाबियत और इसके कारण भारत के विरुद्ध हो रहे षडयंत्र व खतरों को समझते थे, पर चूंकि उस समय भी कांग्रेस में लोकतंत्र का केवल दिखावा था, जबकि पार्टी के नीति नियंता चंद नेता ही थे, इसलिये लगता है कि ऐसे राष्ट्रवादी कांग्रेसजनों की आवाजें भी दबायी गयीं। बाबासाहब ने इसी पुस्तक में लिखा है, सांप्रदायिक मुसलमानों और राष्ट्रवादी मुसलमानों के अंतर को समझना कठिन है... वास्तव में अधिकांश कांग्रेसजनों की धारणा है कि इन दोनों में कोई अंतर नहीं है और कांग्रेस के अंदर के राष्ट्रवादी मुसलमानों की स्थिति सांप्रदायिक मुसलमानों की फ़ौज की चौकी की तरह है।

बाबासाहब कहते थे कि उनके जीवन का प्रत्येक क्षण भारत के लिये है तो यह उनके राष्ट्रवादी व्यक्तित्व का परिचायक था, भारत माता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी। इसी प्रतिबद्धता के कारण देश के टुकड़े होने से दुखी थे और बचे हुए भारत के को सुरक्षित, सुंदर और विश्व में अग्रणी देखना चाहते थे। उन्होंने ने इसी पुस्तक में लिखा है, कि मुसलमानों के लिये हिंदू काफिर है। मुसलमानों की दृष्टि में काफिर सम्मान के योग्य नहीं होता है, उसकी कोई सामाजिक स्थिति भी नहीं होती है। अतः जिस देश में काफिरों का शासन हो, वह स्थान मुसलमानों के लिये दारुल-हर्ब है। ऐसी स्थिति में यह सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं बचती कि मुसलमान गैर-मुस्लिम के शासन को स्वीकार नहीं कर पायेंगे। इसलिये भारत और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की पूर्ण अदला-बदली ही क्षेत्र में शांति व सौहार्द रख सकती है।

आज जब तबलीगी जमात और उसके समर्थकों की देशव्यापी अवज्ञा व उपद्रव देखने को मिल रहा है तो मुसलमानों को लेकर बाबासाहब के विचारों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। विशेषकर मुस्लिम समाज के प्रगतिशील समाज को बाबासाहब के विचारों पर चिंतन-मनन कर अपने समुदाय को विकृतियों से बचाकर देश की मुख्यधारा में बनाये रखने का प्रयास करना चाहिये। बहरहाल, अतीत की भूल को सुधारना तो संभव नहीं है, किंतु उससे सबक लेकर वर्तमान और भविष्य का निर्माण अवश्य किया जा सकता है।

ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि देश की जनता के समक्ष बाबासाहब के विचारों को समग्र रूप में पहुंचाया जाये, जिससे कि छद्म धर्मनिरपेक्षता का चोला ओढ़े राजनैतिक दल, बुद्धिजीवी, इतिहासकार और तथाकथित पढ़े—लिखे लोग संदर्भहीन और चयनात्मक ढंग से बाबा साहब के विचार पेशकर समाज को भड़काने और समस्या उत्पन्न करने के कुत्सित प्रयासों में सफल न हो सकें।

आप की बात

लॉकडाउन में पुलिसिया कार्रवाई

कोरोनावायरस के हमले को देखते हुए, जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि हम अपने घरों को छोड़कर न जाएं। मगर जब हमें ऐसा करना होता है, तो पुलिस द्वारा लोगों पर कठोर दंडात्मक बर्ताव करना कदापि उचित नहीं है जो हमने पिछले कुछ दिनों में देखा है। हम निरक्षरता व निर्धनता से पीड़ित देश में रहते हैं। इस बात को लेकर व्यापक रूप से भ्रम व्याप्त है कि लाकडाउन के दौरान क्या करना है और क्या नहीं। प्रवासी कामगारों की दुर्दशा, जो अपनी गरीबी से विवश होकर घर वापस लौटने के लिए हजारों किलोमीटर की यात्रा करने को बाध्य हो गए थे क्योंकि वे काम के बगैर शहर में नहीं रह सकते, इस बात का उदाहरण है कि क्यों हम संकट के दौर में सहानुभूतिपूर्ण बर्ताव करें और हिंसा का प्रयोग न करें। अतिशय हड़बड़ी की स्थिति में व्यवस्था बनाए रखने एवं महामारी के दौरान अपना स्वयं का जीवन खतरे में डालने के लिए अधिसंख्य पुलिस बलों की सराहना करनी होगी। हालांकि कि निर्देशों का उल्लंघन करते पाए जाने वाले व्यक्ति को आईपीसी की धारा 188 तथा आपदा प्रबंधन कानून, 2005 की धारा 51 के तहत आरोपित किया जा सकता है। मगर ऐसे में बल प्रयोग के बजाए अर्थदंड लगाना उचित होगा।

– **सौमित्र यादव**, प्रयागराज

कोरोना संकट से बढ़ी बेरोजगारी

मंदी के कारण बिजनेस खर्च घटाने का प्रयास कर रहे हैं, इसलिए ब्रिटेन व अमेरिका जाने का प्रस्ताव करने वाली नौकरियां घटी हैं। इसके साथ ही लाखों स्थानीय रोजगार भी समाप्त हो सकते हैं। कोरोना-पश्चात परिदृश्य में अनेक देश अपनी व जनता की आवश्यकताओं के अनुसार प्राथमिकतायें बदलेंगे। उदाहरण के लिए, अमेरिका में विदेशियों को अमेरिकनों की बेरोजगारी का कारण बताया जा सकता है। वहां हजारों टेक्निकल व कुशल कामगारों पर खतरा मंडरा रहा है। कमजोर अर्थव्यवस्था में भी अच्छे स्कूल-कालेजों के सर्वोत्तम स्नातकों को नौकरियां मिल सकती हैं, लेकिन प्रतिभा पलायन में कमी को हमें सकारात्मक रूप से देखना चाहिए। अपनी सर्वोत्तम प्रतिभा को सिलिकान वैली या वैश्विक वित्तीय क्षेत्र में जाने देने के बजाय भारत को इसे अपने पास रखना चाहिए। हो सकता है कि भविष्य में किसी सत्या नाडेला या सुंदर पिचई को विदेश के बजाय भारत में बेहतर अवसर मिलें। इसका अर्थ यह भी होगा कि अनेक औसत स्नातक लड़के-लड़कियों को रोजगार के योग्य नहीं माना जाएगा। इस प्रकार कोरोना संकट के कारण बेरोगजारी का जबर्दस्त रूप से बढ़ना चिंताजनक है।

– **अर्पिता शर्मा**, कानपुर

जमात ने बिगाड़ा खेल

देश में कोविड-19 संक्रमण के 35 प्रतिशत से अधिक मामलों का जन्म तबलीगी जमात द्वारा आयोजित सम्मेलन में हुआ था। इस इस्लाम प्रचार आंदोलन ने राज्य सरकार के आदेशों का घोर उल्लंघन करते हुए नई दिल्ली में मार्च के दूसरे सप्ताह में सम्मेलन का आयोजन किया था। ऐसे समय जब केन्द्र सरकार, राज्य सरकारें तथा सभी राष्ट्रीय संस्थान एकीभाव व प्रतिबद्धता के साथ महामारी रोकने का प्रयास कर रहे हैं जिसने दुनिया भर में एक मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित किया है तथा उसने 50,000 से अधिक जानें ली हैं, तबलीगी जमात इन प्रयासों में बाधा डाल रही है। दिल्ली सरकार के आदेशों का घोर गैर-जिम्मेदारी से उल्लंघन करते हुए जमात ने सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें उसके हजारों सदस्यों ने भाग लिया। यह आयोजन उस समय भी जारी रहा, जब अधिकांश लोकप्रिय मंदिरों में भक्तों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जमात के इस गैर जिम्मेदाराना रवैये ने संक्रमण की श्रृंखला रोकने के लिए घोषित लाकडाउन के उद्देश्य को ही विफल कर दिया।

– **जितेंद्र रावत**, रायबरेली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

हमें विश्वास है कि कोविड-19 संकट बीत जाने के बाद मांग भारत से आएगी और वह वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपना योगदान देगा।

– **धर्मेंद्र प्रधान**
केंद्रीय मंत्री

चीन हमारा और अन्य देशों का लाभ उठा रहा है। वह विकासशील देश माना जाता है। फिर हमें भी विकासशील देश बना दीजिए।

– **डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

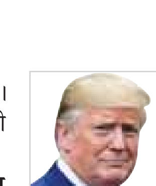

राज्य के मुख्यमंत्रियों को मांग करनी चाहिए कि नकदी तत्काल प्रत्येक गरीब परिवार को हस्तांतरित की जाए। गरीबों का पुनर्मौद्रीकरण उनकी एकस्वर से मांग है।

– **पी चिदंबरम**
कांग्रेस नेता

गरीबों की जरुरतों को पूरा करना हमारी प्राथमिकता: खब्बू

- राशन की बीस गाड़ियों को गोसाईगंज विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- कार्यकर्ताओं को निर्देश कि क्षेत्र में न सोने पाए कोई भूखा

अयोध्या। तारुन, हैदरगंज, चौरे मंडल में सूचीबद्ध गरीबों को वितरित करने के लिए राशन की बीस गाड़ियों को गोसाईगंज विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, सीओ वीरेन्द्र विक्रम व एसडीएम जयेन्द्र कुमार ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। वाहन में प्रत्येक व्यक्ति के लिए 15 दिन का राशन उपलब्ध कराया गया है। जिसमें आटाए दालए चावलए आलूए प्याजए तेलए साबुनए मसाला तथा अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल है। विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू ने कहा कि कोरोना रुपी वैश्विक आपदा में पूरा देश एक परिवार की भांति खड़ा है। राष्ट्रहित सर्वोपरि के भाव के साथ इस आपदा से संघर्ष में प्रत्येक व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान देना चाहिए। सभी का थोड़ा सा प्रयास मिलकर एक सामूहिक प्रयास हो जायेगा। वर्तमान देश को इसी सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि क्षेत्र के गरीबों की जरुरतों की पूरा करना प्राथमिकता है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वह इस बात का ध्यान रखें कि कोई अभाव ग्रस्त न रहे और कोई भूखा न सोने पाये। केन्द्र व प्रदेश सरकार ने समाज के हर वर्ग को लाकडाउन से होने वाली दिक्कतों से राहत प्रदान करने के लिए योजनाओं की श्रंखलाएं लागू की है। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को अभावग्रस्त लोगो के विषय में जानकारी इकठ्ठा करने के लिए कहा गया है। लाकडाउन के प्रति लोगो को जागरुक करने के साथ कार्यकर्ता प्रशासन से समन्वय स्थापित करके उनकी दिक्कतों को दूर करने का प्रयास कर रहे है। फोन तथा मैसेंजर के माध्यम से पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से जुड़े है। पदाधिकारियों से रोजाना इस विषय में रिपोर्ट ली जा रही है। जिसे प्रदेश नेतृत्व से भी अवगत कराया जा रहा है। इस अवसर पर चौरे मंडल अध्यक्ष नंद किशोर सिंह, तारुन शैलेन्द्र सिंह, हैदरगंज महेन्द्र मिश्रा, फयाराम वर्मा, ध्रुव गुप्ता, सियाराम सरार्फ, राममोहन भारतीए अधिवक्ता पवन तिवारी, प्रेम वर्मा, दिलीप वर्मा, सोनू वर्मा, नलिनेश प्रताप सिंह, अखण्ड सिंह, पतिराज वर्माए श्रीनिवास पाण्डेय मौजूद रहे।

प्रतिदिन की तरह रविवार को भी मारवाड़ी भवन में 200 जरुरतमंद परिवारों को 15 दिनों का व पार्वती मैरिज लॉन में 150 जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरित किया गया। राशन वितरण अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व राज्य सूचना आयुक्त, उप्र नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव के द्वारा किया गया द्य वितरण के पूर्व नगर विधायक ने व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया द्य वितरण के पश्चात् नगर विधायक ने सभी से लाकडाउन के दौरान घर से न निकलने, सावधानियां बरतने व प्रशासन के दिशा निर्देशों का पालन करने की अपील की। राज्य सूचना आयुक्त नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने लाकडाउन के अंतिम समय में सामाजिक संगठनों की जनसेवा के प्रति लगन की प्रशंसा की। इस अवसर पर अमल गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, हरिभजन गोंड, सजन अग्रवाल, गिरधारी लाल अग्रवाल व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

डीएम के निर्देश पर चौतरफा कर रहे प्रशासन का सहयोग

प्रयागराज। नागरिक सुरक्षा कोर, प्रयागराज (सिविल डिफेंस) के वार्डेन लॉकडाउन में जिला प्रशासन को चौतरफा सहयोग दे रहे हैं। जिलाधिकारी एवम नियंत्रक नागरिक सुरक्षा भानुचंद्र गोस्वामी और उप नियंत्रक ओंकार शर्मा के निर्देश के क्रम में प्रखंड लूकरगंज के वार्डेन करैलीए हिम्मतगंज, खुल्दाबाद, गंगागंज आदि मोहल्लों में घूम घूमकर लोगों से लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करने की अपील तो कर ही रहे हैंए साथ ही इलाकों में मेडिकल टीम के साथ कोरोना जांच में भी सराहनीय सहयोग कर रहे हैं। वार्डेन अपनी जान की परवाह न करते हुए बगैर मास्क और ग्लब्स के आभाव में भी कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। पिछले मार्च महीने से ही वार्डनों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रखंड लूकरगंज के वार्डेन प्रशासन की ओर से बांटे जा रहे राशन वितरण में भी सहयोग दे रहे हैं। अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति और चीफ वार्डेन अनिल कुमार गुप्ता के आदेश पर वार्डनों को राजरूपपुर, हिम्मतगंज, लूकरगंज की राशन की दुकानों पर तैनात किया गया है।

क्विक न्यूज

डीएम को कोरोना महामारी के चलते बचाव एवं राहत कार्य हेतु भेंट की गई सहयोगार्थ राशि

कानपुर देहात। कोविड-19 कोरोना वायरस महामारी के चलते बचाव एवं राहत कार्य हेतु जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह को कलेक्टेªट कार्यालय में उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य

कर्मचारी महासंघ कानपुर देहात की जिलाध्यक्ष कृष्णा द्विवेदी ने अपने निजी खाते से 11000 रुपए की सहायता चेक संगठन की ओर से जिला सद्भावना सहयोग समिति में दिये तथा इसी प्रकार ईट भट्टा लालपुर संचालक उमेश गुप्ता द्वारा 51000 की जिला सद्भावना सहयोग समिति में चेक भेंट की। इसी प्रकार भाजपा नेता धर्मपाल भदौरिया 1,51,000 ने चेक व 4 गत्ता डिटोल के पैकेट भेंट किये। डीएम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा जिलाधिकारी ने इस योगदान के लिए सराहना की तथा लोगों से ऐसे कार्यों में बढ-चढ कर अपनी भागीदारी/योगदान देने की अपील भी की।

भाजपाइयों ने गरीबों को बांटी राशन सामग्री

प्रयागराज। भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी के नेतृत्व में वात्सल्य हॉस्पिटल की ओर से डॉक्टर कीर्तिका अग्रवाल द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए गऊघाटए कटघरए कटरा एवं कर्नलगंजए लूकरगंज की मलिन बस्तियों में गरीबों को राशन सामग्री वितरीत किया।

कोरोना बीमारी के साथ जहरीली शराब के खिलाफभी अभियान, गांवों में करायी गयी मनादी

पुलिस और राजस्व कर्मियों ने लोगों को किया जागरुक

घाटमपुर। बीते रबिवार कों सजेती थाना क्षेत्र के गांव मवई भच्छन में जहरील शराब पीने से दो लोगों की मौत और ग्राम प्रधान सहित एक दर्जन लोगों के बीमार होने की घटना के बाद शासन द्वारा कड़ा रुख अपनाने के बाद अब कोरोना वायरस के साथ अब गांवों में जहरीली शराब के खिलाफभी अभियान शुरु किया है। इसी कड़ी में एसडीएम के निर्देश पर आज यमुना तटवर्ती गांव रामपुर बगरिया और लहुरीमऊ में लेखपाल राजकुमार दुबे और शिवम् बर्मा तथा पावर प्लांट चौकी प्रभारी ने जाकर जहरीली शराब के खिलाफमुनादी करायी, लेखपाल राजकुमार दुबे ने बताया कि इन गांव में कोरोना वायरस से बचाव और राहत सामग्री भी बांटी गयी।

जहरीली शराब कांड में तीन गिरफ्तार

घाटमपुर। थाना सजेती क्षेत्र के गांव मवई भच्छन में जहरीली शराब पीकर दो लोगों की मौत और ग्राम प्रधान सहित एक दर्जन लोगों के बीमार होने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एसपी ग्रामीण ने बताया कि मृतक अनूप सचान के पिता रामस्वरुप की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

क्वारंटाइन सेन्टर का लिया जायज़ा

गोरखपुर। जिलाधिकारी के. विजयेन्द्र पाण्डियन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. सुनील गुप्ता ने आज कैम्पियरगंज, भटहट, गुलहरिया एवं स्पोर्टस कालेज का निरीक्षण का लाकडाउन की स्थिति तथा स्पोर्ट कालेज में बन रहे क्वारंटाइन सेन्टर का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान कैम्पियरगंज में जिलाधिकारी ने एसडीएम को निर्देशित किया कि मौके पर बनाये गये बैरियर को और मजबूत बनाया जाये तथा महराजगंज से आने एवं जाने वाले व्यक्तियों की गहन जांच की जाये तथा पकडंडी एवं जंगल के रास्तों पर भी चौकसी रखी जाये जिससे कोई संक्रमित व्यक्ति न आये। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने स्पोर्टस कालेज का निरीक्षण कर वहां पर बनाये जा रहे क्वारंटाइन सेन्टर के कार्यों को देखा और निर्देश दिया कि साफसफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

सांसद ने कोरोना योद्धाओं में बंटवाई सामग्री

गोरखपुर। सांसद रवि किशन कोरोना संक्रमण को लेकर संवेदनशील नजर आ रहे हैं। उन्होंने पहले गरीबों में भुखमरी ना फैले इसके लिए खाद्य सामग्री वितरित करवाई अभी भी खाद्य सामग्री का वितरण सांसद कार्यालय से लगातार उनके कार्यकर्ताओं द्वारा चल रहा है उसके बाद उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर घर में सैनिटाइजर और मास्क वितरित करवाया इसी के मद्देनजर आज से उन्होंने पुलिसकर्मियों को भी कोरोंना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क और राहत सामग्री वितरित कराने के लिए अपने सहयोगी प्रवीन शास्त्री को जिम्मेदारी सौंपी। उनके द्वारा उन तमाम पुलिसकर्मी जो लॉकडाउन का पालन करवाने के लिए सड़कों पर 24 घंटे अपनी सेवा दे रहे हैं उन तक यह राहत सामग्री पहुंचाने का काम कार्यकर्ताओं के माध्यम से करवा रहे हैं जिसमें पुलिसकर्मियों को मास्क पानी की बोतलें फल बिस्कुट वितरित किया गया।

सावधानी व बचाव से जीतेंगे जंग

गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के ग्राम सभा गौरा में दवा छिड़काव व सफाई व्यवस्था की सराहना करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी हिमांशु शेखर ठाकुर ने कहा कि कोरोना संक्रमण से भारत ही नहीं विश्व समुदाय संकट काल के दौर से गुजर रहा है । यह असावधानी में जानलेवा साबित हो सकता है। गोरखपुर के लोगों का सरकार के साथ सहयोग की भावना जन जन जागरूकता तथा बचाव के उपाय आदि से हम इस बीमारी से सुरक्षित रह सकते हैं । उन्होंने ने सोमवार को ग्राम प्रधान कनक लता सिंह तथा सचिव अवनिंद्र तिवारी के आग्रह पर गौरा गांव के दलित बस्ती में निशुल्क मास्क, सैनिटरी नैपकिन पैड तथा साबुन आदि वितरण के दौरान कही ।

बैसाखी पर्व पर सुख-शांति का अरदास

गोरखपुर। गुरुद्वारा मोहद्दीपुर के संयुक्त तत्वावधान में पंजाबी सेवा समिति और खत्री महिला समिति ने बैसाखी पर्व के अवसर पर कैन्ट थाना के पुलिस कर्मियों, एस. पी. ट्रैफिक कार्यालय, महिला थाना कर्मियों के लिए कड़ा प्रसाद, पूड़ी सब्जी एवं अचार के 500 पैकेट की सेवा की गई। गुरुद्वारा मोहद्दीपुर के भाई रक्षपाल सिंह ने वाहेगुरू से विश्व कल्याण और विश्व को कोरोना बीमारी से मुक्त करने की अरदास की। इस अवसर पर गुरुद्वारा मोहद्दीपुर के सचिव और पंजाबी सेवा समिति के उपाध्यक्ष मनमोहन सिंह लाडे ने बैसाखी पर्व की बधाई दी और वाहेगुरू से प्रार्थना की सभी सुख शांति से रहें और कोरोना विश्व से खत्म हो जाये।

लॉकडाउन में चीनी महिला फ्लैट में मिली

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र के साकेतनगर कालोनी स्थित एक अपार्टमेंट्स के फ्लैट में 40 वर्षीय चीनी महिला अवैध रूप से रूकी हुई है। लॉकडाउन की अवधि में सोमवार को यह जानकारी एलआईयू के जरिये पुलिस को मिली तो हड़कम्प मच गया। थाना प्रभारी मौके पर पहुंच गये। प्रभारी ने चीनी महिला से पूछताछ के बाद इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। नेपाल के रास्ते भारत आई। 21 मार्च को वाराणसी पहुंची महिला अस्सीघाट के निकट स्थित एक होटल में रूकी। इसी बीच देशव्यापी लॉकडाउन लागू होने के बाद होटल वालों ने महिला को होटल से बाहर कर दिया। इसके बाद चीनी महिला अपने गाइड की सहायता से साकेत नगर कालोनी स्थित कुबेर अपार्टमेंट में स्थित एक फ्लैट में शिफ्ट हो गईं । सुंदरपुर निवासी मकान मालिक संभव चतुर्वेदी ने चीनी महिला को किराये पर रखने के बाद इसकी जानकारी पुलिस को नही दी।

भाजपा नेता ने 18वें दिन भंडारा वाहन को झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या। कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण के दौरान 21 दिन की लॉक डाउन की अवधि में जरूरतमंदों को भोजन मिल सके इसके लिए गुरु नानक एजुकेशन सोसाइटी 18 वे दिन लगातार जरूरतमंदों की भूख मिटा रहा है गुरु नानक स्कूल के प्रबंधक प्रतिपाल सिंह पाली ने बताया हमारा उद्देश्य हर भूखे व्यक्ति के पास भोजन पहुंचे और कोई भी भूखा ना रह जाए इसीलिए हम लोग निरंतर भंडारा वाहन चला रहे हैं नर सेवा ही नारायण सेवा होती है और हमारी संस्था द्वारा जितना भी हो सकेगा हम लोग समाज सेवा करते रहेंगे। लगातार 18 वे दिन 15 सौ व्यक्तियों के लिए भोजन भंडारा वाहन को हरी झंडी दिखाकर भाजपा नेता अभय सिंह द्वारा रवाना की गई। भाजपा नेता अभय सिंह ने बताया कि लॉक डाउन के दौरान जरूरतमंद व्यक्ति की मदद से बढ़कर कोई भी कार्य नहीं है इस मुहिम में जिसकी.जिसकी भी सहभागिता है वह प्रशंसा योग्य है समाज में हमें लॉक डाउन का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन भी करना है साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे भाजपा नेता व सिंह ने कहां की देश में फैली वैश्विक महामारी से हम केवल लॉक डाउन का पालन करके ही बच सकते हैं इस अवसर पर इलाहाबाद बैंक मैनेजर द्वारा भाजपा नेता व समाजसेवी अभय सिंह को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सीईओ अमनदीप सिंह विशी छाबड़ा, आशीष अग्रवाल, अमित केडिया, प्रितपाल सिंह पाली, पवन जीवानी, पाली योगेश नारंग, नवनीत सिंह नीशू बाबा, इंदर वर्मा, सनी गांधी, अवनीश गांधी, मनीष अग्रवाल, अमृत सिंह, अरुण अग्रवाल, रोहित सिंह, शक्ति सिंह, बृजेश यादव प्रबंधक सनबीम स्कूल, इंदर वर्मा, विक्की छाबड़ा, संजू सिंह, गीतेश अस्थाना, प्रदीप तिवारी, श्याम पाल चोपड़ा, रणविजय सिंह, इंदिरा बैनर्जी, एसबी सिंह, पंकज वैश्य, योगेश नारंग, भानु प्रताप सिंह, अनुराग भाई प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वाराणसी: लॉकडाउन के 20वें दिन पुलिस कड़ी धूप में भी सड़क पर उतरी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन के 20वे दिन सोमवार को वाराणसी में पुलिस इसका कड़ाई से पालन कराने के लिए सड़कों पर कड़ी धूप में भी डटी रही। जिले के चारों हॉटस्पॉट इलाकों में पुलिस टीम सड़कों से लेकर गलियों में जहां मुस्तैद दिखी तो अन्य इलाकों में भी गश्त करने के साथ वाहनों की छानबीन जारी रही। वरूणापार के लालपुर.पांडेयपुर क्षेत्र में थाना प्रभारी कैंट अश्वनी कुमार चतुर्वेदी, लालपुर थानाध्यक्ष धनन्जय पांडेय अपने हमराहियों के साथ वाहन चेकिंग अभियान चलाते दिखे। इस दौरान पुलिस टीम नें सड़कों पर अनावश्यक घूम रहे लोगों को कार्यवाही की चेतावनी देने के साथ कोरोना की भयावता को बताते हुए घरों में भेज दिया।

नामित नोडल अधिकारियों की निगरानी में होगा राशन वितरण का कार्य: डीएम

कानपुर देहात। महामारी कोविड–19 के कारण प्रभावित होने वाली विभिन्न प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियों के कारण दैनिक रूप से काम करने वाले मजदूरों के भरण–पोषण की उत्पन्न होने वाली सम्भावना के दृष्टिगत शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत आगामी 15 अप्रैल 2020 से अन्त्योदय/पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किग्रा चावल का नि:शुल्क वितरण कराया जाना है।

उपरोक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि कोविड–19 महामारी के दृष्टिगत घोषित प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश प्राप्त हुये है, जिसमें प्रत्येक उचित दर दुकान पर निर्बाध वितरण सुनिश्चित करने एवं व्यावर्तन तथा कालाबाजारी को रोकने के लिये माह अप्रैल, मई व जनू 2020 में उचित दर दुकानो से सम्पन्न होने वाला वितरण की निगरानी हेतु नोडल अधिकारियों की तैनाती किये जाने तथा नोडल अधिकारियों के क्रिया–कलापों पर सतर्क दृष्टि रखने एवं उनके कार्यों की क्रॉस चेकिंग करते हुये पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने हेतु जनपद स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाये जाने के शासन से निर्देश प्राप्त हुये है। जिसके क्रम में माह अप्रैल, मई व जून 2020 में उचित दर दुकानों से सम्पन्न होने वाला वितरण नोडल अधिकारियों की निगरानी में किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नामित नोडल अधिकारी वितरण समय सम्बन्धित उचित दर दुकान पर अन्त्योदय/पात्र गृहस्थी कार्डधारकों की अद्यतन सूची तथा नि:शुल्क चावल वितरण की सूचना दुकान पर प्रदर्शित करायेगें। समस्त नोडल अधिकारी अपनी उचित दर दुकानों पर उपस्थिति रहकर अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किग्रा चावल का नि:शुल्क वितरण करायेगें। नामित नोडल अधिकारी वितरण के समय प्रत्येक उचित दर दुकान पर साबुन, पानी, सैनेटाइजर का उपयोग कराते हुये कार्डधारकों में वितरण सुनिश्चित करायेंगें। नामित नोडल अधिकारी टोकन सुविधा के माध्यम से वितरण करायेगें ताकि दुकान पर वितरण समय भीड़ इक्टठा न हो सके।

जिलाधिकारी ने बताया कि नामित नोडल अधिकारी उचित दर दुकान पर एक समय 05 से 06 कार्डधारक की उपस्थिति में वितरण करायेगें तथा दो कार्डधारकों के मध्य कम से कम 1 मीटर की दूरी अवश्य रखेगें ताकि सामाजिक दूरी का पालन हो सकें। नोडल अधिकारी वितरण पश्चात् प्रत्येक कार्डधारक को विक्रेता के माध्यम से ई–पॉस मशीन से वितरण पर्ची उपलब्ध करवायेगें।

कोरोना से जंग जीतने के लिए आरोग्य सेतु करें इंस्टाल

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

पूर्वोत्तर मंडल रेल प्रबंधक विजय कुमार पंजियार के निर्देश पर रेलकर्मी 'आरोग्य सेतु' एप इंस्टाल कर रहे हैं। रेलवे जनसम्पर्क अधिकारी के मुताबिक कोरोना से बचाव के लिए रेल कर्मी परिजनों को भी यह एप रजिस्टर करा रहे हैं। वाराणसी मंडल में कुल 12171 कर्मचारी कार्यरत है जिनमें से अब तक कुल 10379 कर्मचारियों एवं उनके परिवार के कुल 6813 सदस्यों ने आरोग्य सेतु एप्प रिजिस्टर किया है। इस प्रकार मंडल पर कुल 17195 लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन कर लिया है। मंडल रेल प्रबंधक के मुताबिक मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में प्रवेश करने के लिए हर कर्मचारी को आरोग्य सेतु एप्प पर दिखाना होगा कि वो सुरक्षित है। इसके अतिरिक्त कार्यालय में कर्मचारियों का प्रवेश मास्क के साथ केवल मुख्य द्वार से ही थर्मल स्कैनिंग के पश्चात और आई कार्ड दिखाने में बाद ही हो सकेगा। इसके साथ ही कार्यालय में प्रवेश करते समय हाथों को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए मुख्य द्वार पर मेडिकल एवं रेलवे सुरक्षा बल की टीमें तैनात की गई है।

मंडल रेल प्रबंधक ने आरोग्य सेतु एप के बारे में बताते हुए स्पष्ट किया कि यह एप आपसे कुछ पूछता है जैसे कि क्या आपको खांसी है ? बुखार है ?, सांस लेने में परेशानी है ? यह एप्प ब्लू टूथ और लोकेशन को ऑन रखने को कहता है आप ब्लू टूथ ऑलवेज ऑन रखिये। जब भी आप किसी भीड़ भाड़ वाली जगह पर जाते हैं। यह एप्प ब्लू टूथ से आस पास के मोबाइल से संदेश लेता देता रहता है। जब आप किसी के पास खड़े हैं तो आप भी ग्रीन जोन के हैं। पास खड़ा व्यक्ति भी ग्रीन जोन वाला नार्मल व्यक्ति ही है। पर अगर वह व्यक्ति आज से 10 दिनों बाद किसी कारण से कोरोना पॉजिटिव हो जाएगा तो यह एप्प आपको तुरंत अलर्ट कर देगा और आपका ग्रीन कलर बदल कर ऑरेंज या पीला हो जाएगा। यह बताएगा कि आज से 10 दिन पहले आप कहाँ कहाँ गए और किस कोरोनॉ पॉजिटिव के संपर्क में आये जो विगत दिनों से छुपा या अनजान था यानी 10 दिन पहले उसे छिपा हुआ संक्रमण था जो अब साफ साफ दिखने लगा है। तब आप तुरंत अपनी जांच कराएंगे साथ ही यह एप्प उन सभी व्यक्तियों को सूचना दे देगा सबकी लोकेशन ऑन रहने से उनकी मूवमेंट भी पता चलेगी और कोरोना से लड़ना आसान होगा। भारत सरकार ने कोरोना–19 के खिलाफ संघर्ष के लिए आरोग्य सेतु मोबाइल एप लॉन्च किया है।

भारती इंटर कालेज में बना भोजनालय

बीकापुर, अयोध्या। कोरोना महामारी को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लॉकडाउन के लिए गए निर्णय के चलते कोई भूखा न रहे, इसके लिए बीकापुर तहसील प्रशासन रात दिन एक किए हुए है। लोगों से भी अपील की जा रही है कि अगर आपके आसपास कोई गरीब हो तो उसकी सहायता करें। इसी के चलते भारती इंटर कालेज बीकापुर में बनाया गया आश्रय के साथ भोजनालय भी बना दिया गया। इसका उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ यह है कि तहसील मुख्यालय, बीकापुर नगर पंचायत, ग्रामीण क्षेत्रों के आसपास कोई भी गरीब भूखा न सोए। विभिन्न समाज सेवीए संस्थान के द्वारा सहयोग के लिए दिए गए राशन आदि सामग्री भी प्रर्याप्त स्टाक भरा होने से खाना खिलाने की व्यवस्था की गई है। मलिन बस्तियोंए गरीबों की बस्ती में हल्का लेखपाल भीम सिंह भोजन की पैकेट चार पहिया वाहन पर रखकर उनके घरों तक ले जाने का सिलसिला जारी हो गया है।

'कोरोना वायरस' को देश से खत्म करने के लिए गायत्री परिवार ने किया यज्ञ

वाराणसी। सोमवार को आपदा प्रबंधन युवा वाहिनी गायत्री परिवार के आवाहन पर कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए अपने परिवार से दूर कोरोना वैलिण्टियर्स यथा डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मी, पुलिस कर्मी एवं वे समस्त लोग जो लोगों को संक्रमण से बचाने के लिये दिन रात कार्य कर रहे है उनके उत्तम स्वाथ्य, निरोग काया एवं कोरोना वैलिण्टियर्स के परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना से गायत्री साधकों ने अपने घरों में रहते हुए अपने परिवार के साथ शांतिकुंज द्वारा बताये गये निर्दिष्ट औषधियों से मिश्रित हवन सामग्रियों संग आहुतियां अग्निहोत्र किया तथा महामृत्युंजय महामंत्र एवं अन्य वैदिक मंत्रों के सस्वर उच्चारण के साथ अग्निहोत्र कर कोरोना वायरस के शीघ्र समूल नाश एवं कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के शीघ्र स्वस्थ होनें की कामना से बाबा विश्वनाथए परमपूज्य गुरुदेव एवं माता भगवती देवी से प्रार्थना किया एवं पूरे विश्व में अमन शांति हेतु सूर्य गायत्री महामंत्र से विशेष आहुतियां अग्निहोत्र किया गया। बाल संस्कारशाला संचालिका श्रीमती पुष्पा रानी ने गृहे .गृहे यज्ञ के बारे में बताया की गायत्री परिवार द्वारा लोगों को ऋषिकुल परम्परा के तहत यज्ञमय जीवन जीने की प्रेरणा दिया जाता है । जाति वंश सब एक समान की भावन के तहत 1008,108,51,24 एवं पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ की परम्परा है किन्तु वर्तमान समय में कोरोना वायरस के संक्रमण के चैन को तोड़ने के लिये सरकार द्वारा दिये गये निर्देशो का पूर्णरूपेण पालन करते हुए सभी अपने घरों में रहते हुए अपने परिवार के साथ 'आध्यात्मिक उपचार' के तहत कोरोना वैलिण्टियर्स, उनके परिवार एवं संक्रमित लोगों के उत्तम स्वस्थए उज्जवल भविष्य एवं निरोग जीवन की कामना से आहुतियां अग्निहोत्र किया गया। कार्यक्रम में सभी ब्लाकों, ऋषि क्षेत्रों एवं शक्तिपीठों के लगभग 800 गायत्री साधकों ने सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर यज्ञीय कार्य प्रारम्भ किया ।

अवैध शराब के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

रूरा के अम्बरपुर गॉव में छापेमारी करते सदर एसडीएम आनन्द कुमार सिंह, सीओ सॅदीप सिंह व एसओ विद्यासागर सिंह

कानपुर देहात। प्रशासन, पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त कार्यवाही में अकबरपुर के कॅजरनडेरा से 30 लीटर अवैध शराब व 300 लीटर का लहन बरामद कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किये गये अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया है। घाटमपुर में रविवार को अवैध शराब से हुयी दो मौतों के मामले में प्रशासन, पुलिस व आबकारी विभाग एक्शन में आ गया है। मॅगलवार को सदर एसडीएम, अकबरपुर सीओ व रूरा एसओ तथा आबकारी विभाग की टीम ने अकबरपुर के कॅजरन डेरा, रूरा थाना क्षेत्र के रोशनमऊ व अम्बरपुर गॉवों में छापा मारा। रूरा थाना क्षेत्र के रोशनमऊ व अम्बरपुर गॉवों में छापेमारी के दौरान मौके पर न तो कारोबारी मिले और न ही कोई सामग्री अकबरपुर थाना क्षेत्र के कॅजरनडेरा में 30 लीटर अवैध शराब के साथ कच्ची शराब बनाने में प्रयुक्त होने वाली 300 लीटर लहन बरामद की गयी। यहॉ से लालची व विशाल निवासी गॉधीनगर अकबरपुर को गिरफ्तार किया गया। छापों के दौरान सदर एसडीएम आनन्द कुमार सिंह, सीओ सॅदीप सिंह, आबकारी निरीक्षक गिरिराज सिंह, रूरा एसओ विद्यासागर सिंह सहित पुलिस व आबकारी विभाग के अन्य लोग मौजूद रहे।

सीमा पार करने की कोशिश में दो धराए

गोरखपुर। कोरोना से बचाव के लिए देश भर में किए गए लॉकडाउन और अंतरराष्ट्रीय सीमा के सील होने के बावजूद महराजगंज में चुपके से सीमा पार करने की कोशिश कर रहे दो नेपाली नागरिकों को एसएसबी ने पकड़ लिया। सोमवार की सुबह दोनों नेपाल जाने की फिराक में थे। एसएसबी पथलहवा के इंस्पेक्टर सतीश लाल व एएसआई हरिदयाल सिंह की टीम ने इन्हें तब पकड़ा जब ये कनमिसवा के पास चुपके से बार्डर पार करने की कोशिश कर रहे थे। इन दोनों को एसएसबी की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सीएचसी निचलौल भेज दिया। पकड़े गए सलामत मियां और अनुमूल मियां ग्राम पकड़ी जिला सप्तरी–नेपाल के रहने वाले हैं। इन लोगों ने पूछताछ में बताया कि ये लोग जालन्धर पंजाब में काम करते थे और लॉकडाउन होने के बाद वहां से अपने घर जा रहे हैं। एसएसबी ने इन दोनों को एसओ निचलौल बिहागड़ सिंह यादव के हवाले कर दिया है। पुलिस इन दोनों को जांच के लिए निचलौल सीएचसी लाई है।

गेहूं खरीद के लिए गांव में बनाई जाये व्यवस्था: डीएम

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

कलेक्ट्रेट सभागार में गेहूं खरीद के तैयारियों के संबंध बैठक करते हुए जिलाधिकारी के. विजयेन्द्र पाण्डियन ने सभी क्रय एजेसियों को निर्देशित किया कि किसानों के गेहूं खरीद के लिए गांव में ही व्यवस्था बनाई जाये जिससे कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए किसानों को उनके गेहूं की खरीद कर उचित मूल्य दिलाया जा सके। जिलाधिकारी ने सभी 153 क्रय केन्द्रों पर बोरों की उपलब्धता, पानी, छाया तथा कोरोना के संक्रमण के बचाव के दृष्टिगत साबुन से हाथ धुलने की व्यवस्था एवं साफ सफाई रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केन्द्रों पर गेहूं क्रय केन्द्रों के बैनर के साथ कोविड–19 के संक्रमण से बचाव की जानकारी के संबंध में भी बैनर अनिवार्य रूप से लगाया जाये। समीक्षा बैठक के दौरान किसानों के रजिस्ट्रेशन के संबंध में लाकडाउन साइबर कैफे बन्द होने के कारण रजिस्ट्रेशन न हो पाने की समस्या उठाये जाने पर जिलाधिकारी ने क्रय केन्द्रों के आस पास के कामन सर्विस सेन्टर पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए उन कामन सर्विस सेन्टरों को खोलकर किसानों का रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों का गेहूं उनके गांव से ही क्रय कर लिया जाये तथा गेहूं खरीद करते समय सेन्टरों पर बैंक के कर्मचारी भी रहें जो किसानों का भुगतान करा सकें। जिलाधिकारी ने किसानों के पंजीकरण की विधि को भी प्रदर्शित करने को कहा तथा अवकाश के दिनों में भी गेहूं खरीद करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान बताया गया कि किसानों के पंजीकरण के बाद उन्हें आनलाइन टोकन दिया जायेगा और उसी दिन उनके गेहूं की खरीद की तिथि से अवगत करा दिया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि/रा, जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसामान्य को सभी मूलभूत सुविधाएं हों उपलब्ध: डीएम

- कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई कोविड 19 समीक्षा बैठक

संवाददाता। अंबेडकरनगर

कोविड 19 के दृष्टिगत जिला अधिकारी राकेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए जाने हेतु समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनसामान्य को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं जाने हेतु प्रत्येक बिंदुओं पर गहन समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद का कोई भी व्यक्ति शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं से वंचित नहीं होना चाहिएस अपने संबोधन के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में प्रत्येक विधानसभा में संचालित कम्युनिटी कीचौन ने जन सामान्य हेतु गुणवत्तापूर्ण भोजन वितरित होना चाहिए, गुणवत्ता में कमी आती है तो संबंधित अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने समस्त उप जिला अधिकारी को निर्देशित किया कि बिना अनुमति कोई भी बाहरी लोग खाना ना वितरित कर पाए इस बात को विशेष ध्यान दिया जाए, उन्होंने कहा जिसको भी खाना वितरित करना है वह संबंधित उप जिलाधिकारी से खाना की गुणवत्ता चेक करा लें, भोजन गुणवत्ता पूर्ण होने के उपरांत ही संबंधित उप जिलाधिकारी उस व्यक्ति को खाना वितरित करने की अनुमति प्रदान करेंगेस डीएम ने कहा कि शासन की मंशा अनुसार जिन लोगों का 14 दिन क्वॉरेंटाइन पूर्ण हो गया है उन्हें डॉक्यूमेंटेशन कराने के पश्चात उनके घर तक बाइज्जत छोड़ दिया जाए। एलडीएम को जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि बैंकों में जो लोग आ रहे हैं उन्हें टोकन वितरित कर सोशल डिस्टेंस का पालन कराते हुए, और मास्क के साथ बैंक के अंदर प्रवेश दें। जिलाधिकारी ने समस्त क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में लॉक डाउन का पूर्ण पालन कराया जाए। इस कार्य में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगीस समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का भी जायजा लिया और संबंधित नोडल अधिकारी को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित होना सुनिश्चित किया जाए कार्यों में लापरवाही न बरती जाए। सीडीओ अनूप कुमार श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी, अपर जिलाधिकारी डॉ पंकज कुमार वर्मा, समस्त उपजिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, डीएसओ एवं संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

लॉकडाउन के समय का सदुपयोग नई भाषा सीखने में करें विद्यार्थी: नायडू

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने छात्रों से कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए घोषित लॉकडाउन के समय का सदुपयोग व्यायाम करने और नई भाषाएं सीखने में करने की अपील करते हुए सोमवार को कहा कि छात्र, अपना पूरा समय मोबाइल फोन पर ही नष्ट न करें। नायडू ने ट्वीट कर कहा, प्यारे विद्यार्थियो, सारा दिन मोबाइल में ही मत लगे रहो। लॉकडाउन के इस समय का सदुपयोग करो, व्यायाम करो और एक नई भाषा सीखो। इससे पहले नायडू ने दिल्ली विश्वविद्यालय सहित कुछ अन्य केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में भी शिक्षण संस्थाओं में पठन-पाठन पर लॉकडाउन के प्रभाव की समीक्षा के दौरान भी छात्रों से समय व्यर्थ न गंवाने की अपील की थी। उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार नायडू ने बैठक में विश्वविद्यालयों से शैक्षणिक सत्र के संचालन की निरंतरता को प्रभावित नहीं होने देने की अपील करते हुए प्रौद्योगिकी की मदद से ऑनलाइन कक्षाओं को विकल्प बनाने के लिए कहा। बैठक में नायडू ने छात्रों को भी सलाह दी कि वे मोबाइल फोन जैसे उपकरणों पर अधिक समय व्यर्थ न करते हुए लॉकडाउन की इस अवधि में कोई नई भाषा सीखने और समाज सेवा जैसे रचनात्मक कार्यों में अपना समय देने का प्रयास करें। नायडू ने विश्वविद्यालय, शिक्षण संस्थाओं से आह्वान किया कि वे लॉकडाउन के दौरान शैक्षणिक सत्र को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए प्रौद्योगिकी का भरपूर उपयोग करते हुए अध्ययन-अध्यापन जारी रखने के हरसंभव उपाय करें। बैठक में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के निदेशक, माखनलाल चतुर्वेदी विश्विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, पुडुचेरी विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के पदेन अध्यक्ष और संघ शासित क्षेत्रों के तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं।

कोरोना वायरस की जांच में तेजी लाई जाए : तारिगामी

जम्मू। माकपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने सोमवार को सरकार से अपील की कि कोरोना वायरस की जांच में तेजी लाई जाए और प्राथमिकता के आधार पर आजीविका के मुद्दे का समाधान किया जाए। साथ ही उन्होंने लॉकडाउन को बढ़ाए जाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार को जांच बढ़ानी चाहिए, अपने स्वास्थ्य कर्मियों को सुसज्जित करना चाहिए और आजीविका की समस्या का गंभीरता से समाधान करना चाहिए। तारिगामी ने कहा, इलाकों की पहचान कर, उन्हें अलग कर और सील कर वायरस को फैलने से रोकना होगा। चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन को खत्म करने से आर्थिक और कानून-व्यवस्था की समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी जो लंबे लॉकडाउन के उभर सकती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र को राज्यों को और धन आवंटित करने चाहिए और स्वास्थ्यकर्मियों को अधिक व्यक्तिगत सुरक्षा किट उपलब्ध कराने चाहिए।

कराद में फ्लैग मार्च करते हुए पुलिस के जवान

महाराष्ट्र के मंत्री जितेन्द्र आव्हाड ने खुद को किया पृथक

मुम्बई। महाराष्ट्र के आवास मंत्री जितेन्द्र आव्हाड ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस से संक्रमित एक पुलिस अधिकारी के संपर्क के आने के कारण उन्होंने पृथक रहने का फैसला किया है। मंत्री ने एक संदेश में कहा कि पहली जांच में वह कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाए गए लेकिन उन्होंने 14 दिन पृथक रहने का फैसला किया है। आव्हाड ने कहा, मेरे साथ चलने वाले एक पुलिस अधिकारी में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसलिए मैंने पृथक रहने का फैसला किया है। राकांपा नेता ने कहा कि उन्होंने जांच कराई लेकिन कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। लेकिन डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक वह अगले 14 दिन पृथक रहेंगे। उन्होंने कहा, कोरोना वायरस के लिए पहली जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। आठ दिन बाद फिर से जांच होगी और मुझे उम्मीद है कि इसमें भी यही नतीजे आएंगे। मंत्री ने कहा कि संक्रमण की पुष्टि नहीं होने और पृथक रहने के लिए जरूरी अवधि पूरी करने के बाद वह लोगों की सेवा करने के लिए फिर से निकलेंगे। आव्हाड ठाणे जिले के कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां पिछले कुछ सप्ताह में कई लोग संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले लोगों से घर में रहने की अपील करते हुए कहा था कि ऐसा नहीं करने पर इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। आव्हाड खुद को पृथक करने वाले राज्य के पहले मंत्री हैं।

पहले सिलते थे नक्सलियों के लिए वर्दी, अब सिल रहे है मास्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में जो हाथ पुलिस दल पर गोलीबारी करते थे और नक्सलियों के लिए वर्दी सिलते थे आज वही कोरोना वायरस से बचने के लिए मास्क सिल रहे हैं। राज्य के बस्तर क्षेत्र के धुर नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में इन दिनों पुलिस के जवान कोरोना वायरस से बचाव के लिए जरूरी मास्क सिल रहे हैं और इनकी मदद कर रहे हैं दो पूर्व नक्सली मड़कम लख्खा (31) रीना वेक्को (30)। कुछ समय पहले मड़कम और रीना नक्सलियों के महत्वपूर्ण दल का हिस्सा थे और वह कई नक्सली घटनाओं में शामिल रहे हैं। नौजवान कुछ समय पहले तक सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर उनकी हत्या करते थे लेकिन आज आत्मसमर्पण के बाद लोगों की बेहतरी के लिए काम रहे हैं।

आत्मसमर्पण कर चुके इन नक्सलियों का कहना है कि हिंसा से उन्हें कुछ नहीं मिला। हिंसा दर्द के अलावा कुछ नहीं देती है लेकिन लोगों की मदद से उन्हें परम सुख मिल रहा है। मड़कम और रीना सुकमा में पुलिस कर्मियों के साथ लोगों के लिए मास्क सिलने के काम में लगे हुए हैं। मड़कम ने बताया कि अभी तक वह लगभग एक हजार मास्क सिल चुके हैं और आम लोगों के साथ साथ पुलिस कर्मी भी इसका उपयोग कर रहे हैं।

मड़कम वर्ष 2008 में नक्सली संगठन में शामिल हुआ था और पिछले साल अगस्त माह में उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। वह नक्सली संगठन में मिलिशिया कमांडर इन चीफ समेत कई पदों पर रहा है। इसके साथ ही वह नक्सलियों के टेलर टीम का भी मुखिया था जो दक्षिण बस्तर और पड़ोसी राज्य तेलंगाना में नक्सलियों के नेताओं के लिए वर्दी सिलने का काम करता है। इस लॉकडाउन के दौरान पुलिस के जवान दिन रात मेहनत कर रहे हैं और मास्क सिल रहे हैं। ऐसे में उसने पूर्व में किए गए काम की मदद लेना शुरू किया और इस पुराने कौशल की मदद से पुलिस कर्मियों का हाथ बटाने लगा। उसने कहा, हांलकि यह एक बड़ा योगदान नहीं है लेकिन मुझे खुशी है कि मैं समाज के लिए किसी भी तरह से काम आ रहा हूं।

पूर्व नक्सली मड़कम स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर माओवादियों के संदेशों का हिंदी में अनुवाद भी करता है। माओवादी इस क्षेत्र में ज्यादातर स्थानीय बोलियों का उपयोग करते हैं, ऐसे में उनके द्वारा कही गई बातों का हिंदी अनुवाद सुरक्षा बलों के खुफिया तंत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होता है। पुलिस जवानों के साथ मिलकर मास्क तैयार करने के काम में पूर्व नक्सली रीना भी लगी हुई है। रीना वर्ष 2018 में नक्सली संगठन को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गई थी। इससे पहले वह ओडिशा छत्तीसगढ़ की सीमा में सक्रिय थी तथा कई नक्सली घटनाओं में शामिल रही है।

बंदूक चलाने में माहिर रीना सिलाई का काम नहीं जानती थी। लेकिन हथियार छोड़ चुके नक्सलियों के लिए चलने वाले पुनर्वास कार्यक्रम के दौरान उसने सिलाई का काम सीख लिया था। रीना बताती है कि वह सब मिलकर प्रतिदिन लगभग दो सौ मास्क सिल लेते हैं। इसके लिए कच्चा माल स्थानीय पुलिस द्वारा प्रदान किया जा रहा है। पुलिस कर्मियों और पूर्व नक्सलियों के योगदान की तारीफ करते हुए बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी कहते हैं कि ए दोनों इस महामारी से निपटने में मदद कर ऐसे अन्य लोगों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने नागरिकों को आंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को देश के नागरिकों से संविधान के रचनाकार डॉ बी आर आंबेडकर की सीखों को आत्मसात करने और एक मजबूत तथा समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान देने को कहा। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार आंबेडकर की जयंती की पूर्वसंध्या पर देशवासियों को बधाई देते हुए राष्ट्रपति ने लोगों से कोविड-19 के मद्देनजर सामाजिक दूरी बनाकर रखते हुए तथा घरों में रहते हुए आंबेडकर जयंती मनाने को कहा। कोविंद ने कहा कि समाज सुधारक, शिक्षाविद, न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनेता और कानूनी विशेषज्ञ के रूप में आंबेडकर देश तथा समाज के भले के लिए लगातार प्रयत्नशील रहे। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि आंबेडकर ने ऐसे समाज की कल्पना की थी जहां सामाजिक सौहार्द और समानता हो। उन्होंने कहा, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया। कोविंद ने कहा कि आंबेडकर ने भारत को एक ऐसा प्रगतिशील और समावेशी संविधान दिया जो पिछले कई दशकों से देश के लोकतंत्र में नागरिकों के विश्वास को मजबूत और गहरा करता आ रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, आंबेडकर जयंती के अवसर हम डॉ आंबेडकर के महान कद, संघर्ष और मूल्यों से प्रेरणों लें, उनकी सीखों तथा आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लें तथा एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दें।

नशीली दवा बेचने वाले दो गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थानीय निकाय के कर्मचारी बनकर नशीली दवाएं बेचने के आरोप में दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक आरोपी ने पुणे नगर निगम के लोगो वाली खाकी वर्दी पहनी थी, जबकि दूसरे ने स्थानीय निकाय के संरक्षण कर्मचारियों द्वारा आम तौर पर इस्तेमाल किया हुआ एप्रन पहना रखा था। हवेली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, खड़कवासला बांध के पास चौकी पर तैनात पुलिस कर्मी ने रविवार शाम को इन दोनों लोगों को एक प्लास्टिक की थैली ले जाते हुए पाया। जब बैग की जांच की गई, तो पुलिस को इसके अंदर गांजा मिला। आरोपियों में से एक ने किसी कर्मचारी की वर्दी खरीद ली थी, जिसकी हाल ही में मौत हो गई थी। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे खड़कवासला आए थे। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रासायनियक संयंत्र में विस्फोट में दो की मौत

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक रासायनिक संयंत्र में विस्फोट के बाद आग लगने से दो श्रमिकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला आपदा नियंत्रण प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि बोइसर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित गैलेक्सी सर्फेक्टेंट्स के परिसर में दोपहर 12 बजे के आसपास यह हादसा हुआ। कदम ने कहा, हादसे में दो श्रमिकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। कुछ स्थानीय लोगों के अनुसार उन्होंने दोपहर में संयंत्र से तेज आवाज सुनी। घायल कर्मचारी को अस्पताल ले जाया गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग की लपटों पर काबू पाने का प्रयास जारी है। कदम ने कहा कि विस्फोट के कारण का पता नहीं चल पाया है।

हल्द्वानी के वनभूलपुरा में कर्फ्यू

देहरादून। हल्द्वानी के वनभूलपुरा क्षेत्र की एक स्थानीय मस्जिद के इमाम को पृथकवास में भेजने की प्रशासन की कोशिश का विरोध करने के लिए जुटी भीड़ के मामले पर गंभीर संज्ञान लेते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सोमवार को क्षेत्र में कर्फ्यू लगाने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और सचिव गृह को ए आदेश दिए। पुलिस ने बताया कि मस्जिद के इमाम के तबलीगी जमात के किसी सदस्य के संपर्क में आने की बात पता चलने के बाद उन्हें पृथकवास पर भेजा जा रहा था और इसी को लेकर विरोध प्रकट करने के लिए बडी संख्या में लोग घरों से बाहर आ गए। उन्होंने बताया कि विरोध करने के लिए क्षेत्र की एक संकरी गली में लोगों की भीड एकत्रित हो गई लेकिन पुलिस, खुद इमाम और उलेमाओं के दखल के बाद मामला जल्द ही सुलझ गया। इमाम को मस्जिद में ही रखा गया है।

जंगलों से दो बंदूकों के साथ शिकारी गिफ्तार

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले में बेतला अभयारण्य से वन विभाग के अधिकारियों ने शिकार की योजना बना रहे शिकारियों के एक दल का पीछा कर उसके मुखिया को गिरफ्तार कर लिया। बेतला अभयारण्य के महुआडांड़ के रेंज अधिकारी वृंदा पांडेय ने इस घटना की जानकारी दी। शिकारी के पास से दो देसी बंदूक, गोली, बारूद, गंधक आदि बरामद किए गए हैं। 10-12 की संख्या में शिकारी बंदूक लेकर सिंरसी के जंगलों में शिकार के इरादे से घूम रहे हैं। इसके बाद उनके नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने सिरसी, संरक्षित वन में छापेमारी अभियान चलाया। निकोलस कुजूर नामक मुख्य शिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति धरा गया

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि निरंजन कुमार मेहता को फेसबुक पर धार्मिक टिप्पणी कर सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। 32 वर्षीय मेहता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188, 153ए और 295ए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और उसे अदालत में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पटना में खुद की सुरक्षा के लिए पीपीई किट की मांग को लेकर मौन प्रदर्शन करते हुए पीएमसीएच की नर्सें

रमजान में घर पर ही करें इबादत और इफ्तार : नक्वी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को मुस्लिम समुदाय से आह्वान किया कि कोरोना संकट को ध्यान में रखते हुए कुछ दिनों बाद शुरू हो रहे रमजान के पवित्र महीने के दौरान लोग लॉकडाउन एवं सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) बनाए रखने का पूरी तरह पालन करें और अपने घरों में ही इबादत व इफ्तार करें। नकवी की ओर जारी बयान के मुताबिक उन्होंने अपने दफ्तर पहुंचकर मुस्लिम समाज के कई धर्मगुरुओं, संगठनों के प्रतिनिधियों और राज्य वक्फ बोर्डों के पदाधिकारियों से फोन पर बातचीत और फिर यह अपील जारी की।

उन्होंने कहा कि लोग तराबी भी अपने घरों में पढ़े। तराबी रमजान के महीने में पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज है। भारत में रमजान की शुरूआत 24 अथवा 25 अप्रैल से होगी। नकवी ने बताया, केंद्रीय वक्फ परिषद के माध्यम से सभी राज्य वक्फ बोर्डों को निर्देशित किया गया है कि रमजान के पवित्र महीने में लॉकडाउन एवं सामाजिक दूरी बनाए रखने के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। उनके मुताबिक किसी भी धार्मिक स्थल पर लोगों के इकट्ठा होने से रोकने के प्रभावी उपाय करने होंगे। सभी धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय प्रशासन की इस कार्य में मदद लेनी व देनी चाहिए। नकवी ने कहा, पिछले दिनों शब-ए-बारात के मौके पर राज्य वक्फ बोर्डों के प्रयासों और सामाजिक एवं धार्मिक लोगों के सकारात्मक कोशिशों से भारतीय मुसलमानों ने अपने घरों पर ही इबादत की और अन्य धार्मिक कार्यों को पूरा किया। भारतीय मुसलमानों ने कोरोना के कहर को ध्यान में रखकर लॉकडाउन का जिस ईमानदारी के साथ पालन किया, वह सराहनीय है।

जीडीपी की पांच-छह फीसदी राशि के बराबर आर्थिक पैकेज की घोषणा करें प्रधानमंत्री

नई दिल्ली(भाषा)। कांग्रेस ने लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से खोलने की पैरवी करते हुए सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोरोना संकट की मार झेल रही अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने के लिए देश की जीडीपी की पांच से छह फीसदी राशि के बराबर आर्थिक पैकेज की घोषणा करने का साहस दिखाना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता आनंद शर्मा ने कहा कि भारत के औषधि उद्योग, बीमा और वित्तीय कारोबार से जुड़ी इकाइयों के विदेशी समूहों द्वारा अधिग्रहण करने की किसी भी प्रक्रिया पर रोक लगनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार सुबह लॉकडाउन एवं कोरोना संकट पर देश को संबोधित करेंगे। शर्मा ने वीडियो लिंक के जरिए संवाददाताओं से कहा, कोरोना वायरस के संक्रमण से देश और दुनिया को गहरी चोट पहुंची है। इससे अर्थव्यवस्था भी चरमरा गई है। इस संकट के कारण पहले से कमजोर भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां आ गई हैं। इसलिए एक रणनीति बनाए जाने की जरूरत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सरकार से आग्रह किया कि लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। प्रथम चरण में कुछ आर्थिक गतिविधियों की शुरुआत हो। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को पुनर्जीवित किया जाए। एमएसएमई को बिना ब्याज के कर्ज देना होगा। इस क्षेत्र के लिए एक कोष की स्थापना होनी चाहिए। उन्होंने कहा, आम जरूरत की वस्तुओं के उत्पादन के लिए नीति बनाने की आवश्यकता है क्योंकि अगर सामान बनेगा नहीं, तो दुकानों में कहां से आएगा। इसके साथ परिवहन की समस्या का भी समाधान करना होगा। किसानों को राहत देने की पैरवी करते हुए शर्मा ने कहा कि गेहूं- सरसों की फसलों की कटाई का समय है इसलिए किसानों की फसल की खरीद सुनिश्चित होना जरूरी है। इसके लिए विकेंद्रित व्यवहार का होना जरूरी है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठनों की रिपोर्ट आई है कि भारत में 40 करोड़ मजदूर गरीबी रेखा से नीचे चले जाएंगे। कदम उठाना बहुत जरूरी है ताकि इस स्थिति से बचा जा सके।

बिहार में कोविड-19 जांच की संख्या बेहद कम है: तेजस्वी

नई दिल्ली। राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार में कोविड-19 के संबंध में हुई जांच की संख्या बहुत कम है, स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचा चरमराया हुआ है और चिकित्सकीय सामग्री की खरीद बेहद धीमी है। उन्होंने राज्य सरकार पर बिहार के प्रवासी मजदूरों को नजरअंदाज करने और उनके प्रति उदासीनता दिखाने का भी आरोप लगाया। इनमें से कई प्रवासी मजदूर कोविड-19 संक्रमण के कारण अन्य राज्यों से पैदल चलकर अपने घर लौटे हैं। यादव ने साक्षात्कार में कहा कि वैश्विक महामारी पर राज्य सरकार का अब तक का समग्र रवैया यही रहा है कि वह आग के स्वत: ही बुझ जाने की उम्मीद कर रही है। दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में भाग लेकर लौटे लोगों द्वारा बिहार के लोगों को खतरा होने के मामले में सवाल पूछे जाने पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि वायरस धर्म, क्षेत्र, जाति, नस्ल या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करता।

कोविड-19 का उल्लंघन करने वालों पर नजर रखने के लिए पुलिस ले रही ड्रोन का सहारा

कोलकाता। कोलकाता में कोरोना वायरस के मद्देनजर लोगों की आवाजाही और जमावड़े की निगरानी के लिए पुलिस ड्रोन का सहारा ले रही है। अधिकारियों ने बताया कि शहर के उत्तरी क्षेत्र हाटीबागान और श्यामाबाजर तथा मध्य कोलकाता के बड़ा बाजार और न्यू मार्केट वाले सघन क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है ताकि वीडियो रिकॉर्ड करके बेहतर तरीके से बंद लागू करने में पुलिस की सहायता हो सके। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, मौजूदा समय में इस उद्देश्य के लिए तीन ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। हम भीड़भाड़ वाले इलाकों खास तौर पर बाजार पर नजर रख रहे हैं, जहां लोग बंद का उल्लंघन करके जमा होते हैं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में और भी ड्रोनों का सहारा इस उद्देश्य के लिए लिया जा सकता है।

उन्होंने कहा, लोगों को यह समझना होगा कि अभी जमावड़ा क्यों बंद है। ऐसा नहीं होगा तो कोरोना वायरस से लड़ना मुश्किल होगा। कोलकाता सघन क्षेत्र है और हमें यह सुनिश्चित करना है कि लोग सामाजिक दूरी को बनाए रखें।

अधिकारी ने बताया कि किसी को भी बिना मास्क पहने बाहर जाने की अनुमित नहीं होगी और नियम का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्वाई होगी। उन्होंने बताया, ड्रोन से फुटेज जैसे ही मिलेगा, हम इसे स्थानीय पुलिस थाने के अधिकारियों को देंगे ताकि यह यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग आदेश का पालन करें। सरकारी नियम का पालन करते हुए, हम किसी को भी बिना मास्क के घर से बाहर निकलने नहीं देंगे। राज्य सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। इसी बीच पुलिस ने आपात स्थिति में फोन करने पर टैक्सी सेवा भी शुरू की है। पश्चिम बंगाल में अब तक कोरोना वायरस के संक्रमण के 122 मामले सामने आए है जिनमें से सात लोगों की मौत हुई और 22 लोग इससे मुक्त हुए हैं।

गुवाहाटी में बिहू पर्व पर आसामी समुदाय के लोग उचित दूरी बनाकर नृत्य करते हुए

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन किया जाना चाहिए: नीतीश

भाषा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन की वकालत करते हुए सोमवार को लॉकडाउन में फंसे लोगों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री विशेष सहायता अन्तर्गत मुख्यमंत्री राहत कोष से 50 करोड़ रुपए पुन:जारी करने का निर्देश दिया। पटना के एक अणे मार्ग स्थित नेक संवाद में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित एक बैठक में कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव संबंधी कार्यों की सभी प्रमंडलीय आयुक्तों, रेंज के पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस उप महानिरीक्षकों के साथ गहन समीक्षा करते हुए नीतीश ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन किया जाना चाहिए।

बैठक के दौरान हर घर नल का जल , घर तक पक्की गली-नालियां , जल-जीवन-हरियाली के अन्तर्गत तालाबों का जीर्णोद्धार एवं उड़ाही, बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य एवं मनरेगा से संबंधित कार्यों को कुछ प्रतिबंधों के साथ शुरू करने की योजना पर विचार किया गया। रोजगार के इच्छुक व्यक्ति को जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी द्वारा पास निर्गत किया जाएगा। कार्य करने के इच्छुक लोगों को उनके ग्राम पंचायत में ही काम दिया जाएगा। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण वाले व्यक्ति एवं ऐसा परिवार जिसका कोई सदस्य विगत 15 दिन के भीतर राज्य के बाहर से आया हो, उन्हें पास जारी नहीं किए जाएंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया सभी प्रावधानों को शामिल कर औपचारिक आदेश अलग से जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल कटनी सुचारु रूप से चलता रहे, यह सुनिश्चित किया जाय, लेकिन इस दौरान सुनिश्चित किया जाए कि लोग एक-दूसरे से उचित दूरी रखते हुए काम करें। उन्होंने कहा कि बैंक जाने वालों को भी एक-दूसरे से उचित दूरी बनाकर खड़े रहना चाहिए। दरअसल तीन दिन के बाद सोमवार को जब बैंक खुले तो वहां खातो से धन निकासी के लिए जमा हुए लोग एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की करते, भीड़ लगाए नजर आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संक्रमण से निपटने के लिए सभी मिल-जुलकर काम कर रहे हैं, इसमें सबकी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी समन्वय सुनिश्चित करते हुए अपनी-अपनी भूमिका का निर्वहन करें, सफलता जरूर मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन का पालन कड़ाई से सुनिश्चित करें, सामाजिक मेल-जोल से दूरी बनाए रखें, इसके प्रति लोगों को जागरुक करें और इस संबंध में माइक लगाकर गांव-गांव प्रचार करें। उन्होंने कहा कि राज्य की सीमा पर वाहनों की और दूसरे राज्य से आने वाले प्रत्एक व्यक्ति की जांच की जाए, सुनिश्चित किया जाए कि कोई ना छूटे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्हें संक्रमण का जरा भी डर हो, वह तुरंत जाकर केन्द्र पर जांच कराएं, ऐसा करके आप स्वयं को और अपने परिवार को सुरक्षित रखेंगे।

कमजोर तबके के सभी परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा का लाभ दिए जाने की मांग

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक महेश जोशी ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को एक पत्र लिखकर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आर्थिक दृष्टि से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के सभी परिवारों को लाभ दिए जाने की मांग की है। जोशी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि कोरोना वायरस महामारी के संकट के चलते आर्थिक दृष्टि से कमजोर तबके के लोगों को अपना जीवन यापन करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कई परिवार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में कवर नहीं होते, ऐसे लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा का लाभ दिया जाना चाहिए। गैर सरकारी संगठन विप्र फाउंडेशन के उपाध्यक्ष आर के ओझा ने भी इस तरह का मामला उठाते हुए मुख्यमंत्री से कहा कि ईडब्ल्यूएस परिवार बीपीएल श्रेणी में आते हैं और उन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिलती इसलिए उन्हें विशेष पैकेज दिया जाना चाहिए।

मुंबई में माहिम धारावी मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन द्वारा कोरोनोवायरस महामारी के मद्देनजर राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान एक हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों की एक थर्मल स्क्रीनिंग करती हुई

क्विक न्यूज

तमिलनाडु सरकार ने कलेक्टरों से सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए कहा

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने जिला कलेक्टरों को सलाह दी है कि वे सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लें। हालांकि उन्होंने लोगों से कोविड-19 के बंद के मद्देनजर इस तरह के कार्यक्रमों में नही हिस्सा लेने की अपील की है ताकि भीड़ से बचा जा सके। यह घोषणा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य सरकारों से यह अपील करने के बाद आई है कि वे कोरोना वायरस से निपटने के लिए सख्ती के साथ बंद लागू करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में शनिवार को शाह ने यह बात कही। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में तमिलनाडु सरकार ने जिला कलेक्टरों से 14 अप्रैल को बी आर आंबेडकर और 17 अप्रैल को स्वतंत्रता सेनानी धीरन चीन्नामलाई की जयंती में हिस्सा लेने के लिए कहा है। तमिलनाडु में कोविड19 संक्रमण के।,075 मामले सामने आ चुके है और 11 लोगों की जान जा चुकी है।

लॉकडाउन में पुलिस पर हमले के 72 मामले, 161 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र में तीन हफ्ते के लॉकडाउन (बंद) के पहले चरण के दौरान पुलिस कर्मियों के खिलाफ हमले के कुल 72 मामले दर्ज किए गए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस बाबत 161 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बंद को लागू कराने की कोशिश के दौरान कई स्थानों पर लोगों ने पुलिस पर कथित रूप से हमला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए 24 मार्च की रात 21 दिन के बंद का ऐलान किया था। 24 मार्च से 12 अप्रैल के बीच के आंकड़ों के मुताबिक, पुलिस ने हमले के आरोप में 161 लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि बंद के दौरान विभिन्न नियम तोड़ने के आरोप में 2,968 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस अवधि के दौरान, पुलिस ने बंद तोड़ने के आरोप में 23,554 गाड़ियों को जब्त किया है। उन्होंने बताया कि जुर्माने के तौर पर।,34,49,244 रुपए वसूले गए है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में तीन लोगों ने की आत्महत्या

भदरवाह। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित तीन लोगों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सेब्बान गांव का निवासी मोहम्मद रफीक (35) ने सोमवार दोपहर गणपत पुल से चेनाब नदी में कूद कर अपनी जान दे दी। शव निकालने के प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि उसे संभवत: पारिवारिक समस्याएं थी। अधिकारी ने कहा कि एक अन्य घटना में एक महिला ने रविवार को बराना गांव में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इसी तरह की एक अन्य घटना में रविवार को थथरी गांव में खालिद हुसैन (23) नाम के युवक का शव उसके घर के पास एक पेड़ से लटकता पाया गया। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने अपने परिवार से किसी मनमुटाव के कारण कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

वायनाड में बाघ का कंकाल मिला

वायनाड। केरल के वायनाड वन्यजीव खंड के कुरिचियात में बाघ का कंकाल मिला है। वन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि करीब पांच साल की आयु वाले इस बाघ की मौत उसके गले पर तार या बाड़ से लगी चोट के कारण हुई होगी। सहायक वन्यजीव वार्डन ने पीटीआई-भाषा को बताया, बाघ की गर्दन पर एक चोट का निशान है, जो संभवत: तार या कांटेदार बाड़ से लगी हो सकती है। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

औरंगाबाद में गांव से पकड़ा गया तेंदुआ, बाद में मौत

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के एक गांव में रविवार को एक तेंदुआ घुस आया था जिसे पकड़ तो लिया गया लेकिन बाद में संभवत: दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि तेंदुआ को पैथन तहसील में पड़ने वाले पाचोड थाना क्षेत्र के थारेगांव से रविवार दोपहर पकड़ा गया। उन्होंने बताया, तेंदुआ को जब जिला कार्यालय ले जाया जा रहा था, तभी उसकी मौत हो गई।

यादवपुर विश्वविद्यालय ने छात्रों से कोरोना वायरस से निपटने में मददगार अवधारणाएं विकसित करने को कहा

कोलकाता। कोविड-19 से निपटने में मदद की पहल करते हुए यादवपुर विश्वविद्यालय की नवोन्मेषी परिषद ने छात्रों से कुछ अवधारणाओं पर काम करने को कहा है। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि एक अवधारणा एक छोटा उपकरण इजाद करने के बारे में है जिसे इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) के तारों से जोड़ा जा सकता है और ब्लूटूथ के माध्यम से ईसीजी की रिकॉर्डिंग को किसी डॉक्टर के स्मार्टफोन में भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा, कोरोना वायरस के रोगी में फेफड़े का संक्रमण हृदय और अन्य अंगों तक पहुंच सकता है। किसी गंभीर रोगी के सभी स्वास्थ्य मानकों पर नियमित निगरानी रखनी होती है, इस लिहाज से यह उपकरण बड़ा कारगर सिद्ध हो सकता है। अधिकारी के मुताबिक डॉक्टर के मोबाइल की स्क्रीन पर रिकॉर्डिंग दिखने से गंभीर रोगियों पर कहीं से भी नजर रखी जा सकती है। उन्होंने कहा, अब हमने छात्रों को कोरोना वायरस फैलने के मद्देनजर इस विचार पर काम करने के लिए आमंत्रित किया है। बाद में इसका इस्तेमाल ग्रामीण क्षेत्रों के गंभीर रोगियों के लिए किया जा सकता है। यह रोगियों के लिए लाभकारी होगा और किफायती भी होगा। अधिकारी ने उम्मीद जताई कि संस्थान की प्रयोगशाला खुलने के बाद छात्र इस अवधारणा पर काम करेंगे। उनके मुताबिक दूसरी अवधारणा एक ऐसे मोबाइल ऐप की है जो पृथकवास में रह रहे लोगों के केंद्र से बाहर कदम रखते ही उनके मोबाइल फोन से संदेश भेज देगा। अधिकारी ने कहा, इससे अधिकारियों को पृथक केंद्र में रहने वाले लोगों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन अवधारणाओं को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डाला गया है और छात्रों से इस बारे में प्रस्ताव जमा करने को कहा गया है।

लॉकडाउन: असम के बाहर फंसे लोगों की वित्तीय मदद करेगी राज्य सरकार

भाषा। गुवाहाटी

असम के वित्त एवं स्वास्थ्य मंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने देशव्यापी लॉकडाउन के कारण अन्य क्षेत्रों में फंसे राज्य के लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक हेल्पलाइन नंबर दिया गया है, जिस पर राज्य के लोग मिस्ड कॉल दे सकते हैं। एक बार ऐसा करने के बाद, उन्हें बैंक खाता नंबर सहित अपना विवरण प्रदान देने के लिए एक लिंक प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमें देशभर से लोगों को वापस लाने के लिए कई कॉल आ रही हैं, लेकिन यह संभव नहीं होगा क्योंकि अंतर-राज्ईय सम्पर्क अभी तत्काल बहाल होने की संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा कि सहायता की सही राशि की घोषणा प्राप्त होने वाली कॉल की संख्या को ध्यान में रखते हुए बाद में की जाएगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग राज्य के बाहर काम कर रहे थे, लेकिन लॉकडाउन लागू होने से पहले घर लौट आए थे वे इस सहायता के पात्र नहीं होंगे। उन्होंने कहा, हम गरीब छात्रों और उन श्रमिकों तक पहुंच बना रहे हैं, जिन्हें लॉकडाउन के कारण वेतन नहीं मिल रहा है। सरमा ने कहा कि असम इंजीनियरिंग कॉलेज (एईसी), कॉटन यूनिवर्सिटी और गौहाटी विश्वविद्यालय के 400 से अधिक छात्रों के साथ मिलकर पीरामल फाउंडेशन स्वयं इस अर्जी प्रक्रिया में मदद करने के लिए आगे आया है। मंत्री ने कहा कि इस प्रक्रिया से एक डेटाबेस का निर्माण भी होगा जो बाद में राज्य में भविष्य में लौटने वाले लोगों की संख्या का पता लगाने में हमारी मदद करेगा और हमें तदनुसार स्वास्थ्य देखभाल के उपाय करने होंगे। उन्होंने कहा कि आवेदन प्राप्त होने के बाद उपायुक्तों द्वारा आवश्यक सत्यापन किया जाएगा और इसके वैध पाए जाने पर राशि उनके संबंधित बैंक खातों में अंतरित कर दी जाएगी। राज्य सरकार ने इससे पहले कैंसर, किडनी, ह्रदय और लीवर प्रतिरोपण के ऐसे रोगियों को वित्तीय सहायता देने की घोषणा की थी, जो इलाज के लिए असम से गए थे और फंस गए थे। सरमा ने कहा, 919 मरीजों के परिवार के सदस्यों ने कॉल सेंटर से संपर्क किया है और हमने प्रत्एक मरीज को 25,000 रुपए देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 213 मरीजों के परिवार के सदस्यों को पैसा पहले ही अंतरित किया जा चुका है जबकि अन्य पात्र पाए गए लोगों को भी जल्द ही राशि मिल जाएगी।

तबलीगी जमात में शामिल हुआ एक अन्य व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित पाया गया

गुवाहाटी। दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुआ एक अन्य व्यक्ति असम में सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है,। इसे मिला कर प्रदेश में कोविड19 के कुल मरीजों की संख्या बढ कर 30 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने इसकी जानकारी दी। सरमा ने बताया कि 30 संक्रमितों में से 29 मामले निजामुद्दीन में पिछले माह हुए तबलीगी जमात के कार्यक्रम से संबंधित हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से एक संक्रमित व्यक्ति की मौत हो चुकी है। सरमा ने बताया कि इन सभी मरीजों एवं उनके संपर्क में आए लोगों को या तो पृथकवास में भेज दिया गया है या अलग रखा गया है। मंत्री ने यंहा संवाददाता सम्मेलन में कहा, तबलीगी जमात के आयोजन से जुडे प्रत्एक व्यक्ति को हम पृथकवास में रखने में सक्षम हैं। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति सोमवार को कोरोना संक्रमित पाया गया है वह धुबरी से है और जिले से यह तीसरा व्यक्ति है जिसमें कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। ए सभी तबलीगी जमात मरकज से संबंधित हैं। संक्रमित व्यक्ति 35 साल का है और वह 21 मार्च को विमान से वापस असम लौटा था और बस से धुबरी गया था। उसने अधिकारियों को अपनी यात्रा और निजामुद्दीन जाने के बारे में सूचित किया था।

बीरभूम के श्रीनिकेतन में राष्ट्रव्यापी बंद के दौरान स्थानीय लोगों के बीच जागरूकता फैलाते कलाकार

कैंसर पीड़ित पत्नी को कीमोथेरेपी के लिए साइकिल से 130 किमी दूर अस्पताल ले गया व्यक्ति

पुडुचेरी। कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर लागू बंद की वजह से परिवहन का कोई साधन उपलब्ध नहीं होने के बावजूद एक व्यक्ति अपनी कैंसर पीड़ित पत्नी को कीमोथेरेपी के लिए, साइकिल से 130 किलोमीटर दूर स्थित अस्पताल ले गया। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, बंद की वजह से तमिलनाडु और पुडुचेरी के बीच कोई बस सेवा नहीं चल रही है। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के रहने वाले अरिवझागन करीब 12 घंटे तक साइकिल चलाकर अपनी 60 वर्षीय पत्नी को लेकर जेआईपीएमईआर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके पास कैब के लिए पैसे भी नहीं थे लेकिन उनका इरादा मजबूत था कि वह अपनी पत्नी की कीमोथेरेपी में कोई बाधा नहीं आने देंगे। साइकिल से ही सही, वह समय पर कीमोथेरेपी के लिए अस्पताल पहुंच गए।

कोविड-19 : राजस्थान में 22 फीसदी मरीज संक्रमण मुक्त हुए

जयपुर। राजस्थान के 25 जिलों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं लेकिन अब तक कुल मरीजों में 22 फीसदी मरीज संक्रमण मुक्त भी हुए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर रघु शर्मा ने इसे सुखद संकेत मानते हुए लोगों से कहा है कि वे पृथक वास को सजा नहीं मानें यह उनकी सुरक्षा के लिए है। डॉक्टर शर्मा ने कहा कि भले ही कोरोना वायरस से संक्रमण का प्रसार राज्य के 25 जिलों में हो गया है और संक्रमितों की संख्या भी बढ़ रही है लेकिन एक सुखद बात यह भी है अब तक 121 लोग संक्रमण मुक्त भी हुए हैं। उन्होंने कहा इनमें से 62 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि संक्रमित कुल लोगों में से 22 फीसद का उपचार के बाद संक्रमण मुक्त होना राज्य के लिए बड़ी बात है।

नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म मामले में आठ गिरफ्तार

कोयंबटूर। तमिलनाडु में नौवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है और इस संबंध में सोमवार को चार किशोर छात्र समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना दो महीने पहले की है और छात्रा गर्भवती है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने अपने अभिभावक को बताया था कि उसके पेट में कई दिनों से दर्द है। इसके बाद उसकी जांच सरकारी अस्पताल में हुई, जहां उसके गर्भवती होने का पता चला। इसके बाद अभिभावकों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और जांच के दौरान पता चला कि पीड़िता की कक्षा के चार छात्रों और चार अन्य ने दो महीने पहले उसके साथ दुष्कर्म किया था। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच जारी है।

पेज एक का शेष...

कहां और कितना...

ने उन स्थानों पर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की अनुमति मांगी है जहां आबादी का घनत्व कम है। उन्होंने यह भी कहा है कि प्रोजेक्ट शुरू होने पर सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) के दिशानिर्देशों का पूरा पालन किया जाएगा।

एक अधिकारी ने कहा कि देश के अधिकतर राज्य लॉकडाउन को 14 अप्रैल के बाद कम से कम दो और सप्ताह बढ़ाने की वकालत कर रहे हैं और केंद्र सरकार व्यापक तौर पर द्विस्तरीय कार्ययोजना पर ध्यान दे रही है जिसमें देश में कोविड-19 को फैलने से रोकना तथा आर्थिक गतिविधियों को क्रमबद्ध तरीके से फिर से शुरू करना शामिल है। सूत्रों ने कहा कि सरकार का मानना है कि उसे तेजी से काम करना होगा और कुछ आर्थिक उपाय करने जिससे कि प्रभावित लोग और छोटे कारोबारियों के बैंक खातों में धन का प्रवाह सुनिश्चित हो सके। साथ ही दिन प्रतिदिन के आधार पर लॉकडाउन के दौरान भी उनके पास नगदी का प्रवाह बना रहे। सूत्रों के अनुसार असंगठित क्षेत्र को भी रियायत दी जा सकती है जो देश की अर्थव्यवस्था का 65 से 70 फीसदी हिस्सा है। इस क्षेत्र में काम करने वाले कामगार जारी लॉकडाउन के दौरान काम और वेतन से हाथ धो बैठे हैं। इसके अलावा छोटे और मध्यम उद्योगों को भी रियायत दी जा सकती है।

पटरी पर लौट...

ने कहा कि कार्यालयों में सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए मंत्रालयों ने पूरी तरह काम करना शुरू कर दिया है। ज्यादातर मंत्री और अधिकारी कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर सरकार द्वारा 'घर से काम करने' संबंधी निर्देश का पालन कर रहे हैं। मंत्रियों ने सोमवार को अपने मंत्रालयों के तहत आने वाले क्षेत्रों के हालात का जायजा लिया और लॉकडाउन के आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए व्यवसायिक गतिविधियों को जारी रखने की योजना तैयार करने में जुटे रहे। कोयला और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'मैं लॉकडाउन के दौरान अधिकतर समय घर से ही काम कर रहा था। एक हफ्ते बाद आज मैं शास्त्री भवन स्थित अपने कार्यालय आया हूं। वापस आने पर अच्छा महसूस हो रहा है। मोदी सरकार अब सभी मोर्चों पर पूरी तरह से काम पर है।' केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी सोमवार को कामकाज संभाल लिया। इसके अलावा सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, रेल मंत्री पीयूष गोयल, खेल एवं युवा मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल, आदिवासी मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान उन मंत्रियों में शामिल थे जो सोमवार सुबह अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपने-अपने कार्यालय पहुंचे। सरकारी परिवहन की सुविधा पाने वाले संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी भी सोमवार को कार्यालय पहुंचे। द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी बारी-बारी से काम कर रहे हैं और इनमें से एक तिहाई सदस्यों का मंत्रालयों में उपस्थित होना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी लॉकडाउन की अवधि खत्म होने के अंतिम दिन मंगलवार सुबह 10 बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इस बीच, संकेत मिल रहे हैं कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए कुछ रियायतों के साथ लॉकडाउन की अवधि को अगले दो हफ्ते के लिए बढ़ाया जा सकता है।

अब सिर्फ गरीबों...

दाखिल कर कहा था कि फ्री टेस्ट की सुविधा देने से निजी लैब की कार्यप्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। इससे पहले आईसीएमआर ने कहा था कि केंद्र की आयुष्मान भारत योजना से 10.74 परिवार यानी लगभग 50 करोड़ लोग जुड़े हैं। इससे पहले आईसीएमआर ने भी सर्वोच्च अदालत से मुफ्त जांच का अपना फैसला वापस लेने की अपील की थी। क्योंकि, उसका उद्देश्य निजी लैब के साथ मिलकर कोरोना के खिलाफ जंग जीतना है। वह हर रोज टेस्ट की संख्या 10,000 से 15,000 प्रतिदिन से बढ़ाकर एक लाख करना चाहता है, लेकिन प्राइवेट लैब में फ्री टेस्ट से महामारी के खिलाफ लड़ाई कमजोर पड़ेगी। टेस्ट अभियान में निजी लैब को काफी सोच-विचार और हर पहलू को ध्यान में रखकर शामिल किया गया है।

राममंदिर शिलान्यास...

लाक डाउन चल रहा है और प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान इस महामारी से लड़ने में लगा हुआ है तो यह संभावित तिथि आगे बढ़ सकती है और शिलान्यास के लिए कोरोना महामारी के कारण भक्तों को और इंतजार करना पड़ेगा।

पूल टेस्टिंग...

टेस्ट किए गए और सभी की रिपोर्ट अगर नेगेटिव आती है तो इसका मतलब उन सभी में कोरोना वायरस का संक्रमण नहीं है। अगर रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो फिर सभी 20 सैंपल की अलग-अलग टेस्टिंग की जाएगी।

संक्रमण छुपाने ...

तैयार कर सम्बन्धित जनपद की सर्विलांस टीम को उपलब्ध कराई जाए। जांच के दौरान कोविड19 के संदिग्ध मरीजों को आइसोलेशन में भेजा जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रह रहे अन्य राज्य के नागरिकों अथवा विदेशी व्यक्तियों से सम्पर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाए। उन्होने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका व जापान आदि चीन से अपना निवेश निकालना चाहते हैं। यह प्रदेश के लिए एक अवसर हो सकता है। अवस्थापना एवं औद्योगिक आयुक्त, प्रमुख सचिव एमएसएमईए प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास मिलकर इस निवेश को आकर्षित करने के लिए कार्ययोजना बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी गतिविधियों में सोशल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाए। मण्डियों में नोडल अधिकारी तैनात कर सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करायी जाए। स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा तैयार कराए गए भोजन का वितरण जिला प्रशासन की निगरानी में निर्धारित स्थान पर कराया जाए। भोजन की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाए। ग्रामीण इलाकों से सब्जी आदि लाकर शहरों में बेचने वाले कृषकों को असुविधा न हो। योगी ने कहा कि किसानों को कृषि निवेशों यथा खाद, बीज आदि की समस्या न हों। क्रय केन्द्रों के अलावा एफ पीओ आदि अन्य संस्थाओं को किसान के खेत अथवा घर से उसकी उपज के क्रय की अनुमति दी जाए।

निर्माण कार्य ...

ने अपने मजदूरों से संपर्क करना शुरू कर दिया है लेकिन मजदूर कोरोना वायरस के डर से वापस आने को तैयार नही हैं। मजदूरों का कहना है कि बड़ी मुश्किल से अपने घरों पर पहुंचे हैं, ऐसे में फिर से शहरों में आना उन्हें मंजूर नहीं है। हांलाकि सरकार ने सभी अधिकारियों को आदेश दिया है कि रुके हुए कार्य सार्वजनिक रूप से जनहित के हैं। इसलिए उन्हें ऐसी गंभीर स्थिति में भी शुरू करने का निर्णय लिया गया है। लॉकडाउन के उपरांत 15 अप्रैल व बाद की स्थितियों पर व्यापक चर्चा के लिए बुलाई गई इस बैठक में यूपीडा, लोक निर्माण, ग्रामीण अभियंत्रण, परिवहन, नगर विकास, निर्माण निगम, सेतु निगम तथा जल निगम के उच्चाधिकारियों को बुलाया गया था। इस दौरान यह विचार किया गया कि निर्माण कार्य करने से पहले कौन-कौन सी समस्याएं आएंगी और उसके लिए क्या करना होगा। बैठक में अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया है कि वर्तमान में 40 फीसद मजदूर हैं, लेकिन बचे 60 फीसद मजदूर जुटाना चुनौतीपूर्ण है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 14 अप्रैल के बाद ऑनलाइन रेस्टोरेंट, मोबाइल मरम्मत, ऑनलाइन रजिस्ट्री और कृषि यंत्र मरम्मत की दुकानों को खोलने का फैसला किया है।

पंद्रह राज्यों...

आएं। अग्रवाल ने कहा कि जब यहां कोरोना पॉजिटिव केस आए तो जिला प्रशासन ने कंटेनमेंट स्ट्रैटिजी के तहत काम किया। इसके परिणाम हमें दिखने लगे हैं लेकिन अभी भी जरूरत है कि हम अपनी पूरी निगरानी रखें। लव अग्रवाल ने आगे कहा कि हम हर स्तर पर टेक्नॉलजी का इस्तेमाल कर रहे हैं। फौरन रिस्पांस के लिए कटिंग एज टेक्नॉलजी का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। हम टेक्नॉलजी की मदद से लाइव केस ट्रैकिंग, केस मैनेजमेंट और कंटनेमेंट प्लान को लागू करने के साथ-साथ उसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इसके अलावा कोरोना के खिलाफ जंग में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की भी मदद ली जा रही है। अब तक 50 हजार से ज्यादा वॉलंटियर मुहिम से जुड़ गए हैं।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने कहा कि देशवासियों को डरने की जरूरत नहीं है। बस, सचेत रहना है और सोशल डिस्टैंसिंग के नियमों का पालन करना है। रविवार तक 20,6212 सैंपल टेस्ट किए गए हैं। सरकारी लैब के अलावा 1913 प्राइवेट लैब में भी टेस्टिंग हो रही है। अभी हमारे पास जितना स्टॉक है, उससे छह हफ्ते तक टेस्टिंग कर सके हैं। चीन से मेडिकल किट्स आने के बारे में आईसीएमआर के रमन आर गंगाखेड़कर ने कहा कि चीन से पहली खेप 15 अप्रैल को भारत पहुंचेगी। गृह मंत्रालय की ओर से बताया गया है कि खाली ट्रकों को चलने की भी इजाजत दी गई है, क्योंकि वे सामान लेने भी जा सकते हैं। रेलवे, एयरपोर्ट और सीपोर्ट को भी जरूरी कर्मचारियों को पास देने के निर्देश दिए गए हैं। जो सूक्ष्म, लघु और मध्य उद्यम के तहत जरूरी सेवाओं के लिए काम कर रहे हैं।

पूर्व पेशेवर गोल्फर सेंडर्स का निधन

लास एंजिलिस। अमेरिका के पूर्व दिग्गज पेशेवर गोल्फर डग सेंडर्स का रविवार को निधन हो गया। सेंडर्स 86 वर्ष के थे। पीजीए टूर पर सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक रहे सेंडर्स ने 1956 में कनाडा ओपन सहित अपने पेशेवर करियर में 20 खिताब जीते। वह गोल्फ जगत में पीकॉक आफ द फेयरवेज के नाम से मशहूर थे।

मोटरस्पोर्ट ड्राइवर स्टर्लिंग मोस की मृत्यु

लंदन। दिग्गज मोटरस्पोर्ट ड्राइवर स्टर्लिंग मोस का लंबी बीमारी के बाद निधान हो गया। वह 90 साल के थे। माना जाता है कि विश्व खिताब जीतने में नाकाम रहने वाले वह महानतम मोटर रेसिंग ड्राइवर थे। उनकी पत्नी सूजी मोस ने रविवार को ब्रिटेन की प्रेस एसोसिएशन से कहा, यह लैप उनके लिए काफी बड़ा रहा। उन्होंने अभी अभी अपनी आंखें बंद कर ली। इसके बाद से ही मोस को श्रद्धांजलि देने का दौर शुरू हो गया।

दिहाड़ी मजदूरों को खाना खिला रहे हैं फुटबालर सुभाशीष

कोलकाता। फुटबाल सीके विनीत अगर केरल में कोविड-19 हेल्पलाइन में मदद कर रहे है तो भारतीय टीम के उनके साथी सुभाशीष बोस दक्षिण 24 परगना जिले के अपने गृहनगर सुभाषग्राम में बेघरों और बेरोजगारो को खाना खिला रहे है। देशभर में लाकडाउन के बीच सुभाषग्राम में हर सुबह स्थानीय रिक्शा चालकों, दिहाड़ी मजदूरों और छोटे-मोटे रेहड़ी-पटरी वालो की लंबी लाइन देखी जा सकती है जो अपने लिए राशन लेने आते है।

नडाल और में वर्चुअल मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलेंगे

न्यूयॉर्क। रफेल नडाल और एंडी मर्रे उन 12 खिलाड़ियों में शामिल है जो इस महीने वर्चुअल (आभासी) मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। इन दोनों के अलावा इस ऑ नलाइन प्रतियोगिता में डेविड गोफिन, जॉन इस्नर, करेन खाचानोव, यूजीन बाउचर्ड, क्रिस्टीना मलदेनोविच और किकी बर्टेंस अपने घरों से भाग लेंगे। 27-30 अप्रैल को होने वाली टूर्नामेंट का टेलीविजन और सोशल मीडिया चैनलो पर सीधा प्रसारण होने की उम्मीद है। यह दिलचस्प पहल है और इससे हमारे खेल में कुछ प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगा। मैं अपने साथी खिलाड़ियों को चुनौती देने और दुनिया भर के टेनिस प्रशंसकों को अपना कौशल दिखाने के लिए उत्सुक हूं।

मैकलरॉय नए कैलेंडर में कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा कर सकेंगे

लंदन। रोरी मैकलरॉयने उम्मीद जताई है कि 2020 गोल्फ कैलेंडर का नए सिरे से शेड्यूल बनने के बाद वह नवंबर में मास्टर्स में कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा कर सकेंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण गोल्फ के चारो मेजर टूर्नामेंट के कार्यक्रम पर असर पड़ा है। ओपन चैम्पियनशिप रद्द हो गई जबकि तीन अमेरिकी मेजर टूर्नामेंट साल के आखिर में होंगे।

आईपीएल नहीं हुआ तो धोनी के लिए वापसी मुश्किल होगी: गंभीर

भाषा। मुंबई

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि अगर इस साल इंडियन प्रीमियर लीग नहीं हुई तो महेंद्र सिंह धोनी के लिए भारतीय टीम में वापसी करना मुश्किल होगा। धोनी पिछली बार भारत की ओर से पिछले साल जुलाई में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में खेले थे।

इसके बाद से धोनी ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया है और सुनील गावस्कर तथा कपिल देव जैसे महान खिलाड़ी पहले ही कह चुके हैं कि इतने लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद झारखंड के इस खिलाड़ी के लिए वापसी करना मुश्किल होता जा रहा है। धोनी के इस साल आईपीएल में खेलने की उम्मीद थी लेकिन कोविड-19 के कारण इस टी20 लीग के आयोजन की संभावना बेहद कम है। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, अगर इस साल आईपीएल नहीं होता है तो एमएस धोनी के लिए वापसी करना बेहद मुश्किल हो जाएगा। किस आधार पर उसका चयन किया जाएगा क्योंकि वह पिछले एक-डेढ़ साल से नहीं खेल रहा है। गंभीर ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे लोकेश राहुल को धोनी का उपयुक्त विकल्प करार दिया। बेशक उसकी (राहुल) विकेटकीपिंग धोनी जितनी अच्छी नहीं है लेकिन अगर आप टी20 क्रिकेट को देखें तो राहुल उपयोगी खिलाड़ी है, वह विकेटकीपिंग करने के अलावा तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी भी कर सकता है। अगर आईपीएल नहीं होता है तो फिर धोनी की वापसी की संभावना बेहद कम है। अंततः आप भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हो और जो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा तथा भारत के लिए मैच जीत पाएगा उसे टीम में खेलना चाहिए। संन्यास लेना धोनी का निजी फैसला है। जहां तक संन्यास लेने की योजना का सवाल है तो यह उसका निजी फैसला है। धोनी के पूर्व साथी और टेस्ट विशेषज्ञ वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि धोनी आईपीएल में खेलना जारी रख सकते हैं। लक्ष्मण ने इसी कार्यक्रम में कहा, इस आईपीएल में ही नहीं धोनी अगले कुछ आईपीएल में भी खेल सकता है और फिर हम क्रिकेटर के रूप में उसके भविष्य पर फैसला कर सकते हैं। लक्ष्मण ने हालांकि कहा कि पूर्व स्पिनर सुनील जोशी की अगुआई वाली नई चयन समिति को धोनी के साथ उनके भविष्य पर चर्चा करनी होगी। जहां तक धोनी की योजनाओं का सवाल है तो वह इन्हें लेकर काफी स्पष्ट है, मुझे यकीन है कि उसने (कप्तान) इग्लैंड में 2019 विश्व कप के तुरंत बाद विराट कोहली, (कोच) रवि शास्त्री के साथ इस बारे में बात की होगी।

अभी तस्वीर साफ नहीं, अक्टूबर-नवंबर में आईपीएल विंडो को लेकर कुछ कहना जल्दबाजी : धूमल

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने सोमवार को कहा कि फिलहाल बोर्ड आईपीएल के भविष्य को लेकर फैसला लेने की स्थिति में नही है और इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी कि क्या टूर्नामेंट अक्टूबर नवंबर में आईसीसी टी20 विश्व कप की जगह कराया जा सकता है। कोरोना वायरस महामारी के कारण आईपीएल 15 अप्रैल तक रद्द कर दिया गया है। देशव्यापी लॉकडाउन दो हफ्ते के लिए और बढाए जाने की संभावना के बीच अप्रैल मई में इंडियन प्रीमियर लीग का होना मुमकिन नही है। अभी तस्वीर धुंधली है। हमें नही पता कि लॉकडाउन कब खत्म होगा। जब यही नही पता तो बात कैसे कर सकते हैं। सरकार की ओर से फैसला आने के बाद ही ताजा हालात की समीक्षा करके कोई निर्णय लिया जा सकता है। अभी कोई कयास लगाना जल्दबाजी होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बीसीसीआई पदाधिकारियों के बीच सोमवार को कोई कांफ्रेंस कॉल नही होनी थी। हम सभी लगातार संपर्क में है। सिर्फ आईपीएल ही नही काफी प्रशासनिक और कानूनी काम भी बाकी है। आज कोई कांफ्रेंस कॉल नही होनी थी क्योंकि तस्वीर साफ होने तक बात करने के लिए कुछ नही है। ऐसी भी अटकलें है कि आईपीएल अक्टूबर नवंबर में हो सकता है। मुझे एक बात बताइए। अगर आस्ट्रेलिया मे छह महीने के लिए लॉकडाउन है तो वे अपने खिलाड़ियों को अगले महीने आने की अनुमति कैसे देंगे। यात्रा पर पाबंदियां जारी रहने पर क्या होगा। यह नही भूलना चाहिए कि बाकी बोर्ड से भी रजामंदी लेनी होगी। भारत में लॉकडाउन खत्म होने पर भी कुछ बड़े शहर कोविड हॉटस्पॉट रहते है तो क्या हम अपने खिलाड़ियों की जान जोखिम में डालेंगे। फिर खिलाड़ी महीनों तक अभ्यास के बिना कैसे खेलेंगे।

दो दशक बाद भी महसूस होता है क्रोन्ये प्रकरण का असर

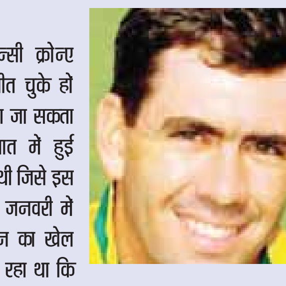

लंदन। क्रिकेट को झकझोरने वाले हेन्सी क्रोनए भ्रष्टाचार प्रकरण को भले ही दो दशक बीत चुके हो लेकिन अब भी इसका असर महसूस कि या जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका ने 2000 की शुरूआत में हुई घटनाओं के बाद क्रोनए से कप्तानी छीन ली थी जिसे इस महीने 20 बरस पूरे हो जाएंगे। इसी साल जनवरी में सेंचुरियन में इंग्लैंड के खिलाफ तीन दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ने के बाद तय माना जा रहा था कि टेस्ट मैच ड्रा होगा लेकिन क्रोन्यो ने नतीजे की आस में विरोधी कप्तान नासिर हुसैन को मना लिया कि दोनों टीमें अपनी एक-एक पारी नही खेलेंगी। इसके बाद इंग्लैंड को 249 रन का लक्ष्य मिला और टीम दो विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही। परंपरावादी निराश थे कि टेस्ट मैच में पर्याप्त खेल नही हुआ लेकिन कुछ लोग इस नतीजे को स्वीकार करने को तैयार थे। अप्रैल में हालांकि सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक क्रोनए की छवि टूट गई।

दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी पर डिविलियर्स ने कहा, झूठी उम्मीद नही बंधाऊंगा

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी को लेकर कहा कि वह किसी तरह की झूठी उम्मीदे पैदा नही करेंगे। डिविलियर्स का इसके साथ ही मानना है कि कोविड-19 के कारण टी20 विश्व कप भी स्थगित हो सकता है जिसका आयोजन अक्टूबर-नवंबर में आस्ट्रेलिया में होना है। इस महामारी के कारण कई खेल प्रतियोगिताएं रद्द या स्थगित हो गई है। डिविलियर्स ने अफ्रीकान्स भाषा के समाचार पत्र रैपोर्ट से कहा, मै अभी छह महीने आगे के बारे में नही सोच सकता। अगर टूर्नामेंट अगले साल तक स्थगित होता है तो कई चीजें बदल जाएंगी। अभी मै खुद को उपलब्ध मानकर चल रहा हूं लेकिन मै यह नही जानता हूं कि तब मेरी फिटनेस कैसी रहेगी और क्या मै तब स्वस्थ रहूंगा। मै किसी ऐसे मोड़ पर पहुंच सकता हूं जहां मै बाउच (कोच मार्क बाउचर) से कहूंगा कि मै खेलने का इच्छुक था, मै कोई भूमिका निभाना चाहता हूं लेकिन मै खुद खेलने में सक्षम नही हूं। मुझे ऐसी प्रतिबद्धता और झूठी उम्मीदें बंधाने से डर लगता है। वह नही मानते कि वह दक्षिण अफ्रीकी टीम में सीधे प्रवेश पाने के हकदार है।

भारत के पूर्व ट्रेनर बसु ने क्रिकेटरों को ब्रेक में स्क्रीन टाइम कम रखने की सलाह दी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दमखम और अनुकूलन कोच शंकर बसु का मानना है कि मैदान पर दौड़े बिना फिटनेस बनाए रखना तेज गेंदबाजो के लिए मुश्किल होगा। इसके साथ ही उन्होने क्रिकेटरों को लॉकडाउन के दौरान स्क्रीन टाइम कम से कम रखने की सलाह भी दी। बसु 2015 से 2019 के बीच भारतीय टीम के साथ थे। उन्होंने तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, ईशांत शर्मा, , उमेश यादव और मोहम्मद शमी के साथ काफी काम किया है। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से जुड़े बसु ने कहा , मौजूदा हालात में बल्लेबाज फिर भी काम चला लेंगे लेकिन गेंदबाजो के लिए मुश्किल होगी। वे अपनी तरफ से पूरा प्रयास करेंगे लेकिन फिटनेस बनाए रख पाना काफी कठिन चुनौती है। चुनौती क्रिकेट बहाल होने पर मैच फिटनेस बनाए रखने की होगी। सामान्य हालात होने पर मैच शुरू होंगे और ऐसे में अचानक अभ्यास का दबाव बनेगा। तेज रफ्तार से फिर गेंदबाजी करना तेज गेंदबाजों के लिए काफी जोखिमपूर्ण होगा। आजकल हर भारतीय क्रिकेटर फिटनेस को काफी गंभीरता से ले रहा है तो दिक्कत नही होगी। यह तारीफ के काबिल है कि सभी अपनी फिटनेस पर खुद ध्यान दे रहे है।

खेल मंत्री ने साइ मुख्यालय का दौरा किया, कुछ कर्मचारी कार्यालय पहुंचे

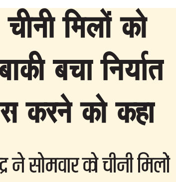

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मुख्यालय का दौरा किया जहां वरिष्ठ अधिकारी और अन्य आवश्यक कर्मचारी काम पर लौटे। इससे पहले अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी लगभग एक पखवाड़े तक घर से ही काम कर रहे थे। रीजीजू मास्क पहनकर साइ मुख्यालय पहुंचे और परिसर के अंदर प्रवेश से पहले उन्होंने अपने हाथो को सेनेटाइजर से साफ किया। रीजीजू ने कहा, मंत्रालय ने न्यूनतम कर्मचारियों के साथ काम करना शुरू कर दिया है क्योंकि काम जारी रखना होगा। हम सुनिश्चित कर रहे है कि नियमों का सख्ती से पालन हो जिसमे सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना और बुखार की जांच करना शामिल है। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाते हुए 21 मार्च को साइ कार्यालय को बंद कर दिया गया था। सभी मंत्रियों को शनिवार को कहा गया था कि वे सोमवार से संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों और एक तिहाई आश्वश्यक कर्मचारियों के साथ कार्यालय पहुंचे। मौजूदा लाकडाउन के संदर्भ में साइ के अधिकारी ने पीटीआई से कहा, केवल विभागीय प्रमुख और 30 प्रतिशत स्टाफ काम करेगा जिन्हें बदल बदल कर बुलाया जाएगा।

इस साल नवंबर-दिसंबर में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने खुलासा किया है कि भारत नवंबर-दिसंबर में महिला और पुरुष एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। बीएफआई ने साथ ही भरोसा जताया कि तब तक कोविड-19 महामारी पूरी तरह से नियंत्रण में आ चुकी होगी। भारत ने पिछली बार पुरुष एशियाई चैंपियनशिप का आयोजन मुंबई में 1980 में किया था जबकि महिला चैंपियनशिप की मेजबानी 2003 में हिसार में की थी। पिछले साल से टूर्नामेंट में पुरुष और महिला वर्ग के मुकाबलों का आयोजन एक साथ होने लगा। बीएफआई के कार्यकारी निदेशक आरके सचेती ने पीटीआई को बताया, एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ की बैठक के बाद फरवरी में हमें मेजबानी का अधिकार दिया गया था। टूर्नामेंट का आयोजन नवंबर-दिसंबर में किया जाएगा और चीजों के सामान्य होने के बाद मेजबान शहर पर फैसला होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह असाधारण स्थिति है लेकिन हमें उम्मीद है कि जून तक इसे नियंत्रित कर लिया जाएगा। इसके बाद सामान्य गतिविधियों को शुरू करने में तीन से चार महीने लगेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन आम तौर पर दो साल में एक बार होता है लेकिन अतीत में यह लगातार वर्षों में भी आयोजित हो चुकी है। बोली जनवरी में मांगी गई थी। कोविड-19 से जुड़ी स्थिति में थोड़ा सुधार होने के बाद एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ इसकी औपचारिक घोषणा करेगा। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण भारत में अब तक 300 से अधिक जबकि दुनिया भर में एक लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। चैंपियनशिप के लिए हमने जो विंडो रखी है उससे हमें योजना बनाने के लिए समय मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार ओलंपिक क्वालीफिकेशन कार्यक्रम भी नवंबर-दिसंबर के आसपास शुरू होगा। अगर अन्य जगहों पर भी चीजें शुरू होती हैं तो फिर हम चैंपियनशिप का आयोजन कर सकते हैं। यही कारण है कि अब तक हमने मेजबान शहर का फैसला नहीं किया है। लाकडाउन खत्म होने तक हमें इस पर चर्चा के लिए इंतजार करना होगा।

ओलंपिक में देरी से आईओसी को होगा करोड़ो डालर का नुकसान

तोक्यो। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि तोक्यो खेलों के स्थगित हो ने के कारण इन खेलों में आईओसी की लागत कई करोड़ डालर बढ़ जाएगी। बाक ने जर्मनी के अखबार डेइ वेल्ट को बताया कि जापान में अनुमानों के मुताबिक ओलंपिक के स्थगन के कारण इसकी कुल लागत में दो से छह अरब डालर बढ़ जाएगी। इस संबंध में 2013 के समझौते के अनुसार आईओसी के हिस्से को छोड़कर सभी अतिरिक्त लागतों को जापान के द्वारा पूरा किया जाएगा। बाक ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण आईओसी को कितना नुकसान हुआ है अभी इसका आकलन करना लगभग नामुंकिन है। हमने प्रधानमंत्री के साथ सहमति व्यक्त की, कि जापान 2020 के लिए समझौते की शर्तों के तहत बढ़ी लागत को पूरा करेगा जबकि आईओसी अपनी लागतों के लिए जिम्मेदार होगा। इतना साफ है कि आईओसी को भी कई करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने होंगे।

जब भारत पहली बार बना था एशिया कप चैंपियन

● खन्ना ने ताजा की यादें: 13 अप्रैल 1984 का दिन

भाषा। नई दिल्ली

वह 13 अप्रैल 1984 का दिन था जब भारत ने सुनील गावस्कर की अगुवाई में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर पहली बार एशिया कप जीता था जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज सुरिंदर खन्ना की भूमिका अहम रही थी और उनके जेहन में 36 साल पुरानी घटनाएं आज भी तरोताजा हैं। भारत ने यह टूर्नामेंट एक साल पहले टीम को विश्व चैंपियन बनाने वाले कपिल देव के बिना खेला था। वह तब शारजाह में थे लेकिन उन्हें घुटने के आपरेशन के लिए इंग्लैंड जाना था। भारत ने पहले मैच में श्रीलंका को दस विकेट से हराया। भारत ने मदनलाल, चेतन शर्मा और मनोज प्रभाकर की शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका को 96 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद खन्ना (नाबाद 51) और गुलाम परकार (नाबाद 32) ने टीम को आसान जीत दिलाकर फाइनल में पहुंचाया था। खन्ना ने भाषा से कहा, मैं तब वापसी कर रहा था। सैयद किरमानी भी पंद्रह सदस्ईय टीम में शामिल था लेकिन गावस्कर ने मुझे अंतिम एकादश में रखने का फैसला किया। मैं 1979 विश्व कप के बाद वापसी कर रहा था और इसलिए मेरे लिए यह टूर्नामेंट बेहद महत्वपूर्ण था। मैं वापसी के बाद पहले मैच में ही मैन आफ द मैच बना तो पूरी टीम ने उसका जश्न मनाया। इनमें कपिल भी शामिल था। भारत का सामना फाइनल में पाकिस्तान से था। भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 46 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज खन्ना ने फिर से अपने बल्ले का कमाल दिखाया और 56 रन बनाए। उनके अलावा संदीप पाटिल ने 43 और गावस्कर ने नाबाद 36 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 39.4 ओवर में 134 रन पर आउट हो गई।

कोरोना वायरस महामारी के चलते यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 51 प्रतिशत गिरी : सियाम

नई दिल्ली। यात्री वाहनो की बिक्री मार्च मे 51 प्रतिशत गिर गई। कोरोना वायरस महामारी के सामुदायिक फैलाव को रोकने के लिए देशभर मे 21 दिन का लॉकडाउन (सार्वजनिक पाबंदी) किया गया है। वाहन विनिर्माताओ के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स (सियाम) ने कहा कि मार्च मे यात्री वाहनो की बिक्री1,43,014 वाहन रही। यह पिछले साल मार्च के 2,91,861 वाहनो की बिक्री के मुकाबले 51 प्रतिशत कम है। इसी तरह वाणिज्यि वाहनो की बिक्री अवधि मे 88.95 प्रतिशत घटकर 13,027 वाहन रही जो इससे पिछले साल मार्च मे1,09,022 वाहन थी। दोपहिया वाहनो की बिक्री भी मार्च मे गिरी है। समीक्षावधि मे इसकी कुल 8,66,849 इकाइयां बिकी जो मार्च 2019 की 14,40,593 इकाइयो के मुकाबले 39.83 प्रतिशत कम है। सभी श्रेणियो के वाहनों की बिक्री समीक्षावधि में 44.95 प्रतिशत घटकर 10,50,367 वाहन रही। मार्च 2019 मे यह आंकड़ा 19,08,097 वाहन था। सियाम के अध्यक्ष राजन वढेरा ने कहा, मार्च का महीना सभी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण समय मे से एक रहा है। सार्वजनिक पाबंदी की वजह से पिछले हफ्तों मे वाहनो की बिक्री और उत्पादन बिल्कुल ठप सा रहा है।

रीयल एस्टेट क्षेत्र में वेतन में कटौती व रोजगार में कमी की आशंका

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (प्रतिबंध) से प्रभावित रीयल एस्टेट क्षेत्र मे वेतन मे कटौती तथा रोजगार मे कमी की आशंका है। नकदी संकट से जूझ रहे क्षेत्र मे बिक्री आय लगभग थम सी गई है। रीयल्टी कंपनियो के संगठनो के अनुसार देशव्यापी बंद से इस क्षेत्र को एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान है। हालांकि जमीन जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियो और सलाहकारो का मानना है कि अगर सरकार उद्योग के साथ-साथ पूरी अर्थव्यवस्था के लिए कोई पैकेज लाती है तो उससे नुकसान को कम करने मे मदद मिल सकती है। कान्फेडरेशन ऑफ रीयल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) के चेयरमैन जे शह ने कहा, कृषि के बाद रीयल एस्टेट क्षेत्र दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है। यह हर तरह के लोगो को रोजगार देता है। निर्माण और अन्य संबद्ध कर्मचारी रीयल्टी क्षेत्र के महत्वपूर्ण हिस्सा है। फिलहाल हमारी प्राथमिकता श्रमिको को मूल सुविधाएं उपलब्ध कराने पर है। शाह ने कहा, वेतन कटौती के बारे मे अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि महामारी कब तक बनी रहती है।

कमजोर अर्थव्यवस्था, कम खपत से मीडिया में विज्ञापन व्यय पर पड़ेगा असर: केपीएमजी

मुंबई। कोरोना वायरस और उसकी रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (प्रतिबंध) का असर मीडिया व मनोरंजन उद्योग पर भी पड़ा है तथा आने वाला समय उनके लिए और कठिनाई भरा हो सकता है। एक परामर्श कंपनी ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस संकट के समाप्त होने के बाद भी कमजोर अर्थव्यवस्था और कम खपत से विज्ञापन खर्च पर असर पड़ेगा। केपीएमजी के अनुसार इस कठिन समय मे डिजिटल मीडिया की खपत बढ़ना एक अच्छी खबर है लेकिन सिनेमा और कार्यक्रम आधारित खंडो को स्थिति सामान्य होने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना होगा। सरकार ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए 25 मार्च से 21 दिन के देशव्यापी बंद की घोषणा की है। इसके आगे भी बने रहने की आशंका है।

वृद्धि बहाल करने, वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए हर जरूरी उपाय करेगा रिजर्व बैंक: गवर्नर दास

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत समीक्षा बैठक के ब्योरे के मुताबिक कोविड-19 महामारी के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए चौतरफा उपायों की जरूरत है और रिजर्व बैंक इस स्थिति को देखते हुए आर्थिक वृद्धि बहाल करने तथा वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए वह हर जरूरी उपाय करेगा जिसकी आवश्यकता होगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की गत 24, 26 और 27 मार्च को हुई बैठक के ब्योरे मे यह कहा गया है।

लॉकडाउन बढ़ने की आशंका से शेयर बाजार लुढ़के

डॉलर के मुकाबले रुपया 76.27 रुपए प्रति डॉलर पर लगभग अपरिवर्तित रहा

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय बाजारो मे डॉलर के कमजोर होने के बीच रुपया सोमवार को गिरावट से उबर कर प्रति डॉलर 76.27 के पिछले स्तार पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि डॉलर के कमजोर होने से रुपए को समर्थन मिला जबकि घरेलू शेयर बाजार के कमजोर होने से स्थानीय मुद्रा के प्रतिधारणा पर प्रतिकूल प्रभाव था। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति समिति की पिछली बैठक के ब्यौरे सामने आने से संकेत है कि वह देश की आर्थिक वृद्धि दर को बहाल करने में मदद देने और वित्तीय स्थिरता कायम करने के लिए अपनी ओर से संभव कोई भी उपाय अपनाने मे नही हिचकेगा। इस संकेत से निवेशकों का मनोबल बढ़ा है।

● सेंसेक्स 470 अंक लुढ़का

भाषा। मुंबई

बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स सोमवार को करीब 470 अंक लुढ़क गया। कोरोना वायरस के बढ़ते मामले की वजह से लॉकडाउन की अवधि बढ़ने की आशंका के साथ निवेशकों में चिंता है। मुख्य रूप से एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक जैसे सेंसेक्स में वजन रखने वाले प्रमुख शेयरों में गिरावट से प्रमुख सूचकांक पर असर पड़ा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 469.60 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 30,690.02 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 118.05 अंक यानी 1.30 प्रतिशत लुढ़ककर 8,993.85 अंक पर बंद हुआ। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए 25 मार्च से 21 दिन के लिए देशव्यापी रोक की अवधि मंगलवार को पूरी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को देश को संबोधित करेंगे। ऐसी आसार हैं कि वह रोक को और बढ़ा सकते हैं। बाजार अम्बेडकर जयंती पर मंगलवार को बंद रहेगा। सोमवार को वैश्विक शेयर बाजारों की गिरावट का भी घरेलू बाजारों पर असर पड़ा। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में बजाज फाइनेंस रही। कंपनी का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक नीचे आया। उसके बाद क्रमश: महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, हीरो मोटो कार्प, आईसीआईसीआई बैंक और टेक महिंद्रा का स्थान रहा। वहीं दूसरी तरफ एल एंड टी, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक, सीमेंट और एनटीपीसी लाभ में रहें। सेंसेक्स में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाले दोनों एचडीएफसी में 3.12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.46 प्रतिशत टूटा। आईसीआईसीआई बैंक 3.44 प्रतिशत नीचे आया।

लॉकडाउन से भारतीय अर्थव्यवस्था पर 7-8 लाख करोड़ रुपए का असर

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए जारी 21 दिन के लॉकडाउन (सार्वजनिक प्रतिबंध) से अर्थव्यवस्था पर 7-8 लाख करोड़ रुपए का असर पड़ सकता है। विश्लेषकों और उद्योग मंडलों ने यह अनुमान जताया है। इस देशव्यापी बंद में ज्यादातर कारखाने और व्यवसाय में कामकाज ठप है। उड़ानें निलंबित हैं, ट्रेनों का परिचालन बंद है और वाहनों तथा लोगों की आवाजाही को भी प्रतिबंधित किया गया है। प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए 25 मार्च से 21 दिन के देशव्यापी बंद की घोषणा की। इससे 70 प्रतिशत आर्थिक गतिविधियां, निवेश, निर्यात और जरूरी वस्तुओं को छोड़कर अन्य उत्पादों की खपत थम गई है। केवल कृषि, खनन, उपयोगी सेवाएं, कुछ वित्तीय और आईटी सेवाएं तथा जन सेवाओं को ही काम करने की अनुमति मिली है।

सरकार ने चीनी मिलों को चीनी का बाकी बचा निर्यात कोटा वापस करने को कहा

नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को चीनी मिलो को निर्देश दिया कि निर्यात करने के लिए चीनी का जो कोटा उन्हे जारी किया गया था और जिसका वह मार्च के अंत तक निर्यात नही कर सकी है, उसे वे वापस लौटा दें। इस बारे में उन्हे अगले सप्ताह तक एक विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा गया है। चीनी मिलों को लिखे पत्र में खाद्य मंत्रालय ने यह भी चेतावनी दी कि यदि चीनी मिलें अपने निर्धारित कोटे का निर्यात करने मे विफल रहती हैं, तो वे अधिकतम स्वीकार्य निर्यात मात्रा (एमएईक्यू) योजना के तहत चौथी तिमाही मे अपने कोटे का दावा करने की हकदार नही होंगी।

आंनद मार्ग ने खाद्य बांटा

लखनऊ। आंनद मार्ग यूनिवर्सल स्कूल की रिलीफ टीम ने गोमतीनगर के बड़ी जुगौली के स्कूल प्रांगण में गत 2 अप्रैल से खाद्य विरतण का शुभारंभ किया। कोरोना महामारी से प्रभावित जरुरतमंदों को इसके तहत विद्यालय में भोजन भी कराया जा रहा है। सोमवार विद्यालय के आचार्य प्रसन्नदानंद ने लोगो को खाद्य सामग्री बांटी।

म्यूचुअल फंड ने मार्च में 1.95 लाख करोड़ निकाले

नई दिल्ली। निश्चित आय वाली प्रतिभूतियो मे निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड ने मार्च मे इस तरह की प्रतिभूतियों से 1.95 लाख करोड़ रुपए की निकासी की है, जबकि इससे पिछले महीने भी उन्होने 28,000 रुपए निकाले थे। निश्चित आय वाली प्रतिभूतियो और ऋण कोषों मे निवेश करने वाली ज्यादातर श्रेणियो मे निकासी देखने को मिली। हालांकि, अल्पावधि श्रेणी की प्रतिभूतियां फिलहाल सकारात्मक प्रवाह बनाए रखने मे कामयाब रही। सोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के अनुसार निश्चित आय वाली प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड ने फरवरी मे लगभग 28,000 करोड़ रुपए की निकासी के मुकाबले मार्च में 1.95 लाख करोड़ रुपए इस तरह की प्रतिभूतियो से निकाले हैं।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत अब तक 32 करोड़ से अधिक लोगों को 29,352 करोड़ की मदद

भाषा। नई दिल्ली

गरीबों को तीन माह अतिरिक्त मुफ्त राशन, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निशुल्क गैस सिलेंडर और पीएम किसान योजना के तहत 2,000 रुपए की पहली किस्त अग्रिम जारी करने सहित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण राहत पैकेज के तहत अब तक 32 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को कुल मिलाकर 29,352 करोड़ रुपए की सहायता पहुंचाई जा चुकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 26 मार्च को 1.70 लाख करोड़ रुपए के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण राहत पैकेज की घोषणा की थी। इस पैकेज की घोषणा कोरोना वायरस माहमारी को फैलने से रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान समाज के कमजोर और गरीब तबके को उनकी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के मद्देनजर की गई। सरकार का दावा है कि पैकेज के क्रियान्वयन पर केन्द्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारें लगातार निगाहें रखे हुए हैं और इस पर तेजी से अमल किया जा रहा है। वित्त मंत्रालय की सोमवार को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक पैकेज के तहत अब तक 1.19 करोड़ राशन कार्डों के कुल 5.29 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया है। अब तक 31 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों ने केंद्रीय पूल से 20.11 लाख टन अनाज उठाया है।

एडीबी ने वित्तीय सहायता तीन गुना बढ़ाकर कर 20 अरब डॉलर की

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने सोमवार को कहा कि उसने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे सदस्य देशों के लिए वित्तीय पैकेज को तीन गुना बढ़ाकर 20 अरब डॉलर कर दिया है। उसने इस सहायता के तेजी से और बेहतर तरीके से वितरण को लेकर अपना कामकाज दुरुस्त करने के उपायों को भी मंजूरी दी है। बहुपक्षीय वित्त पोषण एजेंसी ने एक विज्ञप्ति मे कहा कि इससे पहले एडीबी ने 18 मार्च को 6.5 अरब डॉलर के शुरुआती पैकेज की घोषणा की थी। बाद में अपने विकासशील सदस्य देशों की कोरोना वायरस महामारी के कारण लोगों के स्वास्थ्य और वृहद आर्थिक प्रभाव से निपटने में मदद को लेकर 13.5 अरब डॉलर की सहायता और देने की घोषणा की गई है। 20 अरब डॉलर के पैकेज में करीब 2.5 अरब डॉलर का रियायती और अनुदान के रूप में दिए जाने वाले संसाधन भी शामिल है।

राज्यों के बीच कृषि जिंसों के सुचारू परिवहन में तालमेल के लिए कॉल सेंटर स्थापित

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने सोमवार को कहा कि उसने राज्यों के बीच सभी प्रकार के कृषि जिंसों के परिवहन की समस्या के समाधान के लिए पूरे देश भर के लिए कॉल सेंटर शुरू किया है। इन जिंसों में जल्दी खराब होने वाले सामान भी शामिल हैं। कृषि मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आखिल भारतीय कृषि परिवहन कॉलसेंटर पर 18001804200 और 14488 के जरिए संपर्क किया जा सकता है। इन नंबरों पर किसी भी मोबाइल या लैंडलाइन फोन से संपर्क किया जा सकता है। बयान के अनुसार, ट्रक चालकों, व्यापारियों, खुदरा कारोबारियों, ट्रांसपोर्टर या अन्य किसी भी पक्ष को कृषि सामान अगर एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाने में कोई समस्या होती है, वे कॉल सेंटर पर कॉल कर सकते हैं और मदद ले सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि कॉल सेंटर कर्मचारी मामले के समाधान के लिए वाहन और माल के बारे में पूरा ब्योरे के साथ मदद की जरूरत के बारे में संबंधित राज्य सरकार के अधिकारियों को जानकारी भेजेंगे।

इंस्ताबुल में कोरोना वायरस को लेकर लाकडाउन के बीच प्रमुख स्थल के पास सड़कों को सेनीटाइज करता कर्मचारी

प्रतिबंधों में ढील देने के लिए देशों पर बढ़ रहा है दबाव

● कोरोना वायरस

एपी। तोक्यो

कोरोना वायरस संक्रमण को काबू करने के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखने की कोशिश कर रही दुनिया भर की सरकारों पर कुछ स्थानों पर संक्रमण के कम होते मामलों एवं आर्थिक दबाव के कारण अपने काम पर लौटने के लिए व्याकुल नागरिकों के कारण प्रतिबंधों में ढील देने के लिए दबाव बढ़ रहा है।दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने सोमवार को चेताया कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को काबू करने की दिशा में बहुत मुश्किल से हुई प्रगति पर बार एवं रेस्तरां जैसे स्थानों में संक्रमण के नए मामलों के कारण पानी फिर सकता है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों की यह चेतावनी वैश्विक स्तर पर प्रतिबंध में ढील देने के लिए बढ़ रहे दबाव को रेखांकित करती हैं।कुछ यूरोपीय देशों ने बंद में ढील देने के लिए कुछेक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कोरोना वायरस से सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल स्पेन में संक्रमण के नए मामलों में रविवार को आई कमी के बाद कुछ गैर जरूरी उद्योगों के कर्मियों को फैक्ट्रियों और निर्माण स्थलों पर जाने की अनुमति दी गई है।दक्षिण कोरिया में भी संक्रमण के मामलों में कमी आई हैं लेकिन अधिकारियों ने बार जैसी जगहों के कारण संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका जताई है। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री चुंग सए क्यूं ने कहा कि अधिकारी नए दिशा-निर्देशों पर काम कर रहे हैं ताकि लोग कुछ हद तक आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधि कर सकें।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 24 मार्च को कहा था कि अमेरिका इस सप्ताहांत तक व्यापक बंद से निकल सकता है। लेकिन अमेरिका अब इस बीमारी का नया केंद्र बन गया है और वहां करीब 22,000 लोगों की इस संक्रमण से मौत हो चुकी है। जापान, तुर्की और ब्रिटेन में भी अब यह संक्रमण तेजी से फैल रहा है और वहां 10,000 लोग मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद जापान में लोग अब भी यात्रा कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क शहर में चीन, ब्रिटेन से अधिक हुए संक्रमण के मामले

भाषा। न्यूयॉर्क

अमेरिका में कोविड-19 वैश्विक महामारी के केंद्र न्यूयॉर्क शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़कर एक लाख से अधिक हो गए हैं और यह संख्या चीन और ब्रिटेन में संक्रमित लोगों की संख्या से भी ज्यादा है।न्यूयॉर्क शहर की सरकार के आंकड़ों के अनुसार रविवार को कम से कम 5,695 नए मामले सामने आने के बाद शहर में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1,04,410 से अधिक हो गई है और 27,676 लोग अस्पतालों में भर्ती है। शहर में कोरोना वायरस के कारण 6,898 लोगों की मौत हो चुकी है। न्यूयॉर्क शहर में कोरोना वायरस के मामले चीन और ब्रिटेन से भी अधिक हो गए हैं। जॉन्स हॉप्किन्स यूनिवर्सिटी के अनुमान के अनुसार ब्रिटेन में 85,208, चीन में 83,135 और ईरान में 71,686 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं। अमेरिका में कुल 5,57,300 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं और 22,000 से अधिक लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। वैश्विक स्तर पर कोविड-19 के मामलों की संख्या 18 लाख से अधिक हो गई है और 1,14,185 लोगों की मौत हो चुकी है।न्यूयॉर्क राज्य में 1,89,000 मामले सामने आए हैं और 9,385 लोगों की मौत हो चुकी है। न्यूयॉर्क शहर के मेयर बिल डी ब्लासियो ने कहा, हम जिस शत्रु से लड़ रहे हैं, हमने कभी उसे कम नहीं आंका। कोरोना वायरस खतरनाक है और उसने हमारे सामने ऐसी चुनौतियां पेश की हैं जिनसे आज से पहले हमारा सामना नहीं हुआ। न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने बताया कि पिछले 24 घंटे में राज्य में 758 लोग इस वायरस के कारण मारे गए हैं।

चीन में कोविड-19 के 108 नए मामले मृतक संख्या 3,341 हुई : एनएचसी

भाषा। बीजिंग

चीन में बीते कुछ सप्ताह में पहली बार कोविड-19 के 100 से अधिक नए मामले सामने आए हैं, वहीं कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित हुबेई प्रांत में इससे दो और लोगों की जान जाने के बाद देश में इससे मरने वालों की संख्या 3,341 हो गई।चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) के अनुसार विदेशों से संक्रमण लेकर आए लोगों की कुल संख्या 1,378 और बिना लक्षण के संक्रमित पाए गए लोगों की संख्या 1,064 होने के साथ ही स्थानीय संक्रमण के 10 मामले भी सामने आए हैं।एनएचसी के अनुसार स्थानीय संक्रमण के 10 मामलों में से सात हेइलोंगजियांग प्रांत और तीन गुआंगदोंग प्रांत के हैं। आयोग ने कहा कि कि देश में रविवार को कोरोना वायरस के कम से कम 108 नए मामले सामने आए, जिनमें से 98

● रविवार तक चीन में बाहर से आए संक्रमित लोगों की संख्या 1,378 थी, जिनमें से 511 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है और 867 को अब भी इलाज जारी है

संक्रमित बाहर से आए थे। वहीं हुबेई प्रांत में दो लोगों की जान जाने से मृतक संख्या 3,341 हो गई। इन नए मामलों के साथ ही चीन में संक्रमित लोगों की कुल संख्या रविवार तक 82,160 हो गई। एनएचसी ने बताया कि रविवार तक चीन में बाहर से आए संक्रमित लोगों की संख्या 1,378 थी, जिनमें से 511 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है और 867 को अब भी इलाज जारी है। इनमें से 38 की हालत नाजुक है। उसने कहा कि बिना किसी लक्षण के संक्रमित पाए जाने वाले लोगों की संख्या में भी इजाफा हुआ। ऐसे 61 नए मामले सामने आए, जिनमें से 12 विदेश से आए हैं। इसके साथ ही ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 1,064 हो गई, जिनमें से 307 बाहर से आए हैं। ये सभी चिकित्सीय निगरानी में हैं। ये ऐसे लोग हैं, जिनमें वायरस के बुखार, खांसी, गले में दर्द जैसे कोई लक्षण नहीं थे, लेकिन फिर भी ये जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। चीनी अधिकारियों ने बताया कि देश में ऐसे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है जो बाहर से आए हैं क्योंकि सैकड़ों लोग कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित स्थानों से देश वापस लौट रहे हैं। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आकंड़ों के अनुसार विश्व में कोविड-19 के करीब 18 लाख मामले हैं और इससे 1,14,185 लोगों की जान जा चुकी है। दुनिया में संक्रमण के सबसे अधिक 5,56,044 मामले अमेरिका में हैं, जहां 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है।

इजराइल के पूर्व प्रमुख रब्बी का कोरोना वायरस के कारण निधन

भाषा। यरूशलम

विभिन्न धर्मों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए पहचाने जाने वाले इजराइल के पूर्व प्रमुख रब्बी एलियाहू बख्शी डोरोन का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण यहां निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। बख्शी डोरोन 1993 से 2003 के बीच इजराइल के प्रमुख रब्बी थे। उनका यरूशलम के शारे तेडेक अस्पताल में निधन हो गया।अस्पताल ने एक बयान में कहा कि रब्बी को कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन उन्हें पहले से भी कई बीमारियां थीं जिसके कारण उनकी हालत और खराब हो गई। 1941 में यरूशलम में जन्मे बख्शी-डोरोन इजराइल के प्रमुख रब्बी चुने जाने से पहले 18 साल तक हैफा के प्रमुख रब्बी रहे। उन्होंने 2000 में पोप जॉन पॉल द्वितीय से मुलाकात की थी जिसके कारण उन्हें कुछ अति रूढ़ीवादी रब्बियों की आलोचना का सामना करना पड़ा था।

युद्ध ग्रस्त सीरिया में वायरस का खतरा सिर पर मंडरा रहा

एएफपी। पेरिस

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने की यूरोप और अमेरिका की कोशिशों के बीच विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि युद्धग्रस्त सीरिया में आपदा सिर पर खड़ी है जहां अस्पताल मौजूदा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं और स्वस्च्छता की स्थितियां भी बेहद खराब हैं। वायरस के प्रकोप ने दुनिया भर में 18 लाख लोगों को संक्रमित किया है और करीब 1,12,000 लोगों की जान ले ली है। सीरिया में वायरस को फैलने से रोकने के प्रयासों के तहत दमिश्क सरकार ने सीमाएं

● विशेषज्ञ दमिश्क पर राजनीतिक उद्देश्यों से मृतक संख्या कम करने का आरोप लगा रहे हैं

बंद कर दी हैं, प्रांतों के बीच आवाजाही प्रतिबंधित कर दी है और स्कूल एवं रेस्तरां बंद कर दिए हैं। आधिकारिक संख्या कम है जहां दो मौत और 19 संक्रमितों की पुष्टि हुई है लेकिन केवल 100 मरीजों की रोजाना जांच हो रही है और उनमें भी आधे से ज्यादा जांच राजधानी दमिश्क में हो रही हैं। और जहां सरकार ने करीब दशक भर चले गृह युद्ध के बाद देश के ज्यादातर हिस्सों पर नियंत्रण पा लिया है वहीं कुछ इलाके अब भी अंकारा समर्थित विद्रोहियों और कुर्द लड़ाकों के कब्जे में हैं। विशेषज्ञ दमिश्क पर राजनीतिक उद्देश्यों से मृतक संख्या कम करने का आरोप लगा रहे हैं। लंदन के थिंक टैंक चैटहम हाउस के वरिष्ठ परामर्शी शोधार्थी जकी मेहची ने कहा, चिकित्सा स्टाफ का मानना है कि सीरिया में कई लोग वायरस के लक्षणों के साथ मर रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां उनसे इसका जिक्र नहीं करने को कह रही हैं, खासकर मीडिया के सामने। लंदन में रणनीतिक अध्ययन के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थान में पश्चिम एशिया के विश्लेषक एमिले होकायम ने कहा, यह बड़ी आपदा का संकेत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक 2019 के अंत तक दो तिहाई से भी कम अस्पताल चल रहे थे और 2011 में युद्ध शुरू होने के बाद से 70 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मी यहां से भाग गए।रेड क्रॉस अंतरराष्ट्रीय समिति ने आगाह किया कि इदलिब में विस्थापितों के लिए बने शिविरों में सामाजिक दूरी असंभव है और विद्रोहियों के कब्जे वाला यह प्रांत वैश्विक महामारी शुरू होने से पहले से ही मानवीय संकट से गुजर रहा है।

कोरोना वायरस के कारण रूस में पुतिन के राजनीति एजेंडे को लगा झटका

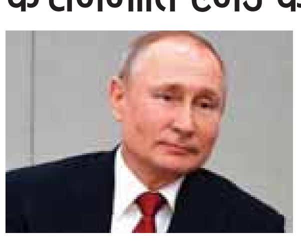

एपी। मास्को

कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पैदा हुए अप्रत्याशित हालात ने रूस में संवैधानिक संशोधनों को अंतिम रूप देने के लिए 22 अप्रैल को होने वाले जनमत संग्रह को टाल दिया है, जिसके कारण रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के राजनीतिक एजेंडे को बड़ा झटका लगा है।

ये संवैधानिक संशोधन पुतिन को 2036 तक सत्ता में रहने की अनुमति देंगे। कोरोना वायरस के कारण जनमत-संग्रह को स्थगित करना पड़ा है। इसके अलावा देश में द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी की 1945 की हार की याद में नौ मई को मनाए जाने वाले विजय दिवस समारोह को भी टाले जाने की संभावना जताई जा रही हैं।कोरोना वायरस महामारी को रूसी प्राधिकारियों ने शुरुआत में गंभीरता से नहीं लिया था लेकिन अब यह संक्रमण पुतिन के लिए अप्रत्याशित चुनौती बन गया है। उनकी राजनीतिक लोकप्रियता अब इस बात पर टिकी है कि वह इस संक्रमण को काबू कर पाते हैं या नहीं।पुतिन को 2024 के बाद भी दो और कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने की अनुमति देने वाले संशोधन को सांसद पहले ही अनुमति दे चुके हैं लेकिन सरकार इस पर जनमत संग्रह कराना चाहती है। चाथम हाउस के रूसी एवं यूरेशिया कार्यक्रम के वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता निकोलई पेत्रोव ने कहा कि संक्रमण के कारण मध्य जनवरी से चल रहा पूरा राजनीतिक एजेंडा समाप्त हो गया है।उन्होंने कहा कि इस समय मुझे लगता है कि हम संवैधानिक संशोधन को भूल सकते हैं। रूस में कोरोना वारयस से 18,000 से अधिक लोग संक्रमित हैं और 140 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

स्पेन मे कोरोना वायरस से बचाव को लेकर मास्क पहने व सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री

कोरोना वायरस से प्रभावित कुछ देशों में मृतकों की संख्या में आ रही है कमी

एएफपी। मैड्रिड

कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित कुछ देशों में इस महामारी से मृतकों की संख्या में कमी देखी जा रही है। स्पेन सोमवार को अपनी कुछ आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हो गया है।इटली, फ्रांस और अमेरिका में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से मृतकों की संख्या में कमी देखी गई है।ईस्टर के मौके पर रविवार को पोप फ्रांसिस ने लॉकडाउन के बीच दुनिया को एकजुट होने का संदेश दिया। कोरोना वायरस से संक्रमित ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और उन्होंने उनका जीवन बचाने के लिए चिकित्सकों को धन्यवाद दिया।चीन में पिछले साल के अंत में यह वायरस सबसे पहले सामने आया था और अब तक दुनियाभर में इससे से 112,500 लोगों की मौत हो चुकी है जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था भी चरमरा गई है।स्पेन में हाल के दिनों में मृतकों की संख्या में कमी आई है और प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने चेताया है कि लॉकडाउन के तहत यह देश अभी जीत से दूर है। उन्होंने कहा, हम सभी सड़कों पर वापस जाने के लिए उत्सुक हैं ... लेकिन हमारी इच्छा इस महामारी के खिलाफ जंग जीतने और इसे फैलने से रोकने की है। ब्रिटेन में इस वायरस से 10,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन ने रविवार को कहा कि उन्हें एक सप्ताह के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लॉकडाउन को जल्द खत्म करने को लेकर देशों को चेताया है।

अफ्रीकी लोगों से भेदभाव के आरोप के बाद चीन ने सुधार का संकल्प लिया

● कोरोना वायरस से पीड़ितों के इलाज में भेदभाव का मामला

एएफपी। बीजिंग

चीन ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के संबंध में भेदभाव के आरोपों और अत्यधिक अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद रविवार को प्रण लिया कि वह दक्षिणी शहर गुआंगझोउ में अफ्रीकी लोगों के इलाज की व्यवस्था में सुधार करेगा। साथ ही उसने कहा कि वह सभी तरह की नस्ली एवं पक्षपातपूर्ण टिप्पणियों को खारिज करता है।

विदेशों से संक्रमण लेकर आने वाले लोगों की तादाद बढ़ने के खिलाफ बीजिंग की ओर से सख्त उठाए जाने के बीच 1.5 करोड़ आबादी वाले औद्योगिक केंद्र में अफ्रीकी लोगों को संदेह की नजर से देखा जा रहा है और वे जबरन वहां से निकाले जाने, मनमाने ढंग से पृथक वास में भेजने तथा सामूहिक रूप से सबकी कोरोना वायरस के लिए जांच कराने जैसे कदमों का शिकार हो रहे हैं। अफ्रीकी यूनियन ने शनिवार की स्थिति पर अत्यधिक चिंता जाहिर करते हुए बीजिंग से तत्काल सुधारात्मक उपाय करने की अपील की। इस बीच, अमेरिका ने इसे चीनी अधिकारियों द्वारा अफ्रीकी लोगों को पसंद न किया जाना बताते हुए इसकी निंदा की।

दक्षिण चीन के सबसे बड़े शहर, गुआंगझोउ में हाल में नाइजीरियाई समुदाय के बीच कोरोना वायरस के कई मामले मिलने के बाद स्थानीय लोगों और वायरस से बचाव कर रहे अधिकारियों द्वारा भेदभाव किए जाने के आरोप लगने लगे। कई अफ्रीकी लोगों ने एजेंसी को बताया कि उन्हें जबरन उनके घर से निकाल दिया गया और होटलों ने भी उन्हें लौटा दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने एक बयान में कहा, चीनी सरकार चीन में विदेशी नागरिकों के जीवन एवं स्वास्थ्य को बहुत महत्व देती है। उन्होंने कहा, गुआंगदोंग (प्रांतीय) अधिकारी कुछ अफ्रीकी देशों की चिंता को बहुत महत्व दे रहे हैं और अपनी कार्य पद्धति को सुधारने की दिशा में सक्रियता से काम कर रहे हैं।

झाओ ने बताया कि सुधारात्मक उपायों में उन विदेशी नागरिकों के लिए गैर भेदभाव वाली स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाएं एवं कम दरों पर होटल उपलब्ध कराए जाएंगे जिन्हें चिकित्सीय निगरानी में रखा जाना है। उन्होंने कहा कि गुआंगदोंग के अधिकारी, सभी तरह की नस्ली एवं भेदभावपूर्ण टिप्पणियों को खारिज करते हैं। अत्यधिक भेदभाव किए जाने की पहली खबरें उस वक्त आई थी जब स्थानीय अधिकारियों ने कहा था कि कम से कम आठ संक्रमित लोगों ने शहर के युएक्जियू में समय बिताया था जिसे छोटे अफ्रीका के तौर पर भी जाना जाता है। चीन ने पिछले 20 वर्षों में अफ्रीका में जबर्दस्त निवेश किया है और वहां के ज्यादातर देशों के साथ उसके अच्छे संबंध हैं।

उत्तर कोरिया में किम ने शीर्ष प्रबंध निकाय में फेरबदल किया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने शीर्ष शासी निकाय स्टेट अफेयर्स कमिशन में बड़ा फेरबदल करते हुए इसके लगभग एक तिहाई सदस्यों को हटाकर अन्य को शामिल किया है। आधिकारिक मीडिया ने सोमवार को यह खबर दी।किम ने 2011 में 30 वर्ष से भी उम्र में सत्ता हासिल करने के बाद परमाणु संपन्न देश में सत्ता के तमाम पहलुओं पर अपनी पकड़ मजबूत की है।वह उत्तर कोरिया में निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय - स्टेट अफेयर्स कमिशन (एसएसी) के चेयरमेन हैं। सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने खबर दी है कि देश की सुप्रीम पीपुल्स असेंबली संसद की बैठक में एसएसी के 13 अन्य सदस्यों में से पांच को हटाकर नए सदस्यों को शामिल किया गया है।आधिकारिक समाचार-पत्र रोडोंग सिनमन में प्रकाशित तस्वीरों में सैकड़ों सांसद-विधायक एक-दूसरे के करीब और बिना मास्क पहने बैठे नजर आ रहे हैं। कैबिनेट की एक रिपोर्ट में उत्तर कोरिया के उस रुख को दोहराया गया कि पूरी दुनिया में पैर फैला लेने वाले कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का देश में एक भी मामला सामने नहीं आया है।प्योंग्यांग ने प्रकोप को रोकने के मकसद से अपने हजारों लोगों और राजनयिकों समेत सैकड़ों विदेशियों को पृथक वास में रहने को कहा और सड़कों-इमारतों आदि को संक्रमणमुक्त बनाने के लिए तेजी से अभियान चलाया। कैबिनेट की रिपोर्ट में कहा गया, देश में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए आपात महामारी रोधी अभियान जारी रहेगा। केसीएनए ने इस बैठक की अध्यक्षता किम द्वारा किए जाने के बारे में कोई जिक्र नहीं किया और न ही वह तस्वीरों में नजर आए।

दक्षिण कोरिया इस सप्ताह कोरोना वायरस जांच किट की खेप अमेरिका रवाना करेगा

एएफपी। सियोल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध के बाद दक्षिण कोरियाई फर्म कोरोना वायरस संक्रमण की जांच करने वाले किट की पहली खेप इस सप्ताह भेजेगी।योन्हाप समाचार एजेंसी ने सोमवार को इस आशय की खबर दी है। दुनिया में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले अमेरिका में आए हैं और वहां 22,000 से भी ज्यादा लोगों की कोविड-19 से मौत हुई है।चीन की सीमा से लगे दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले शुरुआत में तेजी से बढ़े थे, लेकिन देश ने व्यापक पैमाने पर संदिग्धों का पता लगाने, उनकी जांच और इलाज करने की रणनीति अपना कर इस महामारी को नियंत्रित कर लिया है।दक्षिण कोरिया ने अपने देश में पांच लाख ऐसे लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण के लिए जांच की है, जिनको डॉक्टरों ने सलाह दी थी या फिर वे किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए थे।ट्रंप प्रशासन पर इस महामारी से निपटने की दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाने का आरोप लग रहा है, हालांकि वह लगातार कह रहे हैं कि अमेरिका में दुनिया में सबसे ज्यादा संख्या में इस वायरस संक्रमण के लिए लोगों की जांच की गई है। पिछले महीने फोन पर हुई बातचीत के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई-इन ने बताया था कि ट्रंप ने वायरस संक्रमण की जांच के लिए किट मांगे हैं।योन्हाप ने सियोल में विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि दो कंपनियों में निर्मित जांच किट लेकर एक मालवाहक विमान मंगलवार को इंचेओन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अमेरिका में मेरीलैंड के लिए उड़ान भरेगा। खबर में बताया गया है कि अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने दक्षिण कोरिया की तीन कंपनियों को जांच किट बनाने की शुरुआती मंजूरी दी है, इन्हीं में से दो कंपनियों में निर्मित किट लेकर विमान रवाना होने वाला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने जांच किट लेकर विमान के मंगलवार को उड़ान भरने की पुष्टि की है, लेकिन अन्य कोई जानकारी देने से इंकार कर दिया।

घर से न निकलने का संदेश देने पर जापानी प्रधानमंत्री आबे की आलोचना

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के घर के अंदर ही रहें के रविवार के संदेश पर सोशल नेटवर्क पर गुस्से से भरी प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने उन्हें ऐसे लोगों के प्रति असंवेदनशील बताया है जो सरकार के सामाजिक दूरी संबंधी कदमों के चलते घर पर नहीं रह सकते और उन्हें इसके बदले में कोई मुआवजा भी नहीं दिया जा रहा है।

लोगों तक पहुंचने के लिए रेडियो पर गाना पड़े, तो गाऊंगा

गायक और संगीतकार **दर्शन रावल** ने हाल ही में अपना एक एकल गीत 'असल में' रिलीज़ किया है। पायनियर संवाददाता **शालिनी सक्सेना** के साथ एक बातचीत में उन्होंने बताया कि वो अपने श्रोताओं के साथ व्यक्तिगत स्तर पर किस प्रकार इतना अच्छा संपर्क बना पाते हैं। इसके अलावा उन्होंने ये भी बताया कि उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म इतना प्रिय क्यों है..

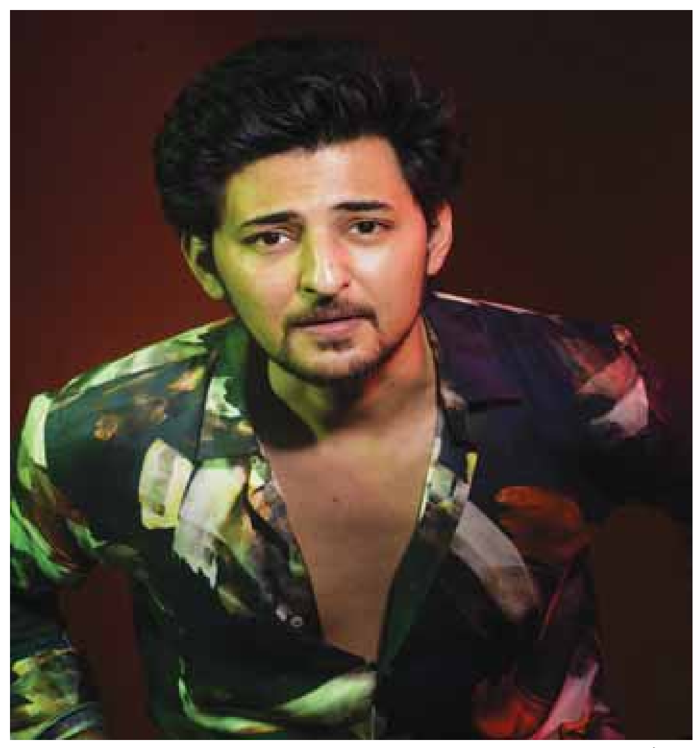

■ आपका नया एकल गीत किस बारे में है?

देखिये ये एक एक लड़के के बारे में उदासी भरा गीत है जो मित्र होता है, बिलकुल वैसे ही जैसा कि आज अधिकांष लोगों के साथ होता है। इसके बोल अच्छे हैं। वैसे मैं हर वैलेंटाइन डे और मानसून सीज़न पर एक गाना प्रस्तुत करता हूं। लेकिन इस बार मैंने ये इन विशेष दिनों की बजाय उनके बीच जाने पर इसे रिलीज़ करने का निर्णय किया।

■ आपने एक गाने को संगीत भी दिया है। ये कैसे संभव हुआ?

मैं सदा से ही गायक–गीतलेखक और संगीतकार रहा हूं। बीच बीच में मैं किसी गानें में अपना सहयोग भी देता हूं। लेकिन जब अपने गाने की बात हो तो मैं इसे स्वयं करना पसंद करता हूं। तेरे ज़िक्र, गाना जो मेरा सर्वाधिक हिट गाना था। कई बार अन्य लोग भी गाने के बोल लिखते हैं लेकिन 'काष ऐसा होता' को मैंने ही लिखा और संगीतबद्ध किया है।

■ मुझे पता लगा है कि आप पिछले पांच सालों से वैलेंटाइन डे और मानसून पर अपने सिंगल रिलीज़ करते रहे हैं। कया इसका कोई विशेष कारण है?

हर उत्सव पर लोग तैयारी करते हैं। मैं इसी प्रकार फरवरी और जुलाई में गाना रिलीज़ करने की तैयारी करता हूं। लोगों को पता रहता है कि मैं वैलेंटाइन डे और मानसून पर गाना रिलीज़ करूंगा। अब तो ये एक प्रकार की परंपरा बन चुकी है। उन्हें तो अब मेरे गाने की रिलीज़ का दिनांक और दिन भी पता रहता है। ठंड के मौसम और गर्मियों के लिए कोई गाना नहीं है क्योंकि इस दौरान मैं बॉलिवुड में व्यस्त रहता हूं।

■ क्या बॉलिवुड और स्वतंत्र गानों में संतुलन बनाना कठिन होता है?

नहीं ये कठिन नहीं होता। क्योंकि मैं इंडस्ट्री में विशेष प्रकार के प्रोजेक्ट ही लेता हूं। ऐसा इसलिये क्योंकि मेरी पहचान ही उसी से है।

■ ऐसा क्यों है कि हर प्रेमगीत में ब्रेकअप का उल्लेख अवष्य होता है?

देखिये प्यार प्यार भावनाओं में सबसे पवित्र होता है। हर पवित्र भावना में उदासी और प्रसन्नता होती है। प्रफुल्लता को प्रतिबिंबित करने वाले गाने भी लोकप्रिय हैं। लेकिन उदास गाने लोगों के हृदय को स्पर्ष करते हैं। मैं उदासी भरे गाने इसलिये बनाता हूं कि जो लोग किसी बात से निराश या हताश हैं उन्हें लगे कि कोई है जो उनकी भावनाओं को समझता है। मैं अपने गानों को उनके मित्र जैसा बनाना चाहता हूं।

■ क्या आपको लगता है कि संगीत लोगों को व्यक्तिगत स्तर पर स्पर्श करता है?

पहले मैं ऐसा नहीं मानता था। लेकिन जब मेरे गाने लोकप्रिय होने लगे तब भी मुझे संदेह था कि मेरे गाने उनके हृदय को स्पर्श करते भी हैं क्या? लेकिन पिछले एक साल से जब मैंने कंसर्ट करना प्रारंभ किया तभी से मुझे स्पष्ट हुआ कि मेरे गाने लोगों से जुड़ाव स्थापित करने में सफल रहे हैं। मेरे एक गाने 'तू मिलिया' का कोई वीडियो नहीं है केवल ऑडियो है लेकिन जब मैं इसे गाता हूं तो लोग रोने लगते हैं। मेरे लिए वो अतयंत भावुक क्षण होते हैं। अब मैं समझने लगा हूं कि वे उस गाने को जी रहे होते हैं।

■ जब एक ही गाने को दो या तीन गायक गाते हैं तो उसमें क्या अच्छाई, बुराई और भद्दापन होता है?

पहले लोग एक कंपोज़र रखते थे लेकिन अब चार-पांच कंपोज़र होते हैं। हरेक के पास एक न एक अच्छे स्वरों वाला गायक भी होता है जिससे वे गवाना चाहते हैं। कई बार अब एक कंपोज़र और तीन चार गायक होते हैं। ये निर्माता पर निर्भर होता है कि वे क्या चाहते हैं। अधिक लोगों के होने का अर्थ ये है कि कई लोगों को अवसर मिलता है। लेकिन इस सबसे कलाकार को काफी सतर्क रहना होता है।

■ स्वतंत्र या इंडी गानों में वैसे क्या आकर्षण होता है?

एक तो श्रोताओं से सीधा संपर्क हो जाता है। मैं पिछले 9 सालों से स्वतंत्र गाने गा रहा हूं। इसमें अधिक स्वतंत्रता होती है। मैं यहां अपनी अच्छी अभिव्यक्ति कर पाता हूं। मैं अपने श्रोताओं के साथ व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करना चाहता हूं।

■ लाइव परफॉर्मेंस के बारे में आपका क्या कहना है?

आज हम प्लेटफॉर्म और जॉनर में भेद करते हैं। लेकिन संगीत का प्रमुख उद्देष्य अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना ही होता है। अब इसके लिए यदि मुझे रेडियो पर भी गाना पड़े तो मैं गाऊंगा।

■ आपके लिए श्रोताओं के साथ सर्वश्रेष्ठ क्षण कौन सा था?

ऐसे कई पल हैं। लेकिन किसी एक को कहना कठिन है। मैंने दिल्ली में गाया था और मेरे प्रषंसक मेरे नए गाने की सफलता के अवसर पर केक लेकर आए थे। वे मेरा एक फोटो लेने के लिए घंटों प्रतीक्षा करते हैं। वे मुझे प्रेरित करते हैं। ये हर नगर में होता है और मैं इसे दर्षनर और ब्लू फैमिली कहता हूं। वे मुझे बहुत प्यारे लगते हैं।

■ आपकी आगे की क्या योजना है?

कुछ फिल्मी गाने हैं जो इसी साल के अंत तक रिलीज़ हो सकते हैं।

अमिताभ ने स्मार्टफोन को बताया आज का महानतम आविष्कार

सदी के अभिनेता अमिताभ बच्चन का कहना है कि स्मार्टफोन को आज का सर्वोत्तम आविष्कार माना जाना चाहिये। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'पहिये को महानतम आविष्कार माना गया है। लेकिन आजकल मैं कहूंगा कि स्मार्ट फोन ऐसा आविष्कार हो गया है।' अपने एक ब्लॉग में उन्होंने इस बारे में आगे लिखा, 'आजकल स्मार्टफोन को सफलतम आविष्कार माना जाना चाहिये। आजकल सबकुछ इसी से चल रहा है। इसके बिना हम क्या कर सकते थे।' अपने अतीत के गलियारे में झांकते हुए अमिताभ ने लैंडलाइन का स्मरण किया कि सेलफोन के आने से पहले उनसे केवल बात की जा सकती थी।

लीना डनहम ने किया चमत्कार

हॉलिवुड अभिनेत्री लीना डनहम अपने पिछले दो सालों के दौरान स्वच्छ और सोबर रहने का उत्सव मना रही हैं। उनके अनुसार ये एक चमत्कार है और वे इसे हल्के में नहीं ले सकतीं।

'द गर्ल' की निर्माता और अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में अपने पिछले दो सालों का स्मरण करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवधि में उन्होंने एंटी एंग्जायटी औषधियों 'क्लोनोपिन' को भी लेना बंद कर दिया।

इस अवसर पर उन्होंने प्रसन्न मुद्रा में एक सेल्फी भी पोस्ट की।

उन्होंने इसके नीचे लिखा, 'ये एक ऐसा चमत्कार है जिसे मैं हल्के में नहीं ले सकती, चाहे मैं कितना भी ऐसा करने की सोचूं।'

अमोल पालेकर हैं जनप्रिय कलाकार

लेखक वीरदास का कहना है कि 'हंसमुख एक काल्पनिक कहानी है। लेकिन हर काल्पनिक कहानी कहीं न कहीं किसी घटना से प्रेरित होती है। लेखक के तौर पर मैंने भी यही किया है। आप परदे पर अमोल पालेकर को देखकर ये नहीं कह सकते कि उनका भी कोई स्याह पक्ष हो सकता हैं। परदे पर उन्होंने जनप्रिय चरित्रों को सफलता पूर्वक निभाया है। हंसमुख भी ऐसा ही एक चरित्र है।

उर्वशी रौतेला ने पोस्ट की तस्वीर, बदलाव देखकर प्रशंसकों को लगा बड़ा झटका

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर अपनी धमाकेदार फोटोज शेयर करके अपने फैंस का मनोरंजन करती है। बॉलीवुड अदाकाराओं में से सबसे ज्यादा सोशल मीडिया पर चाहने वाले उर्वशी रौतेला के हैं। हाल ही में उर्वशी मे 25 मीलियन फॉलोअर्स का रिकॉर्ड बनाया हैं। उर्वशी रौतेला भले एक्ट्रेस हैं लेकिन वो सुर्खियों में अपनी फिल्मों का वजह से कम अपनी बोल्ड तस्वीर और अपनी अफेयर की खबरों को लेकर ज्यादा चर्चा में रहती हैं। जब से देश में लॉकडाउन हुआ है तब से उर्वशी सोशल मीडिया पर रोज एक से एक सेक्सी तस्वीरें शेयर करके लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। उर्वशी के इंस्टाग्राम पर एक नजर डाले तो आपको उर्वशी की एक से एक सेक्सी तेस्वीरें और वीडियो देखने को मिलेंगे लेकिन आज उर्वशी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जो अब तक की उनकी सभी तस्वीरों से बिलकुल अलग है। उर्वशी ने जो तस्वीर शेयर की है उनमें उन्होंने सीधे पल्ले में गुजराती साड़ी पहनी हुई है। उन्होंने इस दौरान बहुत ही सिम्पल मेकअप किया है और ज्वैलरी में उन्होंने बस गले में एक काले रंग का मंगलसूत्र की तरह दिखता एक नेकलेस पहना हुआ है। उर्वशी का ये बदला हुई रूप देख कर उनके फैंस हैरान हैं। उर्वशी की इस तस्वीर पर तरह.तरह के कमेंट आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि इस समय रामायण का दौर चल रहा है तो उर्वशी पर भी

इसका खुमार चढ़ गया है इस लिए उन्होंने सीता का लिबास पहल लिया है। एक यूजर ने उर्वशी के लिए कहा. कि आपने कैसे सेस्सी से सीता का अवतार ले लिया है।

कोरोना वायरस: कमल हासन ने पुलिस के संगीत वीडियो की सराहना की

भाषा। तिरुवनंतपुरम

कोरोना वायरस से निपटने के मद्देनजर केरल पुलिस की ओर से जारी एक संगीत वीडियो की अभिनेता से नेता बने कमल हासन ने सराहना की है।

हासन ने कहा, बेहतरीन। डॉक्टर, पुलिस और सफाईकर्मी अग्रिम पंक्ति के योद्धा हैं। केरल पुलिस का एक गान के जरिए इन लोगों का उत्साह बढ़ाना लाजिमी है। मैं वर्दी पहने पुलिसकर्मी के गायन कौशल को देखकर भी खुश हूं। मैं पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को इस संवेदनशील विचार के साथ आगे आने के लिए बधाई देता हूं। मेरा सलाम।

निर्भयम नाम के इस वीडियो को कोच्चि मेट्रो स्टेशन पर तैनात पुलिस निरीक्षक एस अनंतलाल ने निर्देशित किया है। इस बीच, केरल पुलिस ने

भी विभाग को दिए बधाई संदेश के लिए हासन का आभार जताया है।

सलमान लोकप्रियता की सूची में शीर्ष पर

इस बार फिर अभिनेता सलमान खान ने फिल्मों की ओपनिंग और लोकप्रियता के आधार पर बनी सूची में शीर्ष स्थान बनाए रखा है। इस सूची में उनकी रैंकिंग का अंतराल भी अच्छा रहा है। दूसरे अभिनेता अक्षय कुमार के साथ उनका अंतर भी काफी अच्छा है। जहां सलमान के 1718 अंक हैं तो अक्षय 887 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनके दुनिया भर मे प्रशंसक हैं और इनमें भौगोलिक, विभिन्न आयुवर्गों विशेषकर युवा शामिल हैं।

अकेलेपन के इस समय में लोगों को उम्मीद देगी हाफ फुल : नसीरुद्दीन शाह

भाषा। नई दिल्ली

लघु फिल्म हाफ फुल में अपनी अदायगी से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने वाले अभिनेता नसीरुद्दीन शाह का मानना है कि यह फिल्म ऐसे समय में उम्मीद देती है जब कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन की वजह से अधिकतर लोग घरों में बंद हैं।

इस फिल्म का निर्देशन करण कवल ने किया है और इसमें विक्रम मैस्सी ने भी अभिनय किया है। यह लघु फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसे अपनी जिंदगी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता है, तभी उसकी मुलाकात एक बुजुर्ग व्यक्ति से होती है। इस मुलाकात के बाद उस व्यक्ति का जीवन, मौत और अपने प्रति नजरिया बदल जाता है।

शाह ने कहा कि यह अजीब संयोग है कि मौजूदा समय में इस फिल्म का विषय अधिक प्रासंगिक हो गया है। शाह ने पीटीआई को मुंबई से फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, जब यह फिल्म बनी थी, तब ऐसी कोई स्थिति नहीं थी। मैं कहूंगा कि फिल्म मौजूदा हालात में और प्रासंगिक हो गई है। मुझे भरोसा है कि आज कई लोग

फिल्म के युवा नायक के साथ स्वयं को जोड़ पाएंगे... यह उम्मीद देने वाली फिल्म है। आज जब हमारे चारों ओर अकेलापन है, ऐसे में यह फिल्म लोगों को इससे पार पाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वेब के लिए बन रहीं लघु फिल्में युवाओं को अपनी कला पेश करने का अवसर देती हैं। वे लाखों या करोड़ों रुपए के नुकसान, करियर को खतरे में डालने के भय और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की चिंता किए बिना अभिनय कर सकते हैं।

जी5 अपने लघु फिल्मोत्सव में नौ फिल्मों को दिखाएगा जिनमें हाफ फुल भी शामिल है। इस फिल्म का प्रीमियर 15 अप्रैल को होगा। इससे पहले इंटीरियर कैफे नाइट , रोगन जोश और द वॉलेट जैसी लघु फिल्मों में काम कर चुके शाह का कहना है कि इन फिल्मों के लिए अपेक्षाकृत कम समय की आवश्यकता होती है, इसलिए वे इनमें काम करने को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नई एवं उभरती प्रतिभाओं के साथ काम करके हमेशा खुशी मिलती है।

निशांत, जाने भी दो यारों, मंडी, स्पर्श, उमराव जान, वो सात दिन, सरफरोश और अ वेडनसडे जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय कर चुके शाह अब नए अभिनेताओं को प्रशिक्षित करना चाहते है। उन्होंने कहा कि वह अभिनेताओं को प्रशिक्षित करने के लिए तकनीक खोज रहे हैं और वह पिछले 20 साल से इस कार्य में लगे हैं।

सीतापुर में कोरोना मरीजों की संख्या में इजाफा, जमातियों ने बिसवां में भी फैलाया संक्रमण

बिसवां बना नया हॉटस्पॉट, मिले कोरोना के 3 नए मरीज, सील

● जमातियों के सम्पर्क में आए थे सभी, पहले ही कराया गया था क्वारंटाइन एल-1 हॉस्पिटल में कराया गया भर्ती

संवाददाता। बिसवां सीतापुर

सोमवार को सीतापुर में कोरोना के 3 नए मरीज मिलने से हड़कम्प मच गया। केजीएमयू से आई रिपोर्ट में बिसवां के 3 संदिग्ध पॉजिटिव पाए गये है जिन्हें देर रात खैराबाद के एल–1 हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डीएम अखिलेश तिवारी ने बताया कि तीन नए मरीज मिले है जिससे मरीजो की संख्या 13 हो गयी है, 2 मरीजो को पूर्व में ही लखनऊ रेफर किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नए मिले मरीजों को संदिग्ध होने पर ही कृष्णा देवी इं.का. में क्वारंटाइन करा दिया गया था, सभी नए मरीज जमातियों के सम्पर्क में आए थे। बिसवां इलाके में रामाभारी के 3 किमी. तक सारा क्षेत्र सील किया जा रहा है। बिसवां जिले का दूसरा हॉटस्पॉट बन गया है। इससे पहले खैराबाद को हॉटस्पॉट बनाया गया था।

रविवार की रिपोर्ट में 18 संदिग्धों की रिपोर्ट निगेटिव–सीएमओ डा. आलोक वर्मा ने बताया कि जांच के लिए भेजे गए 58 सैम्पलों में से 18 कि रिपोर्ट निगेटिव आई है। इनमें पुराने सीतापुर समेत अन्य इलाकों के लोग भी शामिल थे, 40 अन्य की रिपोर्ट आना शेष है।

मेडिकल टीम के लिए गए सैम्पल–सोमवार को कोरोना मरीजों की देखरेख कर रहे 25 डाक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ के सैम्पल लिए गए जिन्हें जांच के लिए केजीएमयू भेजा जा रहा है। सीएमओ ने बताया कि एहतियातन यह सैम्पल लिए गये है।

कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण–डीएम ने कलेक्ट्रेट स्थित एकीकृत आपदा नियंत्रण केंद्र कोविड–19 के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने राशन उपलब्ध होने के बावजूद अनावश्यक रूप से शिकायत की जा रही है। यदि राशन की उपलब्धता न हो तो परिवार को राशन भी उपलब्ध करा दिया जाये। कंट्रोल रूम नम्बर 05862–245753 पर लोगों द्वारा शिकायतें की जा रहीं है, इसके निस्तारण के लिए अतिरिक्त मजि. प्रथम शिशिर कुमार को नोडल अफसर बनाया गया है।

30 संदिग्धों की हुई जांचः सीतापुर। कोरोना महामारी के बचाव में बाहर से आये हुये लोगो की स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच की गयी।विकास खंड पिसावा क्षेत्र के नेरी गांव में पिसावा सीएचसी अधीक्षक संजय श्रीवास्तव ने जूनियर हाई स्कूल नेरी में बाहर से आये लोगो की जांच कर कोरोना जैसी महामारी से बचने के लिए जागरूक किया साथ ही बताया कि अपने घर और परिवार से 14 दिनों से आश्रय स्थलों परअलग रह रहे हो क्योंकि कोरोना के लक्षण 14 दिन के अन्दर दिखने लगते है।अपने परिवार और गांव की सुरक्षा के लिए आपको दूर रहना था। आप सभी अपने घर रह सकते है। वहीं मूडा से आये चार लोगो की भी जांच की गई है इनको भी कोरोना वायरस से बचने के लिए बताया गया।

सीएमओ साहब! रु. 115 में कहां मिलेगा पौष्टिक भोजन?

नितीष श्रीवास्तव। सीतापुर

● डाक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, मरीजों को प्रतिदिन 2 बार भोजन एक बार नाश्ते के लिए ट्रीट फेमिली रेस्टोरेन्ट को दिया गया टेण्डर शासन से 5 सौ रुपए दिए जाने की कही जा रही बात, शिकायत के बाद पहुंचे डीएम

कोरोना मरीजों व इलाज कर रहे डाक्टरों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराए जाने को लेकर शासन स्तर से सख्ती के बाद भी जिले का स्वास्थ्य महकमा सस्ता खाना ढूंढ रहा है। बता दें कि डाक्टरों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे नाश्ते व खाने को लेकर पहले दिन ही असहमति जताई गयी थी। मरीजों ने भी खाने से संतुष्ट न होकर बिरयानी की मांगी थी जिसकी खबरे मीडिया में भी छाई रहीं। शासन स्तर से मरीजों व डाक्टरों के लिए प्रतिदिन 5 सौ रुपए की डॉइट दिए जाने का दावा किया जा रहा है। वहीं सीएमओ डा. आलोक वर्मा द्वारा जेलरोड स्थित ट्रीट फेमिली रेस्टोरेन्ट हो सुबह का नाश्ता, दोपहर व रात के खाने के लिए 115 रुपए का टेण्डर दिया गया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि 50 रुपए की प्लेट में डीएम अखिलेश तिवारी द्वारा पौष्टिक व इम्यूनिटी बढ़ाने वाले खाने की सप्लाई ठेकेदार द्वारा कैसे की जाएगी। इस बावत रेस्टोरेन्ट मालिक दीपक का कहना है कि तय मेन्यू के हिसाब से भोजन दिया जा रहा है। बहरहाल स्वास्थ्य महकमे के अधिकारी इस पर खुलकर बोलने से बच रहें हैं, शिकायतें संज्ञान में आने के बाद डीएम द्वारा एमजे पैलेस में क्वारंटाइन डाक्टरों से बात कर नाश्ते व खाने की जानकारी लेते हुए यह निर्देश दिए गये है कि खाने की गुणवत्ता बेहतर हो। डीएम ने एल–1 हॉस्पिटल में जाकर चिकित्सकों को हो रही समस्याएं जानी।

डीएम ने भी माना स्वास्थ्य महकमे से हुई चूक–इस बावत जब डीएम अखिलेश तिवारी से जब 'पायनियर' की बात हुई तो उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की चूक को मानते हुए कहा कि उन्हें देखने चहिए था 115 रुपए में पौष्टिक भोजन नहीं मिल सकता, डाक्टरों की शिकायतें संज्ञान में आई थीं जिसके बाद निरीक्षण कर गुणवत्ता देखी गयी, डाक्टरों द्वारा मेन्यू में बदलाव की बात कही गयी थी जिसे तुरन्त बदलने के निर्देश दिए गये है, शासन से 5 सौ रुपए तक प्रति व्यक्ति डाइट के हिसाब से खर्च किए जा सकते है। केजीएमयू से डाइट को चार्ट भी आया है। आपदा की इस घड़ी में डाक्टर बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर जंग लड़ रहे है, उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। सप्लाई ठेकेदार को निर्देश दिए गये है कि डाक्टरों की इच्छानुसार बेहतर भोजन, नाश्ता उपलब्ध कराएं जोकि पौष्टिक व इम्यूनिटी बढ़ाने वाला हो, उसका सारा भुगतान करा दिया जाएगा, सीएमओ को सभी व्यवस्थाएं तत्कात दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गये है।

प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका, मिला शव

संवाददाता। मानपुर सीतापुर

मानपुर में तीन दिन से लापता हुए युवक का संदिग्ध परिस्थिति में नहर के किनारे शव पाया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। हसनापुर निवासी राजेन्द्र (35) पुत्र मुल्लू रैदास 11 अप्रैल घर से निकला था, वापस न लौटने पर परिवारीजनों ने खोजबीन की लेकिन पता न चल सका। सोमवार दोपहर नहर किनारे राजेन्द्र का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों की माने तो गांव की एक महिला के साथ राजेन्द्र का प्रेम प्रसंग चल रहा था, उसी महिला के घर पर जमीन में खून भी मिला है जिससे वहीं पर हत्या कर नहर किनारे शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। एसओ पुष्पराज कुशवाहा ने बताया कि महिला को हिरासत में लेकर पूंछताछ की जा रही है। कई संदिग्ध चीजे भी मिली है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

संवाददाता। बिसवां सीतापुर

मानपुर इलाके के एक युवक का बिसवां कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गुरेरा रेलवे ट्रैक से एक किलोमीटर पश्चिम एक युवक का ट्रेन से कटा क्षत–विक्षत शव पाया गया। जानकारी के मानपुर थाना क्षेत्र का बेनवरिहा मजरा नकारा निवासी राहुल 17 पुत्र देशराज धोबी सुबह घर से निकला था। जिसका शव सोमवार दोपहर बिसवां कोतवाली क्षेत्र के गुरेरा गांव के निकट रेलवे ट्रैक के पास कटा हुवा पाया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बिसवां बृजेश राय ने बताया कि घर में विवाद होने के कारण युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पंचनामा कर जिला मुख्यालय भेज दिया।

कोरोना योद्धाओं को 'पायनियर' का सैल्यूट...

पंकज सिंह गौर। सीतापुर

वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ पूरी दुनिया में जंग तेज हो चली है। इस जंग में चिकित्सक और पैरामेडिकल कर्मी रात–दिन एक किए हुए हैं। कोई एक पखवारे से अपने परिजन से नहीं मिल सका तो कोई महीनों से अपने घर नहीं जा पाया है। हर कोई कोरोना वायरस को परास्त करने में जुटा है। इस जंग के कई योद्धा ऐसे भी हैं, जिनकी दुल्हनों के हाथों से अभी शादी की मेंहदी तक नहीं छूटी है। जिले के विभिन्न अस्पतालों में तैनात ऐसे कई डाक्टर हैं जिन्होंने फर्ज के खातिर हाथों की मेंहदी छूटने से पहले कोरोना के खिलाफ इस जंग में रणबांकुरे बन कूद चुके है।

ड्यूटी जरूरी है

सीएचसी एलिया में तैनात डॉ. सैफ अली का निकाह 23 जनवरी को हुआ था। इनकी पत्नी डॉ. शगुफ्ता प्रयागराज में हैं। कोरोना के खिलाफ जंग के रणबांकुरे बीते डेढ़ माह से अधिक समय से वह अपने घर भी नहीं जा सके हैं।

फर्ज की खातिर टाल दी सगाई

खैराबाद सीएचसी पर बनाए गये एल–1 हॉस्पिटल में तैनात डा. अनिल कुमार पंकज भर्ती कोरोना मरीजों का उपचार कर रहे है। उन्होंने अपनी सगाई को भी टाल दिया। बताते है कि लखनऊ व कानपुर में परिवार के साथ लड़की देखकर सगाई का कार्यक्रम रखा गया था।

मिलकर करेंगे सामना

गोंदलामऊ सीएचसी अधीक्षक डॉ. धीरज मिश्रा 12 दिसंबर को विवाह बंधन में बंधे थे। इनकी पत्नी डॉ. आरती तिवारी दिल्ली में तैनात हैं। होली के अवकाश के बाद से यह भी अपने घर नहीं जा सके हैं, अपने फर्ज को निभा रहे है।

फर्ज पहले निभाएंगे

लहरपुर सीएचसी में तैनात डॉ. सुधीर पांडेय हरदोई में तैनात डॉ. रिचा दुबे के साथ 18 फरवरी को वैवाहिक बंधन में बंधे थे। होली बाद कोरोना संक्रमण के चलते लगातार ड्यूटी पर तैनात रहकर अपना फर्ज अदा कर रहे है।

बोले आजम, 'दवा छिड़क रहे' हो या 'पानी'

श्रेष्ठ सक्सेना। सीतापुर

कोरोना महामारी ने जहां पूरे विश्व में हाहाकार मचा रखा है, वहीं उसने जिला कारागार में निरुद्ध सपा नेता सांसद आजम खां के परिवार की समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे में जेल रूपी क्वॉरेंटाइन में निरूद्ध आजम के स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ गया है जिसकी वजह महामारी के चलते न्यायालय बंद होने से पेशियां न हो पाना बताई जा रही है। बता दें कि 27 फरवरी को आजम खां, उनकी पत्नी तंजीन, छोटे बेटे अब्दुल्ला को जिला कारागार में शिफ्ट किया गया था। जिन पर चोरी समेत लगभग 80 केस दर्ज है। मुख्य मामला बेटे अब्दुल्लाह के फर्जी प्रमाण पत्रों का है जिनकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कराई जा रही थी। सूत्रों की मानें तो हाल ही में जेल को सैनिटाइजेशन किया जा रहा था, इसी दौरान जब आजम की बैरक के पास छिड़काव होने लगा तो वह बोल उठे की दवा छिड़क रहे हो पानी, हमारी सरकार आने दो तब पता चलेगा। हालांकि इस किस्से से जेल महकमा वाकिफ है लेकिन खुलकर बोलने से अधिकारी बच रहे है। जेलर आरएस यादव का कहना है कि वह नेता है ऐसा कह सकते है, लेकिन कारागार में उनको कोई दिक्कत नहीं है।

कोरोना वारियर्स का सम्मान

संवाददाता। सीतापुर

भाजपा जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने सफाई नायक प्रकाश व आरक्षी राहुल भदौरिया को बूथ के लोगों द्वारा हस्ताक्षरित अभिनंदन पत्र सौंपकर सम्मानित किया तथा संकटकाल मे उनकी सेवाओं के लिए आभार प्रकट किया। जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भागीरथ प्रयासों से देश में कोरोना पर नियंत्रण है व जल्द ही भारत कोरोना से मुक्त होगा। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महामारी से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है। श्री मेहरोत्रा ने स्वास्थ्य कर्मी ,सुरक्षाकर्मी, मीडिया कर्मी, बैंक व डाककर्मी तथाआवश्यक सेवाओं से जुड़े सभी कोरोना वारियर्स का धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस अवसर पर नीरज वर्मा झल्लर,अनूप विश्वकर्मा, शिवा गोस्वामी, सत्यम सिंह आदि मौजूद रहे।

नगर में कराया गया सेनेटाइजेशन का कार्य, पुलिस का जगह-जगह किया गया सम्मान

संवाददाता । लखीमपुर-खीरी

वैश्विक महामारी कोविड–19 नोवेल कोरोना वायरस से बचाव के दृष्टिगत जनहित में नगर के सौजन्या चौराहे से गुरूगोविन्द सिंह चौराहा, रोडवेज बस स्टेशन होते हुए हीरालाल धर्मशाला तथा सदर चौराहे तक अग्निशमन विभाग के वाहन से सेनेटाइजेशन का कार्य अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद आरआर अम्बेश के नेतृत्व में कराया गया। सेनेटाइजेशन के दौरान सेनेटाइजेशन प्रभारी अमरदीप मौर्या, सफाई व खाद्य निरीक्षक जितेन्द्र सिंह एवं पालिका कर्मचारीगण मौजूद रहे।

मितौली संवाददाता के अनुसार,
लॉक डाउन के समय कोरोना वायरस से जंग लड़ रहे क्षेत्रीय योद्धाओं डॉक्टर, एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, व बैंक कर्मचारियों को भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री तथा अध्यक्ष गन्ना समिति मैगलगंज बृजेश सिंह ने सम्मान पत्र भेजकर सम्मानित किया है। भारतीय जनता पार्टी लॉकडाउन की अवधि के दौरान जरूरतमंदों की सेवा में जुटी संस्थाओं का भी सम्मान करेगी।

जिला मंत्री बृजेश सिंह ने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरा देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है, सभी अधिकारी व नागरिक पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन कर रहे हैं, इस संकट के क्षण में सभी कोरोना योद्धा मानवता के सुरक्षित भविष्य के लिए इस लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। इन योद्धाओं के साहस, निस्वार्थ सेवा और दृढ़ निश्चय ने ही भारत को इस विषम परिस्थिति में सही रास्ते पर रखा हुआ है। जिला मंत्री बृजेश ने अपनी चिंता न करते हुए कोरोना वायरस से जंग लड़ रहे डॉक्टर, पुलिसकर्मी, राजस्व के अधिकारी व कर्मचारी बैंक कर्मचारियों,सफाई कर्मी को सम्मान पत्र देकर व धन्यवाद ज्ञापित कर प्रोत्साहित किया है। इस युद्ध जैसी परिस्थितियों में इनकी कर्तव्यनिष्ठा प्रेरणादायी है।

निघासन संवाददाता के अनुसार,
कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित किए गए इक्कीस दिन के लॉक डाउन का आज उन्नीसवां दिन है। ऐसा माना जा रहा है कि यह लॉक डाउन कम से कम 30 अप्रैल तक अभी और बढ़ेगा। यह जरूरी भी है।आम जनमानस भी इस लॉक डाउन का महत्व समझ रहा है। थोड़ी बहुत दिक्कतें तो जरूर हो रही है लेकिन जान है तो जहान है। इस लॉक डाउन में सरकारी अमला भी पूरी मजबूती के साथ लोगों के साथ खड़ा दिख रहा है। सभी अधिकारी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते दिख रहे हैं।

उपजिलाधिकारी ओपी गुप्ता ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए तहसील क्षेत्र में कोरनटाइन किये गए 2123 लोगों पर अपनी पूरी नजर बनाए रखी। उन्होंने बताया कि कोरोटाइन किये गये लोगों में से चार सौ ग्यारह लोगों को शनिवार को उनके घर भेज दिया गया है और करीब चार सौ लोगों को रविवार को उनके घर के लिए रवाना किया जायेगा। इस दौरान सभी को घोषणापत्र दिया गया है जिसमे कहा गया है कि वे सभी चौदह दिनों तक घर में ही कोरनटाइन रहेंगे। इस दौरान घर से बाहर निकलने पर उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जाएगी।

गोला गोकर्णनाथ संवाददाता के अनुसार,
थाना हैदराबाद क्षेत्र मे अनावश्यक रूप से व अकारण चहल कदमी कर रहे लोगों पर चला पुलिस का चाबुक। पुलिस ने किसी को पीटा तो किसी का चालान काटा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लॉकडाउन के दौरान अनावश्यक रूप से सडकों पर टहल रहे लोगों का चालान काटा गया व इनको सख्त हिदायत देकर छोड़ा गया।हैदराबाद प्रभारी निरीक्षक सुनीत कुमार ने बताया कि हमारे थाना क्षेत्र मे गांवो व कस्बों में अनाधिकृत रूप से अपने अपने वाहनों से टहल रहे लोगों पर कार्यवाही करते हुये लगभग दस चालान काटे गये। वहीं पन्द्रह सौ रूपये का समन शुल्क भी वसूला गया। जबकि चार मोटरसाइकिले सीज़ भी की गई। एसओ के इस तेवर से लोगों मे खौफ व्याप्त है व अफरा तफरी का माहौल व्याप्त है। वहीं लोगों को सख्त हिदायत देकर छोड़ा भी गया है। प्रभारी निरीक्षक ने कहा है कि सरकार की मंशा अनुसार लॉकडाउन का सत प्रतिशत अनुपालन किया जायेंगा। किसी भी ब्यक्ति को अकारण सड़क मोहल्लो कस्बों मे घुमने की आजादी नहीं दी जायेंगी। इस अअवसर पर पर सब इंस्पेक्टर महेन्द्र यादव, विनोद सिंह व यशबीर सिंह सहित तमाम पुलिसबल व आरक्षीगण मौजूद रहे।

पलिया कला संवाददाता के अनुसार,
लाक डाउन के बीच पुलिस प्रशासन, नगर की सफाई व्यवस्था और सैनिटाइज में सबसे आगे नगर पालिका और हमारे क्षेत्र के मरीजों को बचाने में जुटे डाक्टरों को पलिया के नगरवासियों ने सम्मानित किया। खिलाई गई मिठाई बरसाए गए। तिलक लगाकर फूल–माला पहनाई गईं। अपने परिवार के सदस्यों व पूरी पलिया नगर की तरफ से स्वागत करने वाले पलिया वासियों ने यह सिलसिला तब शुरू किया जब रोज की भाँति अपने तय समय पर सभी प्रशासनिक अधिकारी पलिया नगर की जनता को जागरूक करने के लिये निकले थे। पर आज पलिया वासियों तय किया कि परिश्रम और लगन से हमारी सेवा करने में जुटा यह अमला लोगों की जान बचाने में आगे हैं। इनकी सेवा के प्रति इनका सम्मान करके ही हम इनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं। पलिया के मौनी बाबा तिराहे से शुरू हुआ यह सम्मान का सिलसिला माल गोदाम रोड, तहसील रोड, नगर पालिका रोड कन्या पाठशाला रोड, चमन चौराहा रोड सहित नगर की प्रत्येक सड़क पर नगर की गलियों में भी पहुंचे। हर जगह इनका सम्मान किया गया महिलाओं ने पुरुषों ने और बच्चों ने भी सम्मान किया। देर शाम पलिया की पुलिस चौकी पर सम्मान का समापन हुआ। पुलिस क्षेत्राधिकारी राकेश कुमार नायक कोतवाल प्रभारी विद्या शंकर शुक्ला, स्किन केयर क्राइम अनिल कुमार, एएसआई अशोक कुमार, चौकी इंचार्ज उदयभान यादव एसआई मनवीर सिंह सहित पूरा स्टाफसाथ में था। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी महेंद्र कुमार चौधरी, विजेंद्र कुमार सहित पूरे स्टाफ को आज सम्मानित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलिया के अधीक्षक डॉक्टर हरेंद्र नाथ वरुण को मुख्य रूप से सम्मानित करने वालों में हिंदू युवा वाहिनी के जिला प्रभारी सतेंद्र मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष सक्षम शुक्ला व कार्यकर्ता व्यापार मंडल के महामंत्री महामंत्री चांद कुमार जैन, कोषाध्यक्ष अनिल वर्मा अनुज शुक्ला भाजपा नगर अध्यक्ष उदयवीर सिंह भाजपा नगर महामंत्री विजय गुप्ता व्यापार मंडल के आशीष अग्निहोत्री अखिलेश जायसवाल अध्यक्ष अनूप मिश्रा उनकी सुधा मिश्रा व्यापार मंडल

जफर अहमद टीटू सपा के फुरकान अंसारी अनूप गुप्ता, कांग्रेस के रिशाल अहमद, संतोष शाह मुन्ना अध्यक्ष व्यापार मंडल, राम प्रकाश पाल ,काजल सिंह, राजीव गुप्ता उर्फ डब्बू व संदीप बंसल सहित नगर की सभी लोगों ने सम्मानित किया।

वहीं गुलरिया कस्बे में एसओ भीरा प्रदीप कुमार सिंह,चौकी प्रभारी बिजुआ विपिन कुमार लॉक डाउन का पालन करने हेतु कस्बे में रूट मार्च कर रहे थे। गुलरिया में हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर पुलिस पर पुष्पों की बरसा की। इस मौके पर पुलिस प्रशासन में लोगो का आभार प्रकट किया व कोरोना महामारी को रोकने के लिये ग्रामीणो को जागरूक किया। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर हर एक ग्रामीण को कोरोना मुक्त भारत बनाना है। लॉक डाउन के नियमो का पालन करने के लिये हर क्षेत्र में लागतार पुलिस भम्रण कर रही है।

पुलिस को बंधक बना की मारपीट, फाड़ी वर्दी

संवाददाता। निघासन-खीरी

● इवेंट पर पहुँचे सिपाहियों से ग्रामीणों ने की हाथापाई

निघासन क्षेत्र के गांव नकटहा में डायल 112 के दो सिपाही अनाम श्रीवास्तव, कर्णवीर सिंह पीआरवी 3250 बाइक से गांव की निवासी कॉलर अन्नपूर्णिमा की सूचना पर इवेंट के लिए जा पहुँचे। दबंग अन्नपूर्णा से मारपीट कर रहे थे। दोनों पक्षो को समझाने बुझाने में जुटे दोनों सिपाहियों ने मामले को हर तरह से निपटाने की भरसक कोशिशें कीं पर दबंग मानने को तैयार ही नहीं थे। सिपाहियों ने जब थाने में बंद करने की बात कही तो दबंग उल्टा पुलिस से ही जा भिड़े। गांव के विजेंदर चतुर्वेदी पुत्र जगतनारायण, अंशुल पुत्र विजेंद्र, संतोष पुत्र विजेंद्र, नितेश पुत्र विजेंद्र, प्रीति पत्नी संतोष के साथ ग्रामीणों ने दोनों सिपाहियों को कमरे में ले जाकर बंधक बना लिया। सिपाही कर्णवीर सिंह ने प्रभारी निरीक्षक को शिकायत पत्र में बताया कि सुबह लगभग आठ बजे दोनों लोग गांव पहुँचे थे। कॉलर अन्नपूर्णिमा की सूचना पर वाद–विवाद को शांत कराने का प्रयास कर रहे थे लेकिन विपक्षी नहीं माने। जब पकड़कर थाने में बंद करने की बात कही उतनी ही बात पर दबंग लोगों ने गिरेबाँ पकड़कर घर के भीतर खींचते हुए चले गए और वर्दी भी फाड़ दी। किसी भी तरह से जान बचाते हुए जिला कंट्रोल रूम 112 और पीआरवी 2895 को सूचना देकर मौके की हाल हकीकत से रूबरू कराया। कुछ देर बाद निघासन कोतवाली पुलिस और पीआरवी 2895 जा पहुंची जिसे देखकर ग्रामीण और हमलावर रफूचक्कर हो गए।

पकड़ी गयी हजारों लीटर शराब

ओयल–खीरी। कस्बा ओयल के अंतर्गत ग्राम लोनपुरवा और ग्राम चिमनी में 10 बजे जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर, आबकारी निरिक्षिका राज लक्ष्मी, दीवान अजय कुमार, आरक्षी अमर सिंह, विवेक यादव, चौकी प्रभारी ओयल राज बाली, आरक्षी अंकुर तिवारी, आशीष कुमार व राहुल फ़ोगाड के साथ छापामारी करके बड़ी मात्रा में कच्ची शराब हजारो लीटर लहन भट्टी शराब बनाने वाली सामग्री को नस्ट किया। यह कार्यवाही लगभग तीन घंटे चलती रही। आबकारी

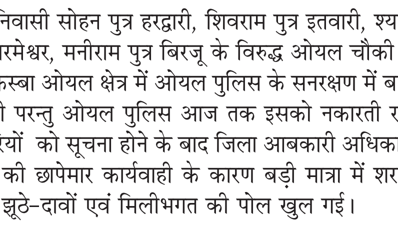

विभाग ग्राम लोनपुरवा निवासी सोहन पुत्र हरद्वारी, शिवराम पुत्र इतवारी, श्यामू पुत्र इतवारी, गोपी पुत्र परमेश्वर, मनीराम पुत्र बिरजू के विरुद्ध ओयल चौकी में मामला दर्ज कराया है। कस्बा ओयल क्षेत्र में ओयल पुलिस के सनरक्षण में बड़ी मात्रा में शराब बनती थी परन्तु ओयल पुलिस आज तक इसको नकारती रही है। परन्तु उच्च अधिकारियों को सूचना होने के बाद जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व मे पहुचे दल की छापेमार कार्यवाही के कारण बड़ी मात्रा में शराब पकड़ी गयी। पुलिस के झूठे–दावों एवं मिलीभगत की पोल खुल गई।

प्रभारी मंत्री ने कान्फ्रेंसिंग के जरिए जाना सोनभद्र का हाल

सोनभद्र। एक तरफ जहां पूरा देश कोरोना नामक वैश्विक महामारी से जूझ रहा है, वहीं दुसरी तरफभारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता लॉकडाउन के दौरान गरीब व असहाय लोगों तक लगातार भोजन पैकेट,राशन कीट, फेस कवर मास्क का वितरण कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजीत चौबे ने जानकारी देते हुए बताया की कोरोना वायरस कोविड19 के संक्रमण से रोकथाम को लेकर देश भर मे चल रहे लाकडाउन के 20 वें दिन जनपद सोनभद्र के प्रभारी मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सोनभद्र के सभी मंडल अध्यक्षों से उनके व मंडल के लोगों के बारे मे जानकारी लेने के साथ ही लाकडाउन के दौरान आम जनता को हो रही कठिनाइयो और भाजपा कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों को क्या सहयोग किया जा रहा है इसको लेकर विस्तार से जानकारी लिये जाने के साथ ही प्रभारी मंत्री डा. द्विवेदी ने मंडल वार सभी मण्डल अध्यक्षों से वार्ता कर समीक्षा की साथ ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चौबे ने बताया कि कल 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती है, लाक डाउन को देखते हुए इस बार सभी कार्यकर्ता अपने घरों पर ही अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर अंबेडकर जयंती मनाएंगे।

घर पर ही मनायें अंबेडकर जयंती

सोनभद्र। आज घोरावल मंडल के नेवारी ग्राम के मुसहर बस्ती ,पेड़, खुटहा तथा बभनी गांव के मूसहर बस्ती में मुसहर समाज के लोगों को भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे के निर्देश पर जिला सेवा प्रमुख व जिला मंत्री अजीत रावत द्वारा सैकड़ों जरूरतमंद गरीब मुसहर समाज के लोगों को नमो किट तथा मास्क का वितरण सोशल डिस्टेंस का ख्याल रखते हुए किया गया साथ ही सभी को साफ सफाई स्वच्छता का ध्यान रखने को कहां गया। 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती घर पर मनाने हेतु सभी कार्यकर्ताओं से अपील की गई।

पीएम केयर फंड में प्रबंधकों ने डीएम को दिया 5.26 लाख का चेक

पीएम केयर फंड में जिलाधिकारी को राहत चेक देने जाते स्ववित्त पोषित महाविद्यालय के प्रबंधक।

मऊ। कोरोना वायरस महामारी को हराने के लिये समाज के सभी वर्ग के लोग सहायता के लिए अब अपना हाथ आगे बढ़ाने लगे हैं। इस क्रम में सोमवार को स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्रबन्धक एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सूर्यभान यादव एवं महामंत्री संदीप तिवारी के नेतृत्व मे महाविद्यालय प्रबन्धकों द्वारा 5 लाख 26 हजार 258 रुपये जिलाधिकारी ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी को चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रबन्धकों ने कोरोना से लड़ने का संकल्प लिया और भविष्य में प्रधानमंत्री केयर फण्ड में भी अधिक से अधिक सहायता करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य रुप से डॉ. मनीष राय, डॉ. ईशदत्त 'सह, पीसी राय, डा.मनीष राय, अजीत 'सह, राजेश राय, सौरभं 'सह, राजेन्द्र यादव, बृजराज यादव, अरविन्द यादव, बिरेन्द्र यादव, रविकान्त पाण्डेय, गुलाबचन्द यादव, रामजर्न्म 'सह, पुनम यादव आदि प्रबन्धक गण उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

अपेक्स अस्पताल वाराणसी को जौनपुर के प्रयोगार्थ किया अधिकृत

जौनपुर। जिलाधिकारी दिनेश सिंह ने बताया कि शासन द्वारा कोविड.19 के संक्रमण से प्रभावित रोगियों को बेहतर उपचार की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से निजी चिकित्सालय अपेक्स हास्पिटल वाराणसी को जनपद के प्रयोगार्थ अधिकृत किया गया है जिसमें 100 शैय्या एवं 5 वेंटीलेटर की व्यवस्था होगी। उक्त अस्पताल को 5 दिवस के अन्दर चिकित्सालय को कोविड.19 संक्रमित रोगियों के उपचार हेतु शासन द्वारा निर्धारित दिशा निर्देश ;भर्ती रोगियों को डिस्चार्ज करनेए अन्य चिकित्सालयों में स्थानांतरित करनेए चिकित्सालय परिसर को सैनिटाइज करने एवं कोविड.19 से संक्रमित रोगियों के उपचार से सम्बन्धित आवश्यक संसाधनों की उपलब्धताद्ध के अनुसार तैयारियां पूर्ण कर लेंगे।

कोविड-19 जागरूकता अभियान के तहत ब्लॉक स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किया गया प्रशिक्षित

सिद्धार्थनगर। कोरोना वायरस से लोगों को जागरूक करने हेतु ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण के तहत सोमवार को खुनियांव विकास खण्ड के ग्राम पंचायत रेहरा उर्फभैसाही में प्रशिक्षकध्मुख्य सेविका उषा किरन द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित किया गया । इस दौरान प्रशिक्षक उषा किरन ने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बताया कि यदि किसी भी व्यक्ति में खांसीए जुकामए बुखार आदि लक्षण मिलता है तो सम्बंधित व्यक्ति के बारे में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर तुरंत सूचित करें । प्रशिक्षक उषा किरन ने कहा कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए आप सभी घर.घर जाकर इस महामारी के बारे में बताकर लोगों को जागरूक करें एवं अपने आसपास साफ सफाई बनाएं रखें एवं एक दूसरे से कम से कम एक मीटर की दूरी अवश्य बनाएं रखने के लिए प्रेरित करें और इस अवधि में यदि गाँव का कोई भी व्यक्ति बाहर से आता है तो कार्यकत्रियों को सर्वप्रथम अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर इसकी सूचना देनी है ताकि उनकी जांच कर क्वारेंटाइन करवाया जा सके । इस दौरान ग्राम प्रधान मेराज़ मुस्तफ़ा ने भी उपस्थित सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बताया कि लोगों को इस वायरस से बचाव के लिए सावधानी एवं साफ सफाई ही एकमात्र विकल्प है । मेराज़ मुस्तफ़ा ने कहा कि कोरोना वायरस को लेकर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं की जा रही इसके लिए प्रशासन की ओर से पूरी तैयारियां की जा रही हैं इसके लिए आप सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को घर घर जाकर कोरोना के सम्बंध में जागरूक करना होगा।

कोरोना योद्धाओं को नपा प्रशासन ने किया सम्मानित

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। स्थानीय कस्बा स्थित भारत माता चौक पर नगर पंचायत अध्यक्ष बबिता कसौधन द्वारा कोरोना योद्धाओंए नगर पंचायत सफाई कर्मचारियोंए पुलिस प्रशासन व मीडिया कर्मियों पर पुष्पवर्षा व अंगवस्त्र भेंट देकर सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष गुप्ता व तहसीलदार राजेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि सफाईकर्मीए पुलिस और मीडिया के सहयोग से लोगों को कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचाने और सही जानकारी देकर लोगों को घरों में रहने के लिए जागरूक करने का बेहतर प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत प्रशासन द्वारा सफाईकर्मियों व पुलिस कर्मियों को अंगवस्त्र प्रदान किया गया और उनके ऊपर फूलों की वर्षा कर उन्हें सम्मानित भी किया गया।

बीआरसी पर शिक्षामित्रों को प्रशिक्षण

बर्डपुर, सिद्धार्थनगर। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव को लेकर ब्लाक संसाधन केंद्र पर सोमवार को सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बर्डपुर के चिकित्सक डा. महेश प्रसाद ने कोरोना वायरस से बचाव की जानकारी दी। शिक्षामित्रों को कोरोना से संबंधित जानकारी, बचाव, भ्रम आदि पर विस्तृत चर्चा की गयी। प्रशिक्षण में कहा कि बाहर से आए हुए लोगों की जानकारी प्राप्त होने पर हुए सूचना त्वरित उपलब्ध कराए। साफ.सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

तीन माह की बच्ची भी संक्रमित, संख्या पहुंची 14- एक मौत भी

बस्ती। मृतक हसनैन के परिवार और उसके सगे संबधियों में कोरोना संक्रमित के मिलने का सिलसिला जारी है। रविवार को इस परिवार के चार और लोग पाजिटिव पाए जाने के बाद सोमवार को इसी परिवार की एक तीन माह की बच्ची भी पाजिटिव पाई गई। ताज्जुब की बात है कि बच्ची के माता-पिता दोनों निगेटिव पाए गए। अब तक हसनैन और उसके परिवार और सगे संबधियों में 14 में से 13 लोगों में कोरोना पाजिटिव पाया जा चुका है, 14वां हसनैन का मित्र है। यह सिलसिला कब थमेगा यह स्वास्थ्य विभाग के लोग भी नहीं जानते। इस तरह बस्ती में कोरोना संकमित मरीजों की संख्या 14 तक पहुंच चुकी है। इसकी पुष्टि डीएम आषुतोष निरंजन ने की। कहा कि इसे लेकर सर्तकता और अधिक बढ़ा दी गई है।

समस्त कार्डधारकों को 5 किलो नि:शुल्क चावल: डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा. रूपेश कुमार ने अवगत कराया है कि कोविड-19 की समस्या के दृष्टिगत लोगों के भरण-पोषण हेतु 15 से 25 अप्रैल तक जनपद के समस्त कार्डधारकों को 5 किलोग्राम प्रति यूनिट की दर से अतिरिक्त नि:शुल्क राशन (चावल) का वितरण किया जायेगा। उचित दर विक्रेताओं द्वारा कार्डधारकों को नि:शुल्क राशन वितरण में यदि अनियमितता बरती जाती है तो नामित नोडल अधिकारी का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा और सम्बन्धित कोटेदार के साथ-साथ नोडल अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। जिला पूर्ति अधिकारी जनपद में पूर्ति निरीक्षक के माध्यम से तथा सम्बन्धित उपजिलाधिकारी अपनी तहसील क्षेत्रान्तर्गत नि:शुल्क श्रेणी के खाद्यान्न वितरण का पर्यवेक्षण सुनिश्चित करेंगें और किसी भी प्रकार अनियमितता पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करेगे। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि जो वास्तविक गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्ति है उनके राशनकार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाकर उन्हें नि:शुल्क राशन (चावल) वितरित कराना सुनिश्चित करेगें। यदि कोई व्यक्ति, परिवार, समुदाय, कस्बा या कालोनी को होम क्वारंटाइन किया गया है तो उस तक होम डिलीवरी के माध्यम से राशन पहुँचाया जायेगा।

अयोग्य ऐप का करें इस्तेमाल: जिलाधिकारी

देवरिया। जिलाधिकारी अमित किशोर ने बताया है कि कोरोना महामारी से बचाव एवं स्वमूल्यांकन हेतु भारत सरकार द्वारा आरोग्य सेतु नाम से एक आधुनिक मोबाइल ऐप का विकास किया गया हैए जो कि कोरोना संक्रमण के खतरे एवं जोखिम का आकलन करने में नागरिकों की मदद करता है। यह मोबाइल ऐप ब्लूटूथए लोकेशन एवं मोबाइल नंबर का उपयोग कर आसपास मौजूद करोना संक्रमित लोगों के बारे में अलर्ट जारी करता है। यह ऐप एंड्रॉयडध्आई0ओ0एस0 दोनो तरह के मोबाइल ऑपरेटिंग सॉफ्टवेयर के लिए उपलब्ध है। इस ऐप के माध्यम उपयोगकर्ता द्वारा किसी भी समय पूर्व निर्धारित प्रश्नों का उत्तर देकर स्वंय अपना मूल्यांकन भी किया जा सकता है। इस ऐप के समस्त डाटा को भारत सरकार द्वारा निजता कानून के तहत सुरक्षित रखा जाता है। जिलाधिकारी ने समस्त विभाग के सभी अधिकारियोंए कर्मचारियोंए शिक्षकोंए छात्रों के साथ जन सामान्य से भी इसका प्रयोग करोना महामारी से बचाव हेतु किए जाने को कहा है।

संकट के दौर में मदद की मिसाल

लालगंज,प्रतापगढ़। जरूरतमंदों को कोरोना महामारी के दौर में मदद को लेकर भी रामपुर खास सेवा की नजीर बनकर उभर रहा है। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने क्षेत्र में मदद के साथ पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी के परामर्श पर अब लाकडाउन में दूर दराज क्षेत्र के फंसे लोगों की तरफ भी मदद का ऐसा अभियान शुरू किया है, जो कोविड–19 के लिए सरकारी उपक्रम के साथ निजी क्षेत्र में भी मदद की मिसाल बनने की ओर है। प्रमोद तिवारी व आराधना मिश्रा मोना ने कोविड–19 में संवेदनशीलता का परिचय देते हुए निजी खर्च उठाकर रामपुर खास के गांव के लिए फागिंग मशीनों को भेजवाकर संक्रमण पर नियंत्रण का अभिनव प्रयोग भी किया है। मौसम के बदलते तेवर को लेकर गांव में मच्छरों के जरियें बुखार आदि का संक्रमण न पनपने पाये इसके लिए शाम की बेला से लेकर देर रात तक प्रशिक्षित स्वयं सेवक फागिंग के जरिये संक्रमण निरोधक केमिकल का छिड़काव करने में जुटे हुये है। विधायक के निर्देश पर कोरोना संक्रमण को देखते हुए मदद और फागिंग अभियान को क्षेत्र के तीन जोन में बाटा गया है। इसके तहत रामपुर संग्रामगढ़ व लालगंज तथा सांगीपुर ब्लाकों के अन्तरगत गांव का चयन किया जा रहा है। प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने क्षेत्र के रहने वाले उन लोगों की भी सुध ली है। जो लाकडाउन के चलते मुम्बई अथवा सूरत आदि स्थानों से घर वापसी नही कर सके है। इनकी भी जानकारी जुटाकर विधायक व प्रमोद तिवारी के द्वारा उन स्थानों पर अपने स्रोत के जरिए सहायता उपलब्ध कराने की पहल सामने आयी है। कुम्भापुर के विजय कुमार गुजरात के सूरत तथा भटनी के रमाकांत पाण्डेय महाराष्ट्र के पुणे तथा मधुकरपुर के रमेश पाण्डेय राजस्थान के जयपुर व गजराही के महेन्द्र मिश्रा सूरत तथा मुम्बई के अर्रो के निशार अहमद तथा मदामई के फिरोज अहमद व भैंसना के श्रीराम वर्मा नासिक में लाकडाउन के कारण घर नही आ पा रहे है। इनकी समस्याओं तथा खाने पीने में असुविधा की जानकारी होने पर पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने इन स्थानों पर स्वयं से जुड़े लोगों के माध्यम से रविवार से मदद भेजवाना शुरू किया है। मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने बताया कि कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना लाकडाउन में प्रदेश के कई जिलों में भी लोगों की मदद को लेकर अपने सूत्रों से अभियान शुरू किया है। वहीं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने समय रहते अपनी विधायक निधि से धनराशि को कोविड–19 के तहत रामपुर खास में चिकित्सीय प्रबंधों के लिए जारी कर क्षे की अस्पतालों में भी दवाओं तथा थर्मल टेस्ट की जरूरतों में प्राथमिकता हासिल कर ली। विधायक आराधना मिश्रा मोना के प्रयास से जहां क्षेत्र में मास्क तथा अन्य राहत सामग्री बटवाई जा रही है। वहीं विधायक का अब फोकस गांव में संसाधन के अभाव में जरूरतमंद बीमार को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने तथा राशन वितरण को लेकर सरकारी मानक से बाहर के गरीबों को चिन्हित कर लाकडाउन में उन्हें सुविधाओं से लैस बनाने की ओर केन्द्रित हुआ है। इन सब की मानिटरिंग के लिए विधायक के निर्देश पर लालगंज स्थिति कैम्प कार्यालय पर सोमवार से सोशल मानक के तहत कन्ट्रोल रूम के संचालन की भी व्यवस्था दिखी है।

जनपद के 93 बैंकों को किया गया सैनिटाइज

सोनभद्र। कोरोना वायरस का संक्रमण जनपद में न फैले इसे लेकर जनपद के जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने जनपद के सभी ग्राम पंचायतों के प्रत्येक घर को सैनिटाइज करने का निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी आर के भारती को दिया है वर्तमान समय में सबसे अधिक मजदूर, किसान, वृद्ध बैंकों सें पैसा निकाल रहे है। जिसके कारण बैंकों में लंबी–लंबी लाइनें लग रही हैं बैंक के आस पास काफी ज्यादा लोग इकट्ठा हो रहे हैं सोशल डिस्टेंसिंग के लिए बैंक के लोगो व पुलिस कर्मियो द्वारा जागरूक किया जा रहा है साथ ही बैंकों को सैनिटाइज करना अत्यंत जरूरी है। इस निर्देश के क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी आर के भारती ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी 93 बैंक विकास खंड बभनी मे 4, विकास खंड दुद्धी मे 6, विकास खंड म्योरपुर मे 35, विकास खंड घोरावल मे 12, विकास खंड चतरा मे 5, विकास खंड चोपन मे 13, विकास खंड नगवां मे 5, और विकास खंड रॉबर्ट्सगंज के 13 बैंकों में एक साथ सैनिटाइज कराया गया। सभी बैंकों में 1 से 2 कर्मचारी को लगाकर बैंक के अंदर एवं बैंक के आसपास जहां लोग लाइन लगाकर खड़े हो रहे हैं उन जगहों पर सेनेटाइज कराया गया। जिससे कि संक्रमण फैलने से रोका जा सके। जनपद अभी कोरोना फ्री जिलों में है और यथासंभव यह प्रयास किया जा रहा है कि हर जगह को सैनिटाइज करते रहा जाए ताकि संक्रमण की कोई गुंजाइश न रहे । आज बैंकों के आसपास के 100 मीटर के परिधि और बैंक में जो भी जगह है उनको ब्लीचिंग पाउडर के घोल से सेनीटाइज किया गया।

दो मेडिकल हाल संचालकों के खिलाफ एफआईआर

मऊ। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप व लॉक डाउन के दौरान सोशल डिस्टेसिंग सामाजिक दूरी को लेकर अधिकारियों द्वारा सख्त फरमान जारी किया है। बावजूद इसके आए दिन कहीं न कहीं सोशल डिस्टेसिंग सामाजिक दूरी की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इस क्रम में सोमवार को शहर क्षेत्र के फातिमा चौराहा स्थित दो मेडिकल हालों पर सोशल डिस्टेसिंग सामाजिक दूरी की धज्जियां उड़ायी जा रही थी। इस दौरान जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए दोनों मेडिकल हाल संचालकों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया। औषधि निरीक्षक अरविद कुमार यादव की तहरीर पर शहर कोतवाली में दोनों मेडिकल हाल संचालकों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कर लिया गया। मेडिकल हाल संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद पूरे दिन मेडिकल संचालकों में अफरा–तफरी मचा रहा।

लॉकडाउन में सामाजिक संगठन ने समझा गरीबों का दर्द, लगातार वितरित हो रहा खाद्यान्न पैकेट

चकिया/चन्दौली। कोरोना वायरस को दुनिया में महामारी घोषित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 30 अप्रैल तक लॉक डाउन बढ़ा दिया गया हैए क्योंकि कोरोना एक संक्रामक बीमारी है एजो छुआछूत से फैलती है। क्षेत्र में लॉकडाउन से निराश्रितों के सामने भोजन का संकट आ गया है जिसको लेकर चंदौली जिला प्रशासन तत्पर हैं एइसके साथ ही कई सामाजिक संगठन भी आगे आ गए हैंएऔर जरूरतमंदों को खाना खिला रहे हैं और सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील कर रहे हैं।बताते चले कि जनसेवा सोसाइटी एवं जन सेवा समिति ट्रस्ट हर रोज वनांचल में अपना हाथ आगे बढ़ा रही हैए इसी क्रम में सोमवार को समिति के अध्यक्ष विनय जायसवाल ए एडवोकेट यशवंत एवं प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना के जिला अध्यक्ष देव जायसवाल द्वारा तिवारीपुर स्टेट बैंक पर 150 लंच पैकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विनय जायसवाल व जिलाध्यक्ष देव जायसवाल ने संयुक्त रूप से लोगों को जागरुक करते हुए कहा किए वैश्विक महामारी का रोकथाम इसका बचाव हैए हमेशा अपने हाथों को धोते रहेंए सामाजिक दूरी बनाए रखें एवं अनावश्यक रूप से बाहर ना निकले। प्रधानमंत्री जी ने आरोग्य सेतु एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए आहवान किया है उसको डाउनलोड करें। इस अवसर पर व्यापार मंडल तिवारीपुर के लाल साहब यादवए अभिमन्यु प्रजापति, विशाल सिंह राजपूत, राकेश राव, गुलफान खान मौजूद रहे।

बाहर जाएं तो मॉस्क जरूर लगाएं

- छींकने और खांसने से होने वाले संक्रमण से करेगा बचाव

गाजीपुर। कोरोना वायरस ;कोविड.19 द्ध एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने से आसानी से फैलता है। फेस कवर ;मॉस्कद्ध पहनने से किसी संक्रमित व्यक्ति से हवा में मौजूद थूक की बूंदों के माध्यम से कोरोना वायरस के स्वसन तंत्र में प्रवेश करने की सम्भावना कम रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा घर से बाहर निकलने पर हर किसी को मॉस्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है । इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई भी हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग भी लोगों को बाहर निकलने पर मास्क लगाने और घर पर मास्क बनाने के बारे में जागरूक करने में जुट गया है । इसके प्रचार.प्रसार के लिए पोस्टर और पम्पलेट का भी सहारा लिया जा रहा हैए जिसमें जिक्र है कि बाजार में मॉस्क न मिलने पर उसे आसानी से घर पर भी बनाया जा सकता है । इसके लिए मोटे फैब्रिकए काटन टी शर्ट या बनियान को परतों में काटकर मॉस्क बना सकते हैं । मोटा फैब्रिक होने से वह सुरक्षित रहेगा और उसे धोने में भी आसानी होगी । स्कार्फया रुमाल को अगर मास्क की जगह इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसके भी भी दो.तीन फोल्ड कर लें ताकि कपड़े की परतें बनी रहें । एसीएमओ डॉ के के वर्मा ने बताया कि मास्क को साबुन और गरम पानी में अच्छे से धोएं और इसे धूप में कम से कम पांच घंटे तक सूखने दें । यदि धूप उपलब्ध नहीं है तो मास्क को प्रेशर कुकर में पानी डालें और इसे कम से कम 10 मिनट तक उबालें और सूखने दें । पानी में नमक डालना बेहतर रहेगा । प्रेशर कुकर न होने पर कपड़े के मास्क को 15 मिनट तक गर्म पानी में उबाल सकते हैं । परिवार के हर सदस्य के पास कम से कम दो मास्क होने चाहिए ताकि एक को पहन सकें और दूसरे को धोकर सुखा सकें । ध्यान रहे अपने मास्क को किसी से भी शेयर न करें । जिस प्लास्टिक बैग में मास्क रखें उसे भी साबुन.पानी से ठीक से धोकर सुखा लें उसके बाद मास्क रखकर सील कर दें।

ग्रामवार लोगों का चिन्हीकरण कर बनाये जा रहे राशन कार्ड: डीएम

जौनपुर। जिलाधिकारी दिनेश सिंह ने बताया कि शासन के आदेशानुसार वंचित गरीब लोगों के राशन कार्ड बनाने का कार्य चल रहा है। मनरेगा के मजदूर, श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक, नगर पालिका/पंचायतों में रेहड़ी, ठेला लगाने का काम करते हैं और उनके राशन कार्ड नहीं बने हैं। ऐसे लोगों को चिन्हित करके उनके राशन कार्ड बनाये जाने का कार्य चल रहा है। यह कार्य लेखपालों को सौंपा गया है कि वह गांववार लोगों का चिन्हीकरण करके फार्म भरवाना सुनिश्चित करें। अब तक सभी तहसीलों में 10600 फार्म भराये चुके हैं। इनमें से 1245 लोगों के राशन कार्ड बनाकर उनको उपलब्ध कराये जा चुके हैं। अगले 3.4 दिनों में सभी 10600 लोगों को राशन कार्ड के हाथों में उपलब्ध करा दिये जायेंगे। इस कार्य के नोडल अधिकारी एडीएम वित्त एवं राजस्व और सह नोडल अधिकारी जिलापूर्ति अधिकारी व सभी उपजिलाधिकारी हैं।

एडीएम एएसपी ने नवीन मण्डी स्थल का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर। मां शीतला चौकियां धाम के पास स्थित नवीन मण्डी में अपर जिलाधिकारी एवं अपर आरक्षी अधीक्षक ने सोमवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मण्डी में सभी आढ़तियों से सामान्य दूरी से ग्राहकों को समान बेचने की हिदायत दिया। साथ ही साफसफाई को लेकर अपर जिलाधिकारी ने मण्डी समिति के सचिव ध्रुव चौधरी से कहा कि प्रकाश व सफाई की व्यवस्था को दुरूस्त रखें। वहीं मण्डी के व्यापारियों ने कहा कि मण्डी प्रतिदिन 3 बजे भोर में खुल जाता है। प्रकाश व्यवस्था न होने से आढ़तियों व व्यापारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पानी की भी किल्लत है जो गर्मी के दिनों में और बढ़ जाती है। इस पर मण्डी समिति के सचिव ध्रुव चौधरी ने शीघ्र ही समुचित विद्युत व सफाई कराने का आश्वासन दिया।

मुश्किल वक्त को अपनों के संग बनाएं यादगार

- लॉकडाउन के वक्त को छुट्टी की तरह इस्तेमाल करेंए पत्नी व बच्चों को दें समय
- सामाजिक दूरी के प्रति सजगता के साथ बनी रहे मन की निकटता

मिर्जापुर। कोरोना वायरस को मात देने के लिए घर से बाहर निकलना पूरी तरह से मना हैए ऐसे में लोग घर में मन लगाने की तरह.तरह की तरकीब आजमा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण समय को घर.परिवार के साथ बिताने के साथ ही सगे सम्बन्धियों और इष्ट मित्रों से फोन या संदेशों के आदान.प्रदान के जरिये संपर्क में रहना भी एक अच्छा तरीका साबित हो सकता है। इससे जहाँ एक.दूसरे का हालचाल जान सकेंगे वहीँ संबंधों में एक मिठास का भाव भी देखने को मिलेगा।

स्वास्थ्य विभाग के डा0 अजय का कहना है कि लॉक डाउन में लोगों की आमदनी व आजादी कम हो गयी है और उनके पास फ़लतू वक्त और असुरक्षा की भावना बढ़ गयी है लिहाजा तनाव बढ़ना लाजमी है । हम इस तनाव को नजरिया बदलकर दूर कर सकते हैं । लॉक डाउन कोरोना का फैलाव रोकने के लिए जरूरी है । दूसराए आप घर में रहकर देश समाज के लिए योगदान दे रहे हैं । तीसराए यह अनंत काल की समस्या नहीं है । यह जल्द ही ख़त्म हो जाएगा । लॉक डाउन के वक्त को छुट्टी की तरह इस्तेमाल करें । पति.पत्नी एक दूसरे को वक्त दें । बच्चों के साथ खेलें । समय बचे तो भविष्य की प्लानिंग करें। इसके साथ ही दौड़ती.भागती जिन्दगी में एकाएक आये ठहराव का असर किसी के भी आचार.व्यवहार में साफ़देखा जा सकता है। ऐसे ही समय में लोगों के धैर्य की असली परीक्षा होती है। इस समय अपनी बदली दिनचर्या में कुछ समय अपने शुभचिंतकों से फोन के जरिये जुड़कर भी पुरानी यादों को ताजा करने के साथ ही सम्बन्धों को फिर से एक ताजगी दे सकते हैं । इसके लिए भी सावधानी बरतने की जरूरत है कि एक दूसरे से फोन पर भी बात करते समय सिर्फ और सिर्फ कोरोना वायरस के खतरों के बारे में वार्तालाप न करें । अखबार.टीवी और आस.पड़ोस में लोग सिर्फ कोरोना के बारे में सुन.सुन कर ऊब चुके हैंए इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए इससे हटकर बात करने की जरूरत महसूस होती है ।

एक बुजुर्ग दम्पति ने बातचीत में बताया कि वह लोग इस लॉक डाउन के वक्त प्रतिदिन कुछ समय के लिए वीडियो काल कर बाहर रह रहे अपने नाती.पोतों के संपर्क में रहते हैं । इससे जहाँ उनका समय भी अच्छे से व्यतीत हो जाता है। इसके अलावा कुछ वक्त योगा करके तो कुछ समय पुस्तकों का अध्ययन करके बिताते हैं ए जो कि एक अलग तरह का अनुभव भरा है।

न किसी के घर जाएँ और न किसी को घर बुलाएँ रू कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव का मूल मन्त्र जरूरी सावधानी बरतने के साथ ही सोशल डिस्टेनशिंग (सामाजिक दूरी) को बरक़रार रखने में ही है। इसके लिए जरूरी है कि जब तक वायरस का खतरा बरकरार है तब तक न तो किसी के घर जाएँ और न ही किसी को अपने घर पर बुलाएं । अगर आस.पड़ोस में किसी से बात करना बहुत ही जरूरी हो तो एक मीटर की दूरी बनाए रखें । साबुन.पानी से अच्छी तरह से हाथ धोएं।

शराब बनाने व अवैध कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान: डीएम

जौनपुर। जिलाधिकारी दिनेश सिंह ने जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिया कि 14 व 15 अप्रैल को विशेष अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाय कि अवैध शराब बनाने व बेचने का कोई घटना घटित न हो। उन्होंने उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक व पर्याप्त पुलिस बल के साथ अपने क्षेत्र में उक्त तिथियों में अवैध शराब के निष्कर्षण एवं उसकी बिक्री के सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। पूर्व से संचालित विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत गठित टीमों द्वारा विशेष अभियान सम्पादित किया जाय। इसके अन्तर्गत जिन क्षेत्रों में पहले से शिकायत हैए संदिग्ध अवैध मदिरा निर्माण/बिक्री के अड्डों एवं व्यक्तियों पर अंकुश लगाते हुये इसे प्रत्येक दशा में बंद कराया जाय तथा प्रतिदिन की गयी कार्यवाही को जिलाधिकारी कार्यालय पर समय अन्तर्गत प्रेषित किया जाय।

अबूझ पहेली बना फैमिली ट्री में 'कोरोना' संक्रमण मामला

- मृत हसनैन के कोरोना पॉजिटिव मिलने की गुत्थी सुलझा पाने में नहीं मिल रही सफलता

बस्ती। कोरोना पाजिटिव को लेकर जिला रेड जोन में पहुंच गया है। अब तक यहां 14 कोरोना पाजिटव मिल चुके हैं, जिनमें एक तीन माह की बच्ची भी शामिल है। शहर के तुरकहिया मोहल्ला निवासी 25 वर्षीय हसनैन की बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर में उपचार के दौरान मृत्यु के बाद संदेह के आधार पर स्लाइबा जांच कराई गई, जिसमें कोरोना पाजिटिव की पुष्टि हुई। इसके बाद गंभीर हुए प्रशासन ने उसके परिवार, करीबियों और उसके जनाजा में शामिल होने वालो के बारे में तथ्य जुटाना शुरू किया। समूचा मोहल्ला सेनेटाइज किया गया। उसके फैमिली ट्री को खंगाला गया, ट्रैवल हिस्ट्री की जानकारी जुटाई गई, लेकिन प्रशासन के हाथ कोई खास सफलता नहीं लगी। हसैनन के परिवार ने कहीं बाहर जाने की बात को सिरे से नकार दिया। ऐसे में यह अबूझ पहेली बना हुआ है कि आखिर हसनैन कोरोना पाजिटिव हुआ कैसे।

ट्रैवल हिस्ट्री न मिलने से बढ़ी प्रशासन की चिंताएं

मृत हसनैन के स्लाइवा टेस्ट में उसके एक करीबी दोस्त और दवा की दुकान पर काम करने वाले गिदही खुर्द निवासी सेराज के कोरोना पाजिटव मिलने के बाद माना जा रहा था हसनैन को सेराज से कोरोना वायरस मिला। लेकिन समय बीतने के साथ सेराज के सम्पर्को में किसी के कोरोना संक्रमित न होने और हसनैन सहित उसकी मां, दो भाईयों, चाचा, मामा समेत उसके 12 पारिवारिक करीबी कोरोना पाजिटिव मिल चुके है। इसे लेकर प्रशासन की चिंताएं बढ़ गई हैं। कोविड–19 के संक्रमण का खतरा समय के साथ गहराता जा रहा है। उसके सगे सम्बन्धियों के आंकड़ा जुटाने के प्रयास और तेज कर दिए गए हैं। जो भी चिन्हित हो रहे हैं उन्हे क्वारंटाईन किया जा रहा है। बावजूद इसके प्रशासन अभी तक उनके सम्पर्कों की पूरी कड़ी नहीं खोज पाया है। हाट स्पाट घोषित एरिया के 1733 परिवारों की सघन जांच कराते हुए चिन्हित परिवारों का कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है, लेकिन जिस तरह कोरोना पाजिटिव के केस बढ़ रहे हैं उसने प्रशासन के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कोरोना पाजिटिव की रिपोर्ट आने के बाद सबसे पहले प्रशासन का फोकस उसकी ट्रैवल हिस्ट्री पर रहा। जिसे उसके परिवार ने सिरे से नकार दिया। परिवार के लोगो और उसके जानने वालो का कहना है कि वह पिछले कई महीने से बीमार चल रहा था और उसका यहीं इलाज चल रहा था। हसनैन के कोरोना पाजिटिव होने और उसकी कोई ट्रैवल हिस्ट्री न मिलने के कारण प्रशासन की चिंताएं बढ़ गई है। इस अबूझ पहेली की गुत्थी सुलझाने में उसे कहीं कोई कड़ी जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता नहीं मिल रहा है।

कहीं ट्रैवल हिस्ट्री छिपा तो नहीं रहा परिवार!

मृत हसनैन के कोरोना पाजिटिव पाए जाने के बावजूद परिवार द्वारा उसके कहीं बाहर जाने की बात सिरे से नकारी जा रही है। प्रशासन की जांच में भी ऐसा कोई विन्दु अब तक सामने नहीं आ पाया है जिससे उसके कहीं बाहर जाने के बारे में कोई जानकारी मिले। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि हसनैन बीमारी की अवस्था में बाहर गया था जिसमें उसके साथ कुछ पारिवारिक करीबी भी साथ में शामिल थे। कहा जा रहा है कि दवा के साथ दुआ के लिए फरवरी माह में वह अजमेर शरीफ दरगाह के उर्स में गया था, लेकिन न जाने कौन से कारण है, जिसे परिवार के लोग छिपा रहे हैं। इतना ही नहीं उसके जनाजे में शामिल होने वालो के बारे में भी पूरी जानकारी नहीं दी जा रही है। यदि उसके अजमेर शरीफ उर्स में शामिल होने की चर्चाएं आ रही हैं तो निश्चित रूप से प्रशासन को इस दिशा में भी जांच करने की जरूरत है। इसके अलावा जहां गल्ला मंडी में उसके पिता की दुकान है, उसके आस–पास के दुकानो के परिवारों का भी पता लगाकर उनकी जांच कराए जाने की जरूरत है। लोगों का कहना है कि हसनैन भी अपने पिता के साथ अक्सर दुकान पर आता था और उसके पिता के आस–पास के कुछ दुकानदारों से काफी करीबी है, जो अक्सर सामान लाने–ले जाने के लिए बाहर की यात्रा करते रहते हैं। यदि इस दिशा में तथ्यों की जांच कराते हुए उनसे जुड़े परिवारों की जांच की जाय तो संभवत: कोरोना संक्रमण के अबूझ गुत्थी को सुलझाने की दिशा में प्रशासन को सफलता मिल सके।

आगरा मॉडल की 24 घंटे में खुल गयी पोल

अब पूरा जिला संक्रमण की चपेट, एक दिन में 43 पॉजिटिव, संख्या हुई 138

संवाददाता। आगरा

आगरा के अधिकारियों का कागजी आंकड़ों से कोराना को हराने की अब्बल दर्जे की चतुराई वाला आगरा मॉडल की सच्चाई सामने आगयी है।कोरोना शहर ही नही गांव कस्बे फैल गयाए संक्रमण की चपेट अब पूरा जिला हालात बेकाबू है । एक ही दिन में 43 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव होने से दहशत फैल गई। संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 138 हो गई है।

आगरा में लगातार कोरोना पॉजिटिव केस मिलने से लोगों में दहशत बढ़ रही है।आगरा में हालात बेकाबू ए संक्रमण की चपेट अब पूरा जिला आ गया है । एक ही दिन में 43 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव होने से दहशत फैल गई। रविवार की सुबह जहां 12 लोगों में पॉजिटिव होने की पुष्टि डीएम ने की। वहीं देर रात केजीएमयू लखनऊ से आई रिपोर्ट में 31 अन्य लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई इसके बाद कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 138 हो गई। इनमें दो केस अस्पताल संचालक पिता.पुत्र भी हैंए जिनका इलाज मेदांता में चल रहा है। उत्तर प्रदेश में आगरा जिला कोरोना वायरस का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बन गया है। प्रशासन के सामने अब नई चुनौती निजी अस्पताल हैंए जिनसे जिलेभर में यह मर्ज फैला है। इनमें पारस अस्पताल और संपर्क में आए 16 पॉजिटिवए फतेहपुर सीकरी के 14 पॉजिटिवए शहर के डॉ प्रमोद मित्तल और संपर्क आए पांच पॉजिटिव शामिल हैं। रविवार सुबह प्रशासन ने 12 लोगों के संक्रमित होने की जानकारी दी थी। इनमें थाना न्यू आगरा के कौशलपुर क्षेत्र के आठ लोग हैं। दो दिन पहले यहां एक महिला में संक्रमण मिला था। सभी उसके संपर्क से संक्रमित हो गए। तीन लोग वजीरपुरा के हैंए वह जमातियों के संपर्क से संक्रमित हुए। इधरए देर रात 31 और लोगों के संक्रमित होने की जानकारी मिलते ही दहशत फैल गई। इनमें 13 महिलाएं और 18 पुरुष हैं। इतनी बड़ी संख्या में पहली बार महिलाएं संक्रमित मिली हैं। इधरए देर रात 174 लोगों की लिस्ट केजीएमयू ने जारी की जिसमें से 31 पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें 10 डाक्टरों के भी नमूने भेजे गए थेए जिनमें एक पॉजिटिव और नौ नेगेटिव मिले हैं। आगरा में एक बार फिर कोरोना का कहर देखा जा रहा है। सोमवार को यहां एक दिन में 35 नए मामले सामने आने के बाद प्रशासन में फिर हड़कंप मच गया है। अचानक से संक्रमितों की संख्या में हुई बढ़ोत्तरी ने एक बार फिर से इस बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने शनिवार को दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान आगरा मॉडल को रोल मॉडल बताते हुए पूरे देश को इसे फॉलो करने को कहा। और अगले ही दिन रविवार को आगरा में संक्रमण के 12 नए कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ गए। इसके बाद आज भी 35 लोग पॉजिटिव पाए गए।

पात्रों को निशुल्क मिलेगा पांच किलो चावल

● डीएम ने उचित दर विक्रेताओं को समय से राशन वितरित करने के दिए निर्देश

संवाददाता। कन्नौज

सभी पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति युनिट 5 किलोग्राम के हिसाब से नि:शुल्क चावल वितरित किया जाये। कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुये सभी उचित दर दुकानों पर साबुन, पानी, सैनेटाइजर की उपलब्धता शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाये। सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन शत-प्रतिशत किया जाये। उक्त निर्देश जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने आगामी 15 अप्रैल से 26 अप्रैल 2020 तक नि:शुल्क चावल वितरण से संबंधित अधिकारियों को देते हुये कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (नि:शुल्क) के अन्तर्गत सभी अन्त्योदय कार्ड धारको को 5 किलोग्राम प्रति यूनिट के हिसाब से नि:शुल्क चावल वितरित किया जाये। उन्होनें निर्देशित करते हुये कहा कि प्रत्येक उचित दर दुकान पर साबुन, पानी, सैनेटाइजर पर्याप्त मात्रा में रखा जाये। इस संबंध में लापरवाही किसी भी दशा में न बरती जाये तथा कोई भी पात्र चावल लेने से वंचित न रहे। उन्होनें निर्देश दिये कि प्रत्येक लाभार्थी मास्क, गमछा, रूमाल आदि से मुंह ढक कर ही उचित दर दुकान पर खाद्यान्न लेने जायेगा तथा सोशल डिस्टेसिंग का भी ध्यान रखेगा। उन्होनें कहा कि लाभार्थियों के अतिरिक्त विक्रेता द्वारा भी मास्क, गमछा, दुपटटा, रूमाल आदि से मुंह ढक कर ही वितरण आदि की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उन्होनें यह भी निर्देश दिये कि ई-पाश मशीन का प्रयोग करने से पूर्व एंव वितरण के पश्चात कार्ड धारक अपने हाथ साबुन/सैनेटाइजर से अवश्य धुलेगें तथा सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुये प्रत्येक लाभार्थी एक-दूसरे से न्यूनतम 1 मीटर की दूरी बनाये रखेगें।

क्विक न्यूज

घर न जाने देने पर भड़के क्वारंटीन मजदूर

बांदा। क्वारंटीन के 14 दिन पूरे हो जाने के बाद भी क्वारंटीन की अवधि बढ़ा देने से मजदूर भड़क उठे। उनका कहना था कि उन्हें स्वस्थ होने का प्रमाणपत्र जारी कर दिए जाने के बाद क्यों रोका जा रहा हैघ् मजदूरों ने खाने का बहिष्कार कर दिया। उधर एसडीएम बोले कि उनका काम खाना देना है खिलाना नहीं। तेरहीमाफी गांव स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय को क्वारंटीन सेंटर बनाया गया है। यहां 331 मजदूर रखे गए हैं। इनके 14 दिन की क्वारंटीन अवधि 11 अप्रैल को पूरी हो गई। शनिवार को पीएचसी की टीम ने इनका स्वास्थ्य परीक्षण करके सभी को स्वस्थ पाया। वहां मौजूद एसडीएम सुरजीत सिंह नायब तहसीलदार राजकुमार भदौरिया ने भरोसा दिलाया कि रविवार को सभी मजदूरों को बसों से उनके घर भेज दिया जाएगा लेकिन रविवार को एसडीएम ने आकर कहा कि लॉकडाउन तक मजदूरों को यहीं रहना होगा। इस पर मजदूर भड़क गए। हंगामा होते देख एसडीएम ने विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला डलवा दिया। मजदूरों ने खाना खाने से इनकार कर दिया। एसडीएम का कहना था कि उनका काम खाना देना है खिलाना नहीं। मजदूरों ने खाना नहीं खाया। अलबत्ता वहां ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने दोपहर का खाना खाया। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। वहीं लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर थाना पुलिस ने 17 लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पांच लोगों पर अफवाह फैलाने का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने वैभव रैकवार रामशरण अंकित नामदेव छत्रपाल राहुल गुप्ता संजय सिंह पंकज नत्थू लवलेश दिलीप धर्मेंद्र राजा रमेशचंद्र वाजपेयी योगेश कुमार व अजय कुमार के विरुद्ध महामारी अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज की है।

14 मेडिकल कर्मियों और 13 मजदूरों की भी रिपोर्ट निगेटिव

बांदा। कोरोना का संदिग्ध मामला मान जांच के लिए भेजे 14 स्वास्थ्य कर्मियों और 13 महानगरों से लौटे मजदूरों की जांच रिपोर्ट भी निगेटिव निकली है। राजकीय मेडिकल कालेज के 5 डाक्टर 7 टेक्नीशियन और 2 नर्स तथा विभिन्न क्वारंटीन सेंटरों के 13 मजदूरों के सैंपल लेकर जांच के लिए लखनऊ भेजे गए थे। ये स्वास्थ्य कर्मी मेडिकल कालेज के आईपीडी डिपार्टमेंट के हैं। रविवार को मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि संजय गांधी पीजीआईएमएस से इन सभी की रिपोर्ट मिल गई है। सभी निगेटिव हैं। सभी को क्वारंटीन सेंटर भेज दिया गया है। उधर प्रधानाचार्य डॉण् मुकेश कुमार यादव ने बताया कि शनिवार की देर शाम आइसोलेशन वार्ड में 11 लोग और भर्ती किए गए हैं। नोएडा से लौटे दो प्रवासी मजदूर भी शामिल हैं। दोनों चित्रकूट जिला अस्पताल से यहां रेफर किए गए हैं। उधर क्वारंटीन वार्ड में 25 लोग भर्ती हैं। इनमें 16 की जांच रिपोर्ट आना शेष है। उन्होंने बताया कि सर्दी.जुकाम वाले 20 अन्य संदिग्ध लोगों के नमूने जांच को भेजे जा रहे हैं।

आइसोलेट कोच के बाद पीपीई किट तैयार करने में जुटा रेलवे

बरेली। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम के लिए रेलवे हर संभव कोशिश कर रहा है। इज्जतनगर यांत्रिक कारखाना ने कोरोना वायरस से लड़ने वालों के लिए पर्सनल प्रोटेक्शन इक्विपमेंट किट (पीपीई) तैयार की है। वैसे तो सबसे पहले उत्तर रेलवे के जगद्धात्री वर्कशॉप में यह पीपीई किट बनकर तैयार की गई थी। जिसके बाद इज्जतनगर कारखाना ने इसे तैयार किया है। कारखाना द्वारा निर्मित किट को रेलवे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने स्वीकृति दे दी है। अब कारखाना 3750 और यांत्रिक विभाग 3750 कुल 7500 पीपीई किट बनाने जा रहा है। यांत्रिक कारखाना के प्रबंधक राजेश अवस्थी ने बताया कि शारीरिक दूरी का पालन करते हुए और सावधानी के साथ इस किट को तैयार किया जा रहा है। एक दिन में करीब 100 किट तैयार होंगी। बाजार में यह किट उपलब्ध न होने के कारण रेलवे इसे तैयार कर रहा है। पीपीई किट पहनने वाले के लिए जितना सुरक्षित है, उतना ही उसे बाहर से छूना खतरनाक होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि संक्रमित स्थल पर काम करने के दौरान कोरोना वायरस किट के ऊपर चिपक जाते हैं। इसलिए इसे पहनने से अधिक इसे उतारने में सावधानी बरतनी पड़ती है। डॉक्टर और मेडिकल स्टाफको सिर से पांव तक संक्रमण से बचाव के लिए इसे पहनना होता है। पीपीई किट में ग्लव्स, मेडिकल मास्क, गाउन, शू कवर और गर्दन तक को ढकने वाली टोपी आदि सामान है। इस किट से संक्रमण न फैले इसलिए उतारते ही इसे सैनिटाइज करके तुरंत नष्ट कर दिया जाता है।

अनियमित्तायें मिलने पर कुआगांव में उचित दर विक्रेता का अनुबंध निलम्बित

ललितपुर। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार खण्ड विकास अधिकारी बार एवं अखिलेश कुमार तिवारी पूर्ति निरीक्षक तहसील महरौनी द्वारा 11 अप्रैल 2020 ग्राम पंचायत कुआगांव के कोटेदार रामवती के वितरण की जांच संयुक्त रूप से की गयी। मौके पर उपस्थित राशनकार्ड धारको द्वारा अवगत कराया गया कि उनके पास जॉव कार्ड होने के बाद भी उनसे राशन का पैसा लिया साथ ही कार्डधारको को उनके राशनकार्ड पर निर्धारित मानक एवं मूल्य से अधिक मूल्य लिया गया तथा मानक से कम मात्रा में राशन दिया विक्रेता का यह कृत्य उसके द्वारा निष्पादित अनुबन्ध की शर्तो का घोर उल्लघंन है। मौके पर कार्डधारक सुनीता पत्नी महेश, प्रियंका पत्नी बालकृष्ण, भानुप्रताप, छन्नू, राजेश सिंह ने घटतौली व निर्धारित से अधिक शुल्क वसूले जाने की शिकायत दर्ज करायी। बताया कि विशेष सचिव शासन व जिलाधिकारी के आदेश पर समस्त अन्त्योदय कार्डधारक, पात्र गृहस्थी कार्डधारकों में सम्मिलित मनरेगा जॉब कार्डधारक, पात्र गृहस्थी कार्डधारकों में सम्मिलित श्रम विभाग में पंजीकृत निर्माण श्रमिक, पात्र गृहस्थी कार्डधारकों में सम्मिलित दिहाड़ी मजदूर, जो नगर निकाय विभाग में पंजीकृत है। उक्त विक्रेता श्रीमती रामवती ग्राम पंचायत कुऑगॉव ब्लाक बार तहसील महरौनी द्वारा राशन कार्डधारकों/जॉबकार्डधारकों को मानक के अनुसार नि:शुल्क वितरण न करके अपने लाभ के लिए अनुचित तारीके से अधिक मूल्य लिया गया है । विक्रेता द्वारा बरती गयी उक्त अनियमितता गम्भीर प्रकृति की है तथा शासनादेशों के स्पष्ट उल्लंघन के साथ उ0प्र0 आवश्यक वस्तु (विक्रय एवं वितरण नियंत्रण का विनियमन) आदेश 2016 में निहित प्राविधानों एवं अनुबन्ध पत्र की शर्तो का स्पष्ट उल्लंघन है जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 यथा संशोधित की धारा 3/7 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध है।

चौदह दिन पार कर चुके सात सौ लोगों को डाक्टरी परीक्षण के बाद क्वाइन्टेन सेटरों से किया गया मुक्त

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में क्वाइंटेंन सेंटर में 14 दिनों की अवधि पार कर चुके सात सौ लोगों को आज सोमवार को क्वाइन्टेन सेटर से मुक्त कर दिया गया है। इन लोगों ने राहत की सांस ली है। मुख्य विकस अधिकारी (सीडीओ) चित्रसेन सिंह ने बताया कि लाक डाउन के चलते विभिन्न जनपदो व प्रांतो से आने वाले 1850 लोगों को विद्यालयों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो में क्वाइटेन किया गया है जिसमें आज तक सात सौ लोग 14 दिन की अवधि पार कर चुके थे इसलिये सभी को आज मुक्त कर दिया गया है और उन्हे विशेष हिदायत दी गयी है कि जब तक लाकडाउन रहेगा तब तक वह घर से वाहर नही निकलेगे। होम क्वाइन्टेन व क्वाइन्टेन सेंटरो में कुल मिलाकर 9851 लोगो को क्वाइन्टेन किया गया है। जो लोग 14 दिनकी अवधि पार करते जा रहे है उन्हे छोड़ा जा रहा है क्योकि जो लोग होम क्वाइटेन है उन्हे भी हिदायते दी जा रही है ताकि लोग घर पर ही रहे। वही शिक्षकों ग्राम विकास अधिकारियों को सख्त आदेश दे दिये गये है कि क्वाइन्टेन सेंटर से मुक्त होने वाले लोगो पर विशेष नजर रखी जाये।

क्विक न्यूज

दर्दनाक सड़क हादसे में तीन की मौत

शाहजहाँपुर। सोमवार को जिले की तहसील जलालाबाद में हुए एक दर्दनाक रोड हादसे में तीन लोगो की मौके पर मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सुचना पर पौची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मिली जानकारी के अनुसार कस्बा जलालाबाद कोतवाली क्षेत्र के गाँव मालूपुर की है। जहाँ आज सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार सभी छिटक कर दूर जा गिरे। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक चला रहे ग्राम सियूरा थाना जैतीपुर निवासी अशोक पुत्र रामपाल व उसकी मौसी ग्राम जिगनिया थाना जैतीपुर निवासी जयमाला पत्नी रोशन लाल व जयमाला की लड़की सुमन का 7 वर्षीय पुत्र अंकित की मौके पर मौत हो गई। बाइक पर सवार जयमाला की लड़की सुमन पत्नी संजीव निवासी ग्राम चिकिटिया थाना मिर्जापुर और सुमन का तीन बर्ष का बेटा आयुष गम्भीर रूप से घायल हो गया है। मौके पर पहुँची जलालाबाद पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ केंद्र जलालाबाद पर शवों का पंचनामा भरकर पोस्ट मार्टम के भेज दिया। वहीं घायल माँ बेटे को जिला अस्पताल रेफर किया।

डीएम ने गेहूं खरीद में सोशल डिस्टेंसिंग को चेक किया

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डा. शिवा सिम्मी चन्नप्पा ने तिलहर मण्डी में गेंहू क्रय केन्द्र व पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिरियागंज नगर क्षेत्र तिलहर में कम्युनिटी किचन का दौरा कर सोषल डिस्टेंसिंग को चेक किया किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने गेंहू लेकर आए किसानो व मौजूद स्टाफको हर हाल में नियमों के पालन की नसीहत करते हुए हिदायतों को सशर्त मैंने की नसीहत की इस अवसर पर जिला अधिकारी ने गेंहू की नमी की चेक की और कहा कि समस्त सरकारी गेंहू क्रय केन्द्र 15 में अप्रैल से गेंहू खरीद की जायेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को गेंहू क्रय केन्द्रों पर आने के लिए पास जारी किये जाये और किसान भाईयों को बैठने के लिए बेंच एवं छाया तथा पीने हेतु स्वच्छ जल की व्यवस्था पहले से ही कर ली जाये। क्रय केन्द्रों पर कोविड 19 के दृष्टिगत हाथ धोने के लिए साबुन, सेनेटाइजर तथा बाल्टी, मग्घा आदि का होना अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने कहा कि गेंहू खरीद के समय सोशल डिस्टेंसिंग पर विशेष ध्यान दिया जाये अन्यथा सम्बन्धित अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए विधिक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने मण्डी आये लोगों से भी अपील की कि कोरोना जैसी वैष्विक महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बहुत जरूरी है इसलिए आवष्यक कार्य से ही घर से बाहर निकले यथा घर पर ही रहे। श्री सिंह ने कहा कि लॉकडाउन का पालन कड़ाई से कराया जाये। लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही की जायें। इसके उपरान्त जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय विरियागंज नगर क्षेत्र तिलहर में कम्युनिटी किचन का निरीक्षण किया और भोजन की गुणवत्ता चख कर देखी।

19 शराब भट्ठियां पकड़ीं, 360 लीटर शराब बरामद

फतेहपुर। कोविड-19 के चलते जिले में चल रहे लाकडाउन का पालन सख्ती से कराये जाने के लिए जिलाधिकारी संजीव सिंह एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के संयुक्त दिशा-निर्देशन में जिले की पुलिस व आबकारी की संयुक्त टीमों द्वारा सभी स्थानों पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। मुखबिर की सूचना पर जहानाबाद व बकेवर पुलिस ने आबकारी विभाग के साथ अलग-अलग दो स्थानों पर छापेमारी करके जहां 19 शराब भट्ठियों का भंडाफोड़ किया वहीं 360 लीटर शराब बरामद की है। टीम ने दोनों स्थानों से 2300 कुन्तल लहन के साथ ढाई दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अन्य शराब माफियाओं के बीच हड़कम्प मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार जहानाबाद थाना क्षेत्र कंजरन डेरा मजरे नोनारा में शराब भट्ठी धधकने की पुलिस को सूचनाएं मिल रही थी। जिस पर सोमवार को जहानाबाद थानाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा अपने हमराही उपनिरीक्षक आनन्द पाल सिंह उपनिरीक्षक विवेक कुमार, उपनिरीक्षक सुधांशु शेखर, उपनिरीक्षक मेहरबान सिंह, उपनिरीक्षक चन्द्रदीप प्रसाद, हेड कांस्टेबिल कृष्ण पाल सिंह, हेड कांस्टेबिल गुलाब सिंह, हेड कांस्टेबिल गोविन्द सिंह, सीमा यादव व सुमन यादव के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुए धधक रही चार शराब भट्ठियों का भंडाफोड़ करते हुए मौके से 130 लीटर देशी शराब व 1100 कुन्तल लहन बरामद करते हुए इस कार्य में लिप्त रेखा पत्नी सुनील गिहार, भुल्लन पुत्र गोरेलाल, सुरजन पुत्र स्व0 भिक्खा, चच्चू पुत्र राम प्रसाद, महेश पुत्र शिवलाल, बहादुर पुत्र कुंजा, राम किशोर पुत्र उल्ला, राहुल पुत्र चंदी, केशव पुत्र मन्ना, संजोग पुत्र स्व0 गोरेलाल, सर्वेश पुत्र गट्टू व शिवराम पुत्र स्व0 रामराज निवासीगण कंजरन डेरा मजरे नोनारा को गिरफ्तार किया है। उधर बकेवर थाना क्षेत्र के कंजरन डेरा मजरे बेंता गांव में अवैध शराब भट्ठियां धधकने की सूचना पर बकेवर थाना प्रभारी अरविन्द कुमार गौतम, निरीक्षक संजीव कुमार ने भारी पुलिस बल के साथ छापामारी अभियान चलाया। जिसमें पन्द्रह शराब भट्ठियों को नष्ट कराया गया। टीम ने मौके से 230 लीटर शराब बरामद करते हुए 1200 कुन्तल लहन को नष्ट कराया। पुलिस द्वारा ताबड़तोड़ की गयी इस कार्रवाई से शराब माफियाओं के बीच हड़कम्प मचा रहा। टीम ने मौके से महिला समेत पन्द्रह लोगों को हिरासत में ले लिया है।

डॉक्टरी परीक्षण कराकर घर तक भेजें: डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी शेषमणि पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने लॉकडाउन के मद्देनजर जिले का भ्रमण किया। उन्होंने सीतापुर एवं शिवरामपुर में बने आश्रय स्थलों में भोजन की गुणवत्ता देखी। सोमवार को डीएम-एसपी ने आश्रय स्थल में रुके लोगों से सोशल डिस्टेन्स बनाये रखने को कहा। अपने आस-पास साफसफाई रखने के निर्देश दिए। ड्यूटी में लगे कर्मचारीगणों को निर्देश दिए कि जिनके 14 दिन हो गये है। उनकी डॉक्टरी परीक्षण कराकर स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र जारी कर सरकारी वाहन से उनके घर तक भेजा जाये। चित्रकूट-बांदा बार्डर भरतकूप में ड्यूटी में लगे सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिनके 14 दिन हो गये हैं उनके स्वास्थ्य प्रमाण पत्र चेककर उनको गन्तव्य तक जाने दिया जाए। डीएम-एसपी ने शिवरामपुर-भरतकूप मार्ग पर पड़ने वाले समस्त बैंकों को चेक किया। भीड़ को बताया कि सोशल डिस्टेन्स का पूर्णतया पालन किया जाए। डियूटी पर लगे कर्मचारियों को सोशल डिस्टेन्स का पालन कराने के निर्देश दिये।

बाघ के हमले से चरवाहा घायल,पाठा के बीहड़ से लगे इलाकों में जारी किया गया अलर्ट

चित्रकूट। विध्यपर्वत श्रृखला मे पन्ना टाइगर रिजर्व से आये बाघ ने चरवाहे पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आसपास के ग्रामीणो की आवाज सुन बाघ चरवाह को छोड कर भागा । मामला उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश से सटे मझगवां रेंज के चितहरा जंगल का है। सोमवार की सुबह सितहरा ग्राम पंचायत के कुसियार गांव निवासी रामप्रताप पिता कल्लू सिंह उम्र 55 वर्ष जंगल में बकरी चराने गया था बाघ ने अचानक हमला बोल दिया चरवाहे की आवाज सुन आस पास के ग्रामीणो ने शोर मचाने पर बाघ चरवाहे का छोड जगल मे की तरफचला गया । घायल को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां में भर्ती किया गया है बीएमओ डा. तरुण कांत त्रिपाठी ने बताया कि घायल के दाहिने पैर में बाघ ने प्रहार किया है.बाघ के पंजे के निशान बने हुए है। उसका इलाज किया जा रहा है ।सीमा से लगे मध्यप्रदेश के इलाके में बाघ की लोकेशन पर सेच्युरी विभाग सक्रिय हो गया है। ग्रामीणो से जगलो मे न जाने और मवेशियों को न छोड़ने की अपील की है।

लाइनमैन की मौत के मामले में एसडीओ सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। हाईटेंशन लाइन सही करते समय लगे बिजली के करंट से बीते दिवस लाइनमैन की मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक के भाई ने एसडीओ जेई व एसएसओ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के गांव अहिमलापुर निवासी प्रमोद कुमार पुत्र रामचन्द्र सिंह 35 वर्ष थाना जहानगंज क्षेत्र स्थित नहरैया पॉवर हाउस पर लाइनमैन के पद पर काम कर रहा था। बीते दिवस सांय लगभग 7 बजे नहरैया पॉवर हाउस के जेई मासूम अलीए एसडीओ रघुनाथ तित्याल के आदेश पर थाना क्षेत्र के गांव भोजपुर व कर्बला के बीच हाईटेंशन लाइन का फाल्ट सही कर रहा था। प्रमोद कुमार उस फाल्ट को सही करने के लिए एसएसओ सुघर सिंह उर्फ सत्यभान से शटडाउन लेकर गया था। अजय प्रताप सिंह पोल पर चढ़कर फाल्ट सही करने लगा उसी समय 7 बजकर 21 मिनट पर एसएसओ सुघर सिंह उर्फ सत्यभान ने शटडाउन बिना वापस लिये लाइन को जोड़ दिया जिसकी वजह से लगे करंट की चपेट में आने से प्रमोद कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गये। मृतक के भाई अजय प्रताप सिंह ने एसडीओ रघुनाथ तित्यालए जेई मासूल अली, एसएसओ सुघर सिंह उर्फ सत्यभान के खिलाफ; मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लॉकडाउन का पालन कराने डीएम एसपी नगर सड़कों पर पैदल निकले

संवाददाता। फर्रुखाबाद

कोविड.19 के चलते जिले में लागू लॉक डाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए आज जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल मिश्र नगर की गलियों में खूब पैदल घूमे। फतेहगढ़ से चलने के बाद लालगेट सराय में पैदल जा रही मुस्लिम मलिहाओं को रोककर उनके पर्चों का सत्यापन किया। जिलाधिकारी ने मऊदरवाजा स्थित एसबीआई की शाखा पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न होने पर नाराजगी जताई। इस पर खफा पुलिस अधीक्षक ने बैंक के गार्ड को जमकर खरी.खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि चाहे धूप में खड़ा होना पड़े। सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह पालन हो। रेलवे रोड स्थित एक बैंक मैनेजर को फटकारा। गुरुगांव देवी मंदिर तक पहुंचे डीएम व एसपी को बजरिया चैकी के निकट जनसेवा केन्द्र खुला मिला जिस पर उन्होंने संचालक की जमकर क्लास ली और बंद कराया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने फतेहगढ़, बढ़पुर, फर्रुखाबाद शहर की छोटी छोटी गलियों एवं खुदागंज का भ्रमण कर लॉक डाउन का लिया जायजा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य बैंक जाते समय या दुकान से सामान या दवा लेते समय लाइन में खड़े होने की डाले आदत। सोशल डिस्टेसिंग का पूर्णत: पालन किया जाए । लॉक डाउन एवं सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध दण्डात्मकविधिक कार्यवाही की जाएगी।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कम्यूनिटी किचन नगर पंचायत कमालगंज का निरीक्षण कर भोजन गुणवत्ता का लिया जायजा।कम्यूनिटी किचन में केवल भूंख-बेसहारा,गरीब व्यक्तियों को ही कराया जाए भोजन। भोजन बनाने वाले व्यक्ति भी स्वच्छता का रखे विशेष ध्यान। कम्यूनिटी किचन में बनाया जाए सादा भोजन। कोई भी गरीब एवं बेसहारा व्यक्ति भोजन से वंचित न रहे ।गरीब,असहाय एवं जरूरतमदों को कम्यूनिटी किचन में कुर्सी पर बैठा कर ससम्मान भोजन कराया जाए।

आरोग्य सेतु ऐप से कोरोना संक्रमित लोगों से करता है अलर्ट

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी डॉ. मन्नान अख्तर ने बताया है कि वर्तमान में कोरोना महामारी देश व प्रदेश में फैली हुई हैं। इससे बचाव एवं उपचार हेतु उत्तर प्रदेश के समस्त विभाग आपसी सामंजस्य बनाते हुए कार्यरत हैं। कोरोना महामारी से बचाव एवं स्वमूल्यांकन हेतु भारत सरकार द्वारा 'आरोग्य सेतु' नाम से एक आधुनिक मोबाइल ऐप का विकास किया गया है, जो कि कोरोना (कोविड-19) वायरस संक्रमण के खतरे एवं जोखिम का आंकलन करने में नागरिकों की मदद करता हैं। यह मोबाइल ऐप ब्लूटूथ, लोकेशन एवं मोबाइल नम्बर का उपयोग कर आसपास मौजूद कोरोना संक्रमित लोगो के बारे में एलर्ट जारी करता हैं। इस ऐप के माध्यम से उपयोगकर्ता द्वारा किसी भी समय पूर्व निर्धारित प्रश्नों का उत्तर देकर स्वयं अपना मूल्यांकन भी किया जा सकता है। इस ऐप के समस्त डाटा को भारत सरकार द्वारा निजता कानून के तहत सुरक्षित रखा जाता हैं।

व्यापार मंडल ने प्रशासन को सौंपी राशन सामग्री

औरैया। कोरोना वायरस महामारी के चलते गरीब एवं असहाय व जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए सोमवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राजेश बाजपेई उर्फ बबलू के नेतृत्व में कई व्यापारियों ने मिलकर शहर के जालौन चौराहा के समीप स्थित जानकी वाटिका पहुंचकर उप जिलाधिकारी सदर विजेता सिंह तथा सीओ सिटी सुरेंद्र नाथ को राहत सामग्री के तहत 05 कुंतल आटा, डेढ़ कुंतल चावल, 90 किलोग्राम अरहर की दाल, 96 बोतल सरसों का तेल, 225 किलोग्राम आलू, 100 किलो ग्राम नमक तथा 60 पैकेट सब्जी मसाला के उपलब्ध कराए। व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री बाजपेई ने बताया कि उनके संगठन व व्यापारियों के सहयोग से आगे भी ऐसे संकट के समय में असहाय लोगों की मदद के लिए कार्य किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री विपिन मित्तल के अलावा जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार विश्नोई, जिला महामंत्री स्वतंत्र अग्रवाल, नगर अध्यक्ष अमर विश्नोई, नगर कोषाध्यक्ष अनिल पोरवाल, नगर महामंत्री उमेश वर्मा, के0के0 चतुर्वेदी, प्रशांत चतुर्वेदी समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

मरकज के आसपास ठहरे थे जिले के 11 लोग, सूची जारी

हमीरपुर। शासन द्वारा दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित मरकज के आसपास क्षेत्र में एक या एक दिन से अधिक ठहरने वाले जिले के 11 लोगों की सूची जारी की है। अभी तक 6 जमातियों के नमूने जाँच के लिए भेजे गए है जिदमे दो के निगेटिव प्राप्त हुए है। दो अप्रैल को मुख्यालय के दो जमातियों को पुलिस द्वारा क्वारंटाइन कराया गया था। इसके अलावा जिले के अलग अलग स्थानों पर रुके जमातियों की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है। जिसके चलते रविवार को सुमेरपुर पुलिस ने क्षेत्र के बरुआ गांव से एक जमाती को पकड़ क्वारंटाइन कराया था। सीओ सदर अनुराग सिंह ने बताया कि जारी की गई सूची में शामिल लोगों का विश्लेषण व सत्यापन कराया गया है। उनमें कोई जमाती नहीं पाया गया। सभी किसी अन्य काम से आसपास के क्षेत्र में गए थे। बांदा के बबेरू क्षेत्र के बरेठा गांव निवासी शहामत पुत्र शहादत को मौदहा कोतवाली पुलिस ने संदिग्धावस्था में कस्बे की मस्जिद से पकड़ा है।

समाजसेवियों ने पुलिस, मीडिया व सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

उरई (जालौन)। सोमवार को कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन के 20 वें दिन मोहल्ला राजेंद्र नगर के समाजसेवियों ने इस दौरान अपनी ड्यूटी का निष्ठापूर्वक पालन करने वाले पुलिस महकमे के साथ ही नगर को स्वच्छ बनाये रखने में जुटे सफाई कर्मियों के साथ ही जनपद के बारे में समाचारों का संकलन करने वाले मीडिया कर्मियों को सम्मानित कर सभी से लॉकडाउन का पालन करने का अनुरोध किया गया। मोहल्ला राजेंद्र नगर के जागरूक समाजसेवी रामनरेश गुप्ता भाईजी, मनोज महाराज दमरास, अनिल गुप्ता, सुनील गुप्ता, डा. विनोद पुरवार, बलजीत गुर्जर, अरविंद चौहान, बृजभूषण सिंह, डा. रविशंकर, अनिल तिवारी बब्लू भइया सभासद, अनूप गुप्ता, रामजी, जीतू आदि ने कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन के दौरान जहां पुलिस महकमे ने जिस प्रकार से अपनी भूमिका को रेखांकित कर लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखकर अपनी ड्यूटी ईमानदारी से की इसके लिये शहर कोतवाल शिवगोपाल वर्मा, सेकेंड अफसर बृजकिशोर मिश्रा, प्रमोद, गौरव, सचिन, बृजेंद्र भदौरिया, आशुतोष सिंह को सम्मानित किया तो वहीं कठिन परिस्थितियों में सजगता के साथ खबरों का संकलन कर उन्हें समाचार पत्र के माध्यम से जनता के बीच पहुंचाने में जुटे पत्रकार राजेश द्विवेदी, आशुतोष शर्मा, मयंक सैनी सहित अनेकों मीडिया कर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

गरीब व बेसहारों का सहारा बनी श्री बालाजी नवयुवक समिति

● लॉकडाउन अवधि में अबतक 396 परिवारों को उपलब्ध करा चुकी है, राशन सामग्री

● ग्रामीण क्षेत्र में जरूरतमंद को खोजकर कर रही मदद

संवाददाता। उन्नाव

कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉक डाउन ने दिहाड़ी मजदूरों सहित तमाम गरीब व बेसहारा लोगों को भुखमरी की स्थिति में पहुंचा दिया है। ऐसे में जब मदद के लिए प्रशानिक कवायदें नाकाफी साबित हो रही हैं, तब सेवा भाव से प्रेरित लोग व स्वयंसेवी संस्थाएं आगे बढ़ कर भूंख से निढाल होते लोगों का सहारा बन रही हैं। बीघापुर तहसील क्षेत्र में श्री बालाजी नवयुवक सेवा समिति जरूरतमंदों के लिए संजीवनी का काम कर रही है। समिति के सदस्य ग्रामीण आंचल में गरीब परिवारों को खोजकर राशन व अन्य बुनियादी मदद पंहुचा रहे हैं। इस राह में विभिन्न माध्यमों से मिलने वाली सूचनाओं के अलावा डीएम व एसडीएम को कंट्रोलरूम से मिलने वाली स्थानीय सूचनाओं पर भी समिति ही काम कर रही है।

श्री बालाजी नवयुवक सेवा समिति द्वारा लॉक डाउन अवधि में राहत सामग्री उपलब्ध कराने का कार्यक्रम 26 मार्च से अनवरत जारी है। इस संदर्भ में हुई बातचीत के दौरान समिति के अध्यक्ष अनिल वर्मा ने बताया कि 10 अप्रैल तक बीघापुर तहसील के अंतर्गत आने वाले बिहार, बारा व बीघापुर थाना क्षेत्रों में 396 बेसहारा व अत्यंत गरीब परिवारों को करीब एक सप्ताह की राशन सामग्री प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के माध्यम से वितरित कराई जा चुकी है। इसके अलावा करीब एक दर्जन अस्थाई आइसोलेशन केंद्रों पर बिस्कुट आदि सामग्री का भी वितरण किया जा रहा है। श्री वर्मा ने बताया कि संस्था में 52 सदस्य हैं। जिनमे से कोरोना आपदा में सचिव अमित सोनी सहित संतोष गुप्ता, नवनीत सोनी, गोपाल कसेरा, दीपक मिश्रा, राजकुमार सिंह, धीरज सोनी आदि समिति के सदस्य नियमित रूप से बेसहारा परिवारों की खोज व राशन सामग्री पंहुचाने का कार्य कर रहे हैं।

24 सितंबर 2013 से सेवारत है संस्था, इन कार्यों में रहा योगदान:

- मतदाता जागरूकता अभियान में लोक सभा चुनाव 2014, विधानसभा चुनाव 2017 व लोकसभा चुनाव 2019 सक्रियता के साथ जिम्मेदारी का निर्वहन।
- स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर क्षय व अन्य गंभीर रोगियों की पहचान कर उपचारित कराना।
- अग्निकांड में प्रभावित परिवारों को भोजन, राशन व वस्त्र आदि उपलब्ध कराया जाना।
- बाढ़ की स्थिति में प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावितों को भोजन व राशन सामग्री आदि उपलब्ध कराना।
- आकस्मिक घटनाओं में प्रभावित होने वाले परिवारों को सहायता करना।
- समाज मे अग्रणी भूमिका निभाने वाली विभूतियों का सार्वजनिक मंचो पर सम्मान कर अन्य लोगों को प्रेरित करें।

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 14 अप्रैल, 2020

डीआईजी ने लिया भारत नेपाल सीमा का जायजा

संवाददाता। गोंडा

पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र डा0 राकेश सिंह द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रसार की रोकथाम हेतु लागू लॉक डाउन नियमों का प्रभावी रूप से पालन कराने के उद्देश्य से भारत–नेपाल सीमा पर जनपद श्रावस्ती स्थित सीमा सुरक्षा बल की 62वी0 वाहिनी सोन पथरी क्षेत्र का भ्रमण कर सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा 62वीं वाहिनी के कम्पनी कमाण्डर केशव कृष्ण के साथ बैठक कर सीमा पर कडी निगरानी करने तथा कैम्प के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को कोरोना वायरस से बचाव के उपायों को अपनाते हुये डयूटी करने का निर्देशत दिया। इस मौके पर डीआईजी ने सीमा से सटे गावों परखावली, सुहेलवा, बालूगांव आदि का भमण कर ग्रामवासियों को मास्क वितरित कर लाकडाउन नियमों का पालन करने, सोशल डिस्टैन्सिंग नियमों एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के सम्बन्ध में जारी किये गये दिशा–निर्देशों को अपनाते हुये स्वयं तथा अपने परिवारिजनों को स्वस्थ्य रखने की अपील भी किया। इसके साथ ही उन्होंने थाना प्रभारियों को अपने–अपने थाना क्षेत्र के जरुरतमदों को भोजन, राशन सामग्री, दवा आदि उपलब्ध कराने हेतु भी निर्देशित किया।

सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ भारत-नेपाल सीमा चौकी का जायजा लेते डीआईजी डॉ0 राकेश

विवेचक पर लगाया लीपापोती का आरोप

संवाददाता। करनैलगंज-गोंडा

गत दिनों गांव के दबंगों द्वारा देसी शराब की दुकान में आग लगा देने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया। मगर अभियुक्तों की गिरफ्तारी न होने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मामले के विवेचक पर लीपापोती करने का आरोप लगाया है। कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम रेवारी में 19 मार्च की रात को गांव के कुछ दबंगों द्वारा देसी शराब की दुकान में आग लगा दिया गया था। जिसकी रिपोर्ट पुलिस ने चार लोग चार लोगों के विरुद्ध दर्द की थी। जिसमें रेवारी व आसपास के लोगों में प्रताप, महेश्वर सिंह, शिवरतन एवं विकास के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत हुआ था। शराब दुकान के मालिक राम कुमार द्वारा पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कहा गया है कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया मगर अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के बजाय एक अभियुक्त को दूसरे मामले में जेल भेजा गया। बाकी अभियुक्तों को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। जिससे उसे लगातार धमकियां मिल रही है। उसने विवेचना किसी अन्य दरोगा से कराने की मांग की है। उधर विवेचक बृजेश गुप्ता बताते हैं कि अभी मामले की विवेचना ही चल रही है। लॉक डाउन के चलते विवेचना में थोड़ा विलंब हो रहा है। शीघ्र ही कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली केके राणा कहते हैं कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद विवेचना हलका इंचार्ज से कराई जा रही है जो भी विवेचना होगी यथार्थ व सत्य होगी।

कोरोना वायरसः महिला मुफ्त बांट रही मास्क

करनैलगंज-गोंडा। तहसील क्षेत्र की एक गरीब महिला ने अपने ही घर में अपनी बहू व भतीजी को साथ में लगाकर मास्क बनाने का काम शुरू किया है और मास्क बनाने के साथ-साथ वह महिला बाजार में घूम घूम कर बिना मास्क लगाए लोगों को फ्री में मास्क का वितरण कर रही है। नगर के सकरौरा निवासी महिला मालबेना गुप्ता का कहना है कि वह घर में कपड़ों की सिलाई करके अपनी जीविका चलाते चलाती है। कोरोना वायरस के दौर में उसका काम धंधा ठप हो गया तो अपने घर में ही उसने भतीजी श्रद्धा व बहू निशा गुप्ता के साथ मास्क बनाने का काम शुरू किया और मास्क को सिलवा कर खुद पूरे बाजार में और अस्पताल व बैंकों के सामने लगी भीड़ को मुफ्त में मास्क वितरित कर रही है। लोगों में महिला की दरियादिली की प्रशंसा हो रही है। दूसरी तरफ मालबेना का कहना है कि उसके खाते में मोदी सरकार द्वारा 500 रुपये भेजा गया है। जिसको वह पुनः सरकार को वापस करेगी। जिससे कोरोना की लड़ाई में उसका भी अंश शामिल हो।

बांटे मास्क व सैनीटाइजर

करनैलगंज-गोंडा। क्षेत्र के जनस्वास्थ्य रक्षकों ने दो गांव में ग्रामीणों को मास्क व सैनीटाइजर का वितरण मुफ्त में किया है। ग्राम पारा व अहिरवारापुर में जन स्वास्थ्य रक्षकों में शामिल देवेंद्र शर्मा, उदय भान सिंह, मोहम्मद उमर, लालजी दुबे, नानक शरण सोनी, महेंद्र कुमार शर्मा, शिव कुमार गुप्ता आदि ने सैनीटाइजर और मास्क का मुफ्त में ग्रामीणों को वितरण किया और कोरोना से बचने का सुझाव दिया।

क्विक न्यूज

दुर्घटना में सिपाही घायल

गोंडा। करनैलगंज-गोंडा मार्ग पर कोंधा कासिमपुर के पास एक सिपाही उस समय घायल हो गया। जब वह अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से अपने घर उतरौला जा रहा था। बताया जाता है कि जरवल रोड थाने में 112 पीआरवी में तैनात सिपाही फिरोज बुलेट मोटर साइकिल से उतरौला के लिये निकले थे। जैसे ही वह कोंधा कासिमपुर के पास पहुंचे ही थे कि उनकी बाइक ट्रैक्टर ट्राली से जा टकराई। जिससे सिपाही का पैर टूट गया और सर में गंभीर चोटें आई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पीआरवी 0857 पर तैनात कर्मचारी एसआई इंद्र बहादुर सिंह व चालक सत्य प्रकाश तिवारी ने थाने की सेकेंड मोबाइल वाहन से घायल सिपाही को जिला अस्पताल के लिये रवाना कर दिया। सिपाही की हालत नाजुक बताई जा रही है। कोतवाल केके राणा ने बताया कि सिपाही को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। ट्रैक्टर ट्राली की तलाश कराई जा है।

दुकानों में लगी आग, हजारों का सामान जलकर नष्ट

रामसनेहीघाट। बाराबंकी अज्ञात कारणों से असंद्रा बाजार में आग लगने से दो दुकानें जलकर राख हो गई इस बीच आग लगने की घटना से अफरा तफरी का माहौल व्याप्त हो गया आग से हजारों की क्षति का अनुमान है। थाना क्षेत्र के मिर्दिया गांव का निवासी बलराम साहू असंद्रा बाजार में गुमटी में दुकान खोलकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था स इधर वैश्विक महामारी कोरोना के चलते लाक डाउन होने के बाद उसकी दुकान बंद चल रही थी स आज सुबह अज्ञात कारणों से उसकी दुकान में आग लग गई स जानकारी होने पर जब तक आग पर काबू पाया जाता आग ने पड़ोस में रखी मुन्ना लाल की गुमटी को भी अपने आगोश में ले लिया है।

अर्ध विक्षिप्त महिला का शव बरामद

मसौली बाराबंकी। अयोध्या लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सागर स्कूल के गेट के सामने एक 40 वर्षीय अविक्षिप्त महिला का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार की प्रातः राजमार्ग से गुजरने वाले लोगों ने सागर स्कूल के निकट प? महिला के शव को देखकर मसौली पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुँचे प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप रावत ने मौका मुआयना कर उच्च अधिकारियों को सूचना दी। अपर पुलिस अधीक्षक आरएस गौतमए क्षेत्राधिकारी रामनगर ने मौके पर जाँच की। मृतका का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और रोड पर घुमा करती थी। मृतका के शव के पास एक बोरी पड़ी थी जिसमे पुराने कपड़े आदि भरे हुए थे। पुलिस ने शव का पँचनांमा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पिपरमेंट की खेती पर पड़ रहा है लॉक डाउन का असर

बाराबंकी। लाकडाउन के दौरान मेन्था आयल की खरीद फरोख्त बन्द होने से पिपरमिन्ट रोपाई एव सिंचाई प्रभावित हो रही है। मेन्था किसान समिति के अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से सोशल डिस्टेंस बनाते हुए मेन्था आयल की खरीद शुरू कराने की मांग की है। विदित हो कि बाराबंकी जिला पिपरमिन्ट खेती के लिए जाना जाता हैं तथा मेन्था आयल की प्रमुख मण्डी है। जिले में लगभग 80 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि पर मेन्था की खेती की जाती है। वर्तमान समय में मेंथा की रोपाई एव सिंचाई का क्रम चल रहा है जिसमे किसानों को पैसे की आवश्यकता है परन्तु घरो में मेन्था आयल तो रखा है परन्तु लॉक डाउन के कारण दुकाने बन्द है जिससे किसान मेन्था आयल नही बेच पा रहे है। मेन्था किसान समिति के अध्यक्ष डॉ0 राजेश वर्मा ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मेन्था आयल की दुकानें सोशल डिस्टेंस को ध्यान में रखते हुए खुलवाने की मांग की है।

गोलीकांड में घायल की इलाज के दौरान मौत

सुल्तानपुर। रविवार को पुरानी रंजिश में युवक को गोली मारने का मामला। घायल युवक विनोद यादव की इलाज के दौरान मौत। लखनऊ में चल रहा था इलाज। देहात कोतवाली क्षेत्र के सराय अचल गांव में कल हुई थी वादरात रविवार के दिन में 12.00 बजे थाना कोतवाली देहात अंतर्गत सराय चल में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिसमें विनोद यादव को 4 गोलियां लगी थी आनन.फानन में परिवारी जनों ने सुल्तानपुर जिला चिकित्सालय लाया वहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे केजीएमयू लखनऊ रेफर कर दिया जहां पर इलाज के दौरान सोमवार की सुबह युवक की मौत हो गई मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है इस मौत के पीछे पुरानी रंजिश बताया जा रहा है परिवारी जनों ने पांच के खिलाफनामजद मुकदमा दर्ज कराया है दो अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है शेष अभियुक्तों की तलाश जारी है

दलित युवती से दुष्कर्म का प्रयास, केस दर्ज

ऊंचाहार। विकास खंड रोहनिया कोतवाली सलोन के गांव रसूलपुर मे परिजनो के द्वारा खेत मे गेहूं काटने जाने पर दलित युवती के साथ गांव के ही एक दूसरे समुदाय के युवक ने दुराचार करने का प्रयाश किया विरोध करने पर मारपीट करते हुए धमकी व गालीगलौज करके फरार हो गया।पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।कोतवाली के गांव रसूलपुर मे दलित युवती अपने घर पर थी जिसके परिजन गांव के निकट गेहूं की फसल काटने हेतु गए हुए थे।जिस दौरान दलित युवती को अकेला पाकर उसी गांव का दूसरे समुदाय के युवक ने अपने हवस का शिकार बनाते हुए युवती को उसके ही घर पर बंधक बनाकर दुराचार का प्रयास किया जिस दौरान उसके कपड़े तक फाड़ डाला गया।विरोध करने पर आरोपित युवक के द्वारा उसके साथ मारपीट;गालीगलौज व जान से मारने की धमकी दिया गया।जिसकी लीखित शिकायत दलित पीड़िता ने कोतवाली मे किया।जिसमे कोतवाली निरीक्षक ब्रजमोहन ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए युवती की तहरीर पर आरोपित युवक मो अकरम पुत्र लाल मोहम्मद निवासी रसूलपुर के खिलाफमुकदमा दर्ज किया है।कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने के बाद अरोपित युवक की तलाश जारी है।

आग में झुलसी महिला की मौत

मुसाफिरखाना अमेठी । शनिवार की रात में क्षेत्र के सरैया गॉव में अज्ञात कारणों से छप्पर में लगी आग में झुलसी महिला सुमन पत्नी सीताराम की इलाज के दौरान मौत हो गई।जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। शनिवार की रात सरैया निवासी सीताराम के छप्पर में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग जाने से घर में मौजूद सीता राम की पत्नी सुमन देवी आग की चपेट में आने से गम्भीर रूप से झुलस गयी एवं घर की गृहस्थी जलकर खाक हो गयी सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड एवं ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया एवं झुलसी महिला को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया ।चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।जहाँ बीती रात इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसकी सूचना मिलते ही परिवारीजनों में कोहराम मच गया।

लॉकडाउन का उलंघन करने वाले पांच गिरफ्तार

जगदीशपुर अमेठी । थानाक्षेत्र जगदीशपुर में अलग अलग स्थानों पर लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर पुलिस ने पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है । कोरोना वायरस के दृष्टिगत लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर उपनिरीक्षक महेन्द्र सरोज हमराही अनिरुद्ध यादव द्वारा लॉकडाउन का उल्लंघन कर भीड़ लगाने की सूचना पर शिवम वैश्य पुत्र स्व0 जयप्रकाश एबलकरन यादव पुत्र शिवजीवन ए अवधेश पुत्र देवी प्रसाद एसतीश पुत्र राम नेवाज ए मो0 अकरम पुत्र मो0 इस्लाम को गिरफ्तार किया गया ।इस सम्बन्ध में कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पांचों अभियुक्तों के खिलाफ188 के तहत कार्यवाही की गई है ।

जरूरतमंदों को मास्क उपलब्ध करा रहा समाजसेवी परिवार

संवाददाता। गौरीगंज अमेठी

कोरोना वायरस से फैल रही महामारी की विभीषिका से बचने एवं बचाने के लिए एक तरफजहां सरकार शासन.प्रशासन युद्ध स्तर पर लगे हुए हैं वहीं दूसरी तरफ तमाम समाजसेवी संस्थाओं के साथ आम जनमानस भी अपने अपने स्तर से सहयोग करने में जुटा हुआ है इसी तरह अमेठी में एक परिवार ऐसा भी है जो लॉक डाउन उनके दिन से ही तीन चार लोग आपस में सहयोग करके कपड़े का मास्क बनाकर लोगों को निशुल्क वितरण कर आम जनमानस सहित पूरे समाज एवं देश को सुरक्षित करने का संकल्प ले रखा है। जनपद मुख्यालय गौरीगंज में निवास करने वाला शशिकांत तिवारी का परिवार जो पेशे से व्यवसाई हैं। जब प्रधानमंत्री द्वारा देश में लॉक डाउन घोषित कर दिया जिसके चलते अचानक बाजार में मास्क और सैनिटाइजर की कमी हो गई हाहाकार मच गया तब इन लोगों ने सर्वप्रथम खुद को सुरक्षित रखते हुए घर में रहकर समाज एवं देश को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया और इसी को दृष्टिगत रखते हुए अपने मित्र प्रमोद अग्रवाल एवं तनुज अग्रवाल के सहयोग से दिन भर घर में बैठे.बैठे मोटे कपड़े से अच्छी क्वालिटी का मास्क तैयार कर लोगों गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को निशुल्क प्रदान कर रहे हैं। गौरीगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी अर्पित कुमार ने भी अपने पुलिसकर्मियों के लिए यहां से मास्क लिया है। समाजसेवी शशिकांत तिवारी जी से बात की तो उन्होंने बताया कि हम प्रतिदिन 20 से 25 मास्क बना लेते हैं और जो जरूरतमंद लोग हैं उनको निशुल्क उपलब्ध कराते हैं।

सदर विधायक अदिति सिंह का यही प्रयास,कहीं कोई गरीब न रहे भूखा

रायबरेली। सदर विधायक अदिति सिंह कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान लाकडाउन के चलते सदर विधायक अदिति सिंह का लगातार 13वा दिन यही प्रेयास कोई गरीब भूखा ना रहे आज रायपुर ,,,किशुनपुर,,,हरिजन जन बस्ती में खाना बितरण हुवाकोई भी गरीब बिना भोजन किए भूखा न सोए। इसके लिए सदर विधायक के निजी खर्च व देखरेख में पिछले दस दिनों से क्षेत्र में जनता रसोईयां चलाई जा रही हैं। गरीबों के लिए भोजन तैयार कर रिक्शे व अन्य संसाधनों के द्वारा गरीब बस्तियों में घर–घर तक भोजन पहुंचाने का काम किया जा रहा है। राहत सामग्री के रूप में अपने विधायक द्वारा उपलब्ध कराए गए लंच पैकेट पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। सदर विधायक द्वारा मानवीय सेवा के लिए तत्पर रहते हुए इस महान कार्य के लिए समूचे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

माइक्रो एटीएम के माध्यम से अब घर बैठे ही मिलेगा भुगतान और जमा करने की सुविधा भी

अमेठी । कोरोना महामारी के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने हेतु लाकडाउन के दौरान डाक विभाग द्वारा संचालित माइक्रो एटीएम के माध्यम से जनपद में स्थित समस्त ग्राम पंचायतों में लाभार्थियों को गांव में ही उनके घर पर नगद भुगतान एवं जमा करने की सुविधा दी जा रही है। इससे लोगों को बैंक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा वर्तमान में सरकार द्वारा जारी सहायता राशि लाभार्थियों को घर बैठे प्राप्त हो जाएगी । जिसके क्रम में जिलाधिकारी श्री अरुण कुमार व पुलिस अधीक्षक डॉ ख्याति गर्ग ने तहसील अमेठी स्थित ग्राम मंगलपुर में उक्त व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना का लाभ प्रत्येक ग्राम पंचायत में दिया जाए, तथा लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित व्यक्तियों को तत्काल इसकी सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण के लिए ग्राम और मोहल्लावार गठित की गयीं वैरियर्स टीमें

संवाददाता। बहराइच

शासन द्वारा कोविड.19 महामारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कोरोना वैरियर्स की टीमें गठित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। जनपद की समस्त 1054 ग्राम पंचायतों व 79 वार्डों के लिए जिलाधिकारी शम्भु कुमार द्वारा टीमें गठित कर दी गयीं हैं। जनपद के लिए गठित टीमें सामान्य जनता को जागरूक करते हुए विशेष रूप से सोशल डिस्टेंसिन्गए साफसफाईए स्वच्छताए सेनेटाइज आदि के बारे में जागरूक करेंगी। जिले के लिए ग्रामवार मोहल्लावार वार्डवार सूची सम्बन्धित थानों में रखी जायेगी तथा थानों पर इनका रजिस्टर भी मेनटेन किया जायेगा। जिले में ग्राम पंचायत मोहल्लावार व वार्डवार नामित किये गये कर्मचारियों में ग्राम पंचायत सचिव सफाई कर्मी नेहरू युवा केन्द्र राष्ट्रीय सेवा योजना व ऑगनबाड़ी कायकत्रियों की ड्यूटी लगायी गयी है। नामित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अपनी नामित ग्राम पंचायतोंध्वार्डोंध्मोहल्लों में सामान्य जनता को कोरोना वायरस की महामारी से निपटने हेतु जागरूक करते हुए विशेषकर सोशल डिस्टेंसिंग साफ सफाई स्वच्छता सेनेटाइज आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को यह भी निर्देश दिया है कि नामित ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों का सहयोग उस केन्द्र पर तैनात ऑगनबाड़ी सहायिकाओं द्वारा प्रदान किया जायेगा। साथ ही ग्राम पंचायत में तैनात आशा बहू लेखपाल व ग्राम पंचायत सचिव भी अपनी ग्राम पंचायतों में सामान्य जनता को कोरोना वायरस की महामारी से निपटने हेतु अपने कार्यों के साथ.साथ सोशल डिस्टेंसिंग साफसफाईए स्वच्छता सेनेटाइज आदि के बारे में जागरूक करेंगे।जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस कार्य में पुलिस विभाग स्वास्थ्य विभागए आपूर्ति विभाग युवा कल्याण विभागए सैनिक कल्याण विभाग बाल विकास विभाग के साथ–साथ ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान व नगरीय क्षेत्रों के सभासदगण द्वारा भी नामित सदस्यों का पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा।

कोषागार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के पीड़ित सहायता कोष में भेजी धनराशि

बहराइच। कोविड.19 को विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा महामारी घोषित किये जाने के सन्दर्भ में उत्पन्न विषम परिस्थितियों में पीड़ित व्यक्तियों की सहायता करने एवं राहत प्रदान करने के लिए कोषागार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा एक दिन के मूलवेतन की धनराशि रू 42000 मुख्यमंत्री के पीड़ित सहायता कोष में भेजी गयी है। यह जानकारी वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति ने दी है।

बालू लाद कर ले जा रही तीन ट्रैक्टर-ट्राली सीज

संवाददाता। बाराबंकी

लॉक डाउन का फायदा उठाकर खनन माफिया सक्रिय है इस बात की पोल तब खुल गई जब सूचना पर पहुंची मोहम्मदपुर खाला पुलिस ने बालू लाद कर ले जा रही 3 ट्रैक्टर ट्राली को हिरासत में लेकर सीज कर दिया जिससे खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है । पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जनपद में अवैध बालू खनन करने वालों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक ;उत्तरीद्ध के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी फतेहपुर के पर्यवेक्षण में आज मोहम्मदपुर खाला मनोज कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 राजकिशोर दुबे व उ0नि0 ज्ञानेन्द्र प्रताप मय थाना मो0पुर खाला टीम को पुलिस कंट्रोल रुम नं0 112 के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम हेतमापुर के पास 1ण् चालक जितेन्द्र सिंह पुत्र अजेन्द्र सिंह निवासी एण्डौरा थाना मो0पुर खाला तथा चालक चन्द्रेश पुत्र पंचम निवासी मौसण्डा एवं चालक रेवती रमन पुत्र रंगीलाल निवासी एण्डौरा थाना मो0पुर खाला बाराबंकी द्वारा अवैध रूप से बालू का खनन करके ट्रैक्टर ट्राली में लादकर ले जाया जा रहा है। उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए ग्राम हेतमापुर से ट्रैक्टर आयसर नं0 यूपी 41 वाई 1152 ट्रैक्टर ट्राली आयसर बिना नम्बर तथा ट्रैक्टर ट्राली आयसर बिना नम्बर को पकड़कर अवैध बालू का खनन कर ले जा रहे टैक्ट्रर ट्राली को रुकवाया गया व उक्त वाहनों का प्रयोग किये जाने की अनुमति प्रपत्र व वाहन के कागजात मौके पर मांगे गये तो वाहन चालकों द्वारा किसी भी प्रकार का कोई वैध प्रपत्र नहीं दिखाया जा सका। जिससे तीनों टैक्ट्रर मय ट्राली को धारा 3५5५181 146५196 122५177 207 एमवी एक्ट में सीज कर पुलिस अभिरक्षा में लाकर थाना परिसर में खड़ा कराया गया।

आगा खॉन फाउण्डेशन ने डीएम को भेंट की सामग्री

बहराइच। कोविड-19 को विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा महामारी घोषित किये जाने के सन्दर्भ में उत्पन्न विषम परिस्थितियों में पीड़ित व्यक्तियों की सहायता करने एवं राहत प्रदान करने के लिए जिलाधिकारी राहत कोष में अंशदान करने की जिलाधिकारी शम्भु कुमार की अपील पर जनपद की संस्थाएं जनप्रतिनिधि व्यापारी अधिकारी व शिक्षण संस्थाएं एवं सक्षम लोग आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्ट्रेट में आगा खॉन फाउण्डेशन की ओर से स्टेट प्रोग्राम मैनेजर सुधीर चिलारेगा ने जिलाधिकारी शम्भु कुमार को 1100 अदद मल्टीलेयर फेस मास्क 1125 अदद 200 मिली हैण्ड सेनेटाइजर 1000 अदद सर्जिकल ग्लव्स तथा 50 अदद सर्जिकल मास्क भेंट किया। जबकि शहर व्यापारी शकील मेकरानी ने पॉच.पॉच किलोग्राम के 200 पैकेट चावल भेंट किया। खाद्यान्न तथा सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द चौहान अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय नगर मजिस्ट्रेट जय प्रकाश परियोजना निदेशक डीआरडी अनिल कुमार सिंह अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहराइच पवन कुमार पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बहराइच तेजे खॉ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न होने पर बैंक प्रबंधक को डीएम की फटकार

संवाददाता। सुलतानपुर

कोविड 19 वैश्विक महामारी के संक्रमण के फैलाव को रोकने हेतु जनपद सुलतानपुर समेत सम्पूर्ण भारत देश में लॉक डाउन चल रहा है। जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती द्वारा आज नगर क्षेत्र में लॉक डाउन व बैंकों आदि पर सोशल डिस्टेसिंग का निरीक्षणध्जायजा लेने बस स्टेशन पहुंची और बाइक व चार पहिया वाहनों से आने.जाने वालों की सघन चेकिंग शुरू कर दी। चेकिंग के दौरान उन्होंने सभी से रोड पर निकलने का कारण पूंछा और अपील की कि अनावश्यक रूप से अपने घर के बाहर कदापि न निकलेंए अपने घर पर रहें तथा सुरक्षित रहें। जिलाधिकारी ने वाहन चेकिंग के पश्चात बस के सामने इलाहाबाद बैंक मुख्य शाखा पहुंची जहां काफी भीड़ थी। उन्होंने बैंक मैनेजर एनके वर्मा को कड़ी चेतावनी दी और बैंक में भीड़ एकत्र होने कारण पूंछा तथा सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन न कराये जाने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। डीएम के बैंक निरीक्षण के दौरान बैंक में सर्वाधिक महिलाएं नजर आयी उनसे उन्होंने कहा कि अपने घर रहें भोजन पानी इत्यादि की व्यवस्था दी जा रही है। अनावश्यक रूप से बैंकों पर भीड़ कदापि न लगायें। उन्होंने यह भी कहा कि अपने घर में रहें और सुरक्षित रहें। इसके पश्चात जिलाधिकारी विजया बैंक मुख्य शाखा पहुंचीं जहां भीड़ नहीं मिली और बैंक का लेन देन सामान्यत: ठीक पाये जाने पर संतोष व्यक्त किया। इस बैंक में एक महिला मिली जिनसे उन्होंने कहा कि जिन्दगी रहेगीए तो पैसा मिलेगा। आप अपने घर जायें। निरीक्षण के दौरान डीएम ने एसडीएम सदर व सीओ सिटी को चेतावनी दी कि सड़क पर सभी वाहनों का सघन चेकिंग करें और अनावश्यक रूप से घूमने वालों के वाहनों का नियमानुसार चालान करें। सुल्तानपुर जनपद में दो जगहों पर सैकड़ों लोगों की जांच के बाद उन्हें सोमवार को घर भेजा गया ।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद की प्रशंसा

रायबरेली। जिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ एन .के श्रीवास्तव की व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीमित संज्ञान में जिस तरह प्लीज सुरक्षित व्यवस्थाएं उन्होंने दी वह स्वागत योग्य है बिसेन ने बताया कि जब राष्ट्र इस समस्या से ऊपर जाएगा तो जनसत्ता दल लोकतांत्रिक इन सभी अधिकारियों का नागरिक अभिनंदन करेगा।कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण लाकडाउन से उत्पन्न हुई भयावह स्थिति से उत्पन्न हुई दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद रायबरेली द्वारा अशोक कुमार, राम करन, जय करन, सपना, रानी, राम सजीवन आदि निवासी सोनिया नगर रायबरेली की संरक्षिका सोनिया रस्तोगी संरक्षक डॉक्टर शिव शरण लाल वैश्य प्रदेश उपाध्यक्ष, इंजीनियर विजय रस्तोगी आर. बी . वैश्य व जिला महामंत्री आलोक गुप्ता अधिवक्ता द्वारा दिया गया। साथ रहे जिला अध्यक्ष राज कुमार गुप्ता अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि प्रत्येक दिन उपरोक्त समान का वितरण परिषद द्वारा जरूरतमंदों को किया जाएगा।

हजारों जरूरतमंदों के भोजन पर अब लग सकता है ग्रहण

संवाददाता। बाराबंकी

प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन न करना एक स्वयंसेवी संस्था पर भारी पड़ रहा है सूची से नाम हटा दिए जाने से हजारों जरूरतमंदों के पका पकाया भोजन पर ग्रहण लग सकता है संस्था के लोगों ने ही इस बात के संकेत दिए हैं

विदित हो कि बाबा केदारनाथ सेवा समिति राजकीय इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में भोजनालय स्थापित कर प्रतिदिन हजारों जरूरतमंदों को पका पकाया भोजन लंच पैकेट के रूप में पहुंचा रहा है लेकिन खाने पर तब ग्रहण लगता नजर आ रहा है जब प्रशासन ने अपनी सूची से इस स्वयंसेवी संस्था का नाम हटा दिया है तब समिति के लोगों में असंतोष व्याप्त हो गया है केदारनाथ सेवा समिति के उपाध्यक्ष डॉ वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि वह अपने कार्यकर्ताओं के साथ लाक डाउन की घोषणा के बाद से ही जरूरतमंदों की सेवा भाव में लगे हैं साथ ही प्रशासन के निर्देशों का पालन भी किया जा रहा है प्रतिदिन लंच पैकेट मुहैया कराया जाने के बावजूद कम्यूनिटी किचन सेंटर के माध्यम से भोजन वितरण का समित पर दबाव बनाया जा रहा है हद तो तब हो गई है जब प्रशासन ने अपनी सूची से नाम भी हटा दिया तब समिति के लोगों में असंतोष व्याप्त है उन्होंने बताया कि यदि प्रशासन का इसी तरह रवैया रहा तो हम लोग सेवा भाव से भी दूर हो सकते है जिसका जिम्मेदार सीधे तौर पर प्रशासन होगा ऐसे में जहां हजारों जरूरतमंदों के पका पकाया भोजन पर ग्रहण लगने की संभावना प्रबल हो गई है वहीं प्रशासन की हठधर्मिता की पोल भी परत दर परत खुलती जा रही है इस बीच सोमवार को सांसद उपेंद्र सिंह रावत भी रसोई स्थल पहुंचे और सेवा समिति के सेवा भाव को देखकर कार्यकर्ताओं की सराहना की है इस अवसर पर समाजसेवी नवीन सिंह राठौर जितेंद्र वर्मा संस्था जिला उपाध्यक्ष डॉ वीरेंद्र वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

जिपं अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री केयर्स फंड में दिए 25 लाख

रायबरेली। कोरोना वायरस की महामारी से निपटने के लिए चिकित्सा तंत्र को और मजबूत करने के मकसद से बनाए गए उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री केयर फंड में आर्थिक योगदान देने का सिलसिला शुरू है। सोमवार को जिलापंचायत अध्यक्ष अवधेश सिंह ने जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना के माध्यम से इस फंड में 25 लाख रुपये दिए।जिपं अध्यक्ष अवधेश सिंह ने कहा कि उनका परिवार कोरोना महामारी के संकट के दौरान जनपद के निर्धन व असहाय लोगों की मदद हेतु निरूस्वार्थ तत्पर है और इसी क्रम में उनके द्वारा मुख्यमंत्री केयर फंड में 25 लाख रूपये की सहायता धनराशि प्रेषित की जा रही है,जिपं अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार कोरोना से बचाव की दिशा में जो भी कदम उठा रही है, वो अत्यंत सराहनीय है श्री सिंह ने लोगों से अपील भी की है कि लॉक डाउन के दौरान जनपद के सभी नागरिक इस महामारी से बचाव हेतु चिकित्सा विभाग द्वारा बताई गई सावधानी का एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें ताकि सभी नागरिक स्वस्थ्य एवं सुरक्षित रह